



श्रीः ।

हिंदीभाषार्थसहित

संस्कृतधातुकोश ।

जिमको

काळेइत्युपाह काशोनाथात्मजगणेशशर्माने
मंस्कृत विद्यार्थियोंके लिये बनाया.

उमीको

गङ्गाविष्णु श्रीकृष्णदासने

निज "लक्ष्मीविकटेश्वर" छापेखानेमें
छात्रकर प्रसिद्ध किया ।

संवत् १९६३, शके २०२०.

कल्याण-मुंबई.

एतद् पुस्तकम् सन् १८७० ईश्वर २५ के अनुसार लिखितो
एतेषु हर एतद् पुस्तकेन गेने शर्माने लिखिते.

प्रस्तावना ।

संस्कृतभाषामें सर्वानुमतसे लगभग २५०० धातु हैं, किंतु कोई २ 'प्रादिशतगुणा धातवः' याने प्रादि उपसर्ग २२ इनसे शतगुण २२०० धातु हैं ऐसा कहते हैं और कोई २ इसीका अर्थ यों करते हैं प्रादि उपसर्गोंके द्वारा धातु शतगुण होते हैं. फिरभी भिन्न २ स्थलमें होनेके कारण 'धातुर्विध्यं च धातूनां पाठसूत्रजनागमैः ।' धातु चार प्रकारके माने गये हैं । १ धातुपाठपठित जो कि धातुपाठमें कहे हैं, भवति पचति आदि । २ सूत्र जो कि धातुपाठमें नहीं कहे हैं किंतु कहीं २ सूत्रोंमें दिखाई देते हैं, स्तभ्नोति स्कभ्नोति आदि । ३ लौकिक जो कि महाकवियोंने अपने काव्योंमें उपयुक्त किये हैं, प्रेखोलयति आदोलयति आदि । ४ वैदिक जो कि वेदमें उपयुक्त हुए हैं, चिकेति आदि । प्रायः इन सब धातुओंका संग्रह पाणिनिने अपने ग्रथमें किया है.

औरभी वैयाकरणोंका ऐसा मत है कि सब संस्कृत शब्दोंके दोही भेद हैं एक सुबत (नाम, सर्वनाम, विशेषण और अव्यय) और तिङन्त, और ये सब शब्द धातुसेही उत्पन्न हुए हैं और ये सब धातु दो प्रकारके माने हैं मूल धातु भू आदि और धातुसाधित धातु गोपाय आदि, जो कि मूल धातुके अंतमें आय आदि प्रत्यय लगनेसे होते हैं, औरभी एक प्रकारके धातुसाधित धातु है जो सुबंत नामके अंतमें काम्यच् आदि प्रत्यय लगनेसे बनते हैं जैसे पुत्रकाम्यति-पुत्रको-चाहता है, कृष्णाति-कृष्णकेसा आचरण करता है.

२५०० धातुओंमेंसे जिनका प्रचार बहुत है ऐसे धातुओंकी सख्या बहुतही कम है तौभी संस्कृत सीखनेवाले विद्यार्थियोंको इन सब धातुओंका अर्थ जानना चाहिये, क्योंकि संस्कृत सब शब्द इन्हीं धातुओंसे उत्पन्न हुए हैं, धातुपाठमें तथा सिद्धांतकौमुदी आदि ग्रथोंमें ये सब धातु कहे हैं और उनका अर्थभी वहाँपर कहा है परंतु बहुतही सक्षिप्त और संस्कृत शब्दसेही कहा है इससे हिंदीभाषा जाननेवाले विद्यार्थियोंकी समझमें झट नहीं आता है, इसलिये मैंने यह अकाराद्यनुक्रमसे भाषार्थसहित संस्कृत धातुकोश बनाया है.

इस कोशमें सब सस्कृत धातुओंका अर्थ सरल हिदीभाषामें लिखा है प्रत्येक धातुके आगे गणबोधक अक, पदबोधक अक्षर तथा वर्तमानकालिक तृतीय पुरुषका एकवचनी रूप लिखके उसके आगे आजकल उस धातुके जितने अर्थ प्रसिद्ध हैं वे सब लिखे हैं जिन धातुओंके अर्थ उपसर्ग जोड़नेसे भिन्न २ होते हैं उनको वैसेही उपसर्गसहित लिखके उनके सब भिन्न २ अर्थ लिखे हैं आखिर परिशिष्टमें धातुरूपावलि दी है जिसमें इक्कीस धातुओंके दशां लकारोंके रूप लिखे हैं और थोड़ेसे उपयुक्त प्रथमगणस्य तथा द्वितीयगणस्य धातुओंकेभी दशां लकारोंके प्रथम पुरुषके एकवचनी रूप लिखे हैं, तथा कर्मणि जैसे दा धातुका दीयते-दिया जाता है, णिच् जैसे दा धातुका दापयति-दिलाता है, सन्नत जैसे दा धातुका दिरसति-देनेको चाहता है और यडत और यङ्लुगत जैसे दा धातुका देदीयते, दादेति-बारवार देता है, येभी रूप लिखे हैं उपयुक्त सब धातुओंके ऐसेही रूप देनेका विचार था परंतु ग्रथ बढ जानेके सबब वैसे नहीं किया गया इस कोशमें प०-परस्मैपदी, आ०-आत्मनेपदी, उ०-उभयपदी, प्र०-प्रयोजक, सौ०-सौत्र वे०-वैदिक इस प्रकार पूर्ण शब्दके लिये एक २ अक्षर उपयुक्त किया है। जिन धातुओंके आदिमें प और ण है ऐसे धातु सकारादि तथा नकारादि लिखे हैं और धातुओंके अनुबधभी नहीं लिखे हे क्योंकि इस पुस्तकमें इनका कुछ प्रयोजन नहीं है, इनका विशेष प्रयोजन कौमुदी सीखनवालोंको है अस्तु, यदि इस पुस्तकसे विद्यार्थियोंको कुछभी लाभ होगा तो मैं अपना परिश्रम सफल समझूंगा

आखिरमें सब सज्जन लोगोंस मैं साविनय यही प्रार्थना करता हू कि इसमें कदा भ्रमवशसे गणमें पदमें, अर्थमें या उपसर्गोंके क्रममें गलती हो गई हो तो क्षमा करके मुझे उपकृत करें इति शम्

सज्जनकृपाभिलाषी-

काले इत्युपाह्व काशीनाथात्मज गणेशशर्मा.



अक्-अङ्

अङ्-अञ्

अ

अक् (१ प० अकति) १ जाना
 २ टेढा जाना
 अक्ष (१ प० अक्षति, ० प० अक्षो
 ति) १ इच्छितार्थ प्राप्त होना
 २ पठना, घुसना ३ सब जगह
 फैलना, व्यापना ४ चटुरना,
 एकत्र होना, जमा होना
 अग् (१ प० अगति) १ घूमना,
 टेढा जाना २ टेढे रास्तेसे जाना
 ३ जाना
 अगद (११ प० अगद्याति) १
 नारीरोग रहना
 अघ् (प्र०, १० प० अघयति) १
 पाप करना २ गुनाह करना,
 अपराध करना
 अङ् (१ आ० अकते) १ टेढा
 जाना २ चिह्न करना, निशान
 करना (१० उ० अकयति-ते)
 चिह्न करना, निशान करना
 २ गिनना ३ निदा करना, दाग
 लगाना ४ टहलना, अकडके
 चलना ५ गोदमें लेना

अह् (१० प० अहयाति) १ रंगना,
 हाथ पावसे चलना २ लटकना,
 रगा रहना ३ अटकाना
 अङ् (१ प० अगति) १ समीप
 जाना या आना २ चलना,
 टहलना (१० प० अगयाते)
 १ टहलना, चारों ओर जाना
 २ चिह्न करना, निशान करना
 पार-(पल्पगयाति) १ प्रवृत्त
 करना, जगाना, उकसाना
 विपारि-(विपल्पगयाति) १ छि
 पाना, ढापना
 अह् (१ आ० अघते) १ जाने
 लगना २ शूछ करना ३ जलदा
 जाना ४ जलदी करना ५
 धमकाना, घुटकना, दाग
 लगाना ६ जूआ आदि खेलना
 अच् (१ उ० अचति-ते) १ जाना,
 चलना २ आदर करना, मान
 करना ३ माँगना
 अञ् (१ प० अजाति) १ जाना.
 २ हाँकना, दीडाना ३ फेंकना

अञ्-अञ्ज	अट्-अट्
<p>अञ्च (१ उ० अञ्चति-ते) १ झुकाना, टेढा करना २ किसी ओर झुकना, जाना ३ पूजना, मान करना ४ सवारना, शोभित करना ५ मागना, चाहना ६ कुडगुडाना, अस्पष्ट बोलना अव-१ दाक्षणाकार आर जाना उट्-१ उत्तरका ओर जाना पर-१ साधा जाना २ वाजसे हो जाना प्र-१ पूर्वका ओर जाना प्रति-१ पार्श्वमका ओर जाना (१ प० अचति, प्र० १० उ० अचयति-त) १ प्रकट करना, -यूनाधिक देखना. (प्र० १० उ० अचयति-त) १ प्रकट करना, जाहिर करना अप-१ दूर करना, हटा देना आ-१ झुकाना उप १ निशालना (जल आदि) परि-१ घुमाना षव-१ फैलाना, विस्तृत करना सम्-१ एकत्र करना, बटोरना, जमा करना</p>	<p>६ सँवारना, सजाना अभि-१ अभ्यजन करना, तैलमर्दन करना वि-१ स्पष्ट करना २ उत्पन्न करना आधि-१ भरना, सँवारना आ-१ तैल मलना २ चिकना करना, चिकनाना ३ मान करना नि-१ तैल मलना २ छिपना प्रात-१ तैल मलना २ सँवारना, सजाना सम्-१ तैल मलना २ मान करना ३ भरना, ४ एत्र करना, जोड़ना ५ राना ६ सँवारना (प्र०, १० उ० अजयति-ते) १ बोलना, स्पष्ट करना</p>
<p>अञ्ज (७ प० अनक्ति, वचित् आ० अडक्ते) १ जाना २ साफ करना, स्वच्छ करना, ३ सराहना, गिर्यात करना ४ चमकना, प्रकाशित होना ५ तैल मर्दन करना, अभ्यजन करना</p>	<p>अट् (१ प० अटति कृचित् आ० अत्ते) १ घूमना, फिरना, पार-१ जाना, भट्कना</p>
	<p>अट्ट (१ आ० अट्टते) १ अधिक होना २ मार डालना ३ दुःख देना (१० प० अट्टयति) १ अनादर करना, अपमान करना २ सूक्ष्म हाना</p>
	<p>अट् (१ प० अठति) १ जाना</p>
	<p>अट् (१ प० अडति) १ उद्यम करना, प्रयत्न करना (५ प० अट्टोति) उपभोग करना, अन्न आदिनाग्न राना (वे०) १ फैलना, व्यापना</p>

अङ्-अन्	अन्-अर
अङ् (१ प० अङ्गति) १ जोटना, सयुक्त करना. २ वाक्यादिकों का प्रतिपादन करना ३ हल्ला करना, घेर लेना ४ प्रयत्न करना. ५ फर्याद करना	होना. ३ जाना. (प्र० आनयति) १ जिलाना.
अण् (१ प० अणाति) १ शब्द करना, आवाज करना (४ आ० अप्यते) १ जीते रहना, जीना, च्छासोच्छास करना. २ बलवान् होना प्र-१ जीना.	अन्त् (१ प० अन्तति) } अन्द् (१ प० अन्दति) } १ वांधना.
अण्ड् (१ अण्डते) १ जाना, चलना	अन्दोल (१० प० अन्दोलयति) झुलाना, हिलाना.
अत् (१ प० अतति) १ जाना २ सदैव जाते रहना (वे०) १ वाधना, २ पाना, हासिल करना	अन्ध् (१० उ० अन्धयति-ते) १ अधा होना, दिखाई न देना २ आँखें मूढ़ना
अद् (२ प० अत्ति) १ खाना, भक्षण करना. २ नष्ट करना (प्र० आदयति) १ खिलाना (इ० प० जियत्सति) १ खानेकी इच्छा करना अर्वा-१ तृप्त होना २ भँह बढ हो जाना. ३ खाना छोड देना. आ-१ खाना. प्र-१ खाना. सम्-१ खाना. वि-१ काटना, कुतर लेना, चवाना.	अभ्र् (१ प० अभ्रति) १ जाना.
अधरयति (नामधातु) १ कम करना, न्यून करना. २ जातना	अम् (१ प० अमति, वे० अभिति, अमीति) १ जाना २ शब्द करना, बोलना ३ सेवा करना ४ खाना (प्र०, १० उ० आम-यति-ते) १ धीमार होना, रोग-ग्रस्त होना. २ रोगयुक्त करना.
अन् (२ प० अनिति, ४ आ० अन्यते) १ जाना २ समर्थ	अम्ब् (१ प० अम्बति) १ जाना. (१ आ० अम्बने) १ शब्द करना २ जाना.
	अम्बर (११ प० अम्बरयति) १ एकत्र करना, बटोरना.
	अम्भ् (१ आ० अम्भते) १ शब्द करना.
	अय् (१ आ० अयते कश्चित् प० अयति) १ जाना प्र-(प्लायते) १ भाग जाना. परा-(परायने) १ भाग जाना
	अरर (११ प० अररयति) १ आरे

अर-अर्ज्	अर्थ-अल्
से काटना. २ यत्न करना.	दूर करना. अनु-१ जाने देना,
अरहायते (ना०) १ प्रसिद्ध	मुक्त करना. अन्वव-१ पीछेसे
होना, समझमे आना.	जाने देना २ हराना. अपि-१
अर्क (१० उ० अर्कयति-ते)	जोड़ना. अप्यति-१ जोड़ना,
१ प्रशंसा करना, स्तुति करना.	मिलाना. अव-१ जाने देना,
२ तपाना, गरम करना.	मुक्त करना. उद्-१ चलाना.
अर्घ (१ प० अर्घति) १ पीडा	(प्र०) १ सपादन करना.
देना, सताना. २ कीमत होना,	अर्थ (१० आ० अर्थयते क्वाचित्
मोल पडना, कीमती होना.	प० अर्थयति) १ मांगना, या-
(१० उ० अर्घयति-ते) १ की-	चना करना २ चाहना. प्र-१
मत होना, मोल पडना.	मागना. २ चाहना. ३ डूटना.
अर्च (१ उ० अर्चति-ते, १० उ०	४ पकडना, घेरना. ५ अर्ज
अर्चयति-ते) १ पूजा करना.	करना. ६ विवाहमें मांगना
२ सेवा करना ३ मान करना.	अर्द्ध (१ प० अर्द्धति) १ मांगना,
४ सँवारना. ५ प्रशंसा या	याचनाकरना. २ जाना (१ उ०
स्तुति करना (वे०) चमकना.	अर्द्धति-ते, १० उ० अर्द्धयति-ते)
प्रकाशित होना (इ० आँचिचि-	१ मार डालना, वधना. २ दुःख
पति) १ पूजनेकी इच्छा करना.	देना, सताना
अनु-१ जयजयकार करना या	अर्व (१ प० अर्वति) १ मार
मानना. प्र-१ पूजना. सम्-	डालना, वधना २ जाना.
१ पूजना. २ स्थिर करना, स-	अर्व (१ प० अर्वति) १ मार डाल
स्थापन करना	ना, वधना. २ दुःख देना, सताना.
अर्ज (१ प० अर्जति) १ सपादन	अर्ह (१ प० अर्हति १० उ०
करना, पाना. २ उठाना. (१०	अर्हयति-ते) १ पूजा करना,
उ० अर्जयति-ते) १ कमाना,	सत्कार करना. २ पूजनीय
पाना. २ तैयार करना. ३ उद्योग	होना, पूजा करने योग्य होना.
करना. ४ पदार्थको संस्कृत	३ योग्य होना वा करना.
करना. अति-१ जाने देना. २	अल् (१ उ० अलति-ते) १ सँवा
	रना, भूपित करना. २ निवारण

अव्-अव्

अवधीर-अश्

करना. ३ शक्तिमान् होना. ४ पूरा करना.

अव् (१ प० अघति) १ सरक्षण करना, बचाना. २ सतुष्ट करना, आनादित करना, खुश करना. ३ घूमना, भटकना. ४ प्यारा होना, प्यार बढाना. ५ तृप्त करना, समाधान करना. ६ जानना, समझना. ७ प्रवेश करना, पैठना, घुसना, घसना. ८ पास रखना, पास होना. ९ मालिक होना, प्रभु होना. १० आज्ञा मानना, हुक्म मानना. ११ वर्तना, काम करना. १२ इच्छा करना, चाहना, १३ कांतियुक्त होना, चमकना, शोभित होना. १४ प्राप्त होना, मिलना, पाना. १५ आलिंगन करना, गले लगाना. १६ मार डालना या दुःख देना, सताना. १७ ग्रहण करना, लेना. १८ होना. १९ बढना. २० शक्तिमान् होना. २१ दहन करना, जलाना. २२ विभाग करना, हिस्सा करना, बांटना. २३ श्रवण करना, सुनना. २४ याचना करना, मांगना. २५ पहुँचना. अनु-१ दादस देना. उद्-१ ध्यान देना. २ बांट जोहना. ३ प्रवृत्त करना. उप-१ स्नेह करना. सम्-१ तृप्त

करना. २ संरक्षण करना.

अवधीर (उ० अवधीरयति-ते)

१ अपमान करना, तिरस्कृत करना, घिन करना.

अश् (५ आ० अशुते) १ फैलना, व्यापना. २ पहुँचना. ३

पाना, प्राप्त करना. ४ समग्रह करना, बढेरना, राशि करना, ढेर करना. अनु-१ पहुँचना. २

समान होना. आ-१ पहुँचना. २ पाना, प्राप्त करना. ३ सौंपना

(अपनेको). उद्-१ उपरको पहुँचना. २ पाना, प्राप्त करना.

३ शासक होना. उप-१ पाना, प्राप्त करना, उपार्जन करना. २

शासक होना. परि-१ पहुँचना. २ समाना, पूर्ण होना. प्र-१

पहुँचना. २ समाना, परिपूर्ण होना. (९ प० अश्राति कश्चित्

आ०) खाना. २ भोगना. अति-१ अधिक खाना. उप-१

खाना. २ भोगना. अति-१ अधिक खाना. उप-१ खाना.

२ भोगना. (प्र० आशयति) १ खिलाना. २ फिलाना.

अशनायति (ना०) १ रानेकी इच्छा करना, क्षुधित होना.

अंश् (१० उ० अशयति-ते, अशा-पयति) १ विभाग करना, बांटना.

अप्-अस्	असु-आप्
अप् (१ उ० अपति-ते) १ जाना, दहलना. २ ग्रहण करना, लेना. ३ चमकना.	असु (११ प० असूयाति) १ रोगी होना, बीमार होना.
अस् (१ उ० असति-ते) १ जाना, २ लेना. ३ चमकना. (२ प० अस्ति) १ होना, रहना. (४ प० अस्यति) १ फेकना, विथराना, उडाना अनु-१ नीचे बैठना. अप-१ छोड़ना, त्यागना, वजित करना नि-१ रखना, धरना, स्थापित करना. निर्-१ निकाल देना, बहिष्कृत करना. पर्युप-१ चारों ओर घिर बैठना. २ उपासना करना. प्र-१ फेकना, विथराना, उडाना. २ खडन करना, स्वीकार नहीं करना, मान्य नहीं करना वि-१ विभाग करना, हिस्सा करना. व्या-१ फैलाना, विस्तृत करना २ क्रमसे लगाना, अनु क्रमसे रखना सनि-१ सन्यास धारण करना, प्रपच छोड़ना, विरक्त होना. सम्-१ एकत्र होना. सम्-१ एकत्र करना, इकट्ठा करना, मिलाना	असु (११ उ० असूयाति-ते) १ रोगी होना, बीमार होना.
अस (११ प० अस्यति) १ बीमार होना, रोगग्रस्त होना	अस्तु (१० प० अस्तयाति) १ अस्त होना, कांतिहीन होना, ग्रसित होना.
अंस् (१० उ० असयाति-ते, असापयाति) १ विभाग करना, हिस्सा करना, बांटना.	अह (५ प० अह्नोति) १ फैलना विस्तृत होना, व्यापना.
	अंह (१ आ० अहते) १ जाना, (१० उ० अहयति-ते) १ प्रकाशित होना, चमकना.
	आ.
	आञ्च् (१ प० आञ्छति) १ बढ़ाना, दीर्घ करना, लंबा करना.
	आन्दोल् (१० उ० आन्दोल्यति-ते) १ झुलाना
	आप् (५ प० आप्नोति) १ व्यापना अभिवि-१ चारों ओरसे व्यापना. अव-१ प्राप्त होना, मिलना, पाना. उपसम्-१ समीप प्राप्त होना, पास आना. २ ग्रथादिककी समाप्ति करना. परि-१ वृत्त करना. २ परिपूर्ति करना. परिवि-१ चारों ओरसे व्यापना. प्र-१ प्राप्त होना, पाना. वि-१ व्यापना सवि-१ अच्छी तरह व्यापना (१० उ० आपयाति-ते) १ प्राप्त होना,

आस्-इ

इस्-इख्

पाना. अभिवि-१ चारों ओरसे व्यापना. अस्-१ पाना. पस्-१ चारों ओरसे व्यापना. पस्-सम्-१ समाप्त करना, पूरा करना.

व्यास् (२ आ० आस्ते) १ बैठना. २ उपास्थित होना, विद्यमान होना, हजर रहना. ३ जीना. ४ होना. अभि-१ वास करना, रहना. २ ऊपर बैठना. ३ वस्तुसादृश्यके होनेसे इच्छित वस्तुको छोटके दूसरी वस्तुको लेना. अभि-१ अध्ययन करना, अभ्यास करना, सीखना. उत्-१ छोड़ना, त्यागना, उपेक्षा करना. २ हिलाना, काँपना, कंपाना. उप-१ उपासना करना, भजन करना. निर्-१ बाहर निकाल देना, देशसे निकाल देना.

इ.

इ (१ प० अयति) १ जाना अ-भ्युत्-१ ऐश्वर्यादिकसे प्रसिद्ध होना. उत्-१ उदय होना, उगना. २ ऊपर जाना. पस्-१ पीछे रोकना. पस्-१ दौड़ना, भागना, भाग जाना. (२ प० एति) १ जाना. अभि-१ अतिरमण करना, म्मद विधाना.

अधिक श्रेष्ठ होना. अधि-१ स्मरण करना, याद करना. २ विचार करना, मनन करना. अनु-१ पीछेसे जाना. २ अनुसरण करना ३ अनुकरण करना, दूसरेके समान करना. अस्-१ निकल जाना. अभि-१ सामने आना. २ सवेत्र जाना, अभ्युत्-ऐश्वर्यादिकसे प्रसिद्ध होना. अ-भ्युत्-१ अगीकार करना, म्नीकार करना. २ संमुख आना, सामने आना. अस्-१ जानना, समझना. उत्-१ उदय होना, उगना. २ ऊपर जाना. उप-१ साज करना, मदद देना. २ पास आना या जाना. ३ लेना. निर्-१ निकल जाना. पस्-१ चारों ओर घूमना, प्रदक्षिणा करना. पस्-१ पीछे रोकना. सम्-१ सगत होना, मिलना. सभुत्-१ नामने आना. अधि-(२ आ० अति) १ अध्ययन करना, अभ्यास करना, सीखना. वि-१ व्यय करना, खर्च करना. २ विधत्त करना, नष्ट नष्ट करना. प्राप्ते-१ स्पष्ट होना. २ विश्राम करना.

इस् (१ प० एस्ते) १ जाना.

इस् (१ प० इस्ते) १ जाना.

अप्-अस्	असु-आप्
अप् (१ उ० अपति-ते) १ जाना, दहलना. २ ग्रहण करना, लेना. ३ चमरना.	असु (११ प० असूयति) १ रोगी होना, बीमार होना.
अस् (१ उ० अस्ति-ते) १ जाना, २ लेना. ३ चमकना. (२ प० अस्ति) १ होना, रहना. (४ प० अस्यति) १ फेकना, विथराना, उडाना. अनु-१ नीचे बैठना. अप-१ छोटना, त्यागना, वर्जित करना. नि-१ रखना, धरना, स्थापित करना. निर्-१ निकाल देना, बहिष्कृत करना. पशुप-१ चारों ओर घिर बैठना. २ उपासना करना. प्र-१ फेकना, विथराना, उडाना. २ सडन करना, स्वीकार नहीं करना, मान्य नहीं करना. वि-१ विभाग करना, हिस्सा करना. व्या-१ फैलाना, विस्तृत करना २ क्रमसे लगाना, अनु क्रमसे रखना सनि-१ सन्यास धारण करना, प्रपच छोडना, विरक्त होना. सम्-१ एकत्र होना. सम्-१ एकत्र करना, इकट्ठा करना, मिलाना	असु (११ उ० असूयति-ते) १ रोगी होना, बीमार होना.
	अस्तु (१० प० अस्तपति) १ अस्त होना, कांतिहीन होना, ग्रसित होना.
	अह (६ प० अह्नोति) १ फेलना विस्तृत होना, व्यापना
	अंह (१ आ० अहते) १ जाना, (१० उ० अहयति-ते) १ प्रकाशित होना, चमरना.
	आ.
	आञ्छ (१ प० आञ्छति) १ बढ़ाना, दीर्घ करना, लवा करना.
	आन्दोल (१० उ० आन्दोलयति-ते) १ झुलना.
	आप् (६ प० आप्नोति) १ व्यापना अभिवि-१ चारों ओरसे व्यापना. अव-१ प्राप्त होना, मिलना, पाना उपसम्-१ समीप प्राप्त होना, पास आना. २ ग्रथादिककी समाप्ति करना. परि-१ तृप्त करना. २ परिपूर्ण करना. परिवि-१ चारों ओरसे व्यापना. प्र-१ प्राप्त होना, पाना. वि-१ व्यापना सावि-१ अच्छी तरह व्यापना. (१० उ० आपयति-ते) १ प्राप्त होना,
अरा (११ प० अस्याति) १ बीमार होना, रोगग्रस्त होना.	
अंसु (१० उ० अस्यति-ते, अस्तापयति) १ विभाग करना, हिस्सा करना, बाटना.	

आस्-इ

इस्-इस्

पाना. अभिवि-१ चारों ओरसे व्यापना. अन्-१ पाना. परि-१ चारों ओरसे व्यापना. परि-सम्-१ समाप्त करना, पूरा करना.

आस (२ आ० आस्ते) १ बैठना. २ उपास्यत होना, विद्यमान होना, हजर रहना. ३ जीना. ४ होना. अभि-१ वास करना, रहना. २ ऊपर बैठना. ३ वस्तुसादृश्यके होनेमें इच्छित वस्तुको छोटके दूसरी वस्तुको लेना. अभि-१ अध्ययन करना, अभ्यास करना, सीखना. उत्-१ छोड़ना, त्यागना, उपेक्षा करना. २ हिलाना, कपित करना, कपाना. उप-१ उपासना करना, भजन करना. निर्-१ बाहर निकाल देना, देशसे निकाल देना.

इ.

इ (१ प० अयति) १ जाना अ-भ्युन्-१ ऐश्वर्यादिप्रसे प्रसिद्ध होना उत्-१ उदय होना, उगना. २ ऊपर जाना. पग-१ पीछे रीटना. पडा-१ दौटना, भागना, भाग जाना (२ प० एति) १ जाना अति-१ अतिप्रमण करना. समय बिताना.

अधिक श्रेष्ठ होना. अधि-१ रमण करना, याद करना. २ विचार करना, मनन करना. अनु-१ पीछेसे जाना. २ अनुसरण करना ३ अनुकरण करना, दूसरेके समान करना. अन्-१ निकल जाना. अभि-१ सामने आना. २ समझ जाना. अ-भ्युन्-ऐश्वर्यादिप्रसे प्रसिद्ध होना. अ-भ्युप-१ अगीकार करना, स्वीकार करना. २ समुख आना, सामने आना. अन्-१ जानना, समझना. उत्-१ उदय होना, उगना. २ ऊपर जाना. उप-१ साध करना, मदद देना. २ पास आना या जाना. ३ लेना. निर्-१ निकल जाना. पग-१ चारों ओर घूमना, प्रदक्षिणा करना. परा-१ पीछे रीटना. सम्-१ सगत होना, मिगना. समुप-१ सामने आना. अधि-(२ आ० अति) १ अव्ययन करना, अभ्यास करना, सीखना. वि-१ व्यय करना, खर्च करना. २ विघ्न करना, तहम नहम करना प्राप्ते-१ स्पष्ट होना. २ विश्राम करना.

इख् (१ प० एयति) १ जाना.

इद् (१ प० इद्ति) १ जाना.

इङ्-इवस्	इष्-ईत्
इङ् (१ प० इङ्गति) १ जाना ० ज्ञापना, थरथराना	इष् (५ प० इष्यति) १ जाना अनु-१ दूढना, खोजना (६ प० इच्छति) १ इच्छा करना, चा हना अनु-१ दूढना प्रति-१ ग्रहण करना, लेना २ प्रतिगचन देना (९ प० इष्णाति) १ कोड़े कर्म बराबर करना
इट् (१ प० एटति) १ जाना	इषुध (११ प० इषुव्यति) १ वा णोंको धारण करना
इन्द् (१ प० इन्दति) १ अमानवी पराक्रम होना, ईश्वरी शक्ति होना	ई. ई (२ प० एति) १ जाना २ फेठ ना, व्यापना ३ गर्भवती होना, गाभिन होना ४ इच्छा करना, चाहना ५ भक्षण करना, खाना ६ उडाना, फेकना ७ भोजना, प्रेरणा करना (४ आ० ईयन्) १ जाना, चलना
इन्ध् (७ आ० इन्धे) १ प्रदीप्त हाना, जग्ना २ प्रकाशित होना, चमकना	ईक्ष् (१ आ० ईक्षते) १ देखना, अवलोकन करना अर-१ प्रती क्षा करना, बाटजोहना २ अपे क्षा जग्ना, चाहना अभि-१ टफ लगाना, टफटफ़ी बाजना अर-१ देखना, निहारना उत्- १ ऊपर देखना उप-१ उपक्षा करना, छोडना, त्यागना निर- १ देखना, ताकना परि-१ परी क्षा करना, सोचना, जाचना प्र-१ देखना निहारना २ कबूल करना वि-१ देखना,
इम्भ् (१० आ० इम्भयते) १ एकत्र करना इकट्ठा करना, बगरना	
इर् (११ उ० ईर्यति-ते) १ ईर्ष्या करना, मत्सर करना	
इरज् (११ प० इरज्यति) } १ ईर्ष्या इरम् (११ प० इरस्यति) } करना, मत्सर करना	
इल् (६ प० इलति) १ सोना, नीद लेना ० जाना ३ भोजना ४ फेकना, उडाना, वियगना (१० उ० एलयति-ते) १ प्रे रणा करना, प्रोत्साहित करना	
इला (११ प० इलायति) १ वि दास करना	
इव् (१ प० इवति) १ लुप्त होना ० व्यापना ३ सलुप्त करना, सुश करना	
इवस् (११ प० इवस्यति) १ चारों ओरसे सताप होना २ सेवा करना	

इख्-इर्	इक्ष्य्-उङ्
ताकना. प्रति-१ मार्गप्रतीक्षा करना, वांट जोहना. २ पूज्य बुद्धिसे आदर सत्कार करना, मानना. प्रत्युत्-१ दूमेरेके देखनेपर आपभी उसकी ओर टक-टकी लगाके निहारना. सम्-१ तुलना करना, बराबरी करना.	ईक्ष्य् (१ प० ईक्ष्यति) १ ईर्ष्या करना, मत्सर करना.
ईख् (१ प० ईखति) } ईक्ष् (१ प० ईक्षति) } १ जाना.	ईर्ष्य् (१ प० ईर्ष्यति) १ ईर्ष्या करना, मत्सर करना.
ईज् (१ आ० ईजते) १ जाना. २ दोष लगाना, निदा करना.	ईङ् (२ आ० ईष्टे) १ अधिकार होना, चाहे सो करनेकी शक्ति होना.
ईञ्ज् (१ उ० ईञ्जति-ते) १ जाना. २ दोष लगाना, निदा करना.	ईष् (१ आ० ईषते) १ जाना. २ भार डालना या दुःख देना. ३ देखना, अवलोकन करना. ४ (१ प० ईषति) १ उच्छ्वन करना, दिनना.
ईड् (२ आ० ईष्टे, १० उ० ईड्याते-ते) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना.	ईह् (१ आ० ईहते) १ यत्न करना, उद्योग करना. २ सम्-१ ईच्छा करना, चाहना.
ईन्त् (१ प० ईन्तति) १ बांधना, जकडना.	उ.
ईर् (१० उ० ईरयति-ते) १ जाना. २ हांकना, प्रेरणा करना. ३ फेंकना. उत्-कहना, बोलना. प्र-१ भेजना. सम्-१ वायुके समान जाना. (१ प० ईरति) १ जाना. २ हांकना, प्रेरणा करना. ३ फेंकना. (२ आ० ईर्ते) १ जाना. २ कांपना, थर-थराना, हिलाना.	उ (आ० अवते) १ शब्द करना, आवाज करना.
	उक्ष् (१ प० उक्षति) १ निर्मल करना, स्वच्छ करना, साफ करना. २ गीला करना, प्रोक्षण करना, सीचना. ३ भेजना. (वे०) १ दृढ होना. प्र-१ सींचना. २ जलसिचनसे संस्कृत करना. ३ भार डालना.
	उख् (१ प० ओखाति) } १ जाना. उङ् (१ प० उखाति) } २ पास जाना या आना. ३ अलकृत

इङ्-इवस्	इष्-ईक्ष
इङ् (१ प० इङ्गति) १ जाना. २ कांपना, थरथराना.	इष् (४ प० इष्याति) १ जाना. अनु-१ दूडना, खोजना (६ प० इच्छति) १ इच्छा करना, चा हना अनु-१ दूडना प्राति-१ ग्रहण करना, लेना २ प्रतिवचन देना (९ प० इष्णाति) १ कोड़े कर्म बराबर करना.
इट् (१ प० एटति) १ जाना.	इषुध (११ प० इषुव्यति) १ वा- णोंको धारण करना.
इन्ट् (१ प० इन्दति) १ अमानवी पराक्रम होना, ईश्वरी शक्ति होना.	ई.
इन्ध् (७ आ० इन्धे) १ प्रदीप्त होना, जलना. २ प्रकाशित होना, चमकना.	ई (२ प० एति) १ जाना २ फेल ना, व्यापना ३ गर्भवती होना, गाभिन होना ४ इच्छा करना, चाहना. ५ भक्षण करना, खाना ६ उडाना, फेंकना. ७ भेजना, प्रेरणा करना. (४ आ० ईयते) १ जाना, चलना.
इम्भ् (१० आ० इम्भयते) १ एकत्र करना इकट्ठा करना, बटोरना	ईक्ष (१ आ० ईक्षते) १ देखना, अवलोकन करना. अ२-१ प्रती क्षा करना, बाँट जोहना. २ अपे क्षा करना, चाहना. अभि-१ टक लगाना, टकटकी बान्ना अ२-१ देखना, निहारना. उ२- १ ऊपर देखना. उ३-१ उपेक्षा करना, छोड़ना, त्यागना. नि२- १ देखना, ताकना. परि-१ परी क्षा करना, सोचना, जाचना. प्र-१ देखना निहारना. २ कबूल करना. वि-१ देखना,
इर् (११ उ० ईर्यति-ते) १ ईर्ष्या करना, मत्सर करना	
इरजू (११ प० इरज्यति) } १ ईर्ष्या इरम् (११ प० इरस्याति) } करना, मत्सर करना	
इल (६ प० इलति) १ सोना, नींद लेना २ जाना. ३ भेजना. ४ फेंकना, उडाना, विथराना (१० उ० एलयति-ते) १ प्रे रणा करना, प्रोत्साहित करना	
इला (११ प० इलायति) १ वि लास करना	
इव् (१ प० इन्वति) १ तृप्त होना २ व्यापना. ३ सतुष्ट करना, रुश करना.	
इवस् (११ प० इवस्याति) १ चारों ओरसे सताप होना. २ सेना करना	

इख्-इर

इक्ष्य-उङ्

ताकना प्रति-१ मार्गप्रतीक्षा
करना, वांज जोहना ० पूय
शुद्धिस आदर सत्कार करना,
मानना प्रत्युत्-१ दूमेरेके दग
नेप आपभी उसकी आर टफ
टकी लगाके निहारना सम्-१
तुलना करना, नरावरी करना

ईख् (१ प० ईसति) }
ईह् (१ प० ईहति) } १ जाना

ईन् (१ आ० ईजते) १ जाना ०
दाप लगाना, निदा करना

ईञ्ज (१ उ० ईञ्जात त) १
जाना ० दाप लगाना, निदा
करना

ईड् (० आ ईडे, १ उ० ईड
यात-ते) १ प्रशमा करना,
स्तुति करना

ईन्त् (१ प ईन्तति) १ वाग्ना,
जगडना

ईर् (१० उ० ईर्यति-ते) १ जाना
० हाकना, प्रेरणा करना ३
फेकना उत्-कहना, बालना
प्र-१ भेजना सम्-१ वायुफ
समान जाना (१ प० ईरति)
१ जाना ० हाकना, प्रेरणा
करना ३ फेकना (० आ०
ईते) १ जाना ० कापना, थर
थराना, हिलाना

ईष्य् (१ प० इक्ष्यति) १ इपां
करना, मत्स्य करना

ईष्य् (१ प० ईष्यति) १ इपां
करना, मत्सर करना

ईग् (० जा- ईष्ट) १ अधिकार
होना, चाह सो करनका शक्ति
हाना

ईप् (१ आ० इपते) १ जाना
० मार टालना या दृस्व दना
३ देखना, अवलोकन करना
४ (१ प इपति) १ उठन
करना, निनना

ईह (१ आ० इहते) १ यत्न
करना, उद्योग करना २ मम्-
१ इच्छा करना, चाहना

उ.

उ (आ अवते) १ शब्द करना,
आवाज करना

उक्ष् (१ प० उक्षति) १ निर्मल
करना, स्वच्छ करना, साफ
करना ० गाला करना, प्राक्षप
करना, सीचना ३ भेजना (व०)
१ दृष्ट हाना प्र-१ साचना ०
जगसिचनस मस्कृन करना ३
मार टालना

उख् (१ प० ओसति) } १ जाना
उङ् (१ प० उरति) } ० पास

जाना या आना ३ अकृत

उच्-उञ्ज्	उम्-उञ्
करना, सँवारना, शुष्क हाना, सूरना ६ म्लान होना, मुझाना उच् (४ प० उच्यति) १ एकत्र होना, इकट्टा होना २ एकत्र करना, इकट्टा करना, बयोरेना उञ् (१ प० उच्चगत, वि-व्यच्छ ति) १ पूरा करना, समाप्त करना २ ठाडना, त्यागना ३ बांधना, जड़कर बांधना प्र-१ पाठना उउञ् (६ प० उज्जात) १ साधा रातिम वर्ताव करना उञ्ज् (६ प० उञ्जाति) १ छोडना, त्यागना प्र-१ ब्रट जाना, मुक्त हाना उञ्ज् (१ प० उञ्जति) १ थोडा २ एकत्र करना, थोडा २ बयो रना २ दिनना, उठन करना, चुनना उञ् (१ प० आठात) १ मारना, ठोकना, नाचे गिराना उञ्ज् (७ प० उञ्जति) १ आर्द्र होना, गारा हाना उञ्ज् (१ प० उञ्जन्नाति, १- उ० उञ्जासयति-त्ते) १ हर समय थाटा २ चुनना, दिनना उञ्ज् (६ प० उञ्जति) १ सार्धा गतिम करना, सार्धा गतिम वर्ताव करना २ टानना, टमन	करना, नि-१ अधोमुख होना उम् (६ प० उभाति) १ भग्ना, पूर्ण करना उम् (६ प० उम्भाति) १ भरना, पूर्ण करना उर् (१ प० ओराति) १ जाना चलना. उरस् (११ प० उरस्यति) १ बलवान होना उर्ज् (१० प० उर्जयति) १ छोटना उर्द् (१ आ० उर्दते) १. नापना, गिनना २ ज़ाटा करना, खेलना उर्व (१ प० उर्वाति) १ मार टा रना या दु ख देना, पाडा करना उल् (३ प० आलति) १ जलना उलण्ड (१० उ० उलण्टयति ते) १ फटना, उपर फटना, उटा ना, झोकना उप् (१ प० औपति) १ हिसा करना, बधना २ जलना उपस् (११ प० उपस्यति) १ प्रभात हाना, पौ फटना उह (१ प० औहति) १ मार टा रना, नष्ट करना २ दु रा देना, सताना उ. उद (१ प० उदति) १ माग्ना, ठानना, नाचे गिराना

ऊर्-ऊ

ऊर्-ऊ

ऊन् (१० उ० ऊनयति-ते) १
कम करना, घटना. २ नापना,
गिनना. ३ संक्षेप करना.

ऊय् (१ आ० ऊयते) १ सीना.
२ बुनना.

ऊर्ज् (१० उ० ऊर्जयति-ते) १
शक्तिमान् होना, पराक्रमी
होना. २ जीना. ३ जिलाना.

ऊर्णु (२ उ० ऊर्णोति, ऊर्णाति,
ऊर्णुते) १ आच्छादन करना,
ढकना.

ऊर्द (१ आ० ऊर्दते) १ नापना,
गिनना. २ झीटा करना, खेलना.

ऊप् (१ प० ऊपाति) १ रोगी
होना, बीमार होना. २ एकत्र
होना, इकट्ठा होना

ऊद् (१ आ० ऊहते) १ उहापोह
करना, कल्पना करना, तर्क
करना प्रवि-१ कुछ कालतक
ठहरना. वि-१ व्यूहरचना क-
रना सम्-१ एकत्र होना, इकट्ठा
होना.

ऊ.

ऊ (१ प० ऊच्छति) १ जाना.
२ संपादन करना, प्राप्त करना,
मिलाना. ३ पहुँचाना. (३ प०
इयाति) १ जाना. २ फैलाना.
(५ प ऊणोति) १ हिस्त
करना, मार डालना, ब धना.

ऊक्ष् (५ प० ऊक्ष्णोति) }
ऊक्षि (५ प० ऊक्षिणोति) } १ मार

डालना या दुःख देना. २ दुःख
देनेका यत्न करना.

ऊच् (६ प० ऊचति) १ प्रशंसा
करना, स्तुति करना २ आच्छा-
दित करना, ढकना. ३ चमकना.

ऊच्छ् (६ प० ऊच्छति) १ जाना.
२ कठिन होना, दृढ होना. ३
इन्द्रियका बल घट जाना

ऊर्ज् (१ आ० अर्जने) १ जाना.
२ खडा रहना. स्थिर होना. ३
बलिष्ठ होना, सामर्थ्यवान् होना.
४ जीना. ५ संपादन करना,
प्राप्त करना, मिलाना.

ऊञ्ज् (१ आ० ऊञ्जते) १
भूजना.

ऊण् (८ उ० अर्णोति-अर्णुते,
ऊर्णोति-ऊर्णुते) १ जाना,
गमन करना.

ऊत् (१ प० अतोति) १ जाना. २
शक्ति होना, अधिकार होना.
३ द्वेष करना, शत्रुता करना. ४
कठिनतासे शासन करना, कठि-
नाईसे अमल चलाना. (२ आ०
ऊनीयते) १ निदा करना, दोष
लगाना २ वृषा करना, दया
करना, मिहर करना.

कद्-कञ्	कर्ण्-कव्
पयाने-ने) १ कहना. २ व्याख्यान करना, वयान करना.	कर्ण (१० उ० कर्णयति-ते) १ वेधना, बांधना, छेदना, कोंचना. उपा-१ सुनना. समा-१ सुनना.
कद् (१ आ० कदते) १ भ्रमित होना, धवर जाना, व्याकुल होना. २ पुकारना. ३ रोना. ४ मार डालना. (४ आ० कदते) भ्रमित होना.	कर्त् (१० उ० कर्त्तयति-ते) १ छोड़ना, मुक्त करना, ढीला करना.
कन् (१ प० कनति) १ चमकना, प्रकाशित होना. २ चाहना, प्रीति करना. ३ समीप जाना या आना. ४ तृप्त होना.	कर्त्रे (१० प० कर्त्रयति) १ छोड़ना, मुक्त करना, ढीला करना.
कन्द् (५० कन्दति) १ रोना २ बुलाना. (१ आ० कन्दते) १ भ्रमित होना, धवर जाना. २ धवराना. ३ मार डालना.	कर्द् (१ प० कर्दति) १ कौवे-केसा शब्द करना. २ पेटमें गुडगुटना, अत्र कूजन होना.
कञ् (१ आ० कवते) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना. २ रग देना, रगाना	कर्वे (१ प० कर्वति) १ जाना.
कम् (१ आ० कामयते) १ चाहना, इच्छा करना.	कर्व् (१ प० कर्वति) १ गर्व करना, बढ़ाई करना.
कम्प् (१ आ० कम्पते) १ हिलना, कापना अन्त-१ दया करना.	कल् (१ आ० कलते) १ शब्द करना. २ गिनना. (१० उ० काल्यति-ते) १ उटाना, फेंकना. (१० उ० कलयति-ते) १ जाना. २ गिनना.
कम्ब् (१ प० कम्बति) १ जाना.	आङ्-प० १ बांधना. २ लेना.
कर्क् (१ प० कर्कति) १ हँसना.	परि-प० १ याद रखना. वि-प० १ व्याकुल होना. सन्-प० १ सारांश निकालके कहना, तात्पर्य कहना.
(सौ०)	कल्ल् (१ आ० कल्लते) १ अस्पष्ट शब्द करना. २ शब्द करना. ३ भूगा होना, शब्द न करना.
कर्घ् (१ प० कर्घति) १ जाना.	कव् (आ० कवते) १ कविता
कञ् (१ प० कर्जति) १ पीडा करना, सताना	

कञ्-काल्	काञ्-काल्
करना, वर्णन करना. २ तस- वीरं खीचना.	काञ् (१ आ० काशते) १ चम- कना. (४ आ० काश्यते) १ चमकना. निर् (५) १ निकाल देना. २ छिपाना, लुकाना. प्र- १ प्रकट करना.
कञ् (१ उ० कशति-ते) १ मार डालना, दुःख देना. २ दट देना, शासन करना.	कास् (१ आ० कासते) १ चम- कना. २ खासना, खण्डारना.
कप् (१ प० कपति, १० प० कप- यति) १ मार डालना, दुःख देना. २ परीक्षाके लिये धिसना. वि-१ सोना रूपा आदिकी परीक्षा करना.	कि (३ प० चिकेति) १ जानना. समझना. नि-१ निश्चयपूर्वक जानना.
कस् (१ प० कसति) १ हिलना, कांपना. वि-१ खिलना. (२ आ० कस्ते) १ जाना. २ नष्ट करना. ३ आज्ञा करना, हुकम बजाना. ४ दड देना, शासन करना.	किट् (१ प० केटति) १ जाना. २ सताना. ३ डराना.
कंस् (२ आ० कस्ते) १ जाना. २ नष्ट करना. ३ आज्ञा करना. ४ शासन करना, दट देना.	कित् (३ प० चिकेति) १ जान- ना. (१० प० केतपति) १ चा- हना. २ निवास करना, रहना. (१ उ० चिकित्सति-ते) १ रोगप्रतिकार करना, वैद्यकी करना. २ शासन करना. ३ नष्ट करना. वि-५० १ आशका करना, विश्वास न रखना.
काङ्क्ष् (१ प० काक्षति, आ-आ- काक्षति.) १ चाहना, इच्छा करना, लोभ रखना.	किल् (६ प० किलति) १ संपंद होना. २ झीला करना, खलना. (१० प० केल्यति) १ भेजना. २ उडाना.
काञ् (१ आ० काञ्चते) १ बांधना. २ चमकना, प्रकाशित होना.	कीट् (१० उ० कीट्यति-ते) १ रग देना, रगमें ह्रवोना. २ बांध- ना, बंधन करना.
काल् (१० उ० काल्यति-ते) १ उपदेश करना. २ कालकी गि- नती करना.	कील् (१ प० कीलति) १ बांधना, कीलोंसे मजबूत करना.

कु-कुञ्च	कुञ्ज-कुण्ड
कु (१ आ० कवते, २ प० कौति, ६ आ० कुवते, ९ उ० कुनाति, कुनीते) १ शब्द करना, अस्पष्ट शब्द करना. २ पक्षी या भैंरके समान शब्द करना, गुजारव करना.	कुञ्ज (१ प० कुञ्जति) १ अस्पष्ट शब्द करना, गुजारव करना.
कुक् (१ आ० कोकते) १ ग्रहण करना, लेना.	कुटुंक् (१० आ० कुटुबयते) १ परिवारका पालन करना.
कुच् (१ प० कोचति) १ पक्षीके माफ़िक जोरसे पुकारना. २ २ स्वच्छ करना, माजके सफा करना. ३ स्पर्श करना, छूना. ४ जोतना, हल चलाना. ५ वक्र होना, टेढा होना. ६ लिखना, रेखा खीचना. ७ आकुचित करना या होना. ८ कलह करना, टय करना. ९ रोकना, अडाना, प्रतिबध करना. सम्-१ सकोचित होना (६ प० कुचति) १ आकुचित होना या करना. स-१ आकुचित करना या होना.	कुट्ट (१० उ० कुट्टयति-ते) १ कतरना. २ निदा करना, दोष लगाना. ३ रगडना (१ प० कुट्टति, १० प० कुट्टयति) १ गरम करना.
कुज् (१ प० कोजाति) १ चोरना, चोरी करना, मूसना.	कुड् (६ प० कुडाति) १ बालकके समान खेलना. २ खाना. ३ बटोरना, जमा करना.
कुञ्च (१ प० कुञ्चति) १ जाना. २ टेढा जाना. ३ टेढा होना या करना. ४ अल्प या कम होना या करना. आङ्-आकुचित होना, अकड जाना.	कुण (६ प० कुणति) १ शब्द करना. २ दानादिकसे सरक्षण करना, सभालना. ३ दुःखमें रहना. (१० उ० कुणयति-ते) १ उपदेश करना २ बोलना. ३ बुलाना.
	कुण्ड (५० कुण्डति) १ कुठित करना. २ दुःखादिसे श्रमित होना.
	कुण्ट (१ प० कुण्टति) १ कुठित करना. (१० उ० कुण्टयति-ते) १ घेरना. २ कुठित करना.
	कुण्ड (१ प० कुण्डति) १ कुठित

कुत्स्-कुम्भ

कुमार-कुपुम

करना. २ दुःखादिसे कृठित होना. (१ आ० कुण्टते) १ जलना. (१० उ० कुण्डयति-ते) १ रक्षा करना, समालना.

कुत्स् (१० आ० कुत्सयते) १ दोष लगाना, निदा करना. २ तिरस्कार करना.

कुथू (४ प० कुथ्यति) १ बद्बू आना. (९ प० कुथ्नाति) १ सलग्न होना, मिलके रहना. २ दुःखित होना, सकटग्रस्त होना.

कुन्थू (१ प० कुन्थाति) १ मार डालना. २ दुःख देना. ३ दुःख भोगना, पीडित होना. (५० कुन्थाति) १ दुःख पाना. २ संयुक्त होना, मिलके रहना.

कुन्द्र (१० उ० कुन्द्रयति-ते) १ झूठ बोलना.

कुप् (४ प० कुप्यति) १ घुस्ता करना. (१० उ० कोपयति-ते) १ बोलना. २ चमकना.

कुम्प् (१ प० कुम्पाति, १० प० कुम्पयति) १ फैलना. २ याद करना.

कुम्ब (१ प० कुम्बति, १० प० कुम्बयति) १ आच्छादित करना, ढाँपना.

कुम्भ (१० उ० कुम्भयति-ते) १ आच्छादित करना, ढाँपना.

२ सं. घा.

कुमार (१० उ० कुमारयति-ते) १ बालकके समान खेलना, क्रीडा करना.

कुमाल (१० उ० कुमालयति-ते) १ बालकके समान खेलना, क्रीडा करना.

कुर (६ प० कुरति) १ शब्द करना.

कुर्द (१ आ० कूर्दते) १ खेलना, क्रीडा करना.

कुल् (१ प० कोलति) १ बयो-रना. २ आपके समान वर्तना. ३ सजातीयतासे रहना. ४ गिनना. आ-१ तत्पर होना. २ व्याकुल होना.

कुश् (४ प० कुश्यति), गले लगाना, आलिंगन देना. २ लपेटना.

कुंश् (१ प० कुशति, १० उ० कुशयति-ते) १ चमकना.

कुष् (१ प० कुष्णाति) १ बाहर निकालना, रगडके निकालना २ चमकना. ३ परीक्षा करना, वसोटीपर घिसके परीक्षा करना. अव-१ सिद्ध या स्थापित करना. निस्-१ खँचके बाहर निकालना.

कुपुम (११ प० कुपुम्यति) १ छोड़ना, फेंकना.

कुम्-कृष्	कूर्-कृ
कुम् (४ प० कुस्याति) १ मिलना. २ घेरना.	कूर्न् (१० आ० कूर्नयते) १ सको- चित होना. २ ऐठना.
कुंस् (१ प० कुसाति, १० उ० कु- स्याति-ते) १ चमकना. २ बोलना.	कूप् (१० प० कूपयति) १ अशक्त होना. २ अशक्त करना.
कुस्म् (१० आ० कुस्मयते) १ विचार करके देखना २ अयो- ग्य रीतिसे हँसना.	कूर्द् (१ आ० कूर्दते) १ खेलना, क्रीडा करना.
कुह् (१० आ० कुहयते) १ ठगना. २ आश्चर्य या चमत्कार दिखाना. ३ मोहित करना.	कूल् (१ प० कूलति) १ आच्छा- दित करना, ढांपना. २ छिपाना. अनु-१ अनुशूल होना
कू (६ आ० कुवते, १ उ० कुना- ति-नीते) १ दुःखकारक शब्द करना २ विह्वल होना.	कृ (६ उ० कृणोति-णुते) १ दुःख देना, सताना. २ मार डालना. (८ उ० करोति-कुरुते) १ करना. आते-आ० १ अधिक करना. अधि-आ० १ जीतना, बढ़कर होना. २ अधिकार होना, चौकस होना. ३ शांततासे सहन करना. ४ थमाना, स्थिर करना. अनु-५० अनुकरण करना, दूसरेके माफिक करना. अप- आ० १ अपकार करना. २ झूठा या खराब करना. आ-आ० १ वैपरीतर करना, भेष बदलना. २ बुलाना. उत्-आ० १ मार डालना, मरणोन्मुख करना. २ बदोरना, जमा करना. उदा- आ० १ दूषण लगाना, छलना. उप-५० १ उपकार करना. उ- पस्-उ० १ पटलना, बदलना.
कूज् (१ प० कूजति) १ अस्पष्ट शब्द करना. २ कूजना.	
कूट् (१० आ० कूटयते) १ नही देना. २ अस्पष्ट, गूढ या मालूम न हो ऐसा करना, कूट करना. (१० उ० कूटयति-ते) १ दुःख देना, सताना. २ जलाना, दग्ध करना. ३ बुलाना, आमंत्रण करना. ४ सलाह देना, उपदेश करना.	
कूड् (६ प० कूडति) १ दृढ होना. कठिन होना. २ खाना.	
कूष् (१० उ० कूष्णयति-ते) १ सकोचित होना. २ ऐठना.	

कृ-कृ

उपस्-प० १ स्वच्छ करना, सवारना २ बटोरना, जमा करना. ३ उत्तर देना तिरस्-प० १ अपमान करना, धिन करना, तिरस्कार करना. दुस् (प्)-प० दुष्कर्म करना, खराब काम करना निरा-आ० १ निर्भत्माना करना, निंदा करना, तिनकेके समान मानना २ त्यागना, छोड़ देना, निकाल देना. ३ नष्ट करना, विध्वंसित करना. परिस् (प्)-प० १ स्वच्छ करना, ओप देना परा-प० १ निराकरण करना २ सदाचारपूर्वक रहना, अच्छी रीतिसि कर्तना प्र-आ० १ प्रारम्भ करना, शुरू करना २ सेवा करना, नौकरी करना ३ जलदी करना ४ वाटना, बांट देना ५ भग करना, ६ कहना, बोलना प्रति-आ० १ प्रतिकार करना २ बदला लेना ३ उपाय करना प्रत्युप-आ० १ प्रत्युपकार करना. वि-आ० १ दूटना. २ शब्द करना. वि-प० १ बदलना, रूपांतर करना. २ सतापित करना, कपित करना. व्या-आ० १ स्पष्ट करना, प्रकट करना. २ समझाना सस्-प० १ स्वच्छ करना, २ बटोरना, एकत्र करना सु-प० १ अच्छा करना

कृड-कृप्

कृड् (६ प० कृडति) १ दृढ़ या कठिन होना, स्थिर होना. २ जमना, जम जाना. कृत् (७ प० कृणत्ति) १ घेर लेना, वेष्टित करना. (६ प० कृंतीति) १ कतरना. कृप् (१ आ० कल्पते) १ शक्ति मात्र होना, समर्थ होना (१० उ० कल्पयति-ते) १ कल्पना करना, विचार करना. २ मिश्रित करना. ३ चित्रित करना, रंगाना (१० उ० कृपयति-ते) १ दुर्बल होना. कृव् (५ प० कृणोति) १ मार डालना २ करना. ३ जाना. ४ दु खित होना. कृव् (५ प० कृणोति) १ मार डालना २ करना. ३ जाना. ४ दु खित होना. कृवि (५ प० कृविणोति) १ मार डालना, सताना, दु.ख देना कृश् (४ प० कृशति) १ कृश होना, सूक्ष्म होना, महीन होना. कृप् (६ उ० कृपति-ते) १ कृपिकर्म करना, जोतना, हल चलाना. २ रेखा करना (१ प० कृपति) १ जोतना, कृपि करना हल चलाना, रेखा खींचना अप-स्राव करना, बहाना. २

क्रश्-क्रम

क्री-कृन्थ्

वचक होना, ठग घनना.
 क्रथ् (१ प० क्रथति, १० उ० क्रथयति-त्ते, क्राथयति-त्ते) १ मार डालना. (१० प० क्रथयति)
 १ चार २ क्रीडा, आनन्द, मनोरंजन करना.
 क्रद् (१ आ० क्रदते) १ दुःखित होना. २ विकल होना. ३ घबरे जाना.
 क्रन्द् (१ उ० क्रन्दति-त्ते) १ दुःख करना. २ घबर जाना. (आ० क्रन्दते) १ पुकारना, जोरसे बुलाना.
 क्रप् (१ आ० क्रपते) १ जाना. २ दया करना.
 क्रम् (१ आ० क्रमते-म्यते) १ निर्भयतासे जाना २ रक्षण करना. ३ बढ़ना, वृद्धिगत होना. आ-१ उगना, उदित होना. उप-प्र-१ प्रारम्भ करना. वि-१ पग गिनते जाना. व्या-१ अतिक्रम करना, आज्ञा भंग करना. (१ प० क्रामति-म्यति) १ जाना, चलना. आते-१ अतिक्रम करना, हृद्से बाहर जाना. अनु-१ क्रमसे जाना. अभि-१ जीतना. २ पराभव करना, हल्ला करना. अप-१ बाहर जाना. आ-१ जय पाना, अधिक होना. उत्-

१ अतिक्रम करना, आज्ञा भंग करना. उप-१ निकल जाना. निस्-१ आगे जाना. परा-१ पराक्रम करना. प्र-१ निकल जाना, नजदीक आना. परि-१ घूमना. वि-१ जीतना. २ ऊपर जाना. सम्-१ स्थलांतर करना, अन्य जगह जाना.
 क्री (१ उ० क्रीणाति-णीते) १ खरीदना. २ बदलेमें देना लेना. ३ जीतना. वि-१ बैचना
 क्रीड् (१ प० क्रीडति) १ खेलना, विहार करना. ३ ठट्ठा करना, उपहास करना. ४ मन बहलाना. अनु-आ० १ खेलना. आ-परि-सम्-आ० १ खेलना. सम्-प० १ शब्द करना.
 कुञ् (१ प० कुञ्चति) १ नजदीक जाना या आना. २ वक्र घूमना या जाना. ३ वक्र होना या करना. ४ अल्प होना या करना.
 कुड् (६ प० कुडति) १ छोकरे-कीसी चेष्टा करना, २ डबना. ३ खाना. ४ दृढ होना.
 कुथ् (१ प० कुथ्नाति) १ मार डालना.
 कुन्थ् (१ प० कुन्थाति) १ दुःखित होना, विह्वल होना. २

कृष्-छिद	छिन्द-केल्
चिपकके रहना, सटके रहना. कुष् (४ प० कुष्यति) १ क्रोध करना, धुस्सा करना. कुष् (१ प० क्रोशति) १ पुका- रना. २ रोना अनु-दया करना. आ-१ निदा करना, गाली देना. उप-१ दाग लगाना, दोष देना. प्र-जोरसे पुकारना. क्रेव् (१ क्रेवते) १ लेना, सेवन करना, २ भजना. कुथ् (१ प० कथ्यति) १ दुःख देना. २ मार डालना. ३ घूमना. कुद् (१ आ० कुदते) १ घव रना. २ विह्वल होना, दुःखित होना. कुन्द (१ प० कुन्दति) १ रोना २ बुलाना, पुकारना. (१ आ० कुन्दते) १ घवरना, २ दुःखि त होना. कृष् (१० उ० कृष्यति-ते) १ कृतासे बोलना. २ अस्पष्ट बोलना. कृम् (४ प० कृम्यति) श्रमित होना, थकजाना २ कुम्हलाना. कृव् (१ आ० कृवते ४ आ० कृव्यते) १ डरना. कृद् (४ प० कृद्यति) १ आर्द्र होना, गीला होना.	छिन्द (१ उ० छिन्दति-ते) १ रोना, शोक करना. छिग् (४ आ० छिश्यते) १ दुःख सहन करना. (१ प० छिश्ना ति) १ क्लेश या दुःख देना. २ हरकत करना. ३ दुःख सहन करना. छीव् (१ आ० छीवते १) दुर्बल होना, निर्बल होना, वीर्यरहित होना. २ लज्जालु या डरपोक होना छीव् (१ आ० छीवते) १ दुर्बल होना, निर्बल होना, वीर्यरहित होना. २ लज्जालु या डरपोक होना. कृ (६ आ० कृवते) १ जाना. क्रेव् (१ आ० क्रेवते) १ सेवा करना क्रेष् (१ आ० क्रेशते) १ स्पष्ट शब्द करना. २ मार डालना. ३ हरकत करना. ४ दुःख देना, सताना कृष् (१ प० कृषति) १ शब्द करना. २ कण कण ऐसा शब्द करना कथ् (१ प० कथ्यति) १ उवा- लना, पफाना. केल् (१ प० केलाति) १ कपित होना, हिलना.

क्षञ्-क्षर्

क्षञ् (१ आ० क्षजते) १ जाना, सरकना. २ देना, दान करना, भेंटमें देना. ३ मार डालना.

क्षञ्ज् (१ आ० क्षञ्जते) १ जाना, सरकना २ देना, दान करना, भेंटमें देना. (१५० क्षञ्जति, १० उ० क्षञ्जयति-ते) १ दुःख सहन करना, विपत्तिमें रहना

क्षण् (८ उ० क्षणोति-क्षणुते) १ मार डालना, जानसे मारना. २ दुःख देना, सताना. ३ तोड़ना.

क्षद् (१ प० क्षदति) १ खाना, भक्षण करना. २ मुक्की मारना, कूटना. ३ ढँकना. ४ मार डालना.

क्षप् (१० उ० क्षपयति-ते) १ भेजना २ सहन करना. ३ हूकना (१ उ० क्षपति-ते) १ समयी होना.

क्षम्प् (१ प० क्षम्पति, १० प० क्षम्पयति-ते) १ सहन करना. २ दया करना. ३ चमकना.

क्षम् (१ आ० क्षमते, ४ प० क्षाम्यति) १ सहन करना, सहना, २ क्षमा करना. ३ समर्थ होना. ४ रोकना.

क्षर् (१ प० क्षरति) १ टपकना, सरना, झरना, चूना. २ गिरना, हिलना. ३ गिराना, हिलाना.

क्षल्-क्षिप्

ढाना ४ गलना. ५ अनुपयुक्त होना. ६ बहना. सम्-१ बहना. (१० आ० आक्षारयते) १ दोष लगाना, निंदा करना.

क्षल् (१ प० क्षलति) १ जाना, सरकना. २ कापना, थरथराना. (१० उ० क्षालयति-ते) १ स्वच्छ करना, पवित्र करना, धोना. वि-१ धोना.

क्षि (१ उ० क्षयति-ते) १ सूक्ष्म होना, ह्रास होना, कम होना. २ नष्ट करना. ३ राजा सरीखा काम चलाना, शासक होना. (५ प० क्षिणोति) १ मार डालना, जानसे मारना. २ दुःख देना, सताना. ३ क्षत करना, घाव करना. (६ प० क्षियति) १ जाना, चलना. २ वास करना, रहना, मुकाम करना, वसना. (९ प० क्षिणाति) १ मार डालना, जानसे मारना. २ दुःख देना, सताना.

क्षिण् (८ उ० क्षिणोति-क्षिणुते, क्षिणोति-क्षेणुते) १ मार डालना. २ दुःख देना, पीडा करना.

क्षिद् (१ प० क्षिदति) १ अस्पष्ट शब्द करना. २ कगलना.

क्षिप (४ प० क्षिपति) १ फेंकना, उड़ाना, २ भेजना. (६ उ० क्षिपति)

क्षि-क्षु	क्षुद्-क्ष्माय
ति-ते) १ फेंकना, उडाना, झो कना २ भेजना ३ रखना, धरना. ४ मार डालना ५ दौप लगाना ६ नष्ट करना. अधि-१ दौप लगाना, आरोप करना. अव-१ नीचे फेंकना. आ-१ उपहास करना, ठट्टा करना २ आकर्षण करना, खींचना. उत्-१ उठाना, उठा लेना. नि-१ रखना पर्या- १ बाधना प्र-१ जोरसे फेंकना. वि-१ फैलाना. विनि-१ देना २ छोटना समा-१ भेजना. सम्- १ संक्षेप करना २ नष्ट करना. ३ आर्पण करना, खींचना.	क्षुद् (७ उ० क्षुणत्ति-क्षुन्ते) १ कू- टना, पीसना, मुक्की मारना. २ कुचलना. क्षुध् (४ प० क्षुध्याते) १ क्षुधित होना, भूख लगना. क्षुम् (१ आ० क्षौभते) १ मथना. २ क्रोध करना, गुस्ता होना. (४ प० क्षुभ्याते, १ प० क्षुभ्राति) १ मथना. क्षुर् (१ प० क्षुरति) १ कतरना, चौरना, छेदना २ लकौर खींचना. क्षेद् (१० उ० क्षेड्यति-ते) १ भक्षण करना, खाना. क्षेव् (१ प० क्षेयति) १ मदीन्मत्त होना, मस्त होना. क्षै (१ प० क्षायति) १ नष्ट होना, हास होना, कम होना, म्लान होना. क्षोद् (१० उ० क्षोड्यति-ते) १ भेजना २ फेंकना. क्षु (२ प० क्षुणोति, आ० सक्षु- ते) १ तीक्ष्ण करना, पैना करना, तेज करना, पैनाना. (२ आ० क्षुते) छे जाना. क्ष्माय (१ आ० क्ष्मायते) १ हिं- लना, कापना.
क्षिक् (१ प० क्षेवति, ४ प० क्षी- व्यति) १ मुखसे बाहर निकाल- ना, थूकना, कै करना. क्षी (१ उ० क्षयते-ते, १ प० क्षीणाति) १ दुख देना, पीडा करना २ मार डालना. क्षीज् (१ प० क्षीजति) १ अस्पष्ट शब्द करना. २ कराहना. क्षीव् (१ आ० क्षीवते) १ मदी- न्मत्त होना, मस्त होना. क्षीव् (१ आ० क्षीवते) १ मदी- न्मत्त होना, मस्त होना. क्षु (२ प० क्षीति) १ घाँकना. २ सरसारा.	

क्ष्मांस्-खञ्च्	खट्-खट्
क्ष्मील् (१ प० क्ष्मीलति) १ पलक लगाना, पलक मारना.	खट् (१ प० खटाते) १ चाहना. २ शोधन करना, दूढना.
क्ष्विड् (१ प० क्ष्वेडति) १ अस्पष्ट शब्द करना. (४ प० क्ष्विडचति) १ नल्हाना, तेलकी मालिस करना, चुपडना.	खट्ट् (१० उ० खट्टयाति-ते) १ आच्छादन करना, छिपाना, ढांकना.
क्ष्विद् (१ प० क्ष्वेदति) १ अस्पष्ट शब्द करना. (४ क्ष्विद्यति) १ नल्हाना, तेलकी मालिस करना, चुपडना. २ मुक्त करना, छोड़ देना.	खड् (१० उ० खाडयाति-ते) १ टुकड़े करना, खड करना.
क्ष्वेल् (१ प० क्ष्वेलति) १ जाना. २ कांपना, थरथराना. ३ झुदना. ४ खेलना.	खण्ड् (१ उ० सण्डयाति-ते) १ टुकड़े २ करना, खंडित करना. (१ आ० सण्डते) १ मथन करना, मथना.
स्व.	खद् (१ प० खदाति) १ खाना. २ मार डालना. ३ सताना. ४ स्थिर रहना (१० प० खादयति) १ आच्छादित करना.
खक्ख् (१ प० खक्खाति) १ हँसना.	खन् (१ उ० खनति-ते) १ दुःख देना. २ खोदना.
खच्च (१ प० खचति, १ प० खच्नाति) १ मर्यादा होनेपरभी देरसे जन्म लेना. २ सपत्तियुक्त करना. ३ स्वच्छ, पवित्र या पावन करना. (१० प० खचयति) १ खैचके बांधना. २ कौं-दण करना, खचित करना.	खम्ब् (१ प० खम्बाति) १ जाना.
खज्ज् (१ प० खज्जति) १ मयना, हिलाना, मथन करना.	खर्च् (१ प० खर्चति) १ जाना.
खञ्च् (१ प० खञ्जति) १ लगडा होना, लगडाना.	खर्ज् (१ प० खर्जाति) १ दुःख देना, सताना. २ स्वच्छ करना, साफ करना. ३ आतिथ्य पूजन करना, सम्मान करना.
	खर्द्व् (१ प० खर्द्वति) १ चनाना, दाँतोंसे काटना.
	खर्व् (१ प० खर्वति) १ हठ करना, २ गर्व करना.

खर्व-खुज	खुड्-खोड्
खर्व (१ प० खर्वति) १ हठ करना २ गर्व करना	खुड् (१ प० खोडात, १० प० खोडयति) १ टुकडे करना, चीरना (६ प० खुडाति) १ छिपाना २ निकाल देना
खल् (१ प० खलति) १ स्थलांतर करना, जाना २ बढोरना	खुण्ड (१ प० खुण्डति, १० उ० खुण्डयति-ते) १ टुकडे करना, चीरना (१ आ० खुण्डते) १ लगडा होना
खव् (१ प० खौनाति) १ सप त्तियुक्त करना २ स्वच्छ कर ना, पवित्र करना ३ द्रव्य स्पष्ट करना ४ मर्यादा होनेपरभी बहुत देरसे जन्म लेना	खुर् (१ प० खुरति) १ कतरना, चीरना २ खुरचना
खप् (१ प० खपति) १ मार डालना, सताना	खुर्द् (१ आ० खूर्दते) १ खेलना, क्रीडा करना
खाद् (१ प० खादति) १ खाना	खेद् (१ प० खेटति) १ घबर जाना (१० उ० खेटयति-ते) १ खाना, भक्षण करना
खिद् (१ प० खेटति) १ डराना २ दु ख देना, सताना	खेड् (१० उ० खेडयति-ते) १ खाना, भक्षण करना
खिद् (१ प० खेदति) १ भय दिराना, घबराना २ सताना, दु ख देना (४ आ० खिद्यते, ७ आ० खिन्ते) १ सफ़ट, दु ख सहन करना	खेल् (१ प० खेलाति) १ कपिन होना २ खेलना
खिन्द् (६ प० खिन्दति) १ दु ख देना, सताना	खेला (११ प० खेलायति) १ विलास करना, क्रीडा करना
खिल् (६ प० खिलति) १ बिनना, उच्छन्न करना	खेव् (आ० खेवते) १ सेवा कर ना, नौकरी करना
खु (१ आ० खवते) १ आवाज करना, शब्द करना	खै (१ प० खायति) १ स्थिर रहना २ मार डालना ३ सताना ४ दु र करना ५ खोदना
खुञ् (१ प० खोजति) १ चोर ना, मूसना.	खोद् (१ प० खोदति) १ लग डाना (१० उ० खोदयति-ते)

खोइ-गट्	गण्ड-गम्
१ फेंकना. २ खाना, भक्षण करना.	गण्ड (१ प० गण्टति) १ गालोंमें रोग होना, गडमाला होना.
खोइ (१ प० खोटति) १ लगडाना. (१० प० खोडयाति) १ फेंकना.	गण् (१० प० गणयति) १ गिनना, नापना. २ मानना, समझना. अधि-१ बखानना, स्तुति करना. २ गिनना.
खोर् (१ प० खोरति) १ लगडाना.	गट् (१ प० गदति) १ स्पष्ट बोलना. २ बीमार होना. (१० उ० गदयति-ते) १ गर्जना करना.
खोल् (१ प० खोलति) १ लगडाना.	गद्द (११ प० गद्दयति) १ गद्दद स्वरसे बोलना, रुके हुए कठसे बोलना.
ख्या (२ प० ख्याति) १ प्रसिद्ध करना, प्रख्यात करना. २ कहना, व्याख्यान करना. अभि-१ देदीप्यमान होना, चमकना. आ-१ कीर्तिमान् होना. वि-१ प्रख्यात करना. सु-१ पसद होना. प्रत्या-१ नहीं करना, स्वीकार नहीं करना. सम्-१ गिनना, सकलन करना. समा-१ सज्ञा देना, नाम रखना.	गध् (४ प० गध्यति) १ मिश्रित होना, मिल जाना.
ग.	गन्ध् (१० आ० गन्धयते) १ दुःख देना. २ मार डालना. ३ जाना. ४ मांगना, याचना करना. ५ सजाना, शोभित करना.
गग्घ (१ प० गग्घति) १ हँसना.	गम् (१ प० गच्छति) १ जाना
गज् (१ प० गजाति) १ मदोन्मत्त या बेसुध होना. २ शब्द करना. (१० उ० गजयति-ते) १ शब्द करना.	२ इष्टार्थ सिद्ध होना. अनु-१ अनुसरण करना, दूसरेका देखके वैसाही करना. आ-१ आना. २ बीचमें या किसीकी ओर जाना. अधि-१ मिलना, प्राप्त होना. २ पुस्तकादि पढ़ना. ३ त्यागना, छोड़ देना. अप-१ लौट आना अउ-१ जानना. उव्-१ नजदीक जाना या आना. उप-१ नजदीक जाना. २ पैदा करना.
गञ्ज (१ प० गञ्जति) १ शब्द करना.	
गड् (१ प० गडति, १० प० गडयति) १ बहना, झरना. २ साँचना. ३ चुआना (१० प० गडयति) १ छिपाना, ढँकना.	

गम्ब्-गर्बु	गर्ह-गाह्
<p>३ अतुमोदन देना, सलाह देना उपा-१ नजदीक जाना या आना दुर्-१ दुखसे जाना नि-१ ज्ञानप्राप्ति करना निर्- १ आगे जाना २ बाहर जाना पर्युत्-१ ऊपर उठना परि-१ घेर लेना २ बाहर जाना प्र त्या-१ लौट आना वि-१ शत्रु की ओर चढ जाना समा-१ भेटना, एकत्र होना समुप- कबूल करना, मान्य करना सु-१ आनदसे या खुशीसे जाना २ पार जाना सम्- आ० १ साथ जाना २ भेटना, एकत्र होना ३ (सऋर्मक) जाना</p>	<p>गर्ह (१ उ० गर्हति-ते, १० उ० गर्हयति-ते) १ दोष लगाना, निदा करना २ दु खित होना. गल् (१ प० गलति) १ टपकना गिरना ३ नष्ट होना (१० आ० गलयते) १ टपकना अश्व-१ नौचे गिरना वि-१ जाना, नजदीक जाना २ मदद देना, साह्य करना परि-१ टपकना. २ डूबना ३ नष्ट होना ४ गल जाना गल्भ (१ आ० गल्भते) १ धीर धारण करना, धैर्य रखना, साहस करना गल्ह (१ आ० गल्हते) १ दोष देना, निदा करना गवेष (१ आ० गवेषते, १० उ० गवेषयति-ते) १ दूटना, पता लगाना २ प्रयत्न करना गह् (१० प० गहयति) १ घना होना, निबिड होना. गा (१ आ० गाते) १ जाना, गमन करना (३ प० जिगाति) १ प्रशंसा करना, सराहना गाध (१ आ० गाधते) १ दूटना. २ रहना, ठहरना ३ प्रथमनाना. गाह् (१ आ० गाहते) १ नष्ट क- रना २ मर्मभेद करना. ३ फेर-</p>
<p>गम्ब् (१ प० गम्बति) १ जाना गर्घु (१ प० गर्घति) १ जाना गर्जु (१ प० गर्जति, १० उ० गर्जयति ते) १ गर्जना करना गर्ह (१ प० गर्हति, १० उ० गर्हयति-ते) १ गर्जना करना गर्धु (१० उ० गर्धयति-ते) १ चाहना, इच्छा करना, आशा करना गर्बु (१ प० गर्बति) १ जाना गर्वु (१ प० गर्वति) १ गर्व करना हठ करना (१० आ० गर्व यते) गर्वको बढ़ाना</p>	

गिल्-गुद्

गुध्-गुव्

ना, हिलाना. अब्-१ स्नान करना. वि-१ स्नान करना
२ केंपाना

गिल् (६ प० गिलति) १ निगलना.
गु (६ प० गुति) १ हगना,

झाडा होना, दस्त होना. (१ आ० गवते) १ अस्पष्ट बोलना.

गुज् (१ प० गोजति, ६ प० गुजति) १ अस्पष्ट बोलना, गुजारव करना.

गुज्ज (१ प० गुज्जति) १ अस्पष्ट बोलना, गुजारव करना.

गुड (६ प० गुडति) १ सरक्षण करना, वचाना

गुण् (१० उ० गुणयति-ते) १ बुलाना, आमंत्रण करना २ उपदेश करना. ३ गुणाकार करना, गुणन करना ४ सलाह देना

गुण्ट (१० प० गुण्टयति) १ घेरना, घेर लेना. अब-१ घूषट लेना, परदा डालना

गुण्ड (१ प० गुण्डति, १० उ० गुण्डयति-ते) १ घेर लेना, घेरना. २ पिष्ट चूर्ण करना ३ सरक्षण करना.

गुद् (१ आ० गोदते) १ खेलना, क्रीडा करना

गुध् (१ आ० गोधते) १ खेलना, क्रीडा करना (४ प० गुध्याति)

१ घेरना. (१ प० गुध्नाति) १ क्रोध करना, गुस्सा करना

गुन्द्र (१० प० गुन्द्रयति) १ अनृत बोलना, झूठ कहना

गुप् (१ आ० जुगुप्मते) १ वचाना, सरक्षण करना २ छुटाना, छिपाना ३ दोष लगाना, निंदा करना. (४ प० गुप्याति) १ व्याकुल होना, भ्रात होना २ व्याकुल करना. भ्रान्त करना (१ प० गोपायति) १ सरक्षण करना (१० उ० गोपयति-ते) १ प्रकाशना, चमकना. २ बोलना

गुफ (६ प० गुफति) १ गूथना

गुम्फ (६ प० गुम्फति) १ गूथना

गुंफन करना. २ रचना

गुर् (६ आ० गुर्ते) १ प्रयत्न करना, उद्योग करना

गुर्द (१ आ० गुर्दते) १ क्रीडा करना, खेलना (१० उ० गुर्दयति-ते) १ रहना, वास करना, बसना २ आमंत्रण करना, बुलाना.

गुर्व (१ प० गुर्वति) १ प्रयत्न करना, उद्योग करना

गुह-गृ	गेप्-ग्रस्
गुह् (१ उ० गोहति-त्ते) १ छि- पाना, वस्त्रादिसे ढांकना.	१ समझना, जानना. २ समझा- ना, जताना. नि-उत्-६ प० १ कै करना, वमन करना.
गृ (६ प० गुवाति) १ हगना, मलविस्सर्जन करना, शौचविधि करना.	समुत्-१० आ० १ जोरसे पुकारना. २ ऊपर फेंकना.
गूर् (१० आ० गूरयते) १ प्रयत्न करना, उद्योग करना. २ भक्षण करना, खाना (४ आ० गूर्यते) १ मार डालना, दुःख देना. २ जोर्ण होना, पुराना होना. ३ जाना, गमन करना.	गेप् (१ आ० गेपते) १ कापना, हिलना. २ जाना, स्थलान्तर करना.
दूर्गु (१ आ० गूर्दते) १ क्रीडा करना, खेलना. (१० उ० गूर्द- यति-त्ते) १ बसना. २ बुलाना.	गेव् (१ आ० गेवते) १ सेवा करना.
गृ (१ प० गरति) १ सांचना, गीला करना. (१० आ० गार- यते) १ समझना, जानना.	गेप् (१ आ० गेपते) १ दूडना, पता लगाना.
गृज् (१ प० गर्जति) } गृञ्ज् (१ प० गृञ्जति) } १ गर्जना करना, पुकारना.	गै (१ प० गायति) १ गाना. उत्- प्र-१ जोरसे गाना या जोरसे क- हना वि-१ निश्चयपूर्वक कहना
गृध् (४ प० गृध्यति) १ चाहना	गोम् (१० उ० गोमयति-त्ते) १ लीपना, पीतना.
गृह् (१ आ० गृहते, १० आ० गृहयते) १ लेना, स्वीकार करना.	गोष् (१ आ० गोष्ठते) १ बटोरना- ग्रन्थ् (१ आ० ग्रन्थते) १ बक्र होना, टेढ़ा होना. २ दुष्ट होना. ३ गाँठ बांधना, गूथना. ४ झुकाना, नताना. (९ प० ग्रन्थाति, १० प० ग्रन्थयति) १ गाँठ बांधना. बांधना, गूथना. २ सदभ्रम लगाना. उत्-१ छोट वेंना, मुक्त करना.
ग (६ प० गिर (ल) ति) १ राना, निगलना. (९ प० गृ णाति) १ शब्द करना, आवाज करना. (१० आ० गारयते)	ग्रस् (१ आ० ग्रसते) १ राना, निगलना. (१० उ० ग्रासयति- त्ते) १ घेर लेना. २ हरण करना.

ग्रह-ग्लुच्

ग्लुश्च-घट्ट

ग्रह् (१ प० ग्रहति, १० प० ग्राह-
यति) १ लेना, स्वीकार करना.
(१ प० गृह्णाति-ह्नाते) १
लेना, स्वीकार करना. अनु-उ०
१ कृपा करना, अनुग्रह करना.
अव-उ० १ अटकाना. उत्-प०
१ विश्वास करना. उप-१ कृपा
करना. २ भरना. नि-१ ले लेना,
हरण करना. २ शासन करना. ३
प्रतिवध करना, अटकाव करना.
परि-१ धरना, पकडना, लेना.
प्रति-१ अनुमोदन देना, हो
कहना. २ गले लगाना, आर्त्तिमान
करना. ३ जीतना. ४ प्रतिग्रह
करना, लेना. ५ अगीकार करना.
वि-१ झगडना, झगडा करना.
सम्-१ बटोरना, एकत्र करना.
ग्राम् (१० उ० ग्रामयति-ते) १
बुलाना. २ बुद्धिवाद कहना.
शुच् (१ प० श्लोचति) १ चोरना,
चोरी करना, मूसना.
ग्लस् (१ आ० ग्लसते) १ खाना,
भक्षण करना.
ग्लह् (१ उ० ग्लहति-ते, १० प०
ग्लहयति) १ लेना, स्वाकार
करना.
ग्लुच् (१ प० ग्लोचति) १ चो-
रना, मूसना. २ जाना, स्थलां-
तर करना.

ग्लुश्च (१ प० ग्लुश्चति) १
जाना, स्थलांतर करना.
ग्लेप् (आ० ग्लेपते) १ पराधीन
होना. २ दरिद्री होना. ३
जाना. ४ हिलना, कांपना.
ग्लेव् (१ आ० ग्लेवते) १ सेवा करना.
ग्लेष् (१ आ० ग्लेपते) १ डूबना,
शोध करना.
ग्लि (१ प० ग्लायति) १ म्लान
होना, ग्लानियुक्त होना. २
जम्हाई लेना

घ.

घग्घ् (१ प० घग्घति) }
घघ् (१ प० घघाते) } हैंसना,
उपहास करना.
घट्ट (१ आ० घट्टते) १ होना.
२ करना. (१० उ० घाट्टयति-
ते) १ घोटना, हिलाना. २
बटोरना, एकत्र करना. ३ मार
डालना, दुःख देना. ४ चमक
ना, प्रकाशित होना.
घण्ट् (१० उ० घण्टयति-ते) १
बोलना, कहना. २ चमकना,
प्रकाशित होना.
घट्ट् (१ आ० घट्टते, १० प० घट्ट-
यति) १ जाना, स्थलांतर कर
ना. परि-१ फैलाना. वि-१
मांजना, घोना. २ विगाडना.

घण-घुर	घुष्-घृष्
घण् (८ प० घणोति, आ० घणु- ते) १ चमकना, प्रकाशित होना	अज्ञानी होना. २ दूटना, शोध करना
घम्ब् (१ प० घम्बति) १ जाना.	घुष् (१ प० घोपति) १ चुपके काम करना. (१० उ० घोप- याति-ते) १ मनमें विचार कर कह सुनाना. २ प्रशंसा करना, घोषित करना. ३ तरह २ के शब्द करना आ-१ एक साथ रोना २ दबोरा पीटना
घर्ब् (१ प० घर्बति) १ जाना.	घुंष् (१ आ० घुपते) १ स्वच्छ करना, साफ करना
घष् (१ आ० घपते) १ घिसना. २ घिसके स्वच्छ करना.	घूर् (४ आ० घूर्यते) १ हिंसा करना, दुःख देना. २ वृद्ध होना, पुराना होना
घस् (१ प० घसति) १ खाना.	घूर्ण् (१ आ० घूर्णते, ६ प० घूर्णाति) १ चक्राकार घूमना
घंस् (१ आ० घसते) १ सीचना, प्रोक्षण करना	घृ (१ प० घरति, ३ प० जिघर्ति, १० उ० धारयति-ते) १ गीला करना, तरडा देना, सीचना. २ चमकना, प्रकाशित होना. ३ बूद २ गिरना, टपकना.
घिण्ण् (१ आ० घिण्णते) १ लेना	घृण् (८ प० घृणोति, घर्णोति, आ० घृणते, घर्णते) १ चमक- ना, प्रकाशित होना.
घु (१ आ० घवते) १ आवाज करना.	घृण्ण् (१ आ० घृण्णते) १ लेना, स्वीकार करना.
घुद् (१ आ० घोटते) १ लौटना, पीछे आना. २ बदलना, बदल देना. (६ प० घुद्यति) १ प्रति कार करना २ मार डालना ३ प्रतिबध करना ४ रक्षण करना.	घृष् (१ प० घर्षति) १ पीसना २ कूटना. ३ घिसना.
घुड् (६ प० घुडति) १ प्रतीकार करना २ मार डालना	
घुण् (१ आ० घोणते, ६ प० घुणाति) १ चक्राकार फिरना, घूमना, लोटता फिरना.	
घुण्ण् (१ आ० घुण्णते) १ लेना.	
घुर (६ प० घुरति) १ भयकर होना. २ शब्द करना, आवाज करना, घुराना. (४ आ० घूर्यते) १	

घोर्-चद्	चण्-चम्प्
घोर् (१ प० घोरति) १ चतुरा इसे चलना	चण् (१ प० चणति) १ दान करना, देना २ आवाज होना.
घ्रा (३ प० जिघ्रति) १ सूघना २ चूमना	३ मार डालना, दु ख देना.
ट.	चण्ड (१ आ० चण्डते, १० आ० चण्डयते) १ घुस्मा करना
डु (१ आ० डवते) १ शब्द करना, आवाज करना	चत् (१ उ० चति-ते) १ मांगना, याचना करना, २ जाना
च.	चद् (१ उ० चदति-ते) १ याचना करना, मागना
चक् (आ० चकने) १ निवारण करना, पीछे हटना (१ उ० चकति-ते) तृप्त होना, संतुष्ट होना २ चमकना, प्रका शित होना	चन् (१ प० चनति, १० उ० चानयति-ते) दुःख देना, मार डालना २ शब्द करना, आवा- ज करना ३ भरोसा रखना, विश्वास करना
चक्रास् (२ प० चक्रास्ति, क्वचित् आ० चक्रास्ते) १ चमकना, प्रकाशित होना	चन्द् (१ प० चन्दति) १ चम कना २ आनन्द पाना, मुश होना
चष् (१० उ० चक्षयति-ते) १ दुःख पाना, २ दुःख देना	चप् (१ प० चपति) १ शान कर ना, समझाना (१० उ० चप यति-ते) १ पीसना २ कूटना ३ ठगना
चक्ष (२ आ० चष्टे) १ साफ बोलना २ देखना ३ चूसना ४ छोटना आ-१ देखना	चम् (१ प० चमति, ५ प० च मनोति) १ खाना, २ पाना आ- (आचामति) १ आचमन करना, पतला पदार्थ मुँहमें लेना वि-(विचमति) १ खाना
चव् (१ प० चवति) १ मार टालना	चम्प् (१ प० चम्पति, १० उ० चम्पयति-ते) १ जाना.
चश्च (१ प० चश्चति) १ जाना २ कूटना ३ हिलना	
चद् (१ प० चदति, १० उ० चा यति-ते) १ बरसना २ लेने टना ३ मार डालना ४ तोटना उत्-(१० उ०) १ उच्चाटन करना	

चम्ब-चर्च	चर्च-चाय
चम्ब (१ प० चम्बति) १ जाना.	चर्चयति-ते) १ पठना, अध्ययन करना, चर्चा करना.
चय (१ उ० चयति-ते) १ जाना.	चर्च (१ आ० चर्चते, १० आ० चर्चयते) १ दोष लगाना, निंदा करना. २ बोलना. ३ अध्ययन करना, पठना.
चर (१ प० चरति) १ जाना. २ खाना. ३ आचरण करना. अत्या-आज्ञाभग करना. अभि- १ ठगना. २ टोना करना, जादू करना. ३ ध्यान देना. अनु-१ अनुसरण करना, नम्रल करना. आ-१ कर्म करना. उव-आ० १ आज्ञाभग करना, हुकम न मानना. २ देशसे निकाल देना. उव-प० ऊपर जाना. उप-१ सेवा करना, सन्मान देना २ नजदीक जाना. परि-१ सेवा करना. प्र-१ प्रसिद्ध करना २ आचरण करना. व्यभि-१ दुष्कर्म करना, व्यभिचार करना सम्-प० १ साथ जाना सम्-आ० १ ऊपर चढना समा-१ प्रसिद्ध करना. २ अच्छा आचरण करना (१० उ० चारयति-ते) १ सशय होना. २ सशयराहित होना वि-१ विचार करना.	चर्च (१ प० चर्चति) १ जाना. २ खाना. ३ चवाना.
चर्व (१ प० चर्वति) १ जाना.	चर्व (१ प० चर्वति, १० प० चर्वयति) १ खाना २ चवाना.
चरण (११ प० चरण्यति) १ जाना.	चरण (११ प० चरण्यति) १ जाना.
चल् (१ प० चलति) १ हिलना, कांपना. (६ प० चलति) १ खेलना, क्रीडा करना. (१० प० चाल्यति) १ पालना, बढाना (१० प० च (चा) ल्यति) १ हिलाना, कपाना. प्र-१ गिरना.	चप (१ प० चपति) १ मार डालना, दुःख देना (१ चपति-ते) १ खाना.
चर्व (१ प० चर्वति) १ जाना	चह (१ प० चहति, १० उ० चहयति-ते) १ ठगना. २ दुष्कर्मी होना, गर्मीला होना. (१० उ० चहयति-ते) १ पीसना, कूटना.
चर्च (१-६ प० चर्चति) १ बोलना, चर्चा करना. २ गाली देना, निंदा करना. ३ दुःख देना ४ विचारना, डूटना. (१० उ०	चाय (१ उ० चायति-ते) १ जानना, समझना. २ पूजा करना, सन्मान करना.

चि-चिन्त्

चिरि-चुङ्क्

चि (६७० चिनोति-चिनुते, १०५० चययति, चपयति) ढूँढना. २ बटोरना, एकत्र करना. (१ उ० चयति-ते) १ बटोरना. अप-१ नाश करना, विध्वंस करना. उप-सम्-१ पाना, प्राप्त करना. निर्-१ निश्चय करना, ठहराना. विनि-२-१ ठीक २ निश्चय करना. (१५० चयति) १ पीटा करना, दुःख देना. (१ आ० चयते) १ धिन करना. २ वैर लेना, बदला लेना. (३५० चिक्रेति) १ ढूँढना. २ देखना.
 चेङ्क् (१० उ० चिङ्कयति-ते) १ पीटा करना, दुःख देना.
 चेद् (१५० चेतति, १०५० चेत्यति) १ सेवक होना. २ सेवकके समान आज्ञा करना.
 चैत् (१५० चैतति, १० उ० चैतयति-ते) १ विचार करना, चिन्तन करना, याद करना.
 चेत्र (१० उ० चित्रयति-ते) १ तसवीर खींचना, चित्र खींचना. २ आश्चर्य करना. ३ आश्चर्य देरना.
 चिन्त् (१० उ० चिन्तयति-ते) १ विचार करना, स्मरण करना, याद करना.

चिरि (६५० चिरिणोति) १ पीटा करना, दुःख देना.
 चिल् (६५० चिलति) १ कपडे पहरना.
 चिह् (१५० चिहति) १ मुक्त करना, ढीला करना. २ मनका अर्थ-भाव दिखाना. ३ कामबुद्धिसे वर्तना, ठगविद्या करना.
 चिद् (१०५० चिद्ध्यति) १ चिह्न करना, निशान करना.
 चीक् (१५० चीकति, १० उ० चीकयति-ते) १ सहन करना, सहना. २ उतावला होना, असहिष्णु होना. ३ छूना, स्पर्श करना.
 चीव् (१५० चीवति) १ लेना, स्वीकार करना.
 चीम् (१५० चीमति) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना. २ व्याज-स्तुति करना.
 चीय् (१ उ० चीयति-ते) १ लेना, स्वीकार करना. २ धारण करना, पहरना.
 चीव् (१ उ० चीवति-ते) १ लेना. २ पहरना. ३ पकडना. (१० उ० चीवयति-ते) १ चकमना. २ बोरना.
 चुङ्क् (१० उ० चुङ्कयति-ते) १ दुःख देना. २ दुःख होना.

चुच्य-चुव	चुद्-चुह
चुच्य (१ प० चुच्याते) १ अर्क निकालना २ नहाना, स्नान करना	चुद् (१० प० चोदयति-ते) १ प्रेरणा करना २ पूछना, प्रश्न करना ३ प्रार्थना करना (१ उ० चोदति-ते) १ प्रवृत्त करना २ जल्दी करना ३ जल्दी देना
चुद् (१ प० चोदति, १० उ० चोद्यति-ते) १ छोटा होना, कलाहीन होना, थाह होना (६ प० चुदाते, १० प० चोट यति) १ कतरना	चुन्द (१ उ० चुन्दति-ते) १ तीक्ष्ण करना, पैना करना, धार रखना
चुद् (१० उ० चुदयति-ते) १ कम होना, अल्प होना, थाह होना २ बटोरना	चुप् (१ प० चोपति) १ धीरे धीरे चलना
चुद् (६ प० चुडाति) १ लपेटना, घेरना २ छिपना	चुम्ब (१ उ० चुम्बति-ते) १ चूमना (१० उ० चुम्बयति ते) १ हिसा करना, मार डालना
चुद् (१ प० चुडाति) १ बर्तना २ कामक्राडा करना, इष्कवाजी करना ३ अभिप्राय सूचित करना, इशारा करना	चुर (१० उ० चोरयति-ते) १ चुराना, मूसना (१ प० चोर ति, ४ आ० चूर्यते) १ जलना, जल जाना
चुण (६ प० चुणति) १ कतरना, हिस्सा करना	चुरण (११ प० चुरण्यति) १ चुरा ना, मूसना
चुण्ट (१ चुण्यति) १ अल्प होना, थाह होना, (१ प० चुण्यति, १० प० चुण्यति) १ कतरना ताडना	चुल् (१० उ० चोलयति-ते) १ बढाना, उचा करना ० भिगोना, डुबोना
चुण्ड (१ प० चुण्डति) १ कम होना, अल्प होना, थाह होना (१० प० चुण्डयति) १ कत रना, तोडना	चुलम्प (१ प० चुलम्पाति) १ कत रना २ अतर्धान होना, नष्ट होना झूलना, डोलना उद्- १ झूलना
चुत् (१ प० चोताते) १ गाल हाना या करना २ चूना	चुद्ध (१ प० चुद्धति) १ अपना अभिप्राय स्पष्ट करके दिखाना

दुष्-च्युत्

च्युम्-छिद्

२ विलास करना, इष्कवाजी करना.
 वृष् (१० प० वृष्यति) १ आ-
 कर्षण करना, रसीचना, सकोच
 करना.
 वृश् (४ आ० वृश्यते) १ जठाना,
 भस्म करना.
 वृष्ण (१ उ० वृष्णयति-ते) १
 आकर्षण करना, रसीचना, सको-
 च करना. २ प्रेरणा करना. ३
 चूर्ण करना, पीसना. ४ दवाना.
 चूप (१ प० चूपति) १ चूसना.
 चृत् (१ प० चर्त्तति, १० प० चर्त्तयति)
 १ प्रकाशित करना, जठाना.
 चृन्त् (६ प० चृन्तति) १ पीटा
 करना, मार डालना. २ एकत्र
 करके बांधना. ३ गूथना.
 चृप् (१ प० चर्पति, १० उ० चर्प-
 यति-ते) १ प्रकाशित करना,
 चमकाना.
 चेल (१ प० चेलति) १ कपित
 होना, हिलना.
 चेष्ट (आ० चेष्टते) १ चेष्टा करना.
 च्यु (१ प० च्युवते) १ गिरना.
 गिर पडना. २ भटकना, जाना.
 (१० उ० च्यावयति-ते) १
 हँसना. २ सहना, सहन करना.
 च्युत् (१ प० च्योत्तति) १ रसीचना,
 भिगोना. बहना.

च्युस् (१० उ० च्योसयति-ते) १
 हँसना. २ सहन करना, सहना.
 ३ मुक्त करना, छोड़ देना. ४
 पीटा देना, मार डालना.
 छ.
 छट् (१ उ० छदति-ते, १० उ०
 छादयति-ते) १ आच्छादित
 करना, ढँकना. २ छिपाना,
 बचाना. आ-१ ढँकना.
 छन्द (१ प० छन्दति) १ बल-
 धार होना या करना. (१ प०
 छन्दति, १० उ० छन्दयति-ते)
 १ ढँकना, आच्छादन करना,
 लपेटना.
 छम् (१ प० छमति) १ खाना.
 छम्प् (१ प० छम्पति, १० प०
 छम्पयति) १ स्थलान्तर करना,
 जाना.
 छर्द् (१० प० छर्दयति) १ धमन
 करना या होना, वै करना.
 छप् (१० उ० छापयति-ते) १
 मार डालना.
 छिद् (७ उ० छिनत्ति-छिन्ते) १
 छिन्न करना, तुकड़े करना. आ-
 १ पकड़ना, पकड़ोरीसे पकड़ना.
 उत्-१ हिंसा करना. २ कतरना.
 छिद् (१० उ० छिद्रयति-ते) १
 कानोंको छिद्राना.

छुट्-जञ्	जट्-जश्
छुट् (६ प० छुटति, १० प० छोट्याति) १ कतरना, तोडना. २ ढँकना, आच्छादन करना.	जट् (१ प० जटति) } जड् (१ प० जडति) } १ जम
छुड् (६ प० छुडाति) १ ढँकना, आच्छादित करना.	जाना, एकत्र होना, अथ होना
छुप् (६ प० छुपाति) १ छूना, स्पर्श करना.	जन् (३ प० जजन्ति) १ उत्पन्न करना, जनना, पैदा करना (४ आ० जायते) १ उत्पन्न होना, पैदा होना. (१० उ० जनयति-ते) १ उत्पन्न करना, पैदा करना.
छुर् (६ प० छुरति) १ कतरना, तोडना.	जप् (१ प० जपाति) १ स्पष्ट बो लना, २ जपना, जप करना ३ मनहीमन कहना, नहीं सुन पडे ऐसा कहना
छृट् (७ उ० छृणात्ति, छृन्ते) १ चमकना, प्रकाशित होना. २ झीडा करना, खेलना. ३ कै करना, वमन करना (१ प० छर्दति, १० उ० छर्दयति-ते) १ जलाना, प्रचलित करना.	जभ् (१ आ० जभते) १ जम्हाई लेना.
छृप् (१० उ० छर्पयति-ते) १ जलाना.	जम् (१ प० जमाति) १ खाना, भक्षण करना.
छेट् (१० उ० छेदयति-ते) १ कतरना, तुक्डे करना.	जम्भ् (१ आ० जम्भते) १ जम्हाई लेना (१० उ० जम्भयति-ते) १ नष्ट करना.
छो (४ प० छ्याति) १ कतरना, छाटना.	जर्च् (६ प० जर्चति) } जर्श् (६ प० जर्शति) } १ बोलना, कहना. २ डराना. ३ निदा करना, दोष लगाना.
छ्यु (१ आ० छ्यवते) १ जाना, गमन करना.	जर्ज् (१-६ प० जर्जति) १ बो लना, कहना. २ हिंसा करना. ३ निदा करना, दोष लगाना.
ज.	जर्श् (६ प० जर्शति) १ बोलना;
जञ् (२ प० जाक्षिति) १ खाना. २ हैसना.	
जञ् (१ प० जजाति) }	
जञ् (१ प० जञ्जति) युद्ध कर ना, लडाई करना, मारना.	

जत्स-जि	जिम्-जुद्
कहना, २ डराना, ३ निदा करना, दोष लगाना.	तना, परामत्र करना. पर-वि-आ० १ जीतना, पराजय करना
जत्स (६ प० जत्सति) १ बोलना, कहना. २ दोष लगाना, निदा करना.	जिम् (१ उ० जेमति-त्ते) १ खाना भक्षण करना.
जल् (१ प० जलति) १ तीक्ष्ण होना, तेजस्वी होना या करना, पेना करना २ श्रीमान् होना, धनवान् होना, सपत्र होना. (१० उ० जालयति-त्ते) १ डाँकना, निवारण करना. १ जालसे ढाँकना.	जिरि (६ प० जिरिणोति) १ हिंसा करना, दुःख देना.
जल्प (१ प० जल्पति) १ बोलना. २ धरना.	जिव् (१ प० जिन्वति) १ सतों पित करना. रुश करना. २ आनद पाना, रुश होना. ३ मुक्त करना, छोड़ देना.
जप (१ प० जपति) १ मार डालना, पीडा करना.	जिप (१ प० जेपति) १ सेवा करना. २ प्रोक्षण करना साचना.
जस (४ प० जस्यति) १ मुक्त करना, छोड़ देना. (१ प० जसति, १० जासयति-त्ते) १ मार डालना, पीडा करना. २ ताडना करना. ३ उपेक्षा करना.	जीव् (१ प० जीवति) १ जीना आ-१ उदरनिर्वाहके लिये कमाना उप-१ उदरनिर्वाहके लिये परस्वार्थीन होना, नौकरी करना. सम्-प्र १ सुरसे रहना, सुरी होना
जंस् (१ प० जसति, १० उ० जमयति-त्ते) १ सरक्षण करना. २ मुक्त करना, छोड़ देना.	जु (१ आ० जयते) १ जाना. २ जल्द जाना. (१ प० जयति) १ पाप करना. २ जाना.
जागृ (२ जागति) १ जगना, नींद न देना.	जुद् (१ प० जुद्गति) १ त्यागना, छोड़ देना. २ वर्जित करना. ३ जातिवहिष्कृत करना.
जि (१ प० जयति) १ सधोक्त्तपसे रहना, सधमे बढके रहना. २ जी	जुञ्ज (१ प० जुञ्जति, १० उ० जुञ्जयति-त्ते) १ बोलना. २ प्रकाशित करना, व्यक्त करना
	जुद् (६ प० जुद्गति) १ धरना

जुण्ड-जू	जृम्-ज्ञ
२ जाना. ३ जोडना. (१० उ० जोडयति-ते) १ प्रेरणा करना, भेजना. २ चूर्ण करना, पीसना.	जृम् (१ आ० जर्भते) } जृम्म् (१ आ० जृम्भते) } १ जम्हाई लेना.
जुण्ड (१० प० जुण्डयति) १ पीसना, चूर्ण करना. २ प्रेरणा करना, भेजना	जू (१ प० जरति, १० उ० जारयति-ते, ४ प० जोर्यति, ९ प० जृणाति) १ वृद्ध होना, जीर्ण होना.
जूत् (१ आ० जोतते) १ प्रकाशित होना, चमकना.	जेप् (१ आ० जेपते) १ जाना.
जुन् (६ प० जुनति) १ जाना. २ हिलना, कांपना.	जेद् (१ आ० जेहेते) १ उत्कठासे यत्न करना २ जाना.
जुर्व (१ प० जूर्वति) १ मार डालना, दुःख देना.	जै (१ प० जायति) १ क्षीण होना, ह्रास होना, कम होना.
जुल् (१० उ० जोल्यति-ते) १ पीसना, चूर्ण करना.	ज्ञप् (१० उ० ज्ञपयति-ते) १ जानना, समझना. २ सिखाना, समझाना. ३ आनदित करना, खुश करना. ४ मारना, ठोंकना. ५ तीक्ष्ण करना, पैना करना, पैनाना. ६ देखना.
जुप् (१ प० जोपति, १० उ० जोपयति-ते) १ विचार करना. २ पीडा करना. ३ मार डालना. ४ चाहना, दुलारना (६ आ० जोपते) १ सेवा करना. २ खुश करना, सतोषित करना.	ज्ञा (१ उ० जानाति-जानीते) १ जानना, समझना. अनु-१ अनुमोदन देना, आज्ञा करना, हुक्म देना. २ कबूल करना. मान्य करना. अप-१ छिपाना, आच्छादित करना, लुकाना. अप-१ नहीं जानना अक्-१ अपमान करना, मानखडन करना. उप-१ प्रथम जानना, पहिले समझना. परि-१ जान लेना.
जूर् (४ आ० जूर्यते) १ जीर्ण होना २ धुस्सा करना. ३ मार डालना, दुःख देना	
जूर्व (१ प० जूर्वति) १ मार डालना, दुःख देना.	
जू (१ उ० जूपति-ते) १ पीडा करना, मारना.	
जू (१ प० जरति) १ अल होना, छोट होना, ह्रस्व होना.	

ज्या-ज्यो

त्रि-इक्ष

समझ लेना, परिज्ञान कर लेना.
प्र-१ अच्छी तरह जानना. सम्-
१ प्रतिज्ञा करना, प्रण करना,
वचन देना. २ अगीकार करना.
स्वीकार करना, लेना. ३ अनु-
मोदन देना, आज्ञा करना.
प्रत्यभि-१ पहचानना. वि-१
साफ समझना, स्पष्ट जानना.
सम्-१ उत्कठापूर्वक स्मरण या
याद करना. २ अच्छी तरह जा-
नना, समझना. (१० उ० आ-
ज्ञापयति-त्ते) १ आज्ञा करना,
हुम्न करना. (१० प० ज्ञपय-
ति) १ मार डालना. २ आन-
दित करना, मुश करना. ३
तीक्ष्ण करना, पैना करना,
पैनाना. ४ स्पष्ट करना, साफ २
दिखाना. ५ स्तुति करना, प्रश-
सा करना.

ज्या (१ प० जिनाति) १ जीर्ण
होना, वृद्ध होना. २ पुराना
होना.

ज्यु (१ आ० ज्यवते) १ नजदीक
जाना या आना.

ज्युन् (१ उ० ज्योतति-त्ते) १
पातिमात्र होना, चमकना,
प्रकाशित होना.

ज्यो (१ आ० ज्यवते) १ उचदेश
देना, सिगाना. २ आज्ञा कर-

ना, हुम्न करना. ३ धर्माचरण
करना.

त्रि (१ प० ज्रयति) १ जीतना, जय
पाना. २ कम होना, न्यून होना.

ज्री (१ प० त्रिणाति, १ प० ज्रय-
ति, १० उ० ज्राययति-त्ते) १
वृद्ध होना, जीर्ण होना.

ज्वर् (१ प० ज्वरति) १ ज्वर
आना, बुखार आना.

ज्वल् (१ प० ज्वलति) १ प्रका-
शित करना या होना. २ जलना
या जलना. (१० प० प्रज्व-
ल्यति) १ जलना या जलाना.
२ प्रकाशित करना या होना.

क्ष.

क्षद् (१ प० क्षयति) १ जुटना,
एकत्र होना.

क्षड् (१ प० क्षदति) १ जुटना,
एकत्र होना.

क्षम् (१ प० क्षमति) १ खाना,
भक्षण करना.

क्षर्त्तु (१ प० क्षर्त्तति) १ खोलना,
कहना. २ निंदा करना, दोष
लगाना.

क्षर्त्तु (१ प० क्षर्त्तति) १ खोलना,
कहना. २ निंदा करना, दोष
लगाना.

क्षर्त्तु (१-६ प० क्षर्त्तति, १० प०
क्षर्त्तति) १ खोलना, कहना.

झप्-ञ्च्	टौक्-डी
२ निदा करना, दोष लगाना. (१ प० झर्झति) १ मार डालना, दुःख देना.	टौक् (१ आ० टौकते) १ जाना २ विकना.
झप् (१ प० झपति) १ मार डाल- ना, दुःख देना. २ ग्रहण करना. लेना ३ वस्त्रादि धारण करना, पहिनना, पहिरना.	ड. डप् (१० आ० डायपति) १ एकत्र करना, बयोरना, राशि करना
झु (१ आ० झवते) १ जाना, स्थलांतर करना.	डम्प् (१ प० डम्पति, १० आ० डम्पयते) १ एकत्र करना, बयोरना, राशि करना.
झृप् (१ प० झृपाति) १ मार डाल- ना, दुःख देना	डम्ब् (१ उ० डम्बयति-ते) १ फेंकना. वि-१ छल करना, विट बना करना.
झ (१ प० झृणाति, ४ झीर्यति) १ वृद्ध होना, जीर्ण होना. २ नष्ट होना.	डम्म् (१ प० डम्भति, १० उ० डम्भयति-ते) १ एकत्र करना, बयोरना, राशि करना.
झ्यु (१ आ० झ्यवते) १ जाना, स्थलांतर करना.	डिप् (४ प० डिप्यति, ६ प० डिपति १० उ० डिपयति-ते) १ भेजना. २ फेंकना, उडाना
ट. टङ्क् (१ प० टङ्कति, १० टङ्कयति- ते) १ बांधना, जुटाना.	डिम्प् (१ प० डिम्पति, १० आ० डिम्पयते) १ एकत्र करना, बयोरना, राशि करना.
टल् (१ प० टलति) १ विह्वल होना, दुःखित होना, हृद्रोगी होना.	डिम्ब् (१० उ० डिम्बयति-ते) १ फेंकना, उडाना.
टिक् (१ आ० टैकते) १ जाना २ टिकाना	डिम्भ् (१ प० डिम्भति, १० आ० डिम्भयते) १ फेंकना, उडाना,
टिप् (१० उ० टैपयति-ते) १ भेजना २ फेंकना, उडाना	डी (१ आ० डयते, ४ आ० डीय ते) १ आकाशमें उड जाना, अतरिक्षमें उडना. २ जाना. अव-१ आकाशमेंसे उतरना.
टीक् (१ आ० टौकते) १ जाना. २ टिकना.	
टुल् (१ प० टुलति) १ विह्वल होना, दुःखित होना.	

दुल्-तञ्

तद्-त्तम्

उत्-१ ऊपर उडना. परि-१ चक्राकार उडना. प्र-१ चपलतासे उडना. सम्-१ समूहके साथ उडना. समूत्-१ ठहरठहरके धीरे धीरे उडना.

डुल् (१० उ० डोलयति-ते) १ ऊपर फेंकना.

द.

दुण्ड् (१ प० दुण्डति) १ दूडना.
दौक् (१ आ० दाकते) १ जाना, स्थलांतरकरना. उप-१ आगे रखना.

त.

तृक् (१ प० तृकति) १ उपहास करना, ठट्टा मारना, विटवना करना. २ सहना, सहन करना. व्यति-१ उपहास करना, प्रत्युपहास करना.

तङ्क (१ प० तङ्कति) १ दुःखसे दिन बिताना. (१ आ० तङ्कते) १ जाना.

तङ्ग (१ प० तङ्गति) १ जाना. २ कांपना, हिलना. ३ ठोकर लगके गिह पडना.

तञ्च (१ प० तञ्चति) १ जाना. (७ प० तनक्ति) १ संकोचित होना.

तञ्ज (७ प० तनक्ति) संकोचित होना.

तद् (१ प० तद्यति) १ ऊचा होना, वृद्धिगत होना. (१० प० ताटयति) १ मारना, ताडन करना.

तड् (१० उ० ताडयति-ते) १ मारना, ताडन करना. २ चमकना.

तण्ड् (१ आ० तण्डते) १ मारना, ताडन करना.

तन् (८ उ० तन्नोति, तनुते) १ फैलाना. २ बढ़ाना (१ प० तनति, १० उ० तानयति-ते)

१ भरोसा करना. २ आश्रय देना, मदद देना, साहाय्य कर-करना. ३ शब्द करना. ४ पीटा करना, दुःख देना. ५ बढ़ाना, खंवा करना. ६ निरुपद्रवी होना, दुःख नहीं देना.

तन्त्र (१० तन्त्रयति) १ फैलाना. कुटुब पोषण करना.

तन्द (१ आ० तन्दते) १ संतुष्ट होना, खुश होना.

तप् (१ उ० तपति-ते, ४ आ० तप्यते, १० उ० तापयति-ते) १ तप्त होना, जलना. २ जलाना, तप्त करना. ३ मनमें या शरीरमें जलाना. ४ अमानवी पराक्रम करना या होना. अनु-१ प० पश्चात्ताप करना. परि-सम्-

१ प० पश्चात्ताप करना.

तम् (१ प० ताम्यति) १ इच्छा

तम्बू-तस्

करना, चाहना. २ मानसिक या शारीरिक व्यथासे दुःखित होना.
 तम्बू (१ प० तम्बति) १ जाना.
 तय् (१ आ० तयते) १ जाना. २
 सरक्षण करना, संभालना.
 तर्क (१० उ० तर्कयति-ते) १
 बोलना, कहना. २ प्रकाशित
 होना, चमकना. ३ तर्क करना,
 कल्पना करना, वाद् करना.
 ४ शका करना.
 तर्ज (१ प० तर्जति, १० आ०
 तर्जयते) १ दोष लगाना, निदा
 करना. २ डराना. ३ उपहास
 करना.
 तर्द (१ तर्दति) १ मार डालना,
 दुःख देना.
 तर्ब (१ प० तर्बति) १ जाना.
 तल् (१ तलति, १० उ० ताल-
 यति-ते) १ पूर्ण होना. २
 स्थापन करना, बिठाना. ३
 सिद्ध करना.
 तस् (४ प० तस्यति) १ फेंकना,
 उड़ा देना. २ भेजना. ३ सो देना.
 ४ दुम्हलाना.
 तंसू (१ प० तसति, १० उ०
 तनयति-ते) १ सजाना, अल-
 वृत करना. अव-१ सजाना,
 अलवृत करना.

तक्ष-तिम्

तक्षू (१ प० तक्षति) १ आच्छा-
 दित करना. २ छीलना. (५
 प० तक्ष्णोति) १ छीलना.
 अनु-पैना करना, धार लगाना.
 सम्-१ तुकड़े तुकड़े करना,
 घाव करना.
 ताय् (१ आ० तायते) १ सरक्षण
 करना. २ फेंकना, लबा करना.
 तिकू (१ आ० तैकृते) १ जाना.
 (५ प० तिक्रोति) १ जाना. २
 हल्ला करना, चाल करना. ३
 मार डालने या दुःख देनेका
 प्रयत्न करना.
 तिग् (५ प० तिग्नोति) १ जाना.
 २ हल्ला करना, चाल करना.
 ३ मार डालने या दुःख देनेका
 प्रयत्न करना.
 तिष् (५ प० तिष्णोति) १ मार
 डालना, दुःख देना.
 तिज्ञ (१ आ० तेजते, १० उ०
 तेजयति-ते) १ तीक्ष्ण करना,
 पैना करना, धार लगाना. २
 चमकना. (१ आ० तितिक्षते)
 १ क्षमा करना, सहना.
 तिप् (१ आ० तेपने) १ शोक्षण
 करना, सींचना. २ झरना, घूना.
 तिम् (१ प० तेम्यति, ४ प०
 तिम्यति) १ आर्द्र होना, गीला
 होना या करना.

तिरस्-तुज्

तुद्-तुफ्

तिरस् (११ प० तिरस्यति) १ गुत होना.

तिल् (१ प० तेलति) १ जाना. (६ प० तिलति; १० उ० तेलयति-ते) १ तेल लगाना. २ स्निग्ध होना, तैल्युक्त होना.

तिल् (१ प० तिष्ठति)

तीक् (१ आ० तेकते) १ जाना.

तीम् (४ प० तीम्यति) १ आर्द्र होना, गीला होना.

तीर् (१० उ० तीरयति-ते) १ पूर्ण करना, समाप्त करना. २ पार लगाना.

तीव् (५० तीवति) १ मोटा स्थूल होना, तुंदिल होना.

तु (२ प० तौति, तवीति) १ जाना. २ बढना. ३ दुःख देना, मार डालना. ४ पूर्ण करना.

तुज् (१ प० तोजति), १ दुःख देना, मार डालना. (१० उ० तोजयति-ते) १ रहना, वसति करना, मुकाम करना, २ मजबूत या बलवान् होना. ३ ग्रहण करना, लेना. ४ चमकना, प्रकाशित होना. ५ मार डालना.

तुञ् (१ प० तुञ्जति, १० उ० तुञ्जयति-ते) १ रहना, वसति करना, मुकाम करना. २ बलवान् होना. ३ ग्रहण करना,

लेना. ४ चमकना, प्रकाशित होना. ५ मार डालना. (१ तुञ्जति) १ रक्षा करना, प्रतिपालन करना, सम्भालना.

तुद् (६ प० तुदति) १ झगडना, झगडा करना. २ दुःख देना.

तुद् (१ प० तोडति, ६ प० तुडति) १ तोडना, कतरना. २ दुःख देना.

तुड् (१ प० तुडति) १ अपमान करना, अनादर करना.

तुण् (६ प० तुणति) १ टेढा होना, वक्र होना. २ बुरी रीतिसे वर्तना.

तुण्ड् (१ आ० तुण्टते) १ तोडना, कतरना. २ दुःख देना. ३ दवाना.

तुत्थ् (१० उ० तुत्थयति-ते) १ परदा डालना, आच्छादित करना. २ फेलाना. ३ स्तुति करना.

तुद् (६ उ० तुदति-ते) १ दुःख देना, पीटा करना, घाव करना.

तुन्द् (१ प० तुन्दति) १ डूँडना.

तुप् (१ प० तोपति, ६ प० तोपति, १० प० तोपयति) १ मार डालना, दुःख देना.

तुफ् (१ प० तोफति, ६ प० तोफति, १० प० तोफयति) १ मार डालना, दुःख देना.

तुम्-तुम्	तुह्-तुप्
तुम् (१ आ० तोभने, ४ प० तुभ्यति, ९ प० तुम्नाति) १ मार डालना, दुःख देना.	तुह् (१ प० तोहति) १ मार डालना, दुःख देना.
तुम्प् (१-६ प० तुम्पति, १० प० तुम्पयति) १ मार डालना, दुःख देना.	तुह् (१ प० तूडति) १ अनादर करना. २ तोडना, कतरना.
तुम्फ् (१ प० तुम्फति) १ मार डालना, दुःख देना.	तुण् (१० आ० तूणयते) १ भरना, पूर्ण करना. (१० उ० तूणयति-ते) १ सक्रोचित होना, अरूडना
तुम्ब् (१ प० तुम्नाति, १० उ० तुम्बयति-ते) १ मार डालना, दुःख देना. २ अतीहित होना, गुप्त होना, नष्ट होना.	तुर् (४ आ० तूर्यते) १ जल्द जाना. २ दुःख देना, सताना.
तुर् (३ प० तुतोति) १ जल्दी जाना २ त्वरा करना (६ उ० तुरति-ते) १ जल्दी करना. २ जिनना ३ हिसा करना	तूल्ल (१ प० तूल्लति, १० उ० तूल्लयति-ते) १ त्याग करना, निकाल देना २ तोलना.
तुरण् (११ प० तुरण्यति) १ जल्द जाना २ त्वरा करना.	तूप् (१ प० तूपति) १ तृप्त होना. २ तृप्त करना, आनन्दित करना.
तुर्व (१ प० तूर् (तु) वीति) १ मार डालना, दुःख देना २ श्रेष्ठ होना. ३ जीतना. ४ वचाना.	तृक्ष् (१ प० तृक्षति) १ जाना.
तुल (१ प० तोलति, १० उ० तोलयति-ते) १ तोलना, वजन करना (१० आ० तोल्यते), पूर्ण करना.	तृण् (८ उ० तृणोति, तृणुते, तृणोति, तृणुते) १ घास राना. २ चरना.
तुप् (४ प० तुप्पति) १ सतृप्त होना, गुप्त होना.	तृह् (१ प० तृहति, ७ उ० तृणात्ति, तृन्ते) मार डालना, दुःख देना. २ अपज्ञा करना, अनादर करना. ३ देना, दान करना. ४ राना, भक्षण करना.
तुग् (१ प० तोसति) १ शब्द करना, आगाज करना.	तृष् (१ प० तृषति, ४ प० तृष्यति, ६ प० तृषोति, ६ प० तृषति, १० उ० तृषयति-ते) १ तृप्त होना, गुप्त होना. २ तृप्त कर-

तृष्-तृ	तेज्-त्रप्
ना, खुश करना (१ प० तर्पति, १० उ० तर्पयति-ते) १ प्रज्वलित करना, जलाना.	मुक्ति पाना. प्र-१ जीतना. वि-१ जाना २ देना, धर्म करना. सम्-१ तेरके जाना.
तृष् (६ प० तृष्ति) १ तृप्त होना या करना २ दुःख देना, पीडा करना.	तेज् (१ प० तेजति) १ पालन करना, रक्षा करना, बचाना
तृम्प् (६ प० तृम्पति) तृप्त होना या करना	तेप् (१ आ० तेपते) १ सीचना, प्रोक्षण करना २ प्रमाशित होना, चमटना ३ झरना, चूना. ४ हिलना, कापना. ५ छानना.
तृम्फ् (६ प० तृम्फति) तृप्त होना या करना.	तेव् (१ आ० तेवते) १ खेलना, क्रीडा करना २ रोना, शोक करना
तृप् (४ प० तृप्यति) १ प्यास लगना २ इच्छा करना, उत्कण्ठित होना, चाहना	तोड् (१ प० तोडति) १ उपहास करना, अपमान करना
तृह् (६ प० तृहति, ७ प० तृणेढि १० तर्हय-ति-ते) १ मार डालना, दुःख देना	तौक् (१ आ० तौकते) १ जाना.
तृंह् (६ प० तृंहति) १ बढना, वृद्धिगत होना २ मार डालना	त्यज् (३ प० त्यजति) १ छोडना त्याग करना.
त (१ प० तरति) १ पार जाना, परतीरको जाना २ जलपर तेरना ३ जीतना ४ नौकादि साधनसे जलके पार जाना अ	त्रख् (१ प० त्रखति) } १ जाना, त्रङ् (१ आ० त्रङ्गते) } स्थलान्तर त्रङ् (१ प० त्रङ्गति) } करना २ त्रङ् (१ प० त्रङ्गति) } हिलना.
व-१ उतरना आ-१ भारा देकर नौपर चढ जाना उत्-१ ऊपरसे जाना २ जनाब देना, उत्तर देना ३ पार जाना दुस्-१ सक्त्से पार जाना निस्-१ सुखसे तेर जाना २ मुक्ति पाना प्र-१ जीतना वि-१ जाना २	त्रन्द् (१ प० त्रन्दति) १ प्रयत्न करना २ उद्यम करना ३ उद्यममे निमग्न रहना
	त्रप् (१ आ० त्रपते) १ लज्जित होना, शरमाना २ डराना.

त्रस्-त्वग्	त्वच्-दक्ष
त्रम् (१ प० त्रसति, ४ प० त्रस्यति) १ डरना. २ दौड जाना, जल्द जाना. (१० उ० त्रसयति-ते) १ पकडना. २ हरण करना, जबरन लेना. ३ मना करना, प्रतिबंध करना. ४ डराना.	त्वच् (६ प० त्वचति) १ आच्छादित करना, लपेटना, ढांकना.
त्रंस् (१ प० त्रसति, १० उ० त्रसयति-ते) १ बोलना, कहना. २ चमकना.	त्वश्च (१ प० त्वश्चति) १ जाना.
त्रा (२ प० त्राति) १ संरक्षण करना, पालन करना.	त्वर (१ आ० त्वरते) १ जल्द करना, २ जल्द जाना.
त्रिङ् (१ प० त्रिङ्गति) १ जाना, चलना.	त्विप् (१ उ० त्विपाति-ते) १ प्रकाशित होना, चमकना. अव- १ रहना. २ देना, दान करना.
त्रुट् (४ प० त्रुट्यति, ६ प० त्रुटति, १० आ० त्रुट्यते) १ कतरना, तोडना. २ शका दूर करना, सशय निवारण करना.	त्सर (१ प० त्सरति) १ टेडा जाना, कपटपूर्वक जाना.
त्रुप् (१ प० त्रुपाति) } १ मार	थ.
त्रुफ् (१ प० त्रुफति) } डालना,	थुड् (६ प० थुडति) १ आच्छादित करना, लपेटना, ढांकना.
त्रुम्प् (१ प० त्रुम्पति) } दुःख	थुध् (४ उ० थुध्यति-ते) १ स्वच्छ करना, शुद्ध करना.
त्रुम्फ् (१ प० त्रुम्फति) } देना.	थुर्व (१ प० थूर्वाति) १ मार डालना, दुःख देना.
त्रै (१ आ० त्रायते) १ संरक्षण करना, पोषण करना.	द.
त्रौक् (आ० त्रौक्ते) १ जाना.	दघ् (६ प० दघ्नोति) १ मारना, दुःख देना. २ संरक्षण करना, पोषण करना.
त्वक्ष् (१ प० त्वक्षति) १ छालना, रेतना, बारीक करना. २ कृश होना. ३ छाल निकालना.	दह् (१ प० दहति) १ त्याग करना, छोड देना. २ पालन करना, रक्षा करना.
त्वङ् (१ प० त्वङ्गति) १ जाना.	दक्ष् (१ आ० दक्षते) १ जल्द करना. २ बढ़ना, वृद्धिगत होना. ३ जाना. ४ मार डालना, दुःख देना.

दण्ड-दस्त्रि	दल-दह
दण्ड (१० उ० दण्डयति-त्ते) १ शासन करना. २ धनदण्ड करना.	दित्री होना. २ दुःखित होना. ३ कृश होना.
दद् (१ आ० ददते) १ दान करना, देना. २ त्याग करना, छोड़ देना.	दल (१ प० दलति, १० उ० दालयति-त्ते) १ चीरना, फाड़ना, तुकड़े २ करना. २ स्पष्ट करके दिखाना. ३ कुम्हलाना. म्लान होना.
दध् (१ आ० दधते) १ देना, अर्पण करना. २ धारण करना. ३ पालन करना.	दव् (१ प० दन्वति) १ जाना, स्थलांतर करना.
दन्ध् (१ प० दन्धति) १ सरक्षण करना, पालन करना.	दंश् (१ प० दशति, १० आ० दशयते) १ डंसना, काटना, दश करना. २ देखना. ३ बख्तर पहरना. (१० उ० दशयति-त्ते) १ चमकना. उप-१ सकटमें पड़ना. सम-१ नोचना.
दम् (१० उ० द्मयति-त्ते) १ आज्ञा करना, हुकम करना.	दस् (४ प० दस्यति) १ नष्ट होना. २ उड़ा देना, प्रेरणा करना. उचकना. (१० उ० दासयते) १ देखना, २ काटना, डसना, दश करना.
दम्भ् (१० उ० दम्भयति-त्ते) १ आज्ञा करना. (५ दम्भोति) १ ठगना, वचिit करना. ढोंग करना. २ चीरना, फाड़ना, तोड़ना. (१० प० दम्भयति) १ एकत्र करना, बढोरना, गूथना.	दंस् (१ प० दसति, १० उ० दसयति-त्ते) १ काटना. २ चमकना ३ देखना.
दम् (४ प० दाम्यति) १ शांत करना. २ दमन करना. ३ जीतना, स्वाधीन करना. ४ मुलह करना.	दह् (१ प० दहति) १ रक्षा करना. २ जलाना. ३ नष्ट करना. ४ दुःख देना. ५ दाग देना, गुल देना, दग्ध करना. परि-१ परिपूर्ण रीतिसे जल जाना.
दय् (१ आ० दयते) दान देना, ईनाम देना, देना. २ लेना. ३ पालन करना, सभालना. ४ मार डालना, दुःख देना. ५ दया करना. ६ जाना.	
दस्त्रि (२ प० दस्त्रिति) १ द-	

दह्-दिन्व्	दिम्प्-दिश
दह् (१० प० दहयति) १ चमकना. २ जलाना.	दिम्प् (१ उ० दिम्पाति-ते, १० आ० दिम्पयते) १ आज्ञा करना, हुक्म देना. २ एकत्र करना, बटोरना.
दा (१ प० यच्छति, ३ उ० ददाति, दत्ते) १ देना. २ सौंपना. ३ लौटाना. ४ रखना. आ-१ लेना, अगीकौर करना. परि-१ देना, सौंपना. २ ऋण देना. ३ ईनाम देना. प्र-१ देना. व्या-१ उघाडना. समा-१ पसद करके लेना. (२ प० दाति) १ कतरना, तोडना.	दिम्भ् (१० प० दिम्भयति) १ आज्ञा करना, हुक्म देना. २ एकत्र करना, बटोरना, जमा करना.
दान् (१ उ० दानति-ते, इच्छार्थक उ० दीदांसति-ते) १ खडन करना, तोडना. २ सीधा करना, सरल करना.	दिव् (४ प० दीव्यति) १ खेलना, क्रीडा करना. २ जीतनेकी इच्छा करना. ३ व्यापार करना, ऋयधिक्रय करना, खरीदना बेचना. ४ तेजस्वी होना, चमकना. ५ मशसा करना, स्तुति करना. ६ आनद करना, खुश करना. ७ भूल जाना, गर्व आदिक मनोविकारसे दिवाना होना. ८ चाहना, प्रीतिकरना. ९ सो जाना, निद्रित होना. १० जाना. (१ प० देवति, १० उ० देवयति-ते) १ पीडा सहन करना. २ याचना करना, मांगना. ३ जाना. (१ प० देवति, १० आ० देवयते) दुःख करना, शोक करना, रोना, आक्रोश करना.
दाय् (१ आ० दायते) १ देना, दान देना, ईनाम देना.	
दाश (१ उ० दाशति-ते, ५ प० दाश्रौति, १० आ० दाशयते) १ मार डालना, दुःख देना. २ देना. ३ बलि देना.	
दास् (१ उ० दासति-ते, ५ प० दास्यति) १ मार डालना या दुःख देना. २ देना, सौंपना.	
दिन्व् (१ प० दिन्वति) १ रुश होना या करना, आनदित करना या होना.	दिश (६ उ० दिशति-ते) १ दिखाना, समझाना. २ आज्ञा

दिह्-दीधी

दीप्-ट

करना, हुकम देना. ३ कहना, बोलना. ४ देना, ईनाम देना. अप-१ वेपातर करना. आ-१ आज्ञा करना. २ दिखाना. ३ बुलाना. उत्-१ प्रसिद्ध करना, जाहिर करना. २ दिखाना. उप-१ उपदेश करना. निह्-१ समझाना, विस्तारपूर्वक कहना. २ जोरसे बोलना. प्र-१ मुकर्र करना, कायम करना. प्रतिसम्-१ पीछे लौटाना, पीछे देना. व्यप-१ बहाना करना. विनिह्-१ साफ २ कहना. सम्-१ स्पष्ट करना, दिखाना. २ खबर देना. समा-१ मान्य करना. समुप- दूरकी वस्तु उगलीसे दिखाना.

दिह् (२ उ० देग्धि, दिग्धे) १ बढ़ाना, जमाना. २ लीपना, पोतना.

दी (४ आ० दीयते) १ हास होना, झरना.

दीष् (१ आ० दीक्षते) १ क्षौर करना, मुडन करना, हजामत बनाना. २ यज्ञ करना. ३ दीक्षा देना, उपदेश देना, उपनयन करना. ४ आत्मनिग्रह करना. ५ धर्म सिखाना.

दीधी (२ आ० दीधीते) १ चमकना, प्रकाशित होना. २ खेलना, क्रीडा करना.

दीप् (४ आ० दीप्यते) १ प्रकाशित होना, चमकना.

दु (१ प० दवति) १ जाना. (५ प० दुनोति) १ दुःख भोगना. २ जलना. ३ तप्त करना, जलाना.

दुःख (१० उ० दुःखयति-त्ते, ११ दुःख्यति) १ दुःख देना, छल करना.

दुर्व (१ प० दूर्वाति) १ दुःख देना, सताना.

दुल् (१० प० दोलयति) १ उचकना, उठाना, फेंकना. २ चिताना. ३ डोलना, हिलाना.

दुप् (४ प० दुप्यति) १ दृष्टाचरण करना, दृष्ट रीतिसे चलना. २ अशुद्ध होना. प्रा-१ प्रसिद्ध होना, जाहिर होना.

दुह् (२ उ० दोग्धि, दुग्धे) १ दूध निकालना, दोहना. (१ प० दोहति) १ पीडा करना, दुःख देना. २ हिंसा करना, मार डालना.

दू (४ आ० दूयते) १ दुःखसे जर्जर होना, दुःख सहन करना. २ दुःख देना, पीडा करना.

दूप (४ प० दूप्यति) १ दूषित होना. २ दूषित करना.

ट (६ आ० आद्रियते) १ सत्कार करना. (५ प० टपोति) १

दृप्-दृह्	दृह्-द्राह्
दुःख देना, मार डालना. (१ प० द्रति, १० प० दारयति) १ डरना.	दृह् (१ प० दृहति) १ बढना, वृद्धिगत होना.
दृप् (४ प० दृप्यति) १ आनदित होना, खुश होना. २ मोहित होना. ३ गाँवित होना. (६ प० दृपाति) १ पीडा करना, दुःख देना. (१ प० दर्पति, १० उ० दर्पयति-ते) १ उजाला करना, जलाना.	दृ (१ प० दृणाति) १ चीरना, फाडना, तुकड़े २ करना. (१ प० द्रति) १ डरना. (४ प० दीर्यति) १ विदारण करना, चीरना. (५ प० दृणोति) १ हिसा करना.
दृफ् (६ प० दृफति) १ पीडा करना, दुःख देना	दे (१ आ० दयते) १ संरक्षण करना, पोषण करना.
दृम् (६ प० दृभति) १ पीडा करना, दुःख देना. २ रचना, गूथना (१ प० दर्भति, १० उ० दर्भयति-ते) १ डरना २ सचध लगाना, सदर्भ लगाना.	देव् (१ आ० देवते) १ खेलना, क्रीडा करना.
दृम्प् (६ प० दृम्पति, १० आ० दृम्पयते) १ पीडा करना, दुःख देना.	दै (१ प० दायति) १ शुद्ध करना.
दृम्फ् (६ प० दृम्फति) १ पीडा करना, दुःख देना.	दो (४ प० द्याति) १ कतरना, विभाग करना
दृग् (१ प० पश्यति) १ देखना. उत्-१ ऊपर देखना. २ भाविप्याद्विचार करना. ३ सशय करना, शक्ता करना.	द्यु (२ प० द्योति) १ शत्रुपर हल्ला करना. २ आगे जाना, नजदीक जाना.
दृह् (१ प० दर्हति) १ बढना, वृद्धिगत होना.	द्युत् (१ आ० द्योतते) १ चमकना, प्रकाशित होना.
	द्यै (१ प० द्यायति) १ धिक्कार करना, तिरस्कार करना.
	द्रम् (१ प० द्रमति) १ जाना.
	द्रा (२ प० द्राति) १ भाग जाना २ लज्जित होना, शरमाना ३ निदा करना, दोष लगाना. ४ उड जाना.
	द्राह् (१ प० द्राहति) १ काव

द्राख्-द्रुण्

दुह-धृ

काव शब्द करना. २ इच्छा करना, चाहना.
 द्राख् (१ प० द्राखति) १ सुखना, शुष्क होना. २ संवारना, शोभित करना. ३ शक्तिमान् होना. ४ निषेध करना. मना करना. ५ वृत्त करना.
 द्राघ् (१ आ० द्राघते) १ शक्तिमान् होना. २ लंबा करना, तानना. ३ छाँत होना, मुझाना.
 द्राड् (१ आ० द्राडते) १ चीरना, फाटना, तुकड़े २ करना.
 द्राह् (१ आ० द्राहते) १ जगना, जागृत रहना. २ गिरों रखना.
 हृ (१ प० द्रवति) १ जाना, अनुसरण करना. अभि-१ तैरना. आ-१ भाग जाना. उप-१ विध्वंस करना, नाश करना, जुल्म करना. प्र-१ भाग जाना, विमुख होना. वि-१ मार डालना. २ भाग जाना. समा-१ एकत्र होकर भागना. समुप-१ भेंटना, मिलाप होना. २ भाग जाना.
 दुह् (१ प० द्रोहति, ६ प० दुहति) १ दूबना.
 दुण् (६ प० दुणति) १ पीटा करना, दुःख देना. २ नजदीक

जाना या आना. ३ टेढा करना, वक्र करना.
 दुह् (४ प० दुहति) १ द्वेष करना, मारनेके लिये देखना.
 द्रू (१ उ० द्रूणाति, द्रूणीते) १ जाना, स्थलान्त करना. ३ चोट पहुँचाना, मार डालना.
 द्रेक् (१ आ० द्रेकते) १ शब्द करना. आवाज करना. २ बड़ना, वृद्धिगत होना. ३ अपना बड़प्पन या आनंद प्रकट करना.
 द्रै (१ प० द्रायति, निद्रायति) १ सोना, नींद लेना.
 द्विष् (१ प० द्विषति, २ उ० द्वेषि, द्विष्टे) १ मत्सर करना, द्वेष करना, शत्रुत्व करना.
 हृ (१ प० हरति) १ कबूल करना, स्वीकार करना, अगना २ आच्छादित करना. ३ रोकना ४ अनादर करना.
 ध.
 धक् (१० उ० धक्याति-ते) १ नष्ट होना.
 धण् (१ प० धणाति) १ शब्द करना.
 धन् (१ प० धनाति) १ शब्द करना. (३ उ० दधान्ति) १ उत्पन्न करना, पैदा करना, फलना, बौर लगना.

धन्व्-धा	धाव्-धि
<p>धन्व् (१ प० धन्वति) १ जाना, स्थलांतर करना</p>	<p>करना, स्वीकार करना ३ श्रेष्ठ पदवीपर चढना ४ गुप्त रहना, छिपकर रहना. प्रतिधि-१ प्रती कार करना, निवारण करना वि-१ करना २ धर्मसंबन्धी कर्म करना ३ पसद करना ४ पूरा करना, पूर्ण करना. ५ आज्ञा करना, हुकम करना ६ वचन देना. ७ देना व्यव-१ छिपाना सम्-१ स्थापन करना, रखना. २ एकत्र करना, बटोरना ३ ल क्ष्य भेद करना, निशान मारना सम्प्र-प्रतिसम्-१ चर्चा करना, वादविवाद करना समा-१ स माधान करना २ सिखाना. सनि-१ नजदीक रखना, नज दीक आना.</p>
<p>धा (३ उ० दधाति, धत्ते) १ धारण करना, पहरना २ पोषण करना, रक्षण करना. ३ देना, दान करना ४ पास रखना अनुस- म्-१ अनुसंधान करना. २ दू टना. अपि-१ आच्छादन कर ना, ढाँकना. अभि-१ प्रसिद्ध करना, जाहिर करना २ दिखा ना ३ बोलना, कहना, सभा पण करना, अभिसम्-१ जीतना, पराजय करना सम्-अप-१ सावध रहना २ ध्यान देना आ-१ स्वीकार करना, अगी कार करना. २ करना ३ स्या पित करना उप-१ मदद करना, साहाय्य करना. २ समझना, जानना. उपा-१ मदद करना, साहाय्य करना नि-१ ऊपर लेना, ऊपर करना २ वाचिमे या ऊपर स्थापन करना ३ उत्पन्न होना, पैदा होना ४ धरना, धारण करना. परि-१ वस्त्रादि धारण करना, पहिरना, परिधान करना. प्र-१ मुख्य होना, प्रथम होना २ प्रेरणा करना, भेज देना. प्राणि-१ धारण करना. २ कष्ट करना, मान्य</p>	<p>धाव् (१ उ० धावति-ते) १ जाना. २ भागना ३ स्वच्छ करना, मलरहित करना, धोना, ४ स्वच्छ होना अनु-१ जान ना, समझना २ पीछे २ भागना. अभि-१ समीप आना या जाना आ-१ उतरना, नीचे उतरना परि-१ जट्ट भागना वि-१ प्रो क्षण करना, सींचना समुप-१ भेजने लिये ढाँकना धि (६ प० धियाति) १ पास रख- ना, स्था होना, युक्त होना. (६</p>

धि-धू	धूक्ष-धृ
प० धिनोति) १ जाना, गमन करना २ सतुष्ट होना या करना, खुश होना या करना	क्षोभित करना अन्-(धूनयति) १ देखना २ छोड़ देना, त्याग करना निर्-१ नष्ट करना २ जाना वि-१ प्रकृषित करना, क्षोभित करना
धिब् (५ प० धिनोति) १ सतुष्ट होना या करना, खुश होना या करना २ समाप जाना या आना	धूक्ष (१ आ० धूक्षते) १ प्रदीप्त करना, जलाना २ जाना ३ श्रांत होना, थक जाना
धिक्ष (१ आ० धिक्षते) १ प्रदीप्त करना, वारना, जलाना २ जीना, जीता रहना ३ श्रमित होना, थक जाना, नाकमें दम आना	धूप (१ प० धूपायति) १ गरम करना, तपाना (१० उ० धूपयति ते) १ चमकना प्रकाशित होना २ बोलना, सभापण करना
धिष् (३ प० दिधेष्टि) १ शब्द करना, आवाज करना	धूर (४ आ० धूर्यते) १ मार डालना या दुख देना २ समाप जाना या आना
धी (४ आ० धायते) १ धारण करना, आधारभूत होना २ उपेक्षा करना अन्त-१ गुप्त हाना, छिप जाना	धूश् (१० उ० धूशयति-ते) १ शोभित होना, शृंगारयुक्त होना, अलकृत होना
धु (५ उ० धुनोति, धुनुते) १ कापना, हिलना,	धूप (१० उ० धूपयति-ते) १ शोभित होना, शृंगारयुक्त होना, अलकृत होना
धुक्ष (१ आ० धुक्षते) १ प्रदीप्त करना, वारना २ जीना ३ श्रान्त होना, थक जाना	धूस (१० उ० धूसयति-ते) १ शाभित होना, शृंगारयुक्त होना, अलकृत होना
धुर्व (१ प० धूर्वति) १ मार डालना या दुख देना	धृ (१ आ० धरते) १ गिर पडना, पडना (६ आ० ध्रियते) १ रहना स्थिर रहना १ धारण करना, पास रखना, युक्त होना.
धू (१ उ० धुवति-ते, ५ उ० धूनोति-धुनुते, ६ प० धुवति, ९ उ० धुनाति धुनीते, १० उ० धावयति-ते, धूनयति) १ कपाना, कपित होना, हिलाना,	

धृज्-ध्मा	ध्माङ्ङ्-ध्राघ्
(१ उ० धरति-ते) १ धारण करना, युक्त होना. (१ प० धरति) १ प्रोक्षण करना, सीचना (१० प० धारयति) १ धारण करना. अथ-, निर्-१ सत्य करके दिखाना	२ आग सुलगाना. ३ आग लगाना ४ प्रदीप्त करना, जलाना
धृज् (१ प० धर्जाति) १ जाना, स्थलांतर करना.	ध्माङ्ङ् (१ प० ध्माङ्ङति) १ कौंके समान कावकाव शब्द करना. २ इच्छा करना, चाहना
धृञ् (१ प० धृञ्जाति) १ जाना, स्थलांतर करना	ध्यै (१ प० ध्यायति) १ ध्यान करना, चिंतन करना, मनन करना, विचार करना. नि-१ शोधना, दूढना.
धृष् (६ प० धृष्णोति) १ गर्व करना. अपने तई बडा समझना (१ प० धर्षति, १० उ० धर्षयति-ते) १ जीतना, पराभव करना. २ अधीर होना, पचर जाना. (१ प० धर्षति) १ एकत्र करना, बटोरना. २ मार डालना या खुख देना. (१० आ० धर्षयते) १ शक्तिहीन होना, निर्जीव होना.	ध्रज् (१ प० ध्रजाति) १ जाना, स्थलांतर करना.
धृ (१ प० धृणाति) १ जीर्ण होना, वृद्ध होना, बूढा होना.	ध्रञ् (१ प० ध्रञ्जाति) १ जाना, स्थलांतर करना.
धे (१ उ० धयति-ते) १ आशन करना, पीना	ध्रण् (१ प० ध्रणाति) १ वाद्यादिकोका शब्द करना, बाजा बजाना.
धोर् (१ प० धोरति) १ अच्छी रीतिसे गमन करना, चतुराईसे चलना, जल्द चलना.	ध्रस् (१० उ० ध्रासयति-ते) १ ऊपर फेकना, उडा देना. (१ प० ध्रस्नाति) १ धिनना, एक २ करके धिनना.
ध्मा (१ प० धमाति) १ फूटना, भूँदसे यशी आदि वाद्य बजाना.	ध्रात् (१ प० ध्रात्ति) १ शुष्क होना, सूखना. २ सँवारना, सजाना, अंगार करना, शोभित करना. ३ मना करना, निषेध करना, निवारण करना. ४ पूरा करना, पूर्ण करना.
	ध्राघ् (१ आ० ध्राघते) १ योग्य होना, समर्थ होना, लायक होना.

घ्राइ-ध्वण्

ध्वर-नद्

घ्राइ (१ आ० घ्राडते) १ चीरना, तुकड़े २ करना, फाटना.

घ्राइ (१ प० घ्राइति) १ कौवे के समान कावकाव शब्द करना. २ चाहना.

घ्रिज् (१ प० घ्रेजति) १ जाना, स्थलांतर करना.

ध्रु (१ प० ध्रवाति) १ अचल होना, स्थिर होना. (६ प० ध्रुवाति) १ अचल होना, स्थिर होना, २ जाना. गमन करना.

ध्रुव् (६ प० ध्रुवाति) १ स्थिर रहना, खड़ा रहना, २ जाना.

ध्रू (६ प० ध्रुवाति) १ स्थिर रहना. २ जाना.

घ्रेक् (१ आ० घ्रेकते) १ शब्द करना, आवाज करना. २ बढना, बहुत होना. ३ हर्षित होना, हँसना, आनन्दित होना. ४ बढप्पनके विषयमें बढाई करना.

घ्रै (१ प० घ्रायाति) १ लस होना, संतुष्ट होना, खुश होना.

घ्वज् (१ प० घ्वजति) १ जाना, स्थलांतर करना.

घ्वञ्ज् (१ प० घ्वञ्जाति) १ जाना, स्थलांतर करना.

घ्वण् (१ प० घ्वणाति) १ शब्द करना, आवाज करना.

ध्वन् (१ प० ध्वनाति, १० ध्वनयाति-ते, ध्वानयाति-ते) १ शब्द करना, आवाज करना.

ध्वंस् (१ आ० ध्वसते) १ चूर्ण होना या करना. २ जाना. ३ नीचे गिरना. ४ नष्ट होना.

ध्वाइ (१ प० ध्वाइति) १ कावकाव शब्द करना. २ इच्छा करना, चाहना.

ध्वृ (१ प० ध्वराति) १ टेढ़ा करना, नवाना, वक्र करना. २ मार डालना. ३ वर्णन करना.

न.

नक् (१० उ० नक्यति-ते) १ उच्छेद करना, नष्ट करना.

नक् (१ प० नक्षति, प्रणक्षति) १ जाना, समीप जाना या आना, पहुँचना.

नख् (१ प० नखाति) १ जाना, स्थलांतर करना.

नइ (१ प० नइति) १ जाना, स्थलांतर करना.

नज् (६ आ० नजते) १ लज्जित होना, शरमाना.

नञ् (१ आ० नञ्जते) १ लज्जित होना, शरमाना.

नद् (प० नदति, १० उ० नाट्यति-ते) १ नृत्य करना, नाच

नद्-नम्	नम्-नस्
ना. २ नीचे गिरना, झरना, वहना. ३ दुःख देना, पीडा करना. ४ अभिनय करना, भाव दिखाना ५ कपित होना, हिलना, धीरे २ सरकना. ६ चमकना.	१ नष्ट होना. २ दुःख देना या मार डालना.
नड् (१ प० नडति) १ भीर होना, एकत्र होना, (१० उ० नाडयति-ते) १ गिरना, पतन होना.	नम् (१ प० नमति) १ नमस्कार करना, वदन करना, सम्मान देना, नवना. २ शब्द करना. अव-, सम्-, आ-, प्र-१ नमस्कार करना. उव्-१ खड़ा करना. २ ऊपर उठाना. (१० प० नमयति, नामयति) १ नवना.
नद् (१० प० नदति, १० प० नादयति) १ शब्द करना, आवाज करना. २ चमकना. (१० उ० नादयति-ते) १ बोलना. २ चमकना. प्रणदति-समुद्र, पंथ या पशुके समान आवाज करना. व्यनु-१ नादित करना, शब्दोंसे भर देना.	नम्ब् (१ प० नम्वाति) १ जाना, स्थलंतर करना.
नन्द् (५० नन्दति) १ आनंद पाना, वृद्धि होना, बढ़ती होना. आ-१ सुखी होना, आनंदी होना, खुश होना. अभि-१ इच्छा करना, चाहना. २ कबूल करना, पछिमें लेना, मान्य करना. ३ स्तुति करना. प्रति-१ उपकार मानना, धन्य मानना, शुकर करना, शुकर गुजारी करना.	नय् (१ आ० नयते, प्रणयते) १ जाना, हिलना, पहुँचना. २ संरक्षण करना.
नम् (१ आ० नमते, प्रणमते, ४ प० नभ्यति, १ प० नभ्नाति)	नर्द् (१ प० नर्दति, प्रन (ण) र्दति) १ शब्द करना, आवाज करना.
	नर्व् (१ प० नर्वति) १ जाना.
	नल् (१ प० नलति, प्रणलति) १ सूचना, चास आना. २ बांधना. (१० उ० नालयति-ते) १ चमकना. २ बांधना. ३ अटकाना, अडाना. ४ बोलना.
	नश् (४ प० नश्याति) १ खो जाना, नष्ट होना, दिखाई नहीं देना.
	नस् (१ आ० नसते, प्रणसते) १ टेढ़ा होना, बक्र होना, नवजाना.

नह्-निन्द्

निल्-नी

नह् (४ उ० नहति-त्ते) १ बांधना-
अडाना. सम्-१ शस्त्र धारण
करना, वस्त्र पहरना.

नाथ् (१ उ० नायति-त्ते) १
याचना करना, मांगना. २ नष्ट
करना. ३ रोगी होना, बीमार
होना. ४ श्रीमान् होना. (१
आ० नायते) १ आशीर्वाद
देना, स्वस्तिवाचन करना.

नाध् (१ आ० नाधते) १ याचना
करना. २ रोगी होना. ३ श्री-
मान् होना. ४ आशीर्वाद देना.

नास् (१ आ० नासते, प्रणासते)
१ खराटा मारना, धराटा मार-
ना, नाक खरखराना.

निश् (१ प० निक्षति, प्रणिक्षति)
१ चुंबन लेना, चूमना.

निज्ञ (३ उ० नेनेक्ति, नेनिके) १
शुद्ध करना. स्वच्छ करना. २
पालन करना.

निञ् (२ आ० निञ्जे, प्रणिञ्जे) १
स्वच्छ करना, निर्मल करना,
साफ करना.

निद् (१ उ० नेदति-त्ते, प्रणेदति)
१ समीप जाना. पहुँचना. २
दोष लगाना, निंदा करना.

निन्द् (१ प० निन्दाति, प्रणिन्द-
ति) १ निंदा करना, दोष ल-
गाना, धिक्कार करना.

निल् (१ प० निलति) १ कुच्छका
कुच्छ समझना. २ घना होना,
ढढ होना, जमना.

निव् (१ प० निन्वाति, प्रणिन्वाति)
१ भिगोना, गीला करना, सीं-
चना. २ सेवन करना.

निवाम् (१० उ० निवासयाति-त्ते)
१ आच्छादित करना, लपेटना.

निश् (१ प० नेशति, प्रणेशति)
१ शंततासे विचार करना,
मनन करना, ध्यान लगाना,
समाधि लगाना.

निष् (१ प० नेपति) १ प्रोक्षण
करना, सींचना.

निष्क् (१० आ० निष्कयते) १
सापना, तोलना, गिनना.

निस् (२ आ० निस्ते) १ चुंबन
लेना, चूमना.

नी (१ उ० नयति-त्ते) १ पहुँचाना,
प्राप्त होना. २ मार्ग दिखाना. ३
पाना, मिलना. ४ लेजाना. अनु-
१ याचना करना, मांगना. २
नकल करना, अनुसार करना,
यथाप्रति करना. ३ कृपा करना.
अप-१ लेजाना, हरण करना.
२ आकर्षण करना, खींचना.
अभि-, अभि-१ चिह्नोंसे दि-
खाना, दर्शित करना, अभिनय
करना. २ कृपालु होना. आ-१

नीच्-नीच्

नु-पञ्

लाना, ले आना. उत्-आ० १ ऊपर करना, ऊपर उठाना. उप-१ समीप ले जाना. आ० १ उपनयन-संस्कार करना. २ मजदूरी देकर समीप ले जाना. दुर-१ खराब रीतिसे बर्तना. निर्-१ प्राप्त होना, मिलना, पाना. २ ठहराना, निश्चय करना. परि-१ विवाह करना, ब्याहना. २ दूटना. प्र-१ शिक्षा करना. २ प्रीति करना, दुखारना, प्यार करना, लक्ष्मोपत्ती करना. वि-१ ले जाना. २ नष्ट होना, विनय करना. आ० १ ऋण चुकाना, ऋण देना. आ० २ धर्मके लिये खर्च करना. व्यप-१ विरल होना, फिलना, अलग होना. विनिर्-१ न्यायसे विचार करना, न्याय करना. सम्-१ एकत्र करना, बढोरना. समनु-१ प्रार्थना करना. समा-१ एकत्र करना, बढोरना.

नीच् (११ प० नीच्याति) १ दास्यत्व करना, गुलामी करना.

नील् (१ प० नीलति, प्रणीलति) १ रंगना. २ रंगाना. ३ नीला रंग लगाना.

नीव् (१ प० नीवति, प्रणीवति) १ मोद होना, स्थूल होना, तुदिल होना.

नु (२ प० नूति, प्रणूति) १ प्रशंसा करना. स्तुति करना. आ- (नुते)-१ दुःखसे रोना.

नुड् (६ प० नुडति) १ मारना.

नुद् (६ उ० नुदति-ते) १ भेजना. प्रेरणा करना. २ जाना. अप-१ दूर करना. निर-१ बाहर फेंकना, त्याग करना. २ कबूल करना, मान्य करना. वि-१ खुश करना. सम्-१ हांकना, चलाना.

नू (६ प० नूति) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना.

नृत् (४ प० नृत्यति) १ नाचना, नृत्य करना.

नृ (१ प० नरति, १ प० नृष्यति) १ ले जाना.

नेड् (१ उ० नेदति-ते) १ दोष लगाना, निंदा करना. २ समीप जाना या आना.

नेप् (१ आ० नेपते) १ जाना, समीप जाना.

प.

पक्ष (१ प० पक्षति, १० उ० पक्ष्याति-ते) १ ग्रहण करना, लेना, स्वीकार करना. २ एक पक्षका स्वीकार करना, एक पक्षका समर्पण करना, एक ओर होना.

पञ्-पत्

पथ्-पद्

पञ् (१ उ० पचति-ते) १ प
काना, पक्क करना.

पञ्च (१ उ० पञ्चति-ते, १० प
ञ्चयाति-ते) १ प्रसिद्ध करना,
जाहिर करना, विस्तारपूर्वक
कहना २ फैलाना, पसारना.

पद् (१ प० पठति) १ जाना, स्थ-
लान्तर करना. (१० उ० पठ्यति-
ते) १ गूथना, लपेटना. २ वि
भाग करना, हिस्से करना. (१०
प० पाठयति) १ चमकना.
२ बोलना. उद्-१ समूल नष्ट
करना, जड़से उखाड़ना. वि-१
भाग जाना. २ विदारण करना,
धीरना.

पट् (१ पठति) १ पढना, सीख
ना. (१० पाठयति-ते) १
अथरचना करना.

पण् (१ आ० पणते, १० प०
पणयति) १ उद्योग घधा या
व्यापार करना. (१ प० पणा-
यति) १ प्रशंसा करना, स्तुति
करना.

पण्ड् (१ आ० पण्डते) १ जाना,
' स्थलान्तर करना. (१ पण्डति,
१० पण्डयति-ते) १ नष्ट कर-
ना. २ राशि करना, एकत्र
करना, बटोर डेर करना.

पत् (१ प० पतति) १ नीचे
जाना या गिरना या उतरना.

२ अमानवी पराक्रम करना,
शक्तिमान् होना अति-१
जीतना, श्रेष्ठ होना, वर्चस्वी
होना. अभि- अव-१ उतरना.
आ-१ आना, प्राप्त होना, उप
स्थित होना. उद्-१ ऊपर
चढना. नि-१ घटित होना,
होना. २ मिलना, प्राप्त होना.
निर्-१ भाग जाना, छिपना,
मुँह काला करना. परि-
१ जल्द जाना. २ मौल्यवान्
होना. प्राणि-१ साष्टांग नम
स्कार करना. विनि-१ पीछे
छौटना. सम्-१ साथ जाना. २
मिलना, पाना, प्राप्त होना.
समा-१ शुद्ध करना, स्वच्छ
करना. समुद्-१ भाग जाना,
उड जाना. सनि-१ आगे या
बाहर जाना. (४ आ० पत्यते)
१ श्रीमान् होना, शक्तिमान्
होना. (१० प० पतयति-पात
यति) १ नीचे गिरना, जाना
या उतरना. २ अमानवी परा
क्रम करना.

पथ् (१ प० पथति) १ जाना.
(१० उ० पाथयति-ते) १
उडाना, फेंकना, त्याग देना.

पद् (१ प० पदति) १ स्थिर
खडा रहना. (१० आ० पद्य
ते) १ जाना, स्थलान्तर करना.

पठ्-पठ्	पन्-पञ्
(४ आ० पद्यते) १ जाना, स्थलांतर करना. अभि-१ देखना, २ जानना, समझना. अनु-१ अनुसरण करना आ-१ होना २ मिलना, प्राप्त होना ३ दुर्दैवका अनुभव करना. ४ गुणाकार करना, गुणा करना. ५ आना ६ पैदा करना, उत्पन्न करना उप-१ उत्पन्न होना. २ मिलना, प्राप्त होना ३ समीप रहना, चपकके रहना उपसम्-१ देवके लिये उपहार देना, बलि देना प्र-१ प्राप्त करना, पैदा करना. २ प्रारम्भ करना, शुरू करना प्रवि-१ ठहराना, स्थापन करना. प्राति-१ पाना २ अनुमोदन देना, कबूल करना ३ छोड़ देना, मुक्त करना वि-१ दुःखानुभव करना, विपत्तिग्रस्त होना व्या-१ मार डालना या दुःख देना व्युत्-१ मूलतत्त्वको दूढना, मनन करना सम्-१ वृद्धि को प्राप्त होना, बढ़ना २ करना ३ दूढना, मनन करना. सम्-१ वृद्धिको प्राप्त होना, बढ़ना. २ करना. ३ दूढना, दूढ लेना. समा-१ आ पहुँचना, आ उपस्थित होना. २ पूर्ण करना, समाप्त करना.	पन् (१ आ० पनते) १ क्रयविक्रय करना, व्यापार करना, खरीदना बँचना (१ प० पनायति) प्रशंसा करना, स्तुति करना. पन्थ् (१ प० पन्थति, १ उ० पन्थयति-ते) १ जाना, गमन करना, घूमना पय् (१ आ० पयते) १ जाना, पहना पयस् (११ प० पयस्यति) १ फैलाना, विस्तार करना पर्ण (१० प० पर्णयति) १ हरा करना, हरा होना पर्द् (१ आ० पर्दते) १ अपान वायु छोड़ना पर्प् (१ प० पर्पति) १ जाना. पर्व (१ पर्वाति) १ जाना पल् (१ प० पलति) १ जाना. २ भागना पल्युल (१० उ० पल्युलयति-ते) १ शुद्ध करना, स्वच्छ करना, २ कतरना. पल्यूल (१० उ० पल्यूलयति-ते) १ शुद्ध करना, स्वच्छ करना २ कतरना पल्ल (१ प० पल्लति) १ जाना. पश् (१ उ० पशति-ते, १० उ० पशयति, पाशयति-ते) १

पप्-पिञ्च

पिच्छ-पिल्

बांधना, बेरी पडना. २ गांठ
यांधना, फांस लगाना. ३ जाना.
४ छूना, स्पर्श करना. ५ हरकत
करना.

पष् (१० उ० पपयति-ते, पापय
ति-ते) १ जाना. २ छूना,
स्पर्श करना. ३ हरकत करना.
४ बांधना, फांस लगाना.

पस् (१ उ० पसाति-ते, १० उ०
पा (प) सयति-ते) १ छूना,
स्पर्श करना. २ निषेध करना,
हरकत करना. ३ जाना. ४ मार
डालना या दुःख देना. ५ फांस
लगाना, बांधना.

पंसू (१ प० पसाति, १० उ० पस-
यति-ते) १ नष्ट करना, तहस
नहस करना.

पा (१ प० पिवाति) १ पीना,
प्राशन करना. (२ प० पाति)
सरक्षण करना.

पार् (१ उ० पारयति-ते) १
समाप्त करना, पूर्ण करना.

पाल् (१० पालयति-ते) १ पालन
करना, सरक्षण करना.

पि (६ पियति) १ जाना, स्थ-
लांतर करना.

पिञ्च (१ प० पिञ्चति, १० प०
पिञ्चयति) १ कतरना, चीरना,
फोडना.

पिच्छ् (६ प० पिच्छति) १ बहुत
दुःख देना; छल करना. २ विघ्न
करना, हरकत करना. (१०
प० पिच्छयति) १ कतरना,
चीरना.

पिञ्ज (१० प० पेजयति) १ रहना.

पिञ्ज् (२ आ० पिङ्गे) १ रगाना,
चमकीला करना. २ स्पर्श कर-
ना, छूना. ३ खिणखिण, रुण
झुण छनछन आवाज होना. ४
आराधन करना, पूजा करना.
(१ प० पिञ्जाति, १० उ०
पिञ्जयति-ते) १ मार डालना
या दुःख देना. २ लेना, ग्रहण
करना. ३ रहना, दसाति करना.
४ बोलना, भाषण करना. ५
प्रकाशित करना, तपाना. ६
स्थूल होना, शक्तिमान होना.

पिद् (१ प० पेयति) १ राशि
करना, ढेर करना. २ शब्द
करना, आवाज करना.

पिद् (१ प० पेठति) १ मार
डालना या दुःख देना. २ दुःख
पाना, दुःखानुभव करना.

पिण्ड् (१ उ० पिण्डति-ते,
१० उ० पिण्डयति-ते) १ राशि
करना, ढेर करना.

पिल् (१ प० १० पेयति) १
भ्रमणा करना, फेंकना, उडाना.

पिब्-पिप्

पी-पुड्

पिब् (१ प० पिबति) १ सेवा करना २ प्रोक्षण करना, सींचना, गीला करना, भिगोना. (१ आ० पेवते) १ सींचना, भिगोना.

पिष् (६ प० पिशति) १ तुकड़े तुकड़े करना, चीरना. २ व्यवस्था करना ३ प्रकाश करना, उज्ज्वल होना.

पिष् (७ प० पिनाष्टि) १ चूर्ण करना, पीसना (१० प० पेयति) १ दुःख देना, पीडा करना २ देना ३ स्थूल होना, मोटा होना ४ रहना, वसना. (१ प० पेयति, १० प० पेयति) १ जाना.

पिष्ट् (१० उ० पिष्टयति-ते) १ चूर्ण करना, बुकनी करना, पीसना

पिस् (१ प० पेसति) १ जाना (१० उ० पेसयति-ते) १ जाना. २ रहना, वसति करना, वसना. ३ देना ४ पीडा करना, दुःख देना ५ मोटा स्थूल होना. शक्तिमान् होना, समर्थ होना.

पिप्स् (१ प० पिप्सति, १० उ० पिप्सयति-ते) १ नष्ट करना. २ चमकना. ३ बोलना.

पी (४ आ० पीयते) १ पीना प्राशन करना.

पीड् (१० उ० पीडयति-ते) १ प्रतिकूल होना, हरकत करना. २ चोष्टित करना, चेताना. ३ दुःख देना, पीडा करना.

पील् (१ प० पीलति) १ मूर्ख होना. २ थमाना, गतिरोध करना, रोकना.

पीव् (१ प० पीवति) १ मोटा होना, स्थूल होना, पुष्ट होना.

पुच्छ् (१ प० पुच्छति) १ चूकना, गलती करना.

पुट् (६ प० पुटति) १ आलिंगन करना, गले लगाना, एकमें एक अटकाना, भेटना. (१० उ० पुटयति-ते) १ चूर्ण करना, बुकनी करना, पीसना. २ चमकना, प्रकाशित होना. ३ बोलना, भाषण करना. (१० उ० पुटयति-ते) १ एकमें एक अटकाना, गूथना, गाठ लगाना.

पुट् (१० उ० पुटयति-ते) १ घटना, कम होना, न्यून होना, थाह होना

पुड् (१० प० पुडति) १ छोडना, त्याग करना २ आच्छादन करना, ढांकना.

पुण्-पुल्

पुप्-पूप्

पुण् (६ प० पुणाति) १ पवित्र होना, शुद्ध होना, धर्मकृत्य करना. (१० उ० पुणयति-ते) १ वृद्धि होना, बढ़ती होना. २ वृद्धि करना, बढ़ती करना.

पुण्ड् (१ प० पुण्डति, १० उ० पुण्ड्याते-ते) १ बोलना. २ प्रकाशित होना, चमकना.

पुण्ड् (१ प० पुण्डति) १ चूर्ण करना, मलना, पीसना.

पुथ् (४ प० पुथ्याति) १ दुःख देना, पीडा करना. (१० उ० पोथयति-ते) १ प्रकाशित होना, चमकना. २ बोलना

पुन्थ् (१ प० पुन्याति) १ दुःख सहन करना. २ पीडा करना, दुःख देना.

पुर (६ प० पुरति) १ अग्रभागमें जाना, आगे जाना, मुख्य होना, अग्रसर होना.

पूर्व (१ प० पूर्वाति) १ पूर्ण करना, भरना. (१० उ० पूर्वयति-ते) १ रहना, वसति करना. २ बुलाना, आमंत्रण करना.

पुल् (१ प० पोलाते, ६ प० पुलति, १० उ० पोल्याते-ते) १ राशि होना, ढेर होना. २ बढ़ना, ऊचा होना.

पुप् (१ प० पोपति, ४ प० पुप्यति, ९ प० पुप्णाति) १ मालन करना, पोपण करना. (४ प० पुप्याति) १ विभाग करना, हिस्सा करना. (१० प० पोपयति) १ धारण करना. परि-सम्-१ उत्कृष्ट पालन करना.

पुष्प् (४ प० पुष्प्याति) १ पुष्प-युक्त होना, फूलना.

पुंस् (१० उ० पुंसयति-ते) १ बढ़ाना, वृद्धि करना २ दुःख देना. ३ बढ़ना, वृद्धि होना.

पुस्त् (१० उ० पुस्तयति-ते) १ सत्कार करना, मान करना. २ तिरस्कार करना, अनादर करना. ३ बांधना ४ लेपन करना, विलेपन करना.

पू (१ आ० पवने, ९ उ० पुनाति, पुनीते) १ पवित्र करना, स्वच्छ करना (४ आ० १ पूयते) १ पवित्र होना, स्वच्छ होना.

पूज् (१० उ० पूजयति-ते) १ पूजा करना, अर्चा करना. २ सम्मान करना. सम्-१ उत्तम प्रकारसे आदरसत्कार करना.

पूण् (१० प० पूणयति) १ एकत्र करना, ढेर करना, बटोरना

पूप् (१ आ० पूयते) १ तोड़ना.

पूर-पृच्	पृञ्ज-पेप्
चीरना. २ दुर्गंधि आना, बद्बू आना.	सघर्षण करना, सयोग करना (१ प० पर्चाति, १० उ० पर्चयति-ते) १ स्पर्श करना, छूना. २ अटकाना, हरकत करना.
पूर (४ आ० पूर्यते) १ तृप्त करना, आनन्द करना. २ पूर्ण करना, भरना. ३ सतोष होना, आनन्द होना. ४ पूर्ण होना. (१० उ० पूरयति-ते) १ तृप्त करना.	पृञ्ज (२ आ० पृञ्जे) १ स्पर्श करना, सघर्षण करना.
पूर्ण (१० उ० पूर्णयति-ते) १ एकत्र करना, ढेर करना, राशि करना.	पृड् (६ प० पृडति) } १ आनन्द पृण् (६ प० पृणाति) } करना, सतोष पाना.
पूर्व (१० प० पूर्वयति) १ रहना, आश्चर्य करना २ बुलाना.	पृथ् (१० उ० पर्ययाति-ते) १ फिकना, उडाना. २ प्रेरणा करना, भेजना.
पूल् (१ प० पूलति, १० उ० पूलयाति-ते) १ ढेर करना, बटोरना, सांचित करना.	पृष् (१ प० पर्षति) १ प्रोक्षण करना, सीचना. २ देना. ३ पीडा करना, दुःख देना. ४ थकना, थक जाना.
पृष् (१ प० पूषति) १ बढाना, अधिक होना. २ पोषण करना, पालन करना.	पृ (३ प० पिषति, १ प० पृणाति, १ प० परति, १० उ० पारयति-ते) १ पालन करना, पोषण करना. २ पूर्ण करना, भरना.
पृ (३ प० पिषति) १ पालन करना, पोषण करना. २ पूर्ण करना, भरना. (६ प० पृणोति) १ तृप्त करना, सतुष्ट करना. (१ प० परति, १० प० पारयति) १ पूर्ण करना, भरना. (६ आ० व्याप्रियते) १ किसी कृत्यमें आसक्त रहना.	पेण् (१ प० पेणाति) १ जाना २ पीसना. ३ आलिंगन करना, गले लगाना.
पृच् (२ आ० पृक्ते, ७ प० पृणक्ति) १ स्पर्श करना, छूना,	पेल् (१ प० पेलति) १ आना. २ हिलना.
	पेव् (१ आ० पेवते) १ सेना करना, नौकरी करना.
	पेप् (१ आ० पेपते) १ ठहराना,

पेस्-प्रो

पु-प्लु

निश्चय करना. २ चपलतासे
यत्न करना.

पेस् (१ प० पेसति) १ जाना.

पै (१ प० पायति) १ सूखना,
कुम्हलाना.

पैण (१ प० पैणति) १ आज्ञा
करना. २ जाना. ३ स्पर्श करना.

४ पीसना. ५ आलिंगन करना.

प्याय् (१ आ० प्यायते) १ बढना,
बडा होना, फूलना.

प्युप् (४ प० प्युप्यति) १ जलना,
२ विभाग होना. (१० प० प्यु-
पयति) १ छोडना, त्याग करना.

प्युस् (४ प० प्युस्यति) १ जलना.
२ विभाग होना.

प्यै (१ आ० प्यायते) १ बढना,
बडा होना. फूलना.

प्रच्छ् (६ प० पृच्छति) पूँछना.

प्रथ् (१ आ० प्रथते) १ प्रसिद्ध
होना, जाहिर होना. (१० उ०
प्रथयति-ते) १ फेंकना, उडाना.
२ फैलाना, प्रसृत करना. ३
गाना. ४ स्तुति करना.

प्रस् (१ आ० प्रसते) १ फैलाना.
२ जनना.

प्रा (२ प० प्राति) १ मरना.

प्री (१ उ० प्रियति-ते, ४ आ०
प्रीयते, ९ उ० प्रीणाति-प्रीणीते,
१० उ० प्रीणयति-ते, प्रायय

ति-ते) १ प्रीति करना, दुखा-
रना. २ तृप्त होना, संतुष्ट होना.
३ तृप्त करना, खुश करना.

पु (१ आ० प्रवते) १ जाना.
२ हिलना.

पुद् (१ प० प्रोदति) १ घिसना,
मर्दन करना.

पुप् (१ प० प्रोपति) १ जलाना,
भर्जन करना, भूजना. (९ प०
पुष्णाति) १ सौम्य होना,
स्निग्ध होना, चिकनाहट होना.
प्रोक्षण करना, सीचना. ३ पूर्ण
करना. भरना. ४ मुक्त करना,
छोडना. ५ प्यारा होना.

प्रेह्लो (१० उ० प्रेह्लोयति-ते)
१ झूलना. २ झुलाना.

प्रेप् (१ आ० प्रेपते) १ जाना,
आना. २ चेताना, भोजना.

प्रोथ् (१ उ० प्रोथति-ते) १ शक्ति-
मान होना, लायक होना, २ पूर्ण
होना, भरना. ३ नष्ट करना.

प्लुक्ष् (१ उ० प्लक्षति-ते) १ खाना.

प्लिद् (आ० प्लेहते) १ जाना.

प्ली (९ प० प्लिनाति) १ जाना.

प्लु (१ आ० प्लवते) १ जाना.

२ उड उड जाना. ३ तैरना.

उत्-१ ऊपर उडना या कूदना.

वि-१ डूबना, मज्जन करना. २

जलमय होना.

प्लुप्-फण्	फल्-बन्ध्
प्लुष् (१ प० प्लोषति, ४ प० प्लुप्यति) १ जलाना, भूजना, भुनना. (२ प० प्लुष्णाति) १ स्निग्ध होना, चिकनाहट होना. ३ स्निग्ध करना ४ प्रोक्षण करना, सीचना. ५ पूर्ण करना, भरना, ६ मुक्त करना, छोड़ना. ७ चाहना. ८ दया करना.	फल् (१ प० फलति) १ उत्पन्न करना. २ सफल करना. ३ जाना. ४ तोड़ना, चीरना, विभाग करना, तुकड़े करना.
प्लुस् (४ प० प्लुस्यति) १ जलना. २ भाग करना, हिस्ता करना, बाटना.	फुल्ल (१ प० फुल्लति) १ प्रफुल्लित होना, फूलना, कल्याणा.
प्लेव् (१ आ० प्लेवते) १ सेवा करना, शुश्रूषा करना.	फेल् (१ प० फेलति) १ जाना, स्थलांतर करना.
प्ला (२ प० प्लाति) १ भक्षण करना. २ सरक्षण करना.	फ्वल् (१ प० फ्वलति) १ जीना, जीता रहना
फ.	व.
फक् (१ प० फक्कति) १ धीरे धीरे जाना, मदगर्भन करना. २ रेंगना. ३ अनाचरण करना, अयोग्य रीतिसे वर्तना.	बट् (१ प० बठति) १ पराक्रमी होना, शक्तिमान् होना.
फण् (१ प० फणति) १ जाना. २ उत्सुकतासे या स्वल्प रीतिसे उत्पन्न करना. ३ तेजोहीन करना, कम तेज करना. (१० प० फाणयति) १ सतेज वस्तुमें जल आदि डालके अल्प तेज करना. २ चमकना, प्रकाशित होना. (१० प० फणयति) १ चलना, जाने देना.	बण् (१ प० बणति) १ शब्द करना, आवाज करना.
	बद् (१ प० बदति) १ निश्चल होना, स्थिर होना, स्थस्य रहना. (१ उ० बदति-ते, १० उ० बादयति-ते) १ बोलना, कहना.
	बध् (१ प० बधति, १० उ० बाधयति-ते) १ बाधना, बद्ध करना. २ हिंसा करना, मार डालना, वध करना. (१ आ० बीभत्सते) १ मानसिक दुःख होना २ द्वेष करना, तिरस्कार करना, धिन करना.
	बन्ध् (१ प० बन्धाति, १० उ० बन्धयति-ते) १ बाधना, आ-

वन्-वल्

वस्त्-विल्

ज्ञांकित करना. आ-(१) चारों ओरसे बांधना. अनु-१ जोड़ना, चिपकाना, एकत्र करना. २ अनुसरण करना, यथाप्रति करना. नि-१ वधमुक्त करना, बंधनराहित करना. सम्-१ मिलाप करना, एक- करना, भेंटना.

वन् (८ आ० वनुते) १ मांगना, याचना करना.

वभ्र् (१ प० वभ्रति) १ जाना, स्थलान्तर करना.

वर्ब् (१ प० वर्बति) १ जाना.

वर्द् (१ आ० वर्हते) १ श्रेष्ठ होना. २ बोलना, कहना. ३ मार डालना या दुःख देना ४ आच्छादित करना, ढँकना ५ फेलाना. ६ याद करना, स्मरण करना. ७ देना. (१० उ० वर्हयति-ते) १ मार डालना या दुःस देना.

वल (१ प० वलति, १० प० वल्यति) १ जीना, जीता रहना. २ धान्यसंचय करना. ३ द्रव्यका अटकाव करना. (१ आ० वलते) १ जाना. २ मार डालना या दुःस देना. (१० आ० वाल्यति) १ स्पष्ट करके दिखाना, स्पष्ट करना. (१०

५ सं. धा.

आ० वाल्यति) १ लडकेके समान पालन या सुरक्षण करना. वस्त् (१ आ० वस्तयते) १ जाना. २ मांगना. ३ मार डालना या दुःख देना.

वंद् (१ आ० वहते) १ बढ़ना.

वह् (१ आ० वहते) १ मार

डालना या दुःस देना. २ बोलना, कहना. ३ फेलाना ४ देना, दान करना.-५ मुख्य होना, अग्रगण्य होना, श्रेष्ठ होना. ६ याद करना, स्मरण करना. (१० आ० वह्यते) १ चमकना, प्रकाशित होना.

वाद् (१ वाडते) मञ्जन करना, टूटना, स्नान करना, बहाना.

वाध् (१ आ० वाधते) १ रोकना, अटकाव करना. २ बाधा देना, दुःस देना.

वाह् (१ आ० वाहते) १ यत्न करना.

विद् (१ प० वेद्यति) १ शाप देना, आक्रोश करना, गाली देना.

विन्द् (१ प० विन्दति) १ अवयव होना, अश होना.

विल् (६ प० विलति) १ छेद करना, चीरना (१० उ० विल्यति-ते) १ फँकना, उड़ाना. २ छेदन करना, चीरना,

विस्-बुस्त	बृह-भज्
विस् (४ प० विस्यति) १ फेंकना, उडाना	देना २ अपमान करना, धिक्कार करना
बुक् (१ प० बुकति, १० उ० बुक्यति ते) १ कुत्तेके समान पुकारना २ बोलना (१० उ० बुक्यति-ते) १ दूसरेको दुख देना	बृह (१ प० बर्हति) } १ बढना, बृह (१ प० बृहति) }
बुद् (६ प० बुदति) १ छोडना, त्याग करना २ बख्खादिसे आच्छादित करना	बृद्धि होना २ जगली पशुके समान पुकारना
बुद् (१ उ० बोदति-ते) १ विवेचन करना, सारासार विचार करना	बृ (१ उ० बृणाति, बृणीते) १ सरक्षण करना, पालन करना २ पसद करना, पसद करके लेना ३ निनना
बुध् (१ उ० बोधति-ते, ४ आ० बुध्यते) १ जानना, समझना प्रति-१ बाट जोहना, मार्ग प्रतीक्षा करना प्रतिवि-१ जानना, जागृत रहना	बेह (१ आ० बेहते) १ प्रयत्न करना, उद्योग करना
बुन्द (१ उ० बुन्दति-ते) १ जानना, समझना, बूझना	ब्युष् (४ प० ब्युष्यति) १ जलना
बुन्ध् (१ उ० बुन्धति-ते) १ जानना, समझना, बूझना	ब्युस् (४ प० ब्युस्यति) १ तुकडे करना, हिस्से करना
बुल् (१० प० बोल्यति) १ डूबना, मज्जन करना	ब्रू (२ प० ब्रूवीति-आह) १ कहना, बोलना
बुस् (४ प० बुस्यति) १ छोडना, त्याग करना,	ब्रूस् (१० उ० ब्रूस्यति-ते) १ मार डालना या दुख देना
बुस्त (१० उ० बुस्तयति-ते) १ आदर सत्कार करना, मान	म.
	भज् (उ० भजति-ते) १ भजना, भजन करना २ उपभोग करना, विषयवासनासे अनुभव करना (१० उ० भजयति-ते) १ देना, दान करना २ पकाना, सिद्ध करना, तैयार करना (अन्नादि) ३ पृथक् करना, अलग करना

भञ्ज-भञ्ज	भञ्ज-भाञ्ज
भञ्ज (१० उ० भञ्जति-ते) १ प्रमाशित होना, चमरना २ बोलना, कहना वि-१ नापना प्रवि-२ वाद करना (७ प० भनाक्ति) १ नष्ट करना.	मर्व (१ प० भवति) १ दुःख देना, पीडा करना.
भद् (१ प० भटति) १ धागण करना, पास रखना, २ बोलना, वादविवाद करना. ३ भारा देकर लेना, भारेण लेना	मल् (१ आ० भलते) १ बोलना, व्याख्यान करना २ मारना, दुःख देना, ३ दान देना, देना (१० आ० भल्यते) १ वाद विवाद करना २ ऊपर फेरना, उठाना.
मग् (१ प० भणति) १ स्पष्ट कहना, स्पष्ट बोलना प्रति-१ जपाव देना, उत्तर देना	मह् (१ भहते) १ स्पष्ट कहना, व्याख्यान करना २ दुःख देना या मारना ३ देना, दान देना
मण्ड (१० प० भण्डयति) १ फसाना, ठगना	मप् (१ प० भपति) १ भोकना, कुत्तेके समान पुकारना २ टोप देना, निदा करना
भण्ड (१ आ० भण्डते) १ उपहास करना २ ठट्टा करना ३ बोलना ४ टोप लगाना, निदा करना (१ प० भण्डति, १० उ० भण्डयति-ते) १ शुभकर्म करना	मस् (३ प० वभस्ति) १ चमकना २ टोप लगाना, निदा करना.
भन्द (१ उ० भन्दति-ते, १० उ० भन्दयति-ते) १ शुभकर्म करना २ सुखी होना ३ चमरना	मश् (१ प० भक्षति, १० उ० भक्षयति-ते) १ खाना, भक्षण करना
भर्त्स (१० आ० भर्त्सयते) १ धिक्कार करना, निदा करना २ टराना, घुडकना	मा (२ प० भाति) १ चमरना, प्रमाशित होना २ सुदर दीखना ३ होना, रहना ४ फूकना, धौकना ५ आनदी सुरी रहना ६ घुस्ता करना, घुडकना आ-१ विजुलीके समान चमरना वि-,प्र-१ विशेष करके चमरना
भर्त्स (१ प० भर्त्सति) १ दुःख देना, पीडा करना	भाञ्ज (१० उ० भाञ्जयति-ते) १ तुम्हें २ करना, हिस्सा करना.

भाम्-भिष्णञ्	भी-भू
भाम् (१ आ० भामते, १० उ० भामयति-ते) १ घुडकना घुस्सा करना	भी (३ प० भवमेति) १ डरना, घबरना (क्वचित् १ प० भयति, १० प० भाययति) डरना
भाप् (१ आ० भापते) १ बोलना पार-१ नदयुक्त बोलना उपरोधिक बालना सम्-१ दृसरेसे बालना २ अच्छा रीतिसे बोलना	भुञ् (७ उ० भुनक्ति, भुञ्जे) १ सरक्षण करना, पालन करना २ खाना, भक्षण करना ३ अनुभव करना, उपभोग करना ४ सहन करना, सहना (१ प० भुजति) १ बक्र हाना, टेढा होना
भास् (१ आ० भासते) १ चमकना, प्रकाशित करना प्रति-दृग्गोचर होना, दिखाई देना, दाख पडना, दाखना	भुण् (१ आ० भुण्डते) १ आश्रय देना, पालन करना
भिक्ष (१ आ० भिक्षते) १ याचना करना, मागना २ प्राप्त करना, सपादन करना ३ नहीं सपादन करना ४ आशा या लोभसे किसा वस्तुकी याचना करना ५ कष्ट पाना, थकना	भुरण् (११ प० भुरण्यति) १ पालन करना २ धारण करना
भिद् (७ उ० भिनक्ति, भिन्ते) १ चारना, तोडना, कतरना	भू (१ प० भवति) होना २ रहना ३ उत्पन्न होना, पैदा होना अधि-१ सत्ता चलाना, हुकूमत करना अनु-१ अनुभव करना २ समझना, जानना ३ करना ४ दूडना अभि-१ जीतना २ पीडा करना ३ दुख देना उत्-१ उत्पन्न होना पैदा होना परा-१ पराभव करना, जीतना प्र-१ जाना २ दृग्गोचर होना, दिखाई देना ३ सत्ता चलाना हुकूमत करना ४ अधि-१ होना, बडना ५ दृढयुद्धर्म समान होना प्रति-१ बदलेमें देना परि-१ अव
भिन्द् (१ प० भिन्दति) १ भाग करना, हिस्सा करना	
भिल् (१० प० भेलयति) १ विभाग करना, अलग करना	
भिपञ् (११ प० भिपज्यति) १ चिकित्सा करना, औषधोपचार करना	
भिष्णञ् (११ प० भिष्णयति) १) नौकरी करना	

भृष्-भृश

भृश-भ्रस्ज

मान करना, तिरस्कार करना.
२ घेरना, घेर लेना. वि-१ आ-
श्रय देना, पालन करना. २
देखना. ३ स्थापित करना,
ठहराना. ४ अधिकार होना.
व्यति-१ परस्पर मित्र होना.
सम्-१ होना, उत्पन्न होना. २
समावेश होना. ३ जीतना,
पराभव करना. ४ शक्तिमान्
होना, पराक्रमी होना. ५ एकत्र
करना मिलाप करना. ६ पालन
न करना. ७ होनेसरीखा होना,
संभव होना. (१ उ० भवति-ते,
१० आ० भावयते) १ प्राप्त
होना, मिल जाना. (१० उ०
भावयाते-ते) १ एकत्र करना,
बटोरना. २ चिंतन करना.

भृष् (१ प० भृषति, १० उ० भृ-
ष्यति-ते) १ संवारना, अल-
कृत करना.

भृ (१ उ० भरति-ते, ३ उ० वि-
भर्ति-विभृते) १ आश्रय देना,
धारण करना. २ पूर्ण करना,
भरना. ३ पोषण करना.

भृज् (१ आ० भर्जते) १ भूजना-
तलना.

भृश (४ प० भृशति) १ शरीर
योग्यतादिसे भ्रष्ट होना, च्युत
होना, नीचे गिरना.

भृश (१० उ० भृशति-ते) १
प्रकाशित होना, चमकना. २
बोलना, भाषण करना.

भृ (१ प० भृणाति) १ सरक्षण
करना, पालन करना. २ धारण
करना, अवलम्बन करना, धरना,
पकड़ना. ३ भूजना, तलना.

भृष् (१ उ० भृषति-ते) १ जाना.
२ टरना.

भृष् (१ आ० भृषते) १ टरना.

भृष् (१ प० भृषति) १ शब्द
करना, आवाज करना.

भृष् (प० भृष् (म्य) ति, ४ प०
भृष्म्यति) १ चक्राकार घूम-
ना. २ इधर उधर घूमना. भृष्-
कना. वि-१ झींड़ा करना, खे-
लना. स्म-१ सम्मान करना, स-
त्कार करना. २ गडबड होना.

भृष् (४ प० भृशति) १ भ्रष्ट
होना, पतित होना, गिरना,
नीचे गिरना.

भृष् (१ आ० भृशते, ४ प०
भृशति) १ भ्रष्ट होना, पतित
होना, गिरना, नीचे गिरना.

भृष् (१ आ० भृसते) १ भ्रष्ट
होना, पतित होना, गिरना,
नीचे गिरना.

भृष् (६ उ० भृज्ति-ते) १ प-
काना, भूजना,

भ्राज्-मक्ष्	मक्ष्-मश्च
भ्राज् (१ आ० भ्राजते) १ चमकना, प्रकाशित होना.	मक्ष् (१ प० मक्षति) १ मिलना, मिश्रित होना. २ मिलाना, मिश्रित करना.
भ्राश् (१ आ० भ्राशते-भ्राश्यते) १ चमकना.	मख् (१ आ० मखति) १ जाना, स्थलांतर करना.
भ्री (१ प० भ्रीणाति-भ्रिणाति) १ धारण करना, पकडना, आश्रय देना. २ ढरना. ३ पालन करना.	मगध् (११ प० मगध्याति) १ लपेटना, ढकना. २ पूछना.
भ्रुड् (६ प० भ्रुडति) १ बटोरना, एकत्र करना. २ ढकना, आच्छादित करना.	मङ् (१ आ० मङ्गते) १ जाना. २ सधारना, अलकृत करना.
भ्रूण् (१० आ० भ्रूणयते) १ आशा करना. २ भरोसा करना, विश्वास करना	मङ् (१ प० मङ्गति) १ जाना.
भ्रेज् (१ आ० भ्रेजते) १ प्रकाशित होना, चमकना.	मङ् (मङ्गति) १ जाना.
भ्रेप् (१ आ० भ्रेपते) १ जाना. २ ढरना.	मङ् (१ आ० मङ्गते) १ जाना. २ जाने लगना. ३ प्रारंभ करना, शुरू करना. ४ जल्दी जाना. ५ दोष लगाना, निंदा करना. ६ ठगना, अप्रामाणिक रीतिसे वर्तना. ७ जूआ खेलना. (१ प० मङ्गति) १ सवारना, भ्रूषित करना, अलकृत करना.
भ्लक्ष् (१ उ० भ्लक्षति-ते) १ खाना.	मच् (आ० मचते) १ गर्व करना, गर्वीला होना. २ दृष्ट दुराचारी होना. ३ बोलना. ४ पीसना, कूटना.
भ्लाश् (१ आ० भ्लाशते-भ्लाश्यते) १ प्रकाशित होना, चमकना.	मज् (१ प० मजति) १ आवाज करना, २ मत्त होना. ३ कामातुर होना.
भ्लास् (१ आ० भ्लासते) १ प्रकाशित होना, चमकना.	मश्च (१ आ० मश्चते) १ धारण करना, पास रखना. २ उच्च
भ्लेष् (१ उ० भ्लेषति-ते) १ जाना. २ ढरना. म.	
मक् (१ आ० मक्कते) १ जोंनी, स्थलांतर करना.	

मञ्ज-मद्	मन्-मन्थ्
<p>होना. ३ उपासना करना, अर्घा करना, पूजा करना. ४ घमकना. (१ प० मञ्चति) १ जाना.</p>	<p>मन् (४ आ० मन्यते, ८ आ० मनुते) १ जाना, समझना. २ मान्य करना, कबूल करना. ३ विचार करना, चिन्तन करना.</p>
<p>मञ्ज (१ प० मजति, १० प० मञ्जयति) १ शब्द करना, आवाज करना. शुद्ध करना, मंजना.</p>	<p>(१ प० मनाति, १० प० मानयति) १ आदर करना, सत्कार करना (१० आ० मानयते) १ बढ़ करना, स्थिर रहना, मद होना.</p>
<p>मद् (१ प० मठति) १ रहना, वसति करना. २ विचारमें मग्न होना, घबरना.</p>	<p>२ गर्वाला होना. ३ प्रतिकूल होना, रकना. अनु-१ अनुमोदन देना, कबूल करना. अभि-१ अभिमान करना. २ इच्छा करना, चाहना. अव-१ अपमान करना, निर्मासना करना सम्-१ अनुमोदन देना, कबूल करना.</p>
<p>मण्ड (१ आ० मण्डते) १ दुःख करना. २ उत्कण्ठित होना.</p>	<p>१ अभिमान करना. २ इच्छा करना, चाहना. अव-१ अपमान करना, निर्मासना करना सम्-१ अनुमोदन देना, कबूल करना.</p>
<p>मण्ड (१ प० मण्डति, १० मण्डयति-ते) १ सवारना, अलकृत करना. (१० प० मण्डति) १ आनन्दित करना, हर्षित करना. (१ आ० मण्डते) १ घेरना, बाढ लगाना २ अलग करना, दूक २ करना.</p>	<p>मन्तु (११ उ० मन्तूयति-ते) १ अपराध करना, गुनाह करना. २ क्रोध करना, गुस्सा करना.</p>
<p>मण (१ प० मणति) १ अस्पष्ट शब्द करना या कहना.</p>	<p>मन्त्र (१० आ० मन्त्रयते, कश्चित् १ प० मन्त्रति) १ गुह्य भाषण करना, गुप्त बात करना. आ-१ सत्कार करना, सन्मान करना. नि-१ आभरण करना, बुलाना.</p>
<p>मथ् (१ प० मथति) १ मथना. २ विचार करना, मनन करना. ३ हिलना.</p>	<p>मन्थ् (१ प० मन्यति, ९ प० मश्राति) १ धिसना, मर्दन करना, रगडना. २ दुःख करना, शोक करना, रोना ३ दुःख शोकादिका सहन करना ४ मथन करना, मथना</p>
<p>मद् (१ प० मदति, १० प० मदयति) १ हर्षित होना. २ दीर्घी होना. (१० आ० मादयते) १ तृप्त करना, समाधान करना (४ मादयति) १ थकना २ हर्षित होना</p>	<p>मन्थ् (१ प० मन्यति, ९ प० मश्राति) १ धिसना, मर्दन करना, रगडना. २ दुःख करना, शोक करना, रोना ३ दुःख शोकादिका सहन करना ४ मथन करना, मथना</p>

मन्द्-मव्	मव्य-मा
मन्द् (१ आ० मन्दते) १ स्तुति करना, प्रशंसा करना २ तुष्ट होना, आनन्द करना ३ उन्मत्त होना, गर्जना करना ४ मद होना. ५ सोना ६ चाहना ७ जाना ८ चमकना, प्रकाशित होना (१ प० मन्दति, १० उ० मन्दयति-ते) १ दृष्ट होना, हर्षित होना २ थकना, श्रान्त होना	मव्य (१ प० मव्यति) १ बाधना, रोकना
मभ्र (१ प० मभ्रति) १ जाना, स्थलांतर करना	मश् (१ प० मशति) १ शब्द करना, आवाज करना. २ क्रोध करना, घुस्सा करना
मय् (१ आ० मयते) १ जाना, स्थलांतर करना	मप् (१ प० मपति) १ मार टालना या दुःख देना
मर्च (१० उ० मर्चयति-ते) १ जाना २ शब्द करना, आवाज करना	मस् (४ प० मस्यति) १ नापना. २ रूपांतर करना, आकार बदलना
मव् (१ प० मवेति) १ जाना,	मस्क (१ आ० मस्कते) १ जाना
मव् (१ प० मवेति) १ जाना, चलना २ पूर्ण करना, भरना	मस्ज (६ प० मज्जाति) १ स्नान करना, नहाना. २ धोना स्वच्छ करना
मल् (१ आ० मलते, १० प० मलयति) १ पहिनना, पहिरना २ धारण करना, धरना, पकटना ३ चिपकाना, लटकाना	मह् (१ प० महति, १० उ० महयति-ते) १ सम्मान करना, पूजा करना
मह् (१ आ० महते) १ बढना, वर्धित होना (१ प० महयति) १ चमकना, प्रकाशित होना २ बोलना, कहना	मही (११ आ० महीयते) १ पूजनीय होना
मह् (१ आ० महते) १ धरना, धारण करना, रखना	मा (२ प० माति, ३ आ० मिमीते, ४ आ० मायते) १ नापना, तोलना २ समाना अनु- १ अनुमान तूरेसे सिद्ध करना. उप-२ उपमा देना, तुलना कर-
मव् (१ प० भवति) १ बाधना, रोकना,	

मांश्-मि	मिच्छ-मिध्
ना, समानता करना. परि-१ नापना, गिनना, तोलना, परिमाण करना. प्र-१ प्रमाण होना.	अलग करना, फैलाना, उडाना, फेंकना.
मांश् (१ प० मांशति) १ इच्छा करना, चाहना.	मिच्छ (६ प० मिच्छति) १ पीडा करना, दुःख देना. २ रोकना, निषेध करना.
माइ (१ उ० माइति-ते) १ नापना, गिनना.	मिञ् (१ प० मिञ्जति, १० उ० मिञ्जयति-ते) १ चोखना. २ चमकना.
मात् (१ उ० मातति-ते) १ नापना.	मिथ् (१ उ० मेयति-ते) १ समझना, जानना. २ पीडा करना, दुःख देना. ३ एकत्र करना, जोटना, जुटाना.
मान् (१ आ० मीमांसते) १ ज्ञान-प्राप्तिकी इच्छा करना, शोध करना. (१ प० मानति, १० १० उ० मानयति-ते) १ सत्कार करना, सम्मान करना, पूजा करना, मनाना. अप-अव-१ अपमान करना, तिरस्कार करना.	मिद् (१ प० मेदति) १ गर्व करना, अभिमान करना. २ नम्र होना. (१ उ० मेदति-ते) १ समझना, जानना. २ पीडा करना, दुःख देना. ३ हानि करना, नुकसान करना. (१ आ० मेदते, ४ प० मेदति, १० प० मेदयति) १ स्निग्ध होना. २ पिघलना. ३ अभ्यजन करना, आजना, पोतना. ४ प्रीति करना, प्यार करना. ५ नरम होना, मृदु होना.
मार्ग (१० उ० मार्गयति-ते) १ सिद्ध करना, तैयार करना. २ जाना. ३ मार्ग सिद्ध करना. ४ वाणमें पर लगाना. (१ प० मार्गति, १० उ० मार्गयति-ते) १ दूटना. २ स्वच्छ करना, शुद्ध करना.	मिध् (१ उ० मेधति-ते) १ समझना, जानना. २ पीडा करना, दुःख देना. ३ एकत्र करना, जोटना, उडाना, सयुक्त करना.
मार्ज (१० उ० मार्जयति-ते) १ शब्द करना, आवाज करना. २ स्वच्छ करना, शुद्ध करना.	
माह (१ उ० माहति-ते) १ नापना, गिनना, तोलना.	
(५ उ० भिनोति-भिनते) १	

मिन्द-मिद्	मी मुञ्च
मिन्द् (१ प० मिन्दति, १० उ० मिन्दयति-ते) १ खिन्न होना २ पिघलना ३ अभ्यजन करना, आजना पोतना, ४ प्रीति करना, प्यार करना ५ नरम होना	मी (१ प० मयति, १० उ० भाययति-ते) १ समझना, जानना २ जाना. (४ आ० मीयते) १ भरना, देहत्याग करना (९ उ० मीनाति-मीनीते) १ मार डालना या दुःख देना
मिल् (६ उ० मिलति-ते) १ सयुक्त होना, मिलना, जुड़ जाना	मीम् (१ प० मीमति) १ जाना २ शब्द करना, आवाज करना
मिव् (१ प० मिव्वति) १ सींचना, प्रोक्षण करना, गीला करना २ सेवा करना, शुश्रूषा करना	मील् (१ प० मीलाति) १ आँखें मूदना, पलक मारना उत्-१ जगाना. २ खिलना ३ फैलना
मिश् (१ प० मेशति) १ शब्द करना, आवाज करना २ क्रोध करना, गुस्सा करना	मीव् (१ प० मीवति) १ मोटा होना, स्थूल होना
मिश्र् (१० उ० मिश्रयति-ते) १ मिश्रित करना, एकत्र करना, समाहार करना	मुच् (६ उ० मुञ्चति-ते) १ मुक्त करना, छोड़ना २ त्याग करना (१० मोचयति-ते) १ छोड़ देना, जाने देना २ द्रव्यादिक देना ३ तुष्ट करना, खुश करना (१ आ० मोचते) १ ठगना, मृतना, फँसाना
मिष् (१ प० मेषति १ सेवा करना, शुश्रूषा करना २ सीचना, प्रोक्षण करना, गीला करना (६ प० मिषति) १ झगड़ना, बल्लह करना, कुस्ती करना	मुञ्च (१ आ० मुञ्चते) १ बोलना, कहना २ पीसना, कूटना ३ ठगना, मृतना, फँसाना ४ दुराचरणी होना ५ गर्व करना (१ प० मुञ्चति) १ जाना, २ मुक्त होना प्र-१ अतिदान करना, बहुत देना वि-१ मुक्त करना, छोड़ देना २ समर्पण करना, देना ३ हराना
मिस्त्र् (१० उ० मिस्त्रयति-ते) १ मिश्रित करना, समाहार करना, मिलाना, एकत्र करना	
मिद् (१ प० मेहति) १ गीला करना, सीचना, प्रोक्षण करना २ मृतना, पेशाब करना	

मुञ्-मुण्ड्	मुद्-मुह्
मुञ् (१ प० मोजति, १० प० मोजयति) १ शब्द करना, आवाज करना	स्वच्छ होना. ३ डूबना, मज्जन करना. ४ मनमें बैठ जाना.
मुञ्ज् (१ प० मुञ्जति, १० प० मुञ्जयति) १ शब्द करना, आवाज करना.	मुद् (१ आ० मोदते) १ आनन्दित होना, खुश होना, हर्षित होना. (१० मोदयति-ते) १ मिश्रित करना, एकत्र करना
मुद् (१ प० मोदति, ६ प० मुदति १० उ० मोदयति-ते) १ धिसना, मर्दन करना. २ दवाना, मुक्की मारना, मलना. ३ निदा करना, दोष देना. ४ बांधना, रोकना, गूथना.	मुन्थ् (१ प० मुन्थति) १ मार डालना या पीडा करना. २ पीडा दुःख सहन करना.
मुद् (६ प० मुदति) १ त्याग करना, छोड़ देना. २ आच्छादित करना, वस्त्र पहिरना (१० उ० मोदयति-ते) १ मर्दन करना	मुर (६ प० मुरति) १ घेरना, लपेटना.
मुण् (६ प० मुणाति) १ प्रण करना, प्रतिज्ञा करना, वचन देना	मुच्छ् (१ प० मुच्छति) १ मुर-ज्ञाना, मूर्च्छित होना २ वदना.
मुण्ड् (१ प० मुण्डति) १ पिसना. २ दवाना, मुक्की मारना, मलना ३ निदा करना, दोष देना ४ बांधना, गूथना, रोकना	मुर्व (१ प० मूर्वति) १ बांधना, रोकना.
मुण्ड् (१ मुण्डते) १ उडना, उड जाना, भाग जाना. २ पालन करना, रक्षा करना.	मुल् (१० प० मोलयति) १ बोना, बीजारोपण करना.
मुण्ड् (१ प० मुण्डति) १ पूर्ण करना. २ मुडन करना, क्षौर करना, हजामत करना (१ आ० मुण्डते) १ स्पृष्ट करना. २	मुप् (१ प० मोपति, ९ प० मुष्णाति) १ घुराना, मूसना, घोरी करना. (४ मुष्यति) १ घुराना. २ कतरना. तोडना, चीरना.
	मुस् (४ प० मुस्यति) १ तुजटे २ करना, कतरना, तोडना, चीरना.
	मुस्त (१० उ० मुस्तयति-ते) १ डेर करना, बगेरना, एत्र करना, राशि करना
	मुद् (४ प० मुदति) १ पागड होना, बुद्धि भट होना.

मू-मृञ्	मृद्-मृप्
मू (१ आ० मवते) १ बांधना, बद्ध करना, जकड़ना.	होना. ३ सँभारना, अलकृत करना. ४ शब्द करना, आवाज करना. अप-प्र-१ सफा करना, झाड़ना, बुहारना. २ स्वच्छ करना, पवित्र करना.
मूञ् (१० उ० मूञ्जयति-ते) १ मूतना, पेशाब करना.	मृद् (६ प० मृडति, ९ प० मृड्याति) १ सुख देना, तुष्ट करना, खुश करना. २ सुखी होना, खुश होना. ३ चूर्ण करना, कूटना, पीसना. (६ प० मृडति) १ डूबना.
मूर्च्छ् (१ प० मूर्च्छति) १ मूर्च्छित होना, मोहित होना, ज्ञानरहित होना. २ बढना, वृद्धिगत होना.	मृण् (६ प० मृणति) १ दुःख देना, पीडा करना.
मूल् (१ उ० मूलति-ते) १ मूल पकड़ना, दृढ बैठ जाना. (१० मूलयति-ते) १ बीजारोपण करना, बोना, कलम करना. उत्-१ जड़से उखाड़ना.	मृद् (९ प० मृद्वाति) १ पीसना, कूटना. २ चूर्ण करना.
मृप् (१ प० मृपति) १ चोरी करना, चुराना, मूसना.	मृध् (१ उ० मर्द्धति-ते) १ मार डालना या दुःख देना. २ आर्द्र करना या होना, गीला करना या होना.
मृ (६ आ० म्रियते) १ मरना, देह त्याग करना.	मृश (६ प० मृशाति) १ स्पर्श करना, छूना. २ देखना. ३ विचार करना १ परा-१ बुद्धिवाद कहना, सलाह देना. वि-१ विचार करना, मनन करना.
मृक्ष् (१ प० मृक्षाति) १ देख करना, बयोरना, एकत्र करना. (१० मृक्षयति) १ अपशब्द घोलना. २ मिश्रित करना, मिलाना.	मृप् (१ उ० मर्पति-ते, १० उ० मर्पयति-ते, ४ मृपति-ते) १ सहन करना. आ-१ धुस्सा करना. धि-विपत्तिर्भे पटना.
मृग् (४ प० मृग्यति, १० आ० मृगयते) १ मृगया करना, शिकार करना. २ दृढ़ना.	
मृज् (१ प० मार्जति, ३ प० मार्जति, १० उ० मार्जयति-ते) १ स्वच्छ करना, धोना. २ पवित्र	

मृ-भ्रा	म्रश्-म्लच्छ्
(१ प० मर्षति) प्रोक्षण करना, सींचना.	म्रक्ष (१ प० म्रक्षति) १ बटोरना, एकत्र करना, ढेर करना. २ लेपन करना, लीपना. (१० उ० म्रक्षयति-ते) १ मिश्रित करना. २ अशुद्ध बोलना.
मृ (१ प० मृणाति) १ मार डालना या दुःख देना, पीडा करना.	म्रच (१ प० म्रचति) १ जाना.
मे (१ आ० मयते) १ बदलेमें देना. २ लीयना, पीछे देना.	म्रट् (१ आ० म्रदते) १ मर्दन करना, पीसना, कूटना.
मेद् (प० मेदति) } १ पागल	म्रुच् (१ प० म्रोचति) १ जाना, स्थलांतर करना.
मेद् (१ प० मेदति) } होना.	म्रुश्च (१ प० म्रुश्चाति) १ जाना, स्थलांतर करना.
मेथ् (१ उ० मेथति-ते) १ समझना, जानना. २ मार डालना या दुःख देना, पीडा करना. ३ सघट्टन करना.	म्रेट् (१ प० म्रेटति) १ पागल होना.
मेद् (१ उ० मेदति-ते) समझना, जानना. २ मार डालना या दुःख देना, पीडा करना.	म्रेद् (१ प० म्रेदति) १ पागल होना.
मेध् (१ उ० मेधति-ते) १ समझना, जानना. २ मार डालना या दुःख देना. ३ सघट्टन करना.	म्लक्ष् (१० प० म्लक्षयति) १ अशुद्ध बोलना, अचढ़ बोलना. २ मिश्र करना, एकत्र करना.
मेधा (११ प० मेधायाति) १ शीघ्र समझना, जलदी जान लेना.	म्लुच् (१ प० म्लोचति) १ जाना अभिनि-१ नीचे जाना, अस्त होना.
मेप् (१ आ० मेपते) १ जाना. २ सेवा करना.	म्लुश्च (१ प० म्लुश्चाति) १ जाना, स्थलांतर करना.
मेव् (१ आ० मेवते) } १ सेवा	म्लेच्छ् (१ प० म्लेच्छति, १० उ० म्लेच्छयति-ते) १ अस्पष्ट या अशुद्ध बोलना. २ समापण करना, बोलना. ३ म्लेच्छभाषा बोलना, जगली भाषा बोलना.
मेव् (१ आ० मेवते) } करना.	
मोक्ष् (१ प० मोक्षति, १० प० मोक्षयति) १ मुक्त करना, छोड देना.	
म्रा (१ प० मनाति) १ विचार करना, मनन करना.	

म्लेट्-यत्	यन्त्रु-यम्
<p>म्लेट् (१ प० म्लेटात्) } म्लेड् (१ प० म्लेडात्) } १ पागल होना म्लेव् (१ आ० म्लेवते) १ सेवा करना, शुश्रूषा करना, चाकरी करना म्लै (१ प० म्लायति) १ थकना, श्रांत होना २ निरुत्साह होना ३ नष्ट होना ४ भ्रुझाना, कुम्हलाना</p>	<p>करना निर-१ बदल चुका लेना, वैरशुद्धि करना २ देना, दान देना. ३ अपने पास दूस रेकी जो वस्तु हो सो लीय देना या वापिस देना वि-१ धृष्टता करना यन्त्रु (१ प० यन्त्राति, १० उ० यत्रयति-त्ते) १ स्वाधीन रख- ना २ सजुचित करना. यम् (१ प० यभति) १ मैयुन करना, स्त्रीसयोग करना यम् (१ प० यच्छति) १ प्रतिबध करना, रोकना, अवरोध करना. नि-१ दौडाना, भगाना २ शुलाचार करना ३ आकलन करना, आकर्षण करना, रीतिना, नियम बांधना उत्-उ० १ यत्न करना, उद्योग करना २ ऊपर उठाना ३ ऊपर चढ़ना व्या-उ० १ कष्ट करना, मिहनत करना २ व्यवहार करना ३ अपना उद्योग करना सत्रि-प० १ प्रति रोध करना, रोकना आ-आ० १ हाथ आदि आगे करना प० १ जाना २ जवग्न लेना, बला त्ताग्ने लेना मम्-आ० १ अ पनी वस्तुओंकी एम्त्र करना, देना करना प० १ सयोग करना, नेत्र करना उप-आ० १ निगाह</p>
<p>य. यञ् (१० उ० यक्षयति-त्ते) १ आराधन करना, पूजा करना, सत्कार करना * यज्ञ (१ उ० यजाति-त्ते) १ यज्ञ करना, हवन करना * देवपूजा करना ३ अर्पण करना, देना ४ सगति करना, सयोग करना यत् (१ आ० यतते) १ निश्चय करना, ठहराना २ यत्न कर ना, उद्योग करना (१० उ० यातयति-त्ते) १ दुरा देना २ मारना, ठाकना, चपेना ३ आज्ञा करना, हुम्न करना ४ एकत्र करना, बटोरना ५ मिहनत करना, श्रम करना ६ मना करना, रोकना. ७ लौट देना, वापिस देना ८ बदलेमें देना ९ सजुठ करना, सजा</p>	

यस्-याच्	यु-युज्
<p>करना, व्याहना, शादी करना. २ मान्य करना, कबूल करना. ३ विद्यासे जीतना, विद्याके बलसे स्वाधीन रखना. (१० उ० यमयाति-ते, यामयाति) १ स्वाधीन रखना, तावेमें रखना, आकलन करना. २ पोषण करना, खानेको देना.</p>	<p>को चाहना, देनेके लिये निकालना.</p>
<p>यस् (४ प० यस्यति, १ प० यसति) १ यत्न करना. आ-१ मिहनत करना, कष्ट करना. निर्-१ खोना.</p>	<p>यु (२ प० यौते) १ मिश्रित करना, मिलाप करना, एकत्र करना. २ पृथक् २ करना, अलग २ करना. (१० उ० यावयाति-ते) १ अजमान करना, दोष लगाना, निंदा करना. (९ उ० युनाति-युनीते) १ बांधना, बंधन करना, रूयना.</p>
<p>या (२ प० याति) १ जाना. २ प्राप्त होना. ३ पहुँचना. अनु- १ अनुसरण करना, पीछे २ जाना. अभि-१ पहुँचना, पास जाना. आ-१ आना, प्रस्तुत होना, हजर होना. उप-१ छोड़ना, त्याग करना, हवाले करना. निर्-१ बाहर जाना, आगे जाना. २ शीघ्र गमन करना, जल्द जाना. प्र-१ जाना. प्रति-१ किसीकी ओर जाना. प्रत्युत्-१ सामने जाना. समभि-१ समीप जाना, नजदीक जाना. समा-१ आना, आ पहुँचना.</p>	<p>युद् (१ प० युद्गति) १ छोड़ देना, त्याग करना.</p>
<p>यान् (१ उ० याचति-ते) १ याचना करना, माँगना. २ देने</p>	<p>युच्छ (१ प० युच्छति) १ दुर्लक्ष्य करना, असावधान रहना, गाफिल रहना.</p>
	<p>युज् (४ आ० युज्यते) १ चित्त स्थिर करना, मनको रोकना. १० प० योजयति) १ बंधन करना, बांधना, तावेमें रखना. (७ उ० युनक्ति-युक्ते) १ जुटना, मिलाप करना, एकत्र करना. अनु-१ प्रश्न करना, पूछना, चौकस करना. २ दोष लगाना. अभि-१, बाँधना. २ दोष लगाना. ३ क्राय्याद करना. ४ श्रद्धा प्रश्न करना. उप-१ प्रयोग करना, २ उपयोग करना. ३ यान् निर्-१ अज्ञान</p>

युट्-युप्	युस्-रङ्
हुक्म करना २ मिलाप करना, एकत्र करना प्र-१ योग्य होना, फवना २ यत्न करना ३ मिलाप करना ४ ऋण देना, पैसा उधार देना वि-१ अलग करना, पृथक् करना २ प्रेरणा करना, भेजना विनि-१ व्यय करना, खर्च करना २ नियमित करना, मुकरर करना ३ भेजना, प्रेरणा करना ४ गूथना, एकत्र करना विप्र-१ अलग २ करना, निभक्त करना सम्-१ युक्त करना, मिलाप करना समा-१ बहुत विचार करना (१ प० योजति, १० उ० योजयति-ते) १ बधन करना, तावेमे रखना (१० आ० योजयते) १ निंदा करना, टोप लगाना	युस् (४ प० युस्यति) १ त्याग करना, छोड़ना यूथ् (४ प० यूथ्यति) १ मारना, दु ख देना, पाडा करना यूप् (१ प० यूपति) १ मारना, दु ख देना, पीडा करना येप् (१ आ० येपते) १ आग्रह करना, चिपमके रहना, निश्चयसे यत्न करना यौट् (१ प० यौटति) } यौड् (१ प० यौडति) } १ बांधना, तावेमे रखना र.
युट् (१० उ० युट्टयति-ते) १ अल्प होना, कम होना	रक् (१० उ० राक्यति-ते) १ प्राप्त होना, मिल जाना २ स्वाद लेना, रुचि लेना
युत् (१ आ० योतते) १ चमकना, प्रकाशित होना	रक्ष् (१ प० रक्षति) १ रक्षण करना, पालन करना परि-१ रक्षण करना, बचाना
युध् (४ आ० युध्यते) १ युद्ध करना, लडाई करना, झगडना	रख् (१ प० रखाति) १ जाना
युप् (४ प० युप्यति) १ चित्त वैकल्य होना, घबर जाना	रग (१ प० रगति) १ शमा करना, सदिग्ध होना (१० उ० रागयति-ते) प्राप्त होना, मिल जाना २ स्वाद लेना, रुचि लेना
युप् (१० उ० योपयति-ते) १ सेवा करना, चाकरी करना	रङ् (१ प० रङ्गति) १ जाना रङ् (१ आ० रङ्गते) १ जाना (१० उ० रङ्गयति-ते) १ चमकना, प्रकाशित होना

रन्-भ्	ग्-भ्
रन् (१० उ० रचयति-त्ते) १ रचना करना २ शिष्य कर्म करना ३ प्रयत्न करना.	होना, गुश होना आ-१ प्रारंभ करना, शुद्ध रचना. २ आनंद होना, गुश होना.
ग्न् (१ उ० ग्जति-त्ते, ४ उ० ग्यति-त्ते) १ रग देना, रगाना अनु-१ किसी वस्तुमें अनुगुक्त होना, तत्पर होना, लौलौ होना, मोहित होना अप-वि-१ विगुक्त होना, तिग् स्फार करना	रम् (१ आ० रमते) १ रमना, प्रीडा करना, रोगना. आ-५०, उप-उ०, वि-५० १ रिगम करना, स्थिर रहना, आगम करना
ग्द (१ ५० रदति, १० ५० ग्यति) १ बोलना, सभापण करना	ग्फ (१ ५० ग्फति) १ जाना. २ माग टालना या दुःख देना.
ग्ठ (१ ५० रठति) १ बोलना, सभापण करना.	रम्प् (१ आ० रम्पते) १ जाना. २ शब्द करना, आवाज करना.
ग्ण (१ ५० रणति) १ शब्द करना, आवाज करना २ जाना	रम्भ (१ आ० रम्भते) १ शब्द करना, आवाज करना परि-१ आरिगन करना, गले लगाना
ग्दृ (१ ५० रदति) १ विदारण करना, चीरना २ रोदना	र्य (१ आ० रयते) १ जाना. २ हिलना
ग्ध (४ ५० रध्यति) १ पूरा करना समाप्त करना २ अपकार करना, मार डालना या दुःख देना ३ पक होना, पकना ४ शुद्ध होना, निर्दोष होना, गलती नहीं करना	रव् (१ ५० रव्यति) १ जाना
रप् (१ ५० रपति) १ स्पष्ट बोलना	रस् (१ ५० रसति) १ शब्द करना, आवाज करना (१० उ० रमयति-त्ते) १ स्वाद लेना, चखना. २ प्रीतिकरना, प्यार करना.
रफ् (५० रफति) १ जाना २ मार डालना या दुःख देना	रह् (१ ५० रहति, १० उ० रहयति-त्ते) १ छोड़ना, त्याग करना. वि-१ अत्य होना, भिन्न होना
रभ् (१ आ० रभते) १ आनंदित	रंह् (१ ५० रहति,) बड़े जोरसे जाना (१० उ० रहयति-त्ते)

रा-रास्	रि-रिस्
१ चमकना, प्रकाशित होना ० बोलना, सभाषण करना रा (२ ५० राति) १ प्राप्त होना, मिल जाना २ देना राख् (१ ५० राखति) १ सूखना, शुष्क होना, २ सकारना, भूमि त करना अलंकृत करना ३ कार्यक्षम होना, पूरा होना ४ रोकना, निषेध करना, विव्र करना ५ समाप्त करना राघ् (१ आ० राघते) १ समर्थ होना, शक्य होना, योग्य होना, लायक होना राङ् (१ आ० राजति-ते) १ चम कना, शोभित होना निर्(नी)- १ आरती करना वि-१ शोभित होना, प्रकाशित होना, चमक ना. २ जीतना, मात करना राध् (४ ५० राध्याति, ५ ५० राधो ति) पूरा करना, सिद्ध करना, पूर्ण करना अप-१ अपराध करना, गुनाहू करना आ- १ आराधना करना, उपासना करना राश् (१ आ० राशते, ४ आ० राश्यते) १ शब्द करना, आ वाज करना रास् (१ आ० रासते) १ शब्द करना, आवाज करना	रि (५ ५० रिणोति) १ दुःख देना, पीडा करना. (६ ५० रिप ति) १ जाना रिख् (१ ५० रेखति) } रिङ् (१ ५० रिङ्गति) } १ जाना रिञ् (१ ५० रिञ्जति) } रिच् (१ ५० रेचति, १० उ० रेच यति-ते) १ एकत्र करना, जोड़ना, बांधना २ अलग २ करना, फैलाना ३ दस्त देना, चोटा सफा करना, रेंचक दवा देना (७ उ० रिणक्ति रिङ्) १ मलशुद्धि होना, दस्त खुलकर होना, झाडा हाना २ गर्भपात करना, गर्भ गिराना अति-१ अतिरिक्त होना, अतिक्रम कर ना वि-१ मलशुद्धि होना, दस्त खुलकर होना, झाडा साफ होना रिञ् (१ आ० रेजते) १ भूजना, तलना रिफ् (६ ५० रिफति) १ बोलना, कहना ० युद्ध करना, लड़ाई करना, झगडना ३ प्रशंसा कर ना, स्तुति करना, ४ दुःख देना, पीडा करना ५ देना, दान देना ६ दोष लगाना, निंदा करना रिम्फ् (१ ५० रिम्फति) १ मार डालना या दुःख देना रिक् (५० रिष्वाति) १ जान

रिञ्-रु

रुच्-रुण्ड्

रिञ् (६ प० रिञ्ति) १ मार डालना या दुःख देना. २ मार डालनेका यत्न करना.
 रिष् (१ प० रेपति, ४ प० रिष्यात्) १ मार डालना या दुःख देना, मार डालनेका यत्न करना. (१ प० रिष्णाति) १ जाना, सिधारना. २ अलग करना, भिन्न करना, सबध तोडना.
 रिह् (१ प० रेहाति, ६ रिहाति) १ मार डालना या दुःख देना २ मार डालनेका यत्न करना.
 री (४ आ० रीयते) १ झरना, चूना, टपकना. २ गिरना, नीचे आना. (२ प० रोति) १ गर्भ वती होना, गर्भ धारण करना. (१ प० रिणाति) १ जाना. २ अरण्य पशुके माफिक पुकारना. २ पीटा करना, दुःख देना.
 रीव् (१ आ० रीवते) १ लेना, ग्रहण करना. २ छिपाना, तिस्रो-धान करना, रोककर रक्षण करना, परदेमे छिपाना.
 रु (२ प० रौति) १ शब्द करना, आवाज करना (१ आ० र्वते) १ जाना, चलना. २ मार डालना या दुःख देना. ३ बोलना, सभा पण करना. ४ क्रोध करना, गुस्सा करना.

रुच् (१ आ० रोचते) १ चमकना, प्रकाशित होना. २ आनन्द करना, खुश होना, उत्साह करना. ३ रुचना.
 रुज् (६ प० रुजति) १ दुःखसे या रोगसे पीडित होना. २ वक्र होना, बांका होना, टेढा होना, टूट जाना. (१० उ० रोजयति-ते) मारना, दुःख देना.
 रुद् (१ आ० रोदते) १ प्रतिबध करना, रोकना. २ पुनः २ झगडना. ३ कामवेगसे तलफना, जमीनपर लेटना (१० उ० रोदयति-ते) १ क्रोध करना, गुस्सा करना. २ चमकना, प्रकाशित होना. ४ बोलना, भाषण करना.
 रुठ् (१ प० रोठति) १ मारना, नीचे गिरना. (१ आ० रोठते) १ रोकना, आड आना.
 रुद्ध् (१० उ० रुद्धयति-ते) १ गुस्सा करना.
 रुण्ड् (१ प० रुण्टति) चुराना, मूसना.
 रुण्ट् (१ प० रुण्टति) १ चुराना, मूसना. २ जाना ३ आलस्य करना ४ लगेडना.
 रुण्ड् (१ प० रुण्टति) १ चुराना, मूसना.

रुद्-रुद्ध	रूप्-रेज्
रुद् (२ प० रोदिति) १ रोना ० गेते ० कहना उवा-१ रो ० शात करना, दूसरेके लिये रोना	उत्पन्न होना, उगना २ उत्पन्न होना, पैदा होना, प्रकट होना ३ जन्म होना, जन्म लेना
रुध् (७ उ० र्णाद्धि-रुधे) १ रोकना ० घेरना, घेर लेना अभिसम्-१ प्रतिरोध करना मना करना अव-१ सावधान रहना, दक्षतासे रखना उप-१ घेरना, घेर लेना, सेनाके द्वारा घेरना प्रति-१ रोकना सन्नि- १ वद् करना, सैन्य आदिसे वद् करना (४ प० अनुरुध्यते) १ कृपालु होना, दया करना अनुमोदन देना, सलाह देना ३ शोक करना, रोना ४ चाहना	आधि-१ ऊपर चढना, चढना, आरोहण करना अव १ उतरना, नीचे आना आ-१ आरूढ होना, ऊपर बैठना २ ऊपर चढना प्र-१ उगना, अकुर उत्पन्न होना
रुप् (४ प० रुप्याति) १ विकल चित्त होना, भ्रात होना, घबर जाना	रूक्ष् (१० उ० रूक्षयति-ते) १ काठिन होना, रूक्ष होना २ कठोर वचन बोलना ३ नीरस होना, शुष्क होना, सूखना
रुश् (६ प० रुशति) १ मार डालना या दु ख देना	रूप् (१० उ० रूपयति-ते) १ बनाना, आकार बनाना, रचना करना २ मनमें स्वरूपाकृति लाना नि-१ स्पष्ट करना, सम झाके कहना २ वाद करना, वादविवाद करना, बहस करना
रुंञ् (१ प० रुंञ्ति, १० उ० रुंञ्जयति-ते) १ चमकना, प्रका शित होना २ बोलना	रूप् (१ प० रूपति) १ सञ्चारना, अरुकृत करना, शृंगार करना.
रुप् (१ प० रोपाति, ४ प० रुप्य ति) १ मार डालना या दु ख देना, मार डालनेका यत्न करना (१० उ० रोपयति-ते) १ क्रोध करना, गुस्ता करना	रेक् (१ आ० रेकते) १ जका करना, अदेशा करना, सदिग्ध होना आ-१ अधिक सदिग्ध होना अधिक अदेशा करना
रुह् (१ प० रोहति) १ बीजसे	रेखा (११ प० रेखायति) १ स्तुति करना २ रेखा खीचना
	रेज् (१ आ० रेजते) १ चमकना, प्रकाशित होना

रेट्-लृक्

लक्ष्-लृष्

रेट् (१ उ० रेटति-त्ते) १ याचना करना, मांगना. २ बोलना, सभापण करना.

रेप् (१ आ० रेपते) १ जाना. २ शब्द करना, आवाज करना.

रेव् (१ आ० रेवते) १ जाना.

रेभ् (१ आ० रेभते) १ शब्द करना, आवाज करना.

रेव् (१ आ० रेवते) १ उड २ जाना, चलना. २ नदीके समान वहना. ३ स्थलांतर करना.

रेष् (१ आ० रेपते) १ अस्पष्ट शब्द करना. २ हिनहिनाना. ३ जोरसे पुकारना.

रै (१ प० रायति) १ शब्द करना, आवाज करना.

रोड् (१ प० रोडति) १ उन्मत्त होना, पागल होना. २ अपमान करना, अनादर करना.

रौद् (१ प० रौदति) १ अपमान करना, तिरस्कार करना.

रौड् (१ प० रौडति) १ अपमान करना, तिरस्कार करना.

ल.

लृक् (१० उ० लृकयति-त्ते) १ प्राप्त कर लेना, संपादन करना. २ स्वाद लेना, चखना.

लक्ष् (१० उ० लक्षयति-त्ते) १ देखना. २ दिलमें रखना, स्मरण रखना, याद रखना. ३ तारतम्य देखना, विवेचन करना, निरूपण करना. उप-१ अर्थके कहनेसे दूसरे अर्थका बोधन करना. सम्-१ अच्छी तरह जानना.

लख् (१ प० लखति) १ जाना, हिलना.

लग् (१ प० लगति) १ संयोग होना, मिलाप होना. २ स्पर्श होना, घना. (१० प० लागयति) १ स्वाद लेना, चखना. २ प्राप्त कर लेना, संपादित करना.

लघ् (१० उ० लाघयति-त्ते) १ स्वाद लेना, चखना. २ प्राप्त कर लेना, संपादित करना.

लङ् (१ प० लङ्गति) १ जाना, हिलना.

लङ् (१ प० लङ्गति) १ जाना. २ लंगटना.

लृष् (१ आ० लृहते) १ जाना. २ उपवास करना, भूखा रहना. (१ प० लृहति) १ कम होना, न्यून होना, अल्प होना. २ शुष्क होना, सूखना. (१ प० लृहति, १० उ० लृहयति-त्ते)

लच्छ्-लद्ध्

लण्ड्-लभ्

१ बोलना. उत्-वि-१ लांघना,
मर्यादोत्क्रम करना.

लच्छ् (१ लच्छति) १ चिह्न क-
रना, निशान करना. २ ध्यानमें
रखना, दिलमें धरना.

लज् (१ प० लज्जति) १ भूजना,
तलना, भूनना. २ अपमान क-
रना, अप्रतिष्ठा करना. (६ उ०
लज्जति-ते) १ लज्जित होना,
शरमाना. (उ० १० लाजय-
ति-ते) १ चमकना. २ छिपाना,
परदेमें छिपाना.

लञ्ज (१ प० लञ्जति०) १ भूजना,
भूनना, तलना. २ अपमान करना,
अप्रतिष्ठा करना. (१० उ० ल-
ञ्जयति-ते, १ प० लञ्जति) १
प्रकट होना, स्पष्ट होना. २ च-
मकना (१० प० लञ्जयति)
१ देना. २ रहना, वास करना.
३ दुःख देना, पीडा करना. ४
दृढ होना, मजबूत होना. ५ दोष
लगाना, निंदा करना. ६ चमक-
ना. ७ प्रकट करना, स्पष्ट करना.

लद्ध् (१ प० लद्धति, १० प० लद्धय-
ति) १ बालकके समान चेष्टा
करना, बोलना. २ अल्प भाषण
करना, थोटा बोलना.

लड् (१ प० लडति, १० प० लड-
यति) १ ऋषिडा करना, मौज

करना. २ जीभ बाहर निका-
लना. ३ जीभ हिलाना. ४ हि-
लाना, कंपित करना, झुलाना. ५
पीडा करना, दुःख देना.
(१० उ० लाडयति-ते) १
पालन करना. २ हिलाना. ३
चाहना.

लण्ड् (१ प० लण्डति, १० उ०
लण्डयति-ते) १ चमकना,
प्रकाशित होना. २ ऊपर फेंक-
ना, ऊपर उडाना. ३ बोलना,
भाषण करना.

लप् (१ प० लपति) १ स्पष्ट बो-
लना. अनु-१ दूसरेके समान
बोलना, यथामति बोलना. २
प्रत्युत्तर देना, उलट जवाब देना.
अप-१ कबूल नहीं करना,
मान्य नहीं करना. आ-१
विचार करना, पूछना. २ आ-
लाप करना. प्र-१ बकना,
बकवाद करना. प्रति-१ प्राप्त
होना, मिलना. वि-१ रोना,
शोक करना. विप्र-१ भाषणका
खंडन करना, प्रतिषेध करना.
सम्-१ बोलना, भाषण करना.
२ कपट करना, वंचना करना,
कृत्रिम करना.

लभ् (१ प० लभति, १० प० लभ-
यति) १ प्राप्त

लम्-ल्य

लम्-ल्य

लम् (१ आ० लम्बते) १ शब्द करना, आवाज करना. २ लट कना. ३ नीचे औघा गिरना. अव-१ लटफाना, आश्रय करना. २ टिकाना, आश्रय देना. ३ टिकना. ४ शिर नीचे और पाँव ऊपर करके लटकना. आ-१ विश्वास करना, भरोसा करना. नि-१ देर करना.

लम् (१ आ० लम्बते) १ पीडा करना, अपकार करना. २ निदा करना, तिरस्कार करना. ३ प्राप्त होना, मिलना. ४ शब्द करना, आवाज करना. उप-१ ज्ञानप्राप्ति होना. २ देर लगाना. उपा-१ निदा करना, निर्भत्सना करना.

लग् (१ आ० ल्यते) १ जाना.

ल्य (१ आ० ल्यते) १ जाना.

ल्य (१ आ० ल्यते) १ जाना.

ल्य (१ आ० ल्यते) १ जाना.

ल्य (१ आ० ल्यते) १ जाना.

ल्य (१ आ० ल्यते) १ जाना.

चाहना. अभि-१ चाहना. (१० लाप्यति) १ चतुर होना, कौशल्य जानना.

ल्य (१ आ० ल्यते) १ आरिगन करना, गले लगाना. २ त्रीडा करना, खेलना, रमण करना. उद्-१ चमटना, तेजोयुक्त होना २ आनन्दित होना, खुश होना. वि-१ विद्यास करना, रमण करना. (१० उ० लास्यति-ते) १ चतुर होना, कृशल्य होना, कौशल्य जानना. २ मिहनत करना, कष्ट करना, उद्योग करना.

ल्य (१ आ० ल्यते) १ लज्जित होना, शरमाना २ घबडाना

ल्य (१ आ० ल्यते) १ लज्जित होना, शरमाना २ घबडाना

ल्य (१ आ० ल्यते) १ लज्जित होना, शरमाना २ घबडाना

ल्य (१ आ० ल्यते) १ लज्जित होना, शरमाना २ घबडाना

ल्य (१ आ० ल्यते) १ लज्जित होना, शरमाना २ घबडाना

ल्य (१ आ० ल्यते) १ लज्जित होना, शरमाना २ घबडाना

ल्य (१ आ० ल्यते) १ लज्जित होना, शरमाना २ घबडाना

लाञ्छ्-लिह्	ली-लुह्
लाञ्छ् (१ प० लाञ्छति) १ चिह्न करना, निशान करना	ली (४ आ० लीयते, ९ प० लीनाति) १ युक्त होना २ प्राप्त होना, मिलना (१ प० लयति, १० उ० लाययति-ते, लापयति-ते लालयति-ते, लीनयति-ते) १ पनला करना, गलना आ-१ खर्च करना प्रवि-१ प्राप्त करना, सपादित करना
लाञ् (१ प० लाञ्जति) १ भूनना २ दोष लगाना, निंदा करना	लुञ् (१ प० लुञ्जति) १ कतरना, चीरना, तोड़ना २ छालना, छाल निकालना ३ बाल आदि को उखाड़ना
लाद् (११ प० लाद्यति) १ जीना	लुञ्ज (१० प० लुञ्जयति) १ देना २ पीडा करना, दुःख देना ३ माया होना, बली होना ४ चमटना, प्रकाशित होना ५ रहना, वास करना
लाभ (१० प० लाभयति) १ प्रेरणा करना, भेजना २ उडाना, फेंकना	लुह् (१ उ० लोहति-ते, ४ प० लुह्यति) १ सयोग करना, मिलाप करना, जोड़ना २ वापना, हिलना ३ जमीनपर लाटना (१ प० लोटति) १ प्रतिघथ करना, रोकना २ प्रकाशित होना, चमटना ३ टनलना, धक्का मारना (६ प० लुहति) १ आलिगन करना, गंठे लगाना (१० प० लोटयति) १ चोड़ना, भाषण करना २ चमटना.
लिख् (१ प० लेखति) १ जाना (६ प० लिखति) १ लिखना	लुह् (१ प० लोहति) १ नीचे
लिह् (१ प० लिहति) १ जाना	
लिङ् (१ प० लिङ्गति) १ जाना आ-१ आलिगन करना, गंठे लगाना (१ प० लिङ्गति, १० उ० लिङ्गयति-ते) १ तरह २ का रंग देना, रंगाना	
लिट् (११ प० लिट्यति) १ अल्प होना, कम होना २ दोष लगाना, निंदा करना	
लिप् (६ उ० लिप्पति ते) १ लीपना, पीतना, धिप्पन करना २ बडाना, अधिक करना, जियादा करना	
लिश (४ प० लिश्यति) १ कम करना, न्यून करना २ कम होना (६ प० लिशति) १ जाना २ जाना	
लिह् (२ उ० लोटि-लीटि) १ धाटना, चरना	

लुङ्-लुप्

लुभ्-लुप्

गिराना (१ आ० लोठते) १
रोकना. (६ प० लुठति) १
जमानपर लोटना. २ झरना,
बहना. (१० प० लोठयति) १
चुराना, मूसना.

लुङ् (१ प० लोटति) १ हिलना,
कांपना, कपित होना २ चक्रा
काग् घूमना (६ प० लुङति) १
किसी पदार्थका आश्रय कग्ना,
टिकना २ आलिंगन करना,
गले लगाना ३ आच्छादन कर
ना, छिपाना

लुण्ट् (१ लुण्टति, १० प० लुण्ट
यति) चुराना, मूसना लूटना
२ अपमान करना, अप्रतिष्ठा
करना

लुण्ट् (१ प० लुण्टति) १ जाना
२ चुराना, मूसना ३ रोकना
४ अलसाना ५ लगडाना

लुण्ट् (१ प० लुण्टति, १० प०
लुण्टयति) १ कांपना, कपित
होना २ चुराना, मूसना.

लुन्थ् (१ प० लुन्थति) १ मार
टारना, दुख देना २ वृद्धि
करना, श्रान्त करना ३ मृष्ट
कग्ना, श्रम करना ४ पंदा
भोगना

लुप् (४ प० लुप्यति) १

भ्रश होना, चूमना २ मातिभ्रश
कराना, चूक कराना.

लुभ् (४ प० लुभ्यति) १ आशा
करना, चाहना, लोभ करना
प्र-सम्-१ लुभाना, आकर्षण
करना, लीच लेना (६ प० लुभ
ति) १ मातिभ्रश होना, भ्रान्त
होना

लुम्प (१ उ० लुम्पति-ते) १
कतरना, चीरना, टुकड़े २ क
रना, नष्ट करना ३ पिसना.

लुम्प् (१ प० लुम्पति, १० उ०
लुम्बयति-ते) १ मार टारना
२ दुख देना, पीडा कग्ना ३
गोदना, नोचना (१० प० लु
म्बयति) १ नष्ट होना, गुप्त
होना, अदृष्ट होना

लुल (१ प० लुलति) १ रफित
होना, कांपना २ मथुन श्लेष्,
मिलाप होना

लुप (१ आ० लुप्ते, १० प० लुप
यति) १ मार टारना या दुख
देना. २ चूमना, मूसना

लृ (१ उ० लृप्ति-लृप्ति) १
कटना, कटना

लृप् (१ प० लृप्ति) १ मार
टारना कग्ना, मुझोभिन्दि
१० उ० लृपयति-ते
२ उ० लृपयति-ते

लृञ्-लोट्

लोट्-वङ्

लृञ् (१ प० लृञ्ति) १ निवारण करना, दूर करना
 लेख (११ प० लेख्याति) १ गिर पडना, गिरना
 लेखा (११ प० लेखायति) १ यति) १ गिरना, ठोकर लगाना, दलना
 लोट् (११ प० लोट्यति) १ जूआ खेलना २ सोना ३ पहिले होना
 लेप् (१ आ० लेपते) १ नजदीक जाना, समीप आना २ शब्द करना, आवाज करना
 लेला (११ प० लेलायति) १ चमकना, प्रकाशित होना २ शोभित होना, शोभा पाना
 लैण् (१ प० लैनाति) १ जाना २ आज्ञा करना, हुकम करना २ आलिंगन करना गले लगाना ३ दूना ४ पीसना, चूर्ण करना
 लोक (१ आ० लोकते) १ देखना (१० उ० लोकयति-त्ते) १ भाषण करना, बोलना २ चमकना, प्रकाशित होना
 लोच् (१ आ० लोचते) १ देखना (१० उ० लोचयति-त्ते) १ भाषण करना, बोलना २ चमकना, प्रकाशित होना. आ-१

विचार करना, मनन करना
 लोट (११ प० लोट्याति) १ जूआ खेलना २ सोना ३ पहिले होना.
 लोद् (१ प० लोद्यति) }
 लोड् (१ प० लोडति) } १ मूर्ख होना, पागल होना, उन्मत्त होना.
 लोष्ट् (१ आ० लोष्टते) १ एकत्र करना, ढेर करना, राशि करना
 लृष् (१० उ० लृष्यति-ते) १ अस्पष्ट कहना, सदिग्ध बोलना
 ल्वी (१ प० ल्विनाति) १ सयोग करना, मिलान करना ३ समीप जाना या आना ३ प्राप्त होना, मिलना

व.

वङ् (१ आ० वङ्गते) १ जाना.
 वक्ष् (१ प० वक्षति) १ बटोरना, ढेर करना २ क्रोध करना, गुस्सा करना, गुस्सा होना
 वख् (१ प० वखति) १ जाना.
 वङ् (१ आ० वङ्गते) १ वक्र होना, टेढ़ा होना, दुष्टता करना, नवना २ वक्र करना, टेढ़ा करना, दुष्टता कराना, नवाना ३ जाना.
 वङ् (१ प० वङ्गति) १ जाना
 वङ् (१ प० वङ्गति) १ जाना २ लगदाना.

वड्-वष्ट

वण्ड-वड्

वड् (१ आ० वडते) १ जाना. २ दोष लगाना, निंदा करना. ३ प्रारंभ करना, शुरू करना.

वञ् (१ प० वञ्ति, २ प० वञ्ति, १० उ० वाचयति-ते) १ बोलना, कहना. २ समझाना, जनाना. ३ पढ़ना, अध्ययन करना. प्र-१ बोलनेका प्रारंभ करना.

वज् (१ प० वजति) १ जाना. (१० उ० वाजयति-ते) १ जाना. २ सिद्ध करना, तैयार करना. ४ बाणमें पंख लगाके तैयार करना.

वञ्च (१ प० वञ्चति) १ जाना. (१ आ० वञ्चते, १० आ० वञ्चयते) १ ठगना, फसाना, प्रतारणा करना.

वट् (१ प० वटति, १० उ० वटयति-ते) १ घेरना, घेर लेना. २ बाधना, गुथना, बट्ना, एकत्र करना. ३ अलग करना, विभाग करना. (१ प० वटति) १ बकना, बकवाद करना.

वट् (१ प० वटति) १ शक्तिवाद होना, स्थूल होना, मोटा होना.

वण् (१ प० वणति) १ शब्द करना, आवाज करना.

वण्ड् (१० उ० वण्डयति-ते) १

पृथक् करना, अलग करना, हिस्सा करना, बाँटना.

वण्ड् (१ आ० वण्डते) १ अकेला जाना.

वण्ड् (१ आ० वण्डते) १ पृथक् करना, अलग करना, हिस्सा करना. (१ प० वण्डति, १० उ० वण्डयति-ते) १ आच्छादन करना.

वड् (१ उ० वदति-ते, १० उ० वदयति-ते) १ कहना, स्पष्ट कहना. २ समझाना, जताना. ३ बाट जोहना, राह देखना. अनु-आ० १ अनंतर बोलना, साथ बोलना, पीछेसे बोलना. अप-उ० १ निंदा करना, अपकार-कारक भाषण करना. अभि-प० १ सत्कारपूर्वक अभिवदन करना. नमस्कार करना. उप-आ० १ समझाकर कहना. निर्-प० १ स्वच्छ बोलना, साफ कहना. परि-प० १ विरुद्ध बोलना. प्र-प० १ चार आदिभिर्योके सामने बोलना, पट्कर्णी करना. प्रति-प० १ उत्तर देना, जवाब देना. वि-आ० १ वादविवाद करना, विरुद्ध पक्षकी बात करना. बहस करना. विप्र-उ० १ विप्रत्ययकरना, बकवाद करना,

वृ-वम्	वृ-वर्ह
निष्ठुर वोलना. विसम्-प० १ वचनभग करना, कहनेके माफिक न करना. सम्प्र-आ० एकत्र होकर स्पष्ट कहना. प० एक समय सबोने एक साथ स्पष्ट कहना.	वृ (१ आ० वयते) १ जाना, स्थलांतर करना.
वृ (१ प० वनति, १० प० वनयति) १ शब्द करना, आवाज करना. २ सेवा करना, शुश्रूषा करना, चाकरी करना. ३ साह्य करना, मदद करना. ४ आपद्गस्त होना, बुरी हालतमें होना. (८ उ० वनुते-वनोति) १ याचना करना, मांगना. (१ प० वनति, १० उ० वनयति-ते) १ दुःख देना. २ कोई धधा करना, उद्योग करना.	वृ (१० उ० वरयाति-ते) १ इच्छा करना, चाहना, आशा करना.
वृ (१ आ० वन्दते) १ सत्कारपूर्वक कुशल प्रश्न पूछना. २ प्रशंसा करना, स्तुति करना. ३ वदना, वदन करना.	वृ (११ प० वरण्याति) १ जाना.
वृ (१ उ० वपति-ते) १ बीज बोना, बोना. २ उत्पन्न करना, पैदा करना. ३ वपन करना, हजामत करना. ४ बुनना, बटना.	वृ (१ प० वर्धति) १ जाना.
वृ (१ प० वभ्रति) १ जाना, स्थलांतर करना.	वृ (१ आ० वर्चते) १ प्रकाशित होना, चमकना. (१० प० वर्चयति) १ कतरना, चीरना. २ भरना, पूरा करना, पूर्ण होना.
वृ (१ प० वमति) १ कै होना, मुहसे बाहर आना, वमन होना.	वृ (१० उ० वर्णयाति-ते) १ रंग देना, रगाना. २ आज्ञा करना, प्रेरणा करना, भेजना. ३ वर्णन करना, बखानना. ४ प्रशंसा करना, स्तुति करना. ५ विस्तृत करना, फैलाना. ६ चमकना, प्रकाशित होना. ७ पीसना, चूर्ण करना. ८ यत्न करना, श्रम करना, मिहनत करना.
	वृ (१० उ० वर्धयति-ते) १ कतरना, चीरना. २ भरना, पूर्ण करना.
	वृ (१ प० वर्फति) १ जाना. २ हिंसा करना, मार डालना.
	वृ (१ आ० वर्पते) १ गीला होना, भीगना.
	वृ (१ उ० वर्हति-ते, १० उ० वर्हयाति-ते) १ वोलना, कहना. २ मार डालना या दुःख देना.

वल्-वल्ह्

वश्-वस्

३ चमकना, प्रकाशित होना.
४ स्मरण करना, याद करना.
५ श्रेष्ठ होना. ६ दान करना,
देना. ७ आच्छादित करना,
ढकना.

वल् (१ आ० वलते) १ आच्छा-
दित करना, ढकना. २ घेरना.
३ जाना. (१० प० वाल्याति)
१ पालन करना, पालना.

वल्क् (१० उ० वल्कयति-ते) १
चोलना.

वल्ग् (१ प० वल्गाति) १ जाना.
२ फुदकते चलना

वल्गू (११ प० वल्गूयाति) १
पूजा करना, सन्मान करना. २
मीठा बोलना.

वल्म् (१ आ० वल्भते) १ राना,
भक्षण करना.

वल्यूल (११ प० वल्यूल्याति) १
कतरना, चीरना, तोड़ना. २
स्वच्छ करना, निर्मल करना.

वल्ह् (१ आ० वल्हते) १ जाना.
२ आच्छादित करना, ढकना.

वल्ह् (१ आ० वल्हते, १० उ०
वल्हयति-ते) १ बोलना, कह-
ना. (१ आ० वल्हते) १ मार
ढालना या पीडा करना. २
श्रेष्ठ होना, सर्वोत्तम होना. ३
आच्छादित करना, ढकना.

८ सं. धा.

(१० प० वल्हयाति) १ प्रका-
शित होना, चमकना.

वश् (२ प० वाष्टि) १ इच्छा क-
रना, चाहना.

वष् (१ प० वषति) १ मार टा-
लना, पीटा करना.

वष्क् (१ आ० वष्कते, १० उ० व-
ष्कयति-ते) १ जाना. २ देखना.

वस् (१० उ० वसयति-ते) १
रहना, ठहरना, वास करना,
वसना. (२ आ० वस्ते) १

वस्त्र पहिरना, ओढना, पोशाक
करना. (१० उ० वासयति-

ते) १ दया करना, प्रीति कर-
ना. २ मार टालना. ३ कतरना,
चीरना. ४ मान्य करना, कबूल

करना, स्वीकार करना. ५ नष्ट
करना, छे लेना. (४ प० वस्य-

ति) १ मनसे या शरीरसे सीधा
होना. २ निश्चल होना. १ प०

वसति) १ वास्ति करना, टि-
कना. अधि-१ ऊपर बैठना. २

उपभोग करना, काममें लगाना,
उप-१ उपवास करना, भूखा

रहना. नि-१ रहना, वास क-
ना, वसना. २ वस्त्र पहिनना,
ओढना. प्र-१ परदेश जाना,

बाहर जाना. सम्-१ सहवास
करना, साथ रहना, एकत्र रहना.

वस्कृ-वाञ्	वास-विञ्
वस्कृ (१ आ० वस्कृते) १ जाना	समान पुकारना ३ बुलाना,
वस्तु (१० आ० वस्तयते) १	पुकारना, आमन्त्रित करना,
जाना. २ मारना. ३ मार्गना	हाँक मारना.
वह् (१ उ० वहति-ते) १ बहना,	वास् (१० उ० वासयति-ते) १
झरना २ डोना, ढो ले जाना.	वासित करना, सुगन्धित करना,
वंह् (१ आ० वहते) १ बढना	घुषित करना, धूप देना (४
(१० उ० वहयति-ते) १ प्रका	आ० वास्यते) १ पक्षके समाने
शित होना, चमकना	शब्द करना.
वा (२ प० वाति) १ जाना, पवनसा	वाह् (१ आ० वाहते) १ यत्न
चलना. २ बहना, पवन चलना.	करना, श्रम करना, मिहनत
नि-१ नष्ट होना, पवनसे बुझना	करना
२ पीडा करना, दु ख देना	विच्छृ (६ प० विच्छृति) १ समीप
वाह् (१ प० वाहति) } १ इच्छा	जाना या आना (१० उ०
वाञ्छृ (१ प० वाञ्छति) } १ इच्छा	विच्छृयति-ते) १ प्रकाशित
करना, चाहना.	होना, चमकना, २ बोलना,
वाह् (१ आ० वाहते) १ ज्ञान	भाषण करना
करना, नहाना, अंग धोना.	विञ् (७ उ० विनाक्त-विञ्के) १
वात (१० उ० वातयति-ते) १	पृथक् करना, अलग करना. १
सुखी होना, आनन्द करना. २	पृथक् होना, अलग होना ३
बदोरना, एकत्र करना. ३ सेवा	नूट्ना, दूट्ना. ४ विवेक करना,
करना.	तारतम्य देखना.
वाध् (१ आ० वाधते) १ बाधा	विञ् (३ प० विवेक्ति) १ अलग
करना, पीडा करना. २ रोकना	करना या होना २ दूटना, छूट-
वावृत् (४ आ० वावृत्त्यते) १ सेवा	ना. ३ विवेक करना, तारतम्य
करना, शुश्रूषा करना, चाकरी	देखना. (६ आ० विजने,
करना २ दूट निकालना, पसद	उद्दिजने, ७ प० विनाक्ति) १
करना.	डरना २ डरसे कापित होना ३
वाश (४ आ० वाशयते) १ शब्द	कापना ४ आपदस्त होना,
करना, आवाज करना. २ पक्षीके	धिपत्तिर्धं पढना.

विद्-विद्

विध्-विश्

विद् (१ प० वेदति) १ शब्द
करना, आवाज करना २ शाप
देना, सराप देना, सरापना.

विड् (१ प० वेडति) १ सराप
देना, सरापना २ तोड़ना,
चीरना.

विडम्ब (१० उ० विडम्बयति-
ते) १ अनुकरण करना. २
स्वांग लेना ३ विडबना करना,
अप्रतिष्ठा करना

विष्ट (१० प० विष्टयति) १ कम
होना, क्षय होना, हास होना.

विच् (१० वित्तयति) देना, दान
करना, धर्म करना.

विथ् (१ आ० वेथते) १ याचना
करना, मांगना.

विद् (२ प० वेत्ति-वेद्) १ सम
झना, जानना. निर-१ विपद्स्त
होना, दुःखी होना सम्-(स
वित्ते) १ ध्यान करना, मनन
करना, ईश्वरी ज्ञान प्राप्त करना,
योगाभ्यास करना. (४ आ०
विद्यते) १ जीना, प्रियमान
होना, रहना, होना. निर-१
विरक्त होना, निर्विण्ण होना
(७ आ० विन्ते) १ मनन कर
ना, विचार करना. (१ आ०
वेदयते) १ शरीरकी सुध रखना.
२ समझना, जानना. ३ सम

झाके कहना. ४ रहना, वास
करना, चसना. ५ स्थिर रहना.
६ दुःख पीडा सहना नि- वि
नि-१ समझाके कहना. प्रति-१
देना, अर्पण करना.

विध् (६ प० विधति) १ छिद्र
करना, छेद करना, छेदना. २
ह्नुम चयाना, शासन करना.

विन्द् (१ उ० विन्दति-ते) १ प्राप्त
करना, संपादित करना. परि-१
बड़े भाईका विवाह होनेके पहि
लेही छोटे भाईने विवाह करना.

विष् (१० प० वेपयति) १ उडा
ना, फेंकना

विल् (६ प० विलति) १ वस्त्र पहि-
नना, कपडा पहिनना, ओढना
२ छिद्र करना, छेदना, चीर-
ना (१० उ० वेल्यति-ते) १
उढाना, फेंकना, मरणा करना.

विला (११ प० विलायति) १
श्रीडा करना, खेलना, विलास
करना.

विश् (६ प० विशति) १ धुसना,
धसना, व्याप्त करना. आ-प्र-१
प्रवेश करना, धुसना, भीतर
जाना, धसना २ चारों ओर
फैलाना उप-१ बैठना २ पास
जाना अभिनि-आ० १ समक्ष
या सामने बैठना. २ आराम

विप्-धी	वीजू-वृ
करना, धमना ३ अभिमान करना, अभिनिवेश करना निर्-१ मूर्च्छित होना, २ बाहर जाना ३ भोग करना, भोगना परि-१ सामने धरना, उपहार देना, भेट देना सम्-१ करवट लेना, आराम करना सत्रि-१ पास जाना या रहना समा-१ प्रचारमें लाना, रूढिमें लाना नि-आ० १ निवेश करना, वास करना, वसना	भिन होना. सम्-१ घेरना, घेर लेना, लपेटना वीजू (१० प० वीजयति) १ पखा करना, पछोरना, बेना डुलाना, फटकना वीभू (१ आ० वीभते) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना वीर (१० उ० वीरयाति-ते) शूरवीर होना, पराक्रमी होना, पराक्रम करना
विष् (६ प० विषति) १ व्यापना (१ प० विष्णाति) १ उपयोग न होनेसे अलग करना या नि काल देना (१ प० वैषति) १ सीचना, प्रोक्षण करना (३ उ० वैषोष्टि-वैषिष्टे) १ व्यापना, फैलना, प्रसृत होना	बुद्ध (१ प० बुद्धति) १ छोड़ना, त्याग करना, वजित करना बुद् (१० उ० बोध्यति) १ मार डालना या दु ख देना.
विष्क (१० उ० विष्कयाति-ते) देखना (१० आ० विष्कयते) १ दु ख देना, मारना	बुन्ध (१० उ० बुन्धयति-ते) १ मार डालना या दु ख देना
विस् (४ प० विस्वति) १ उड़ाना, फेंकना २ सामने रखना, सामने धरना	बुस् (४ प० बुस्यति) १ फेंकना, उड़ाना २ टुकड़े २ करना
वी (२ प० वीति) १ जाना २ व्यापना, घेरना, आक्रमण करना ३ फेंकना, भेजना, दौड़ाना ४ इच्छा करना ५ खाना, भक्षण करना ६ गर्भयता होना, गा	वृष् (१० उ० वृषयति-ते) १ मार डालना या दु ख देना
	वृ (६ उ० वृणोति-वृणुते, १० उ० वारयति-ते) १ पसद करना २ मुक्करी करना, योजित करना ३ नियमित करना ४ आच्छादित करना, ढँकना अप-१ सरक्षण करना, आच्छादन करना आ-१ घेरना, लपेटना नि-निर्-१ पूरा करना, समाप्त

वृह-वृण-

वृत्-वृत्

करना. २ निवारण करना. परि-
१ घेरना, लपेटना, आच्छादन
करना. २ भरोसा करना, वि-
श्वास करना. वि-१ स्पष्ट करना
या होना. सम्-१ छिपाना.
-समा-१ लपेटना, तहाना. (१
आ० वृणीते) सेवा करना,
पूजा करना, भजना, आदरा-
तिथ्य करना. (१ उ० वरति-
ते) १ पसद करना. २ योजित
करना, मुकरर करना ३ आ-
च्छादन करना.
वृक् (१ आ० वर्कते) १ लेना,
मान्य करना, कबूल करना.
वृक्ष (१ आ० वृक्षते) १ योजित
करना, मुकरर करना. २ पसद
करना. ३ आच्छादन करना,
ढकना.
वृच् (७ प० वृणक्ति) १ आ-
च्छादन करना, उठाना. २ छो-
डना, वर्जित करना.
वृज् (१ प० वर्जति, २ आ० वृद्धे,
७ प० वृणक्ति, १० उ० वर्जय-
ति-ते) १ छोडना, वर्जित
करना. (७ प० वृणक्ति) १
आच्छादन करना, उठाना
अप-१ छोडना. २ दान देना.
वृण् (६ प० वृणति) १ आनद
करना, उस्ताह करना. (८ प०

वृणोति) १ खाना, भक्षण करना.
वृत् (१ आ० वर्तेते) १ वर्तन कर-
ना, वर्ताव करना २ रहना,
होना. (१० प० वर्तयति) १
बोलना. २ चमकना. अति-१
जीतना, मात करना. २ आज्ञा-
भग करना, हुम्म तोडना. ३
अतिक्रम करना, लाना. अनु-
अनुसरण करना, दूसरेके समान
करना. २ पीछे २ जाना. अप-
१ लौटना. आ-१ चक्राकार
घूमना, प्रदक्षिणा करना, परि-
क्रमा करना, २ पुनः पुनः कर-
ना. नि-१ लौटना. २ कृत्रिमसे
करना. निर्-१ थमना, पूरा
करना परि-१ घेरना, लपेटना,
आवृत करना. २ बदलना. ३
वर्चस्व करना, वर्चस्वी होना. ४
चक्राकार घूमना. ५ बड जाना,
आगे जाना ६ लौटना, पीछे
लौटना. प्र-१ काममें लगना,
उद्योग करने लगना, प्रवृत्त
होना. प्रतिनि-१ जाना. वि-
लौटना. २ चक्राकार घूमना.
विनि-१ पीछे लौटना. विपरि-
मनमें भ्रमण होना. समभि-१
वृद्धके जाना, उड जाना (४
आ० वृत्तयते) १ पसद करना,
ठहराना, मुकरर करना. २ सेवा
करना, चाकरी करना. (१०

वृष्-व

वे-वेद्

उ० वर्तयति-ते) १ बोलना २ चमकना।
 वृष् (१ आ० वर्धते) १ बढना, अधिक होना १० उ० वर्धयति-ते) १ जाना २ बोलना ३ चमकना
 वृष् (४ प० वृश्यति) १ पसद करना २ आच्छादन करना, ढकना
 वृष् (१ प० वर्षति) १ बरसना, सीचना, प्रोक्षण करना २ मार डालना या पीडा करना ३ दुख देना, पीडित करना ४ देना, दान करना (१० आ० वर्षयते) १ गर्भवती होना, गाभिन होना २ अमानवी पराक्रम विशिष्ट होना, अमानवी पराक्रम करना ३ पराक्रमी होना ४ प्रजोत्पत्ति करनेको समर्थ होना
 वृद् (१ प० वर्हति) १ बढना २ जगली पशुके समान पुकारना (६ प० वृहति) १ यत्न करना
 वृद् (१ प० वृहति) १ बढना २ जगली पशुके समान पुकारना (१० उ० वृहयति-ते) १ चमकना २ बोलना
 वृ (१ उ० वृणाति-वृणीते) १ पसद करना २ आश्रय देना, सभालना।

वे (१ उ० वयति-ते) १ बुनना २ बढना
 वेष् (१ उ० वेणति-ते) १ जाना २ समझना, जानना ३ स्मरण करना, याद करना ४ लेना, ग्रहण करना ५ सारासार विचार करना, तारतम्य देखना ६ वाद्ययत्र बजाना ७ वाद्ययत्र हाथमें लेना, बाजा हाथमें लेना
 वेथ् (१ आ० वेथते) १ याचना करना, मांगना
 वेद् (११ प० वेद्याति) १ घूर्तता करना, ठगना २ सोना, सपना देखना, स्वाब देखना
 वेन् (१ उ० वेनति-ते) १ जाना २ समझना, जानना ३ स्मरण करना, याद करना ४ लेना ग्रहण करना ५ सारासार विचार करना, तारतम्य देखना ६ वाद्ययत्र बजाना ७ वाद्ययत्र हाथमें लेना, बाजा हाथमें लेना।
 वेष् १ आ० वेपते) १ कापना, थरथराना
 वेल् (१ प० वेळति) १ जाना सरकना २ कापना, थरथराना (१० उ० वेळयति-ते) १ कालगणना करना, वक्तकी गिनती करना
 वेह् (१ प० वेहति) १ जाना,

वैरी-व्यप्

व्युस्-त्रा

सरकना २ कर्पना थरथराना
 वेवी (२ आ० वैरीते) १ जाना,
 सरकना, चलना २ व्यापना,
 आक्रमण करना, फैलना ३
 इच्छा करना, चाहना ४ गर्भ
 वता होना. ५ भेजना ६ खाना
 ७ फेंकना, उड़ाना
 वेष्ट् (१ आ० वेष्टते) १ लपेटना,
 घेरना
 वेस् (१ प० वेमति) १ जाना
 वेद् (१ आ० वेहते) १ यत्न क
 रना २ निश्चय करना, ठहराना
 वेह् (१ प० वेहति) १ जाना,
 सरकना २ कर्पना, थरथराना
 वै (१ प० वायति) १ शुष्क
 होना, सूखना
 व्यच् (६ प० विचति) १ ठग
 ना, फमाना
 व्यध् (१ आ० व्ययते) १ डर
 ना २ दुर भोगना ३ असुरही
 होना, क्षुब्ध होना, सतम होना
 व्यध् (४ प० विध्यति) १ मार
 ना, पीटना २ छेदना ३ दुर
 देना, पाटा करना
 व्यग् (१ प० व्ययति) १ जाना
 (१० प० व्यायति) प्रेरण
 करना, भेजना. २ कम होना,
 एषु होना, न्यून होना (१
 आ० व्ययते, १० उ० व्यय

ति-ते) १ खर्च करना, व्यय
 करना.
 व्युप् (४ प० व्युप्यति) }
 व्युस् (४ प० व्युस्यति) } १ जल
 ना, भूनना, दग्ध करना २
 अलग करना, पृथक् करना, वि
 भाग करना (१० प० व्योप
 यति) १ छोड़ना, त्याग कर
 ना, वर्जित करना
 व्यै (१ उ० व्ययति-ते) आच्छा
 दन करना, ढकना २ सीना
 व्रश् (१ प० व्रजति, १० प० व्रा
 जयति) १ घूमना, जाना, भट
 कना परि-१ सन्यासीके समान
 घूमना या भट्कना, याना कर
 ना (१० प० व्राजयति) १
 पूर्ण करना, तैयार करना, सिद्ध
 करना.
 व्रण (१ प० व्रणति) १ शब्द
 करना, आवाज करना (१०
 उ० व्रणयति-ते) १ क्षन क
 ना, घाव करना, जरामी करना.
 व्रश् (६ प० वृश्चति) १ कतगना,
 छेदना, रेतना, छीटना
 व्री (४ आ० व्रीयते, १ प०
 विष्णाति-श्रीणाति) १ दूढ़ने
 निशालना, पमद करना, दिन
 ना. २ आच्छादन करना,
 ढकना

श्रीह्-शच्	शञ्च्-शट्
श्रीह् (४ प० श्रीह्यति) १ लज्जित होना, शरमाना. २ भेजना.	शञ्च् (१ आ० शञ्चते) जाना.
श्रीस् (१ प० श्रीसति, १० प० श्रीसयति) १ पीडा करना, जखमी करना, क्षत करना, घाव करना.	शट् (१ प० शयति) १ रोगी होना, बीमार होना. २ जाना, चलना. ३ थकना, श्रांत होना. ४ खिन्न होना, उदास होना. ५ छेद करना, छेदना. (१० उ० शाय्यति-ते) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना.
श्रुह् (६ प० श्रुहति) १ डुबना. २ राशि करना, ढेर करना. ३ आच्छादन करना, ढकना.	शट् (१ प० शठति,) १ ठगना. २ मार डालना या दुःख देना. ३ छेश दुःख पीडा सहन करना. (१ उ० शाठयति-ते) १ पूरा करना, समाप्त करना. २ पूरा न करना, समाप्त न करना, आधा-ही छोड़ना. ३ जाना. (१० उ० शठयति-ते) १ दुर्भाषण करना, दुर्वचन कहना. २ सुवचन कहना. ३ मौन धारण करना, नहीं बोलना, चुपके रहना, चुप होना. (१० आ० शाठयते) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना.
श्रुस् (१ प० श्रुसति, १० उ० श्रुसयति-ते) १ मार डालना या पीडा करना.	शण् (१ प० शणति) १ देना, दान करना. २ जाना.
श्ली (१ प० श्लिनाति-श्लीनाति) १ पसद करना, दूढ निकालना, बिनना. २ आच्छादन करना, उढाना, ३ जाना, सरकना.	शण्ड (१ आ० शण्डते) १ रोगी होना, बीमार होना. २ अपकार करना, दुःख देना. ३ बतोरना, एकत्र करना, ढेर करना.
श्लेक्ष् (१० प० श्लेक्षयति) १ देखना.	शट् (१ आ० शीयते) १ जीण होना, धीरे २ कम होना,
श.	
शक् (४ उ० शक्यति-ते, ६ प० शक्नोति) १ सहना, सहन करना. २ शक्तिमान् होना. समर्थ होना, योग्य होना.	
शङ् (१ आ० शङ्गते) १ शका करना, सशय करना, सदेह करना २ डरना, घबरना. आ- १ डरना, घबरना.	
शच् (१ आ० शचते) १ अस्पष्ट बोलना.	

शप्-शब्द

शर्ष-शम्

मुरझाना. २ गिरना. ३ जाना.
 ४ नीचे फेंकना, नीचे गिराना.
 शप् (१ उ० शपति-ते, ४ उ०
 शप्यति-ते) १ शप्य करना,
 सौगद खाना, कसम खाना
 प्रतिज्ञा करना. २ सरापना,
 गाली देना.
 शम् (१ प० शाम्यति) १ सांत्वन
 करना, शमन करना. २ शांत
 होना, ठंडा होना. ३ मन स्वा-
 धीन रखना, स्वस्थ होना,
 क्षुब्ध नहीं होना. (१० आ०
 शामयते) १ मूक्षमतासे देखना.
 (१० प० शमयति) १ शान्त
 करना, ठंडा करना. (१० आ०
 शामयने) १ प्रसिद्ध करना,
 जाहिर करना, स्पष्टतासे दिखाना.
 उप-१ शांत करना. उपश-
 मन करना. नि-१ सुनना. २
 प्रतिबंध करना, रोकना. प्र-
 शान्त होना, स्थिर होना. २
 नष्ट करना.
 शम्ब (१ प० शम्बते) १ जाना.
 (१० उ० शम्बयति-ते) १ ढेर
 करना, राशि करना, बयोरना,
 एकत्र करना. २ जोड़ना.
 शब्द (१० उ० शब्दयति-ते) १
 शब्द करना, आवाज करना.
 प्र-प्रति-पि-१ स्पष्ट करना.

२ बोलना. ३ वचन देना, वा-
 गदान करना, देनेका निश्चय
 करना.
 शर्ष (१ प० शर्वति) १ क्षत कर-
 ना, जखम करना, घाव करना.
 २ मार डालना.
 शर्व (१ प० शर्वति) १ जाना.
 शर्व (१ प० शर्वति) १ २ पीडा
 करना, दुःख देना, मारना.
 शल् (१ आ० शल्ने) १ आच्छा-
 दित करना, ढरना. २ चुभना,
 सलना. (१ प० शर्षति) १
 जाना २ जल्दी जाना. (१०
 प० शालयति) १ प्रशंसा कर-
 ना, स्तुति करना.
 शल्म् (१ आ० शल्भने) १ प्रश-
 सा करना, स्तुति करना. २
 आत्मश्लाघा करना, आत्मस्तुति
 करना, शैली मारना.
 शव् (१ प० शवति) १ जाना. २
 समीप जाना या आना. ३ बद्-
 लना, फिरना. ४ बदलेमें देना.
 शश (१ प० शशति) १ फुदकते
 चलना, कूदते जाना.
 शप् (१ प० शपति) १ मारना,
 बधना, दुःख देना, पीडा करना,
 शस् (१ प० शस्तति) १ मारना,
 बधना, दुःख देना. आभि-१

शस्-शाल्

शास्-शिक्ष्

विनाति करना, गिडगिडाना.
(२ प० शस्ति) १ सोना.

शस् (१ प० शसति) १ प्रशसा
करना, स्तुति करना. २ दुःख
देना, पीडा करना. ३ अभिश-
सन करना, तुहमत लगाना,
मिथ्यापवाद लगाना, झूठा क-
ल्क लगाना. ४ इच्छा करना,
चाहना. अभि-१ मिथ्यापवाद
लगाना. आ-१ चाहना. २
बोलना. प्र-१ प्रशसा करना,
स्तुति करना. आ- आ० १
आशीर्वाद देना, कल्याण चाह-
ना, शुभ चाहना. (२ प० शस्ति)
१ सोना. -

शाख् (१ प० शाखति) १ शाखा
फैलना, डालें पैदा होना

शाड् (१ आ० शाडते) १ प्रशसा
करना, स्तुति करना. २ वक-
वाद करना. शेखी मारना. ३
तेरना, तिरना, पैरना.

शान् (१ उ० शीशासति-ते) १ तेज
करना, पैना करना.

शान्त् (१० प० शान्त्वयति) १
सात्वना करना, समाधान करना.

शार् (१० प० शारयति) १ नि-
र्बल होना या करना, अशक्त
होना या करना.

शाल् (१ आ० शालते) १ प्रशसा

करना, स्तुति करना. २ शेखी
मारना, आत्मस्तुति करना.
३ कहना. ४ प्रकाशित होना,
चमकना.

शास् (२ प० शास्ति) १ आज्ञा
करना, हुक्म करना. २ कहना,
सिखाना, बोध करना. ३ अधि-
कार करना, अमल चलाना,
नियमन करना, शासन करना,
शासक होना, प्रभु होना. आ-
(आशास्ते) १ आशीर्वाद
देना, भला चाहना.

शि (५ उ० शिनोति-शिनुते) १
तीक्ष्ण करना, पैना करना. २
छीलके चारीक करना

शिक्ष् (१ आ० शिक्षते) अभ्यास
करना, अध्ययन करना, सीखना.

शिङ् (१ प० शिङ्गति) १ जाना.
२ सूघना, आघ्राण करना.

शिह् (१ प० शिहति) १ सूघना,
आघ्राण करना.

शिञ् (२ आ० शिञ्ते) १ अस्पष्ट
शब्द करना. २ झुनझुनाना,
ठनठनाना, खनखन आदि आ-
घाज होना.

शिद् (१ प० शेटति) १ अपमान
करना, तिरस्कार करना, तुच्छ
मानना.

शिल्-शील्

शुक्-शुष्

शिल् (६ प० शिलति) १ विन-
ना, लंछन करना.

शिष् (१ प० शेषति, १० उ०
शेषयति-ते) १ शेष रखना,
बचा रखना, पूरा खर्च न करना.
वि-१ अधिक होना, जियादा
होना. (७ प० विशिनाष्टि)
पृथक् करना, अलग करना. २
गुण दोष दिखाना, भिन्नता दि-
खाना. (१ प० शेषति) १
दुःख देना या मार डालना.

शी (२ आ० शैते) १ सोना,
शयन करना. अति-१ अतिशय
होना, अधिक होना. आधि-१
मुकाम करना, रहना. सम्-वि-
१ शंका करना, संदेह करना.

शीक् (१ आ० शीकते) गीला
करना, छीटा मारना. २ भिगोना.
(१ प० शीकति, १० उ० शीकय-
ति-ते) १ छूना, स्पर्श करना.
२ शीत होना, शान्तासे सहना.
३ थमरना, प्रकाशित होना.
४ बोलना, भाषण करना

शीम् (१ आ० शीमते) १ प्र-
शंसा करना, स्तुति करना २
शेरी मारना, आत्मन्तुनि
करना,

शील् (१ प० शीलति) १ मन्त्र
करना, मनही प्रकाश करना.

२ पूजा करना, अर्चा करना.
(१ प० शीलति, १० उ० शील-
यति-ते) १ अभ्यास करना,
आदत करना. (५०१० शील्य-
ति) १ धारण करना, पहिरना,
पहिनना. २ रखना, पास रखना.

शुक् (१ प० शोकाति) १ जाना.
२ छूना, स्पर्श करना.

शुष् (१ प० शोचति) १ दुःख
करना, शोक करना. (४ उ०
शुच्यति-ते) १ स्नान करना,
शुद्ध होना. २ आद्र होना,
गीला होना. ३ बद्बू आना. ४
मर्दन करना, मथना. ५ क्षत
करना, जराम करना, घाव
करना.

शुच्य (१ प० शुच्यति) १ स्नान
करना. २ सार निकालना, अर्क
निकालना, निचोटना. ३ मथ-
ना. ४ छानना. ५ पीटा करना,
दुःख देना, हंगुन करना

शुष्ट (१ प० शोष्टति, १० उ०
शोष्टयति-ते) १ गेवना, गेफ
रखना. २ गमनमें विग्र होना,
लंगडाना. ३ श्रुतसाना,
अलस्य करना. ४ सुम्बना. ५
सुम्बना.

शुग् (३ प० शुगति) १ लज्जा
शुष् (१ प० शुष्ति) १ लज्जा

शुध्-शुर्

शुण्ठयति-ते) १ रोकना, रोक रखना. २ जानेमें विघ्न होना, लगडाना. ३ अलसाना, आलस्य करना ४ सूखना. ५ सुखाना.

शुध् (-४ प० शुध्यति) १ शुद्ध होना, पवित्र होना.

शुन् (६ प० शुनाति) १ जाना.

शुन्ध् (१ उ० शुन्धति-ते, १० उ० शुन्धयति-ते) १ शुद्ध होना, पवित्र होना २ शुद्ध करना, पवित्र करना

शुभ् (१ उ० शोभति-ते, ६ शुभति) १ चमकना, प्रकाशित होना, देदीप्यमान होना. २ सुदर होना, शोभायमान होना, खूबसूरत होना (१ प० शोभति, ६ प० शुभति) १ मार डालना या दुःख देना (१ प० शोभति) १ भाषण करना, बोलना.

शुम्भ् (१-६ प० शुम्भति) १ चमकना, प्रकाशित होना, देदीप्यमान होना २ सुदर होना, खूबसूरत होना. ३ मार डालना या दुःख देना. ४ भाषण करना, बोलना.

शुर् (४ आ० शूर्यते) १ मार डालना या दुःख देना, पीडा करना. २ मूर्ख होना, पागल होना. ३ निश्चल होना.

शुल्ह्-शृध्

शुल्क् (१० उ० शुल्कयति-ते) १ कहना. २ प्राप्त करना, मिलाना. ३ उत्पन्न करना, पैदा करना. ४ छोड़ देना.

शुल्व् (१० प० शुल्वयति) १ उत्पन्न करना, पैदा करना. २ गिनना, नापना.

शुष् (४ प० शुष्यति) १ शुष्क होना, सूखना.

शूर् (४ आ० शूर्यते) १ मार डालना, दुःख देना, पीडा करना. २ मूर्ख होना, पागल होना ३ निश्चल होना, स्तब्ध होना. (१० आ० शूर्यते) १ पराक्रमी होना, शूरवीर होना. २ यत्न करना. (११ आ० शूर्यते) १ पराक्रम करना, शौर्य करना.

शूर्प् (१० उ० शूर्पयति-ते) १ नापना, गिनना.

शूर्ल् (१ प० शूर्लति) १ पेट दुखना, बीमार होना. २ बड़ा आवाज करना. ३ शूर्लपर चढ़ाना, सूली देना.

शूर्प् (१ प० शूर्पति) १ जनना, उत्पन्न करना, प्रसूत होना.

शृध् (१ प० शर्धति) अधोवायु छोड़ना. (१ उ० शर्धति-ते) १ गीला होना, आर्द्र होना.

शृ-श्रुत्

श्माश्-श्रन्थ्

(१ प० शर्धति, १० उ० शर्ध
यति-ते) १ सहना, सहन कर
ना. २ पराभव करना, जीतना ३
अपमान करना, अनादर करना
श्र (१ प० शृणाति) १ मार
डालना या दुःख देना, पीटा
करना वि-(निशीयन्ते) १ दुःखी
होना, पीडित होना, गलित
होना, गिर पटना
शैल् (१ प० शैगति) १ जाना,
सम्पन्न. २ कान्ना, यग्यराना
शैव् (१ आ० शैवन्ते) १ सेना
१ सेना करना, नौकरी करना
शै (१ प० शायति) १ पक
होना, पचना, २ पक करना,
पकाना (१ प० शायते) १
जाना.
शो (४ प० श्यति) १ तीक्ष्ण
करना, पेना करना, पेनाना,
सान धना ० छीलने बारीक
करना, छालना
शोष् (१ प० शोष्ति) १ जाना
० लाल होना
शौट् (१ प० शौगति) } १ गर्भ
शौट् (१ प० शौगति) } करना
अभिमान करना, अहंकार
करना
श्रुत् (१ प० श्रुतति) } १ पचना,
श्रुत् (१ प० श्रुतति) } इगना ०

सीचना, प्रोक्षण करना, छाया
देना.
श्मील् (१ प० श्मीलति) १ पलक
लगाना, आखें मीचना २ नेत्र
स्फुरण होना
श्यै (१ आ० श्यायते) १ जाना
श्रु (१ आ० श्रुने) }
श्रु (१ प० श्रुति) } १ जाना
श्रण् (१ प० श्रणति, १० उ०
श्राणयति-ने) १ देना, दान
करना वि-देना.
श्रथ् (१ प० श्रयति, १० प०
श्रथयति) १ मार डालना या
दुःख देना, पीटा करना ० मुक्त
करना, छोड़ना ३ बधन करना,
बाधना, जकटना (१० प०
श्राथयति) १ बटी उत्सुक्तानामे
यत्न करना ० जागना आन
दिन होना ३ जाना (१०
उ० श्रथयति-ने) १ निर्वन्त
होना, शक्तिहीन होना
श्रन्थ् (१ आ० श्रन्थते) १
शिक्षित करना, टींग करना. २
शिक्षित होना, टींग होना
(१ प० श्रन्थति) १ मुक्त
करना, छोड़ना ० अनट कर
ना ३ गूधना, गुफित करना.
(१ प० श्रथति, १० उ०

श्रम्-श्रिष्	श्री-श्रिष्
अन्ययति-ते) १ रचना करना, रचना, क्रमसे रखना.	श्री (१ उ० श्रीणाति-श्रीणीते) १ पकाना, राधना. (१ उ० श्रयति-ते, १० उ० श्रायति-ते) १ सतुष्ट करना, खुश करना, मनोरथ पूरा करना.
श्रम् (४ प० श्राम्यति) १ थकना, श्रांत होना. २ पीडित होना, दुःखित होना. ३ तपश्चर्या करना, व्रत करना, चांद्रायणादि प्रायश्चित्त करना.	श्रु (५ प० शृणोति) १ सुनना, श्रवण करना. २ जाना. (१ प० श्रवति) १ टपकना, झरना. प्रतिसृज्युते-१ कबूल करना, मान्य करना. विगृणोति-१ कीर्तिमात्र होना, प्रख्यात होना.
श्रम्भ् (१ आ० श्रम्भते) दुर्लक्ष्य करना, चुकना, गलती करना.	श्रै (१ प० श्रायति) १ पकाना, राधना. २ पसीना निकालना. ३ पिचलाना, पतला करना, द्रव्य करना.
श्रा (२ प० श्राति) १ पकाना, पक करना, राधना, उबालना २ पसीजना, पसीना निकालना. (श्रपयति) १ पकाना. (श्रापयति) १ पसीजना.	श्रोष् (१ प० श्रोणति) १ एकत्र करना, सचय करना, बटोरना, ढेर करना.
श्राम् (१० प० श्रामयति) १ आवाहन करना, आमत्रण करना, बुलाना २ उपदेश करना, बुद्धिवाद करना, सलाह देना.	श्लङ् (१ आ० श्लङ्गते) १ जाना.
श्रि (१ उ० श्रयति-ते) १ सेवा करना, चाकरी करना. आ-१ आश्रय करना. २ समीप जाना या रहना ३ उपयोग करना, काममें लाना. अपा-१ छोड़ना. उत्-समुत्-१ ऊचा होना. व्यपा-१ साष्टांग नमस्कार करना, जमीनपर गिरना २ विश्वास करना, भरोसा रखना.	श्लङ् (१ प० श्लङ्गति) १ जाना.
श्रिष् (१ प० श्रेपति) १ जलाना, भूनना, भूजना.	श्लथ् (१० प० श्लथयति) १ शिथिल होना, ढीला होना.
	श्लाख् (१ प० श्लाखति) १ न्यापना.
	श्लाघ् (१ आ० श्लाघते) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना, बखानना. २ फुसलाना. ३ आरम्भ-स्तुति करना, शेखी मारना.
	श्लिष् (४ प० श्लिष्यति, १ प० श्लेषति, १० उ० श्लेषयति-ते)

श्लोक-शब्द

शब्द-श्लोक

१ आलिंगन करना, गले लगा-
ना. २ सटे रहना, चिपक रहना.
३ एका करना, मिलाप करना,
सयोग करना. (१ प० श्लेषति)
१ दग्ध करना, जलाना.
श्लोक (१ आ० श्लोकते) १ श्लोक
करना, कविता करना. २ रच-
ना करना, रचना.
श्लोण (१ प० श्लोणति) १ एकत्र
करना, बटोरना, ढेर करना.
श्लङ् (१ आ० श्लङ्गते) }
श्लङ्ग (१ प० श्लङ्गति) } १ जाना,
श्लङ् (१ आ० श्लङ्गते) } सरकना.
श्लङ्ग (१ आ० श्लङ्गते) }
श्लष्ट (१० उ० श्लष्टयति-ते) १
आशीर्वाद देना, शुभ बोलना,
कर देना. २ अयोग्य वचन बोल-
ना, अयथार्थ भाषण बोलना. ३
सुपके रहना, नहीं बोलना, मौन
साधना. (१० उ० श्लष्टयति-ते)
१ पूरा करना, समाप्त करना,
२ समाप्त न करना. ३ जाना, सर-
कना, चटना.
श्लष्णु (१० उ० श्लष्णुयति-ते) १
पूरा करना. २ पूरा न करना.
३ जाना

श्वभ्र (१० उ० श्वभ्रयति-ते) १
दरिद्र दशार्थे रहना, विपत्तिमें
रहना. २ जाना. छेदना.
श्वर्तु (१० उ० श्वर्तयति-ते) १
दरिद्र दशार्थे रहना. २ जाना.
श्वल (१ प० श्वलति) १ दौडना,
भागना.
श्वल्क (१० उ० श्वल्कयति-ते) १
बोलना, भाषण करना.
श्वल् (१ प० श्वलति) १ दौडना,
भागना.
श्वस् (२ प० श्वसिति) १ श्वास
लेना, श्वासोच्छ्वास करना. २
जीना, जीता रहना. आ-१
समाधान करना, आश्वासन
करना. उद्-१ विकसित होना,
प्रकुट्टित होना, खिलना. २
सात्विन करना, समाधान करना.
निर्-१ भरना, दम छोडना. २
सांस भरना. वि-१ विश्वास कर-
ना, भरोसा रखना.
श्वि (१ प० श्वयति) १ जाना,
समीप जाना. २ चटना.
श्विन् (१ आ० श्वन्ते) १ संपेद
होना, शुभ होना.
श्विन्दु (१ आ० श्विन्दते) १ संपेद
होना, शुभ होना.
श्वृ (१ प० श्वृणाति) १ मार टा-
लना या दुःख देना, पीडा करना.

सग्-सञ्ज्	सद्-सद्
स. सग् (१ प० सगति) १ आच्छादन करना	(१ उ० सञ्जाति-ते) १ जाना १ प० सञ्जाति) १ जाना २ जोडना
सघ (५ प० सघ्नोति) १ मार डालना या दुःख देना, पीडा करना	सद् (१ प० सद्यति) १ भाग होना, हिस्सा होना, अयव होना. (१० प० सद्यति) १ प्रसिद्ध करना, जाहिर करना, स्पष्ट करना
सङ्केत् (१० उ० सङ्केतयति-ते) १ बुलाना, आमत्रण करना २ बुद्धिविचार कहना, सलाह देना ३ समय ठहराना, वक्त मुक़र्र करना	सद् (१० उ० सद्ध्यति-ते) १ वास करना, रहना, वसना २ मार डालना या दुःख देना, पीडा करना ३ स्थूल होना, मोटा होना, बलाढ्य होना ४ देना, दान करना
संग्राम (१० उ० संग्रामयति-ते) १ युद्ध करना, लडाईं करना	सद् (१० प० साठयति) १ पूर्ण करना २ जाना ३ पूरा न करना
सच् (१ आ० सचते) आर्द्र करना, गीला करना, छीटा मारना, साँचना २ सेवा करना, सेवा करके स्तुष्ट करना (१ उ० सचति-ते) १ पूरा समझना, अच्छी तरह जानना २ सबधी होना, ससगा होना	सत्र (१० आ० सत्रयते) १ फैलाना, विस्तार करना २ सबध करना, ससर्गी होना ३ उदारतासे बर्तना
सञ् (१ प० सञ्जाति) १ जाना	सद् (१-६ प० सीदति) १ जाना, चलना २ शक्तिहीन होना, म्लान हाना, खिन्न होना ३ सूरना, शुष्क होना, मुझाना ४ भग्न करना, नष्ट करना (१ प० आसीदति, १० उ० आसादयति-ते) १ चढाई करना, हमला करना २ जाना अ-१ क्वात होना,
सञ्ज् (१ प० सञ्जाति) १ आश्लिग्न करना, गले लगाना २ सटे रहना, चिपक रहना ३ सबधा होना, अव-१ लट्कना, हिलकना, लट्क रहना आ-१ अनु रक्त होना, आसक्त होना व्या-१ झगडना, हाथा पाई करना	

सध्-सप्

सभाञ्-सर्

थकना, नलहान होना ० पूर्ण करना, पूरा करना, समाप्त करना समा-१ प्राप्त होना, मिलना, इच्छितार्थकी प्राप्ति होना उत्-१ ऊपर चढना २ नष्ट करना उप-१ पास जाना. नि-१ ऊपर या भीतर बैठना २ खडा रहना ३ पालन करना, सभालना प्र-१ आनदा होना, सुखी होना, सुश होना ० प्रफुल्लित होना, खिलना ३ उत्तम दशा प्राप्त होना ४ सुरा करना, सतुष्ट करना, खुश करना ५ स्वच्छ करना, शुद्ध करना ६ स्मित करना, मुसडुराना वि-१ शातचित्त होना, खिन्न होना, दुखी होना, श्रात होना, थकना सम्-१ इच्छितार्थकी प्राप्ति होना २ मडलीमें रहना

सध (५ प० सधोति) १ मार डालने या दुख देनेकी इच्छा करना

सन् (५ उ० सनोति-मनुते) १ देना, दान करना ० मंगा करना, पूजा करना ० मन्त्राङ्ग करना (१ प० सनति) १ सेना करना, चाङ्गी रङ्गना

सप् (१ प० सपति) १ पूर्ण करना

१४ पा

होना, पूरा समझना, पूणनया जानना ० ससक्त होना, सलग्न होना, मिलाप होना

सभाञ् (१० प० सभाजयति) १ सेना करना ० तृप्त करना ३ देखना

सम् (१ प० समति) १ धवराना, हिचकिचाना २ धवराना नहा, हिचाकचाना नहा (१० प समयति) १ व्यग्रचित्त होना, पच राना, पच पटना (४ प सम्यति) १ परिणाम होना, रूपांतर होना

सम् (१ सम्यति) १ जाना (१० उ० सम्यति-ते) १ सयोग करना, मिलाप करना, जोडना

सम्भर (११ प सम्भर्यति) १ पालन करना ० रोगना, ण्कन करना

सम्भूयस (११ प सम्भूयस्यति) १ बढ़ना होना

सर् (१ प सर्ति) १ उपार्जन करना, मिश्राना, पाना, प्राप्त करना ० प्राप्त होना

सर् (१ प सर्ति) १ सर्

सर् (१ प सर्ति) १ सर्

सर् (१ प सर्ति) १ सर्

० सर्ति देना, सर्ति देना

सह्-साम्	साम्बु-सिध्
सह् (१ प० सलति) १ जाना, सरकना. २ कांपना, थरथराना.	साम्बु (१० प० साम्बयति) १ एकत्र होना, सयुक्त होना, मिलना, संयोग करना, मिलाप करना.
सव् (१ प० सस्ति) } १ सोना संस्र् (२ प० सास्ति) }	सार (१० उ० सारयति-ते) १ दुर्बल होना.
सस्त्र् (१ प० सज्जति) १ जाना. २ तैयार होना, सिद्ध होना.	सि (५ प० सिनोति-सिनुते, १ उ० सिनाति-सिनीते) १ बां धना, गूथना २ फट्से गिरफ्तार करना अथवा-१ निश्चय कर ना, ठहराना. २ सिद्ध करना, हेतु पूर्ण करना व्यव-१ उद्योग करना, धधा करना वि-१ का- रणीभूत होना.
सह् (१ उ० सहति-ते, ४ प० सह्यति, १० उ० साहयति-ते) १ सहना, सहन करना. २ शक्तिमान् होना. ३ सतुष्ट होना, तृप्त होना, खुश होना उत्-१ उत्साही होना, आनदी होना २ उद्योग करना, यत्न करना. प्र-१ जुल्म करना, जबरदस्ती करना. वि-१ दृढ निश्चय करना, निर्णय करना, ठहराना.	सिश्च (६ प० सिश्चति-ते) १ प्रोक्षण करना, सीचना, छीटा देना अभि-१ अभ्यजन करना, चुपडना, लीपना. २ प्रोक्षण करना, सीचना, छीटा देना
सान्त्व (१ उ० सान्त्वयति-ते) १ सांत्वन करना, समाधान करना, विवेककी बात कहना	सिद् (१ प० सेदति) १ अपमान करना, तिरस्कार करना.
साध् (४ प० साध्यते, ५ प० सा ध्नोति) १ पूर्ण करना, सिद्ध कर ना, हेतु पूर्ण करना २ जय पाना, जितना, यशस्वी होना, सर करना, फय करना, पार लगाना	सिध् (१ प० सेधति) १ जाना, चलना २ आज्ञा करना, हुक्म करना. ३ धर्माधिकारकी दीक्षा देना, उपाध्याये करना. ४ मंगल कर्म करना. नि- प्रति-१ निषेध करना, मना करना. प्र-१ प्र- सिद्ध होना, कीर्तिमान् होना. (४ प० सिध्यति) १ सिद्ध
साम् (१० प० सामयति) १ सांत्वन करना, समाधान करना, शांत करना.	

सिम्-सु

सुख्-सुर

होना, जीत होना. २ अमानवी पराक्रम (सिद्धि) की प्राप्तिके लिये आरंभ किये हुए जारण मारणादि कर्मकी समाप्ति करना, दीक्षित होना. ३ पूर्ण होना, समाप्त होना. ४ शुद्ध होना, गलती नहीं रहना.

सिम् (१ प० सेभति) }
सिम्म् (१ प० सिम्भति) } १ मार
डालना या दुःख देना, पीडा करना. २ प्रकाशित होना, चमकना. ३ भाषण करना, बोलना.

सिल् (६ प० सिलति) १ चिन्ना, चुनना.

सिब् (४ प० सीव्यति) १ सीना, सविन करना. २ बीजारोपण करना, बोना, रोपना.

सिब् (१ प० सिन्वति) १ साँचना. २ सेवा करना, नौकरी करना.

सीक् (१ प० सीकति) १ प्रोक्षण करना, साँचना, बरसना. (१ प० सीकति, १० प० सीकयति) १ स्पर्श करना, छूना. २ सहन करना, सहना.

सु (१ प० सवति, २ प० साँते) १ उत्पन्न करना, पैदा करना, जनना. २ गर्भ धारण करना. ३ ऐश्वर्य, सामर्थ्य या अमानवी

पराक्रम होना. ३-१ उत्पन्न करना, प्रसूत होना, जनना. २ गर्भ धारण करना. (६ उ० सुनोति-सुनुते) १ यज्ञार्थ स्नान करना. २ मंथन करना, मथना. ३ स्नान करना, नहाना. ४ दखाना, हिलाना. ५ यंत्रादि द्वारा अर्क निकालना. ६ पीडा करना, दुःख देना, सताना, कष्ट देना. अभि-१ प्रोक्षण करना, मार्जन करना, साँचना. २ स्नान करना, नहाना.

मुख् (१० उ० मुखयति-ते) १ सुखी करना, आनंदी करना, सुश करना. (११ प० सुख्यति) १ सुरानुभव करना, आनंदानुभव करना.

मुद् (१० उ० मुट्टयति-ते) १ अपमान करना, तिरस्कार करना. २ अल्प होना, थाह होना.

मुम् (१ प० सोभति, ६ प० सुभति) १ दुःख देना, मारना. २ बोलना. ३ चमकना. ४ सुंदर होना. खूबमूरत होना.

मुम्म् (१ प० मुम्भति) १ दुःख देना, मारना. २ बोलना. ३ चमकना. ४ सुंदर होना, खूबमूरत होना.

सुर (६ प० सुरति) १ अद्भुत सा-

सुह-सूक्ष्	सूक्ष्म-सृज्
मर्थ्य या अमानवी पराक्रम होना. २ चमकना.	सत्कार करना. २ आदरसत्कार नहीं करना.
सुह (४ प० सुह्यति) १ सहना, सहन करना. २ तृप्त होना, सतुष्ट होना, खुश होना. ३ पराक्रमी होना, शक्तिमान् होना, समर्थ होना.	सूक्ष्म (१ प० सूक्ष्मति), १ मत्सर करना, परोत्कर्ष सहन नहीं करना. २-दूसरेका अपराध सहन नहीं करना. ३ अनादर करना, अपमान करना, तिरस्कार करना.
सू (२ आ० सूते, ४ आ० सूयते) १ गर्भ धारण करना, जनना. २ उत्पन्न करना. (६ प० सुवति) १ भेजना, उढाना.	सूप (१ प० सूपाति) १ गर्भधारण करना, जनना.
सूच् (१० उ० सूचयति-ते) १ सूचना करना, बात कहना, जताना. २ दूसरेको न्यूनता दिखाना.	सृ (१ प० सरति) १ जाना, सर करना. अनु-१ पश्चात् गमन करना, पीछे २ जाना. २ दूसरेका देखके बैसा करना. अप-१ लौटना, पीछे आना. अभि-१ चारों ओर फैलना. २ सहगमन करना, साथ जाना. उप-१ पास जाना. प्र-१ आगे जाना. २ आगे आना. ३ फैलना. वि-१ आना. २ अलग २ जाना. ३ छोडना, छोडके आगे जाना (३ प० सरति) जाना.
सूत्र (१० उ० सूत्रयति-ते) १ सूतसे लपेटना.	सृज् (४ आ० सृज्याति, ६ प० सृजति) १ छोडना, त्याग करना. २ उत्पन्न करना, पैदा करना. उत्-वि-नि-१ वर्ज करना, छोड देना. सम्-१ मिलाप करना या होना, एकत्र करना या होना, संसर्ग करना या होना
सूद (१ आ० सूदते, १० उ० सूदयति-ते) १ टपकना, झरना. २ रखना, अमानत रखना. ३ पधित्र करना, शुद्ध करना. ४ कबूल करना, वचन देना. ५ पीडा करना, दुःख देना. ६ क्षत करना, घाव करना. ७ मार डालना या मार डालनेका यत्न करना.	
सूर (४ आ० सूर्यते) १ स्थिर करना, थमाना. २ दुःख देना, पीडा करना. ३ मंदबुद्धि होना.	
सूर्क्ष (१ उ० सूर्क्षति-ते) १ आदर	

सुप्-सुन्द

सुम्-सुम्

सुप् (१ प० सति) १ जाना.

अप-१ वासुंभ होना, हटना

सुम् (१ प० सति) १ मार

सुम्भ (१ प० सुम्भति) १ डारना

या दु ग देना, पीटा करना

सु (१ सुप्ति) १ मार डारना

या दु र देना

सेक (१ आ० सेकति)

मेल (१ प० मेलति) १ जाना

मेव (१ उ० मेवति-ते) १ मंगा

करना, शारीर करना, शुद्धपा

करना. २ विश्राम करना, भरो

सा करना ३ पूजा करना,

अर्चा करना ४ अनुमग्न करना

सै (१ प० सायति) १ हास होना,

कम होना

मो (१ प० स्यति) १ विधम

करना, नष्ट करना २ नष्ट होना,

भग्न होना

मान् (१ प० सोनि) १ जाना,

सरचना २ रगित होना

स्कन्द (१ आ० स्कन्दते) १ कूट

ना, फुटना, उडना २ ऊपर

लेना, चढाना ३ दुजाना ४

बहाना (१ प० स्कन्दति) १

जाना २ सरना, शुष्क होना

३ गिराना, टपकाना, फेंकना

अप-१ चढाई करना, - हल्ला

करना

सुम्भ (१ आ० सुम्भते, ६ प०

सुम्भानि, ९ प० सुम्भानि)

१ हगत करना, गेरना, प्रति

वय करना २ मृग होना,

पागल होना, मतिभट होना

सु (६ उ० सुनोति-सुनुते, ९

उ० सुनानि-सुनीने) १

फुटना, फुटना, उटना २

ऊपर उठाना ३ आच्छादित

करना, टटना

सुन्द (१ आ० सुन्दते) १ करना,

कटना २ ऊपर उठाना.

सुम्भ (१ आ० सुम्भानि, ६ प०

सुम्भानि) १ प्रतिवध करना,

हरना करना, रोकना २ धागण

करना

सुवट (१ आ० सुवटते) १ जीतना,

पगजय करना, हथाना २ कत

रना, तोटना. ३ स्थिर करना,

टट करना ४ राना, भक्षण

करना ५ श्रांति करना, कष्ट

देना, थकाना ६ मार डारना

या दु र देना, पीटा करना,

भग करना

सुल (१ प० सुलति) १ जाना

२ गिरना, च्युत होना ३ बधो

रना, एकत्र करना ४ ठोकर

लगना

स्तृ-स्तिप्	स्तिम्-स्तृ
स्तृ (१ प० स्तृति, १० प० स्तृयति) १ रोकना, हरकत करना.	कना, झरना, चूना २ प्रोक्षण करना, सीचना
स्तग् (१ प० स्तगति, १० प० स्तगयति) १ आच्छादित करना.	स्तिम् (४ प० स्तिम्यति) १ गीला होना, भोगना
स्तन् (१ प० स्तनति) १ शब्द करना, आवाज करना (१० उ० स्तनयति-ते) १ मेघकीसी गर्जना करना	स्तीम् (४ प० स्तीम्यति) १ गीला होना, भोगना
स्तम् (१ प० स्तमति) १ भ्रांत होना, व्यग्रचित्त होना २ भ्रांत नहीं होना (१० प० स्तमयति) १ भ्रांत करना, भुलाना २ सताना, उपद्रव करना	स्तु (२ उ० स्तौति-स्तुते, स्तवीति-स्तवीते) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना २ पूजा करना, अर्चा करना ३ सेवा करना, भजन करना
स्तम्भ् (१ आ० स्तम्भते) १ बंद करना, रोकना, अवरोध करना २ जडबुद्धि होना, मूर्ख होना ३ दृढ होना, खवकेसा अचल होना ४ चकित होना, विस्मययुक्त होना ५ स्तब्ध होना, नष्टेन्द्रिय होना, जडाभूत होना (५ प० स्तम्भोति, ९ प० स्तम्भाति) १ प्रतिबध करना, रोकना २ जटबुद्धि होना, मूर्ख होना	स्तुच् (१ आ० स्तोचते) १ स तुष्ट होना, खुश होना, प्रसन्न होना २ प्रकाशित होना, चमकना, तेजस्वी होना
स्तिघ् (५ आ० स्तिघ्नते) १ हल्ला करना, घेर लेना.	स्तुप् (१० प० स्तोपयति) १ ढेर लगाना, राशि करना
स्तिप् (१ आ० स्तेपते) १ ट।	स्तुम् (१ प० स्तोमति) १ अवरोध करना, रोकना २ मूर्ख होना, मदमति होना
	स्तुम्भ् (५ प० स्तुम्भोति, ९ प० स्तुम्भाति) १ अवरोध करना, रोकना २ मूर्ख होना, मदमति होना
	स्तूप् (४ प० स्तूपयति, १० उ० स्तूपयति-ते) १ ढेर लगाना, राशि करना
	स्तृ (५ उ० स्तृणोति-स्तृणुते) १ यक्षादिसे आच्छादित करना,

स्वक्ष-स्तोम्	स्त्ये-स्या
ढकना, वि-१ फैलना, विस्तार होना	स्तुति करना, मुँह देखके बोलना, खुशामद करना
स्वक्ष (१ प० स्वक्षति) १ जाना	स्त्यै (१ प० स्त्यायति) १ शब्द
स्वप् (१० उ० स्तर्पयति ते) १	करना, आवाज करना २ भीर
ढेर लगाना, राशि करना	होना ३ घेरना, फैलना
स्वहृ (६ प० स्वहृति) १ मार	स्त्यग् (१ प० स्त्यगति) १ आ
डालना या दुख देना, पीडा करना	च्छादित करना, ढकना
स्वहृ (६ प० स्वहृति) १ मार	स्थल् (१ प० स्थलति) १ स्थिर
डालना या दुख देना, पीडा करना	होना, थमना २ स्तब्ध होना,
स्वृ (१ उ० स्वृणाति-स्वृणीते)	खडा रहना, ठहरना
१ वच्चादिसे आच्छादित करना, वच्च उढाना	स्त्यस् (४ प० स्थस्यति) १ रहना,
स्वृहृ (६ प० स्वृहृति) १ मार डालना या दुख देना	मुकाम करना, वास करना, वसना
स्तेन (१० उ० स्तेनयति-ते) १	स्त्या (१ प० तिष्ठति) खडा रहना,
चुराना, मूसना, लूटना	ठहरना २ वाट जोहना, मार्ग प्रतीक्षा करना (१ आ० तिष्ठते) १
स्तेप् (१० प० स्तेपयति) १ फेंकना, उढाना (१ आ० स्तेपते)	विनति करना, गिडगिडाना २
१ टपटना, छूना २ सीचना	अपना अभिप्राय दूसरेको समझाना अधि-१ स्थानारूढ
स्तै (१ प० स्तायति) १ घेरना, लपेटना, षष्टित करना, रोक रखना	होना, पदारूढ होना, अधिका रारूढ होना २ ऊपर रहना,
स्तोम् (१० उ० स्तोमयति-ते)	ऊपर बैठना ३ जीतना, बढना,
१ प्रशंसा करना स्तुति करना	अधिक होना अनु-१ यथाशास्त्र वर्तना २ काममे लाना,
२ आत्मश्लाघा करना, शेरना मारना, बडाई करना ३ मुख	उपयोग करना ३ सटे रहना, लटरना, चिपट रहना अर-१
	सेना करना, शुश्रूषा करना, चाकरी करना २ थमना, स्थिर रहना आ-आ० १ निश्चयपूर्वक

स्था-स्था	स्थुङ्-स्तुस्
बुलाना. २ योजना करना, नियमित करना, मुकर्रर करना. प० १ कबूल करना, मान्य करना. २ अधिकृढ होना, ऊपर बैठना. उत्-प० १ खडा रहना, आसनसे उठना. आ० १ प्राप्तिके वास्ते दूटना. खोजना. उप-१ प्रशंसा करना, स्तुति करना. २ पूजा करना, भजन करना. ३ देवको प्रसन्न करना. ४ मित्रकी नाई आदरातिथ्य करना, सभा-घना करना. ५ जाना या रहना. ६ पाससे जाना, होकर जाना. ७ आलिंगन करना, गले लगाना. आ० प्राप्तिकी इच्छा करना, मिलनेका हेतु रखना. नि-१ रखना, स्थापित करना. पर्यव-१ अचल होना, स्थिर होना. प्र-१ जाना. २ आगे जाना प्रोत्-१ आसनपरसे उठना, खडा रहना. प्रति-१ देवके साम्हने हाथ जोडके खडे रहना, परमेश्वरार्पित होना. वि-१ अरुग खडा रहना, दूर खडा रहना. २ धमना, बाट जोहना. व्यप-१ आज्ञा करना, हुक्म करना. सम्-१ अच्छा होना, भरा होना. २ पास होना. ३ पूर्ण होना, पूरा होना. ४ एकमत होना. समा-१ करना, आचरण	करना, बर्ना. समुत्-१ उठ खटा रहना. सप्र-१ प्रवास करना, परदेश जाना. २ आगे जाना स्थुङ् (१ प० स्थुङ्गति) १ वल्ल धारण करना, कपटा आढना, पहिरना. स्थूल् (१० आ० स्थूलयते) १ मोटा होना, स्थूल होना, शरीर पुट होना. स्नस् (४ प० स्नस्यति) १ थूकना. स्ना (१ प० स्नाति) १ स्नान करना, नहाना, शुद्ध होना. स्निद् (१ प० स्नेद्यति) १ स्निग्ध होना, चिकना होना. २ पिघलना, पतला होना, चूना. स्निद् (४ प० स्निद्यति) १ प्रीति करना, स्नेह करना, मित्रता करना. (१ उ० स्नेहयति-ते) स्निग्ध होना. स्तु (२ प० स्तौति) १ भापसे टपकना, झरना, चूना. स्तुच् (१ आ० स्तोचते) १ स्वच्छ करना, निर्मल करना. स्तुस् (४ प० स्तुस्यति) १ खाना, निगलना. २ ग्रहण करना, लेना. ३ अदृश्य होना, नहीं दिखाई देना. ४ मुखसे बाहर फेरना, थूकना.

स्तुह-स्पृह

स्फट-स्फुट

स्तुह (४ प० स्तुहति) १ कै कर-
ना, रह करना.
स्त्रै (१ प० स्त्रानयति) १ घेरना.
स्पन्द (१ आ० स्पन्दते) १ काप
ना, थरथगना. २ जाना.
स्पर्ध (१ आ० स्परेते) १ मत्सर
करना, दूसरेके अहितकी इच्छा
करना, दूसरेका भय नहीं
चाहना.
स्पर्श (१० आ० स्पश्यते) १ ग्रहण
करना, लेना. २ सयुक्त करना,
जोटना
स्पृश (१ प० स्पृशति-ते) १ अव
रोध करना, रोकना. २ प्रसिद्ध
करना, जाहिर करना. ३ एम्ब
गूथना, गुफित करना. ४ सम-
झाना, जनाना. ५ स्पर्श करना,
दूना (१० आ० स्पाशयते) १
लेना. २ सयोग करना, जोटना.
स्पृ (५ प० स्पृशति) १ मत्क्षण
करना, पालना. २ मनुष्टकरना,
रुश करना. ३ जीना.
स्पृश (६ प० स्पृशति) १ स्पृश
करना, दूना. २ सयोग करना,
हाथमे लेना. उप-१ स्त्रान कर-
ना, आचमन करना, २ पात्रमे
दुष्यना
स्पृह (१० उ० स्पृहति-ते) १
इच्छा करना, चाहना.

स्फट (१० उ० स्फाटयति-ते) १
सुलना, गिरना. २ फटना.
स्फण्ट (१ प० स्फण्टति) १ गुल
ना, गिरना. २ फटना.
स्फण्ड (१ प० स्फण्डति, १० प०
स्फण्टयति) १ पिनोद करना,
ठट्टा करना
स्फर् (६ प० स्फर्ति) १ रावना,
थरथगना, धरुकराना. २ प्रकट
होना, प्रसिद्ध होना, जाहिर
होना. ३ जाना, जाने लगना.
स्फाय (१ आ० स्फायते) १ मोय
होना, सूख होना.
स्फिद (१० उ० स्फेडयति-ते) १
आच्छादित करना, डरना २
वचना या दुर देना.
स्फिष्ट (१० उ० स्फिष्टयति-ते) १
वडवान होना, जोगदाग होना.
२ माग डारना या दु ख देना,
पीटा करना ३ गहना, वाम
करना, वचना. ४ देना.
स्फुट (१ उ० स्फोटयति-ते, ६
प० स्फुटति) १ गिरना, प्रकटित
होना (१ प० स्फोटति, १०
उ० आस्फोटयति-ते) १ वन-
रना, टैदना, तोटना, चीरना.
२ मागना या दु ग देना
स्फुट (१० प० स्फुटयति) १
वचनान करना, अनादग करना.

स्फुड-स्फुञ्	स्वृ-स्यन्
स्फुड् (१ प० स्फुडति) १ ध्वजा- दिसं वेष्टित करना, लपेटना, आच्छादित करना	स्वृ (१ उ० स्वृणाति-स्वृणीते) १ मार डालना या दुःख देना.
स्फुण्ड (१ प० स्फुण्डति) १ मार- ना या दुःख देना. २ छेदना, चीरना, तोड़ना (१० प० स्फु- ण्डयति) १ ठट्टा करना, विनोद करना.	स्मि (१ आ० स्मयते) १ स्मित करना, मुसुंराना, मदहास्य करना. (१० आ० स्माययते) १ अनादर करना, तुच्छ मान ना, तिरस्कार करना वि-१ आश्चर्य करना
स्फुण्ड (१ प० स्फुण्डति, १० उ० स्फुण्डयति-ते) १ विनोद करना, ठट्टा करना	स्मिद् (१० उ० स्मेट्यति-ते) १ अनादर करना, तुच्छ मानना, तिरस्कृत करना.
स्फुर (६ प० स्फुरति) १ हिलना, स्फुरित होना. १ जाना ३ फे लना ४ सृजना.	स्मील (१ प० स्मीलति) १ पलक लगाना, पलक मारना.
स्फुर्च्छ (१ प० स्फुर्च्छति) १ फैलना, विस्तृत होना. २ स्म रण नहीं रहना, भूलना	स्मृ (१ प० स्मरति) १ स्मरण करना, याद करना, २ दुःख या उत्सुकतासे स्मरण करना. वि-१ भूलना, विस्मृति होना
स्फुर्ज (१ प० स्फूर्जति) १ भेष गर्जना होना, गर्जना होना, गडगडाना.	(६ प० स्मृणोति) १ पालन करना, संरक्षण करना २ आन- दित करना, सुश करना ३ जीना
स्फुल् (६ प० स्फुलति) १ स्पष्ट होना. प्रकट होना. २ टेर कर ना, सच्य करना ३ हिलना, यापना, स्फुरित होना.	स्यन्द (१ आ० स्यन्दते) १ टप कना, झरना, झूना. २ सीधना, छीय देना २ जाना. अनु-१ टपकना, झरना, झूना.
स्फुर्च्छ (१ प० स्फुर्च्छति) १ फैलना, विस्तृत होना. २ भू लना, याद नहीं होना.	स्यन् (१० आ० स्यनयते) १ धिनन करना, मनोव्यापार कर- ना, मनमें लाना.
स्फूर्ज (१ प० स्फूर्जति) १ भेष गर्जना होना, गडगडाना.	

स्मम्-स्वङ्ग

स्वञ्ज-स्वस्व

स्मम् (१ प० स्यमति) १ शब्द
करना, आवाज करना. (१०
प० स्यमयति, उ० स्मामय-
ति-ते) १ चिंतन करना, मनन
करना, विचार करना.

स्मङ् (१ आ० स्मङ्गते) १ जाना,
सरकना.

स्मम्भ् (१ आ० स्मम्भते) १ वि-
श्वास करना, भरोसा रखना. २
चूकना, भूलना.

स्मस् (१ आ० स्मसते) १ गिरना,
नीचे गिर पडना, धिसकना,
धिसक पडना.

स्मिम् (१ प० स्मेभति) १ मार
टालना या दुःख देना.

स्मिम् (१ प० स्मिम्भति) १ मार
टालना या दुःख देना.

स्मिव् (४ प० स्मीव्यति) १ शुष्क
होना, सूखना. २ जाना, सर-
कना.

स्मु (१ प० स्मवाति) १ जाना, सर-
कना. २ टपकना, झरना,
चूना. ३ बहना.

स्मेक् (१ आ० स्मेकते) १ जाना.

स्मै (१ प० स्मायति) १ पक कर-
ना, पफाना. २ पिघालना.

स्वङ् (१ आ० स्वङ्गते) } १ जाना.
स्वङ्ग (१ प० स्वङ्गति) }

स्वञ्ज (१ आ० स्वञ्जते) १ आलि-
गन करना, गले लगाना.

स्वट् (१० प० स्वठयति) १ पूरा
करना. २ पूरा नहीं करना.

स्वट् (१ आ० स्वदते, १० उ०
स्वादयति-ते) १ स्वाद लेना,
चखना. २ तुष्ट होना, खुश
होना. ३ आच्छादन करना,
ढकना.

स्वन् (१ प० स्वनति) १ शब्द
करना, आवाज करना. २ सवा-
रना, सजाना, अलङ्कृत करना,
सुशोभित करना. वि- (विष्य
णाति) अव- (अवष्यणाति) १
सशब्द भोजन करना.

स्वप् (२ प० स्वपिति) १ सोना,
निद्रा लेना.

स्वर् (१ प० स्वरति) १ शब्द
करना, आवाज करना. २ दोष
लगाना, निंदा करना.

स्वर्त् (१० प० स्वर्नयाति) १
आपद्रस्त होना, २ जाना.

स्वर्त् (१ आ० स्वर्दते) १ स्वाद
लेना, चरना. २ आनदी होना.

स्वव् (१ प० स्वयति) १ गाली
देना, सगपना, निंदा करना.

स्वस्व् (१ आ० स्वस्यते) १
जाना.

स्वाद्-प्वर्त्	प्वष्-ह्य्
स्वाद् (१ आ० स्वादते) १ स्वाद लेना, चखना (१ प० स्वादति, १० प० स्वादयति) १ मधुर होना, मीठा होना २ सुखदायक होना (१० स्वादयति) १ आच्छादित करना, ढकना.	प्वष्क् (१ आ० प्वष्कते) १ जाना, चलना ह.
स्विद् (१ आ० स्वेदते, ४ स्विद्यति) १ पसीना छटना २ छोडना, त्याग करना ३ भूलना, भ्रात होना ४ चिकना होना	हद् (१ प० हृति) १ प्रकाशित होना, चमकना
स्वृ (१ प० स्वरति) १ शब्द करना, आवाज करना २ रोगी होना, बीमार होना ३ दुःख देना, पीडा करना, सताना सम् १ अच्छा शब्द करना	हृ (१ प० हृति) १ फुदकना, फुदकते जाना, उड जाना २ दुष्ट होना, घातकी होना ३ सभमे बाधना, जफड बाधना ४ जुलम करना, बलात्कार करना
स्वृ (१ उ० स्वृणाति-स्वृणीते) १ मार डालना या दुःख देना प.	हद् (१ आ० हदते) १ मलवि सर्जन करना, शौच करना
ष्ठीव् (१ प० ष्ठीवति, ४ प० ष्ठीव्यति) १ थूकना	हन् (२ प० हन्ति) १ मार डालना २ जाना ३ अत करना, आखिर करना, किसी प्रकार समाप्त करना अभि-१ मुखसे बजाना नि-परि-१ समूल नष्ट करना प्र-१ ऊपर रखना २ प्रहार करना, मारना, ठोकना प्रति-१ विरुद्ध पक्षना खडन करना व्या-१ प्रतिबध करना, रोकना सम्-१ हिसा करना, बधना २ एकत्र करना, बटोरना आ-(आहते) ठोकना, मारना
ष्ठीव् (१ प० ष्ठीवति) १ थूकना	हम् (१ प० हम्मति) १ जाना
ष्ठी (१ प० ष्ठीति) १ बटोरना, एकत्र करना	ह्य् (१ प० ह्यति) १ जाना २ पूजा करना, सेवा करना
प्लोण् (१ प० प्लोणति) १ बटोरना, एकत्र करना.	
प्वक् (१ आ० प्वक्कते) १ जाना	
प्वर्त् (१० प० प्वर्त्नयति) १ जाना २ आपद्गस्त होना	

हर्ष-हिट्

हिण्ड-हुच्छ्

३ शब्द करना, आवाज करना.
 ४ थकना, श्रांत होना.
 हर्ष (१ प० हर्षति) १ जाना. २
 इच्छा करना, चाहना. ३ श्रांत
 होना, थकना ४ प्रकाशित
 होना, चमकना
 हल् (१ प० हलति) १ जोतना,
 चासना, हल जोतना.
 हस्- (१ प० हसति) १ हँसना.
 २ ठट्टा करना, नर्म करना
 परि-१ परिहास करना, ठट्टा
 मारना.
 हा (३ प० जहाति) १ छोड़ना.
 २ भ्रमण करना, घूमना. (३
 आ० जिहीते) १ जाना, चलना.
 हि (५ प० हिनोति) १ जाना
 २ प्रेरणा करना, भेजना. ३
 स्थूल होना, मोटा होना, बढना.
 ४ दुःखी होना.
 हिष् (१ उ० हिक्कति-ते) १ अ
 स्पष्ट शब्द करना. २ हिचकी
 आना, हिचकिये लेना. (१०
 प० हिक्कयति) १ दुःख देना,
 सताना.
 हिट् (१ प० हेटति) १ गाली
 देना, निंदा करना, आत्रोश
 करना (१ प० हिट्णाति) १
 योग्य कालके होनेके पश्चात्

बहुत कालसे जन्म लेना, उत्पन्न
 होना, पैदा होना.
 हिण्ड (१ आ० हिण्टते) १ घूम
 ना, भट्ठना. २ अपमान करना,
 अनादर करना, तिरस्कार करना
 हिल् (६ प० हिलति) १ हावभाव
 करना, नसरा करना. २ लीला
 करना, क्रीडा करना.
 हिव् (१ प० हिन्वति) १ वृत्त
 होना, शांत होना. २ वृत्त कर
 ना, शांत करना
 हिष्क् (१० आ० हिष्कयते) १
 मारना, दुःख देना
 हिंस (१ प० हिंसति, १० उ०
 हिंसयति-ते, ७ प० हिनास्ति) १
 मारना, बधना, दुःख देना,
 सताना.
 हु (३ प० जुहोति) १ यज्ञ कर-
 ना. २ खाना, भक्षण करना. ३
 वृत्त करना. ४ भेजना. ५ लेना,
 ग्रहण करना.
 हुड् (६ प० हुडति) १ बढोना,
 एकत्र करना. (१ प० होडति)
 १ जाना.
 हुण्ड् (१ प० हुण्डते) १ बढो-
 ना, एकत्र करना. २ मान्य
 करना, कबूल करना. ३ लेना
 हुच्छ् (१ प० हुच्छति) १ मन
 तथा कृतिसे धर होना. २ टि

हुल्-ह

ह-ह

पना. ३ दवे पार्वी भाग जाना,
हटना. ४ ठगना.

हुल् (१ प० होलति) १ जाना.

२ हिंसा करना, मार डालना,
बधना. ३ आच्छादित करना,
ढकना.

हूड (१ हूडति) १ जाना,
सरकना.

हृ (१ उ० हरति-त्ते) १ ले

जाना, पहुँचाना. २ लेना, ग्रहण
करना, ३ नष्ट करना. ४ चोरी

करना, चुराना, मूसना. अनु-

१ अनुकरण करना, यथाप्रति
करना, दूसरेकासा करना. अप-

१ ले जाना. २ पीछे फेंकना,
हथाना. ३ चोरी करना, चुराना.

अभि-१ हड्डा करना, मार पीट
करना. अभ्या-१ तर्क वितर्क

करना, वाद करना, शुद्धाशु-
द्धका विचार करना. अभ्युत्-

१ देना, अपेण करना. अभि-
व्या-१ उच्चारण करना. अव-

१ पुनः सपादन करना, फिर
प्राप्त करना. २ शासन करना,
दंड देना. उव-१ ऊपर लेना,
उद्धार करना. २ देशसे निकाल

देना. उदा-१ कहना, २ दृष्टांत-
पूर्वक स्पष्ट करना, उदाहरण-
पूर्वक कहना. उप-१ देना. २

समीप लाना. उपसम्-१ रखना,
नहीं देना. २ सिकोडना, समे-

टना. ३ समाप्त करना, तमाम
करना. नि-१ ठिडुरना, जमना.

निर-१ अपमान करना. निरा-

१ उपवास करना, विना आहा-
रके रहना, भूखा रहना. परि-१

गाली देना, सरापना, निंदा
करना. २ छोडना, त्याग कर-

ना. ३ रोकना. ४ सार या
तत्त्व निकालना. प्र-१ प्रहार

करना, मारना, ठोंकना. प्राति-

१ नजर रखना. प्रत्या-१ इद्रि-
यदमनपूर्वक ध्यान करना. प्रति

सम्-१ छोडना, त्यागना. २
अप्रतिष्ठा करना. वि-१ त्रीडा

करना, विलास करना, खेलना.
व्या-१ बोलना, कहना. व्यव-१

उद्योग करना, घधा करना. २
वाद बखेडा आदि करना.

सम्-१ मार डालना, जानसे
मारना. २ समेटना, सिकोडना.

३ नष्ट करना. ४ बटोरना. समा-

१ एकत्र करना, बटोरना. समाभि-
व्या-१ एक मतसे या सम्मतिसे
योजना करना या रचना, युक्ति
निकालना, सयोजन करना.
समुदा-१ कथन करना, कहना.
समुप-१ एकत्र करना. २ देना.
संप्र-आ० १ युद्ध करना, लडाई

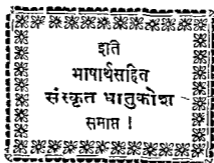
हणी-होइ

हु-होइ

करना, लटना. व्यति- आ०
 एकमतसे चोरी करना. अनु-
 आ० १ परंपरागत व्यवहारका
 सेवन करना. (३ प० जहर्ति) १
 बलात्कार करना, जुल्म करना.
 हणी (११ आ० हणीयते) १
 शरमाना, लज्जित होना. २
 क्रोध करना, गुस्सा करना.
 हृप् (४ प० हृष्यति) १ हृष्ट होना,
 सतुष्ट होना, सुश होना. (१ प०
 हर्षति) १ झूठ बोलना, मिथ्या
 बोलना.
 हेद् (१ आ० हेद्यते) १ प्रतिरोध
 करना, रोकना.
 हेइ (१ प० हेइति) १ रोकना.
 २ निष्ठुर होना, क्रूर होना.
 हेइ (१ प० हेइति) १ धेरना,
 घोटित करना, लपेटना. (१ प०
 हेडते) १ अवमान करना,
 तिरस्कार करना.
 हेइ (१ प० हेइणाति) १ जन्म
 देना, उत्पन्न करना, पैदा करना
 २ शुद्ध करना, पवित्र करना.
 योग्य काल होनेके बाद यदुत
 कालमे उत्पन्न होना
 हेप् (१ आ० हेपते) १ हिनहिनाना.
 होइ (१ प० होइति) १ जाना.

(१ होडते) १ अवमान करना,
 तिरस्कार करना.
 हु (२ आ० हुते) १ छिपाना,
 छुकारना. २ चुराना, लेजाना,
 दबा लेना. आ-नि-१ छिपाना,
 छुकारना.
 ह्यल् (१ प० ह्यलति) १ कांपना,
 थरथराना.
 ह्य् (१ प० ह्यति) १ ढक्ना,
 आच्छादित करना, लपेटना.
 हृप् (१० उ० ह्रापयति-ते) १
 स्पष्ट बोलना.
 ह्रस् (१ ह्रसति) १ शब्द करना.
 आवाज करना. २ कम होना,
 अल्प होना.
 ह्राद् (१ आ० ह्रादते) १ अस्पष्ट
 शब्द करना.
 ही (३ प० जिह्वेति) १ लज्जित
 होना, शरमाना.
 हीच्छ् (१ प० हीच्छति) १
 शरमाना, लज्जित होना
 हुद् (१ प० हुडति) १ बगोरना.
 ह्रूद् (१ प० ह्रूडति) १ बयोगना. २
 जाना, सरकना.
 हेप् (१ आ० हेपते) १ हिनहि-
 नाना.
 होइ (१ प० होइति) १ जाना,
 सरकना

हृग्-ह्रलृ	हृ-ह्रै
हृग् (१ प० हृगति) १ आच्छा दित करना, ढकना, लपेटना	भ्रात होना, मोहित होना, घबराना
ह्रप् (१० प० ह्रायति) १ स्पष्टो चारण करना २ बोलना	हृ (१ प० ह्रयति) १ वक्र होना, टेंढा होना, बाका होना
ह्रस् (१ प० ह्रसति) १ शब्द करना, आवाज करना	ह्रै (१ उ० ह्रयति-ते) १ बुलाना, पुकारना २ नाम लेना, नाम लैके पुकारना, हाक मारना
ह्रद् (१ आ० ह्रादते) १ सतुष्ट होना, खुश होना २ सतुष्ट करना, खुश करना ३ वाद्यके सरीखा शब्द करना	३ मागना ४ युद्धके लिये बुला ना, लड़ाई मागना ५ बराबरी करना, स्पर्धा करना ६ लड़ाई करना. ७ शब्द करना, आवाज करना उप- नि- वि- सम्- आ- आ० युद्धके लिये बुलाना
ह्रल् (१ प० ह्रलति, १० प० ह्रल यति) १ कापना, थरथराना २	



धातुरूपावलि ।



क्रियाबोधक भू स्या आदि शब्दोंको धातु कहते हैं और धातुके उत्तर जो विभक्ति उसे तिङ् कहते हैं इसलिये क्रियाबोधक पदको तिङन्त कहते हैं क्रिया सामान्य रीतिसे छः प्रकारकी होती हैं. १ वर्त्तमान, २ परोक्ष अतीत भूत, ३ सामान्य भूत, ४ अनद्यतन वा ध्विकालीन भविष्यत्, ५ सामान्य भविष्यत् और ६ हेतुभविष्यत्.

वर्त्तमान जो समय बीत रहा है. जैसे-अहम् पश्यामि-में देख रहा हू. परोक्ष अतीत भूत जो समय बिना देसे बीत गया. जैसे-सः बभूव-वह हुआ था पर देखा नहीं. सामान्य भूत जो होगया. जैसे-स एधिष्ट-वह बढ़ा. अनद्यतनभविष्यत् जो देसे होगा. जैसे-सः गन्ता-वह जायगा. हेतुभविष्यत् यदि यह होगा तो यहभी होगा. जैसे-चेत् सुगृष्टिः अभवत् तदा सुभिक्षमभवत्-यदि अच्छी वर्षा होगी तो सस्ता होगा

प्रथम सब धातुओंसे नव लकार लृट् लिट् लुट् लृट् लोट् लृट् लिङ् लृङ् लृट् ये आते हैं वर्त्तमान काल बोध करनेके लिये लृट् लकार, भूत अनद्यतन परोक्ष काल बोध करनेके लिये लिट्, भविष्यत् अनद्यतन काल बोध करनेके लिये लुट्, प्रेरणा अथवा आशीर्वाद अर्थ बोधके लिये लोट्, अनद्यतन भूत काल बोध करनेके लिये लृट्, प्रेरणा अथवा आशीर्वाद अर्थ बोध करनेके लिये लिङ्, केवल भूत काल बोध करनेके लिये लृङ् और हेतुभविष्यत् काल और क्रियाकी सिद्धि बोध करनेके लिये लृट् लकार आता है.

उक्त लकारोंके स्थानमें परस्मैपद तथा आत्मनेपद नामके ति आदि प्रत्यय आते हैं अर्थात् परस्मैपदी धातुओंसे परस्मैपदके और आत्मनेपदी धातुओंसे आत्मनेपदके और उभयपदी धातुओंसे उभय पदके प्रत्यय आते हैं. दोनों पदोंमें ति आदि तीन २ विभक्तिर्योंकी क्रमसे प्रथम, मध्यम और उत्तम संज्ञा होती है.

युष्मद् अस्मद् शब्दों को छोड़कर यदि अन्य कर्त्ता गृह तो धातुसे प्रथमपुरुष होता है, युष्मद् कर्त्ता रहते मध्यम पुरुष और अस्मद् कर्त्ता रहते उत्तमपुरुष होता है. सः गच्छति-यह जाता है. तम् गच्छसि-

तू जाता है अह गच्छामि-मैं जाता हू जब धातुसे लड़ लड़ लड़ लड़ लड़ आते हैं तो स्वरदि धातुओंके आदिमें आ और सामान्य धातुओंके आदिमें अलगाया जाता है क्रिया दो प्रकारकी होती है सकर्मक और अकर्मक, जो क्रिया कर्मसाहित रहे उसे सकर्मक कहते हैं जैसे-गुरु शिष्यमुपादिशति-गुरु शिष्यको उपदेश करता है जिन क्रियाओंमें कर्म पद नहीं रहता उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं यथा-शिशु शेते-बालक सोता है अह तिष्ठामि-मैं स्थित हू अश्वो धावति-घोडा दौड़ता है धातुआका वर्त्ताव दश गणोंमें है उनके नाम तथा व्यवस्था

भ्वाद्यदादी जुहोत्यादिर्दिवादिः स्वादिरेव च ॥

तुदादिश्च रुधादिश्च तनत्रयादिचुरादयः ॥ १ ॥

१ पहिला गण भ्वादि, २ अदादि, ३ जुहोत्यादि, ४ दिवादि, ५ स्वादि, ६ तुदादि, ७ रुधादि, ८ तनादि, ९ क्रयादि और १० चुरादि धातु और तिङ्के बीचमें जो प्रत्यय आते हैं उन्हें विकरण कहते हैं यथा भ्वादिगणपठित धातुओंसे अ विकरण होता है, अदादि गणकी धातु विकरणरहित है, जुहोत्यादिगणपठित धातु विकरणरहित है, पर धातुको द्वित्व हो जाता है, दिवादिगणपठित धातुसे य, स्वादिगणपठित धातुसे नु, तुदादिगणपठित धातुसे अ, रुधादिगणपठित धातुओंसे न, तनादिसे उ, क्रयादिगणपठित धातुसे ना और चुरादिगणपठित धातुओंसे अयय विकरण होते हैं, उक्त सब विकरण लट् लोट् लृट् और विधिलिङ् लकार परमें रहते होते हैं और लकारोंमें नहीं सकर्मक धातुओंसे कर्म तथा कर्त्तामें लट् आदि प्रत्यय आते हैं, यदि कर्त्ता कारकमें प्रथमा विभक्ति और कर्म कारकमें द्वितीया विभक्ति रहे तो उस वाक्यको कर्त्तृवाच्य प्रयोग कहते हैं जैसे-कुम्भकार घट करोति-कुम्भार घट बनाता है कर्त्तृवाच्य प्रयोगमें कर्त्ताका जो वचन होता है वही क्रियाभी होता है अर्थात् कर्त्ता एक वचनान्त होनेसे क्रियाभी एक वचनान्त होती है और कर्त्ता द्विवचनान्त होनेसे क्रियाभी द्विवचनान्त होती है, कर्त्ता बहुवचनान्त होनेसे क्रियाभी बहुवचनान्त होता है शिशु पुस्तक पठति-बालक पुस्तक पढ़ता है शिशू पुस्तक पठत-दो बालक पुस्तक पढ़ते हैं शिशव पुस्तक पठन्ति-बालक लोग पुस्तक पढ़न हैं कुम्भकारो घट करोति-कुम्भार घट बनाता है कुम्भकारो घट कुरुत-दो कुम्भार घट बनाते हैं कुम्भकारा घट कुर्वन्ति-कुम्भार लोग घट बनाते हैं.

लट् आदि लकारोंके स्थानमें होनेवाले परस्मैपदी और आत्मनेपदी प्रत्यय.

लट् (वर्तमानकाल).

परस्मैपदी प्रत्यय.

आत्मनेपदी प्रत्यय.

पु.	ए	द्वि.	व	पु	ए.	द्वि.	व
प्र	ति	तस्	अन्ति	प्र	ते	आते	अन्ते, अने
म	सि	थस्	थ	म	से	आये	ध्वे
उ	मि	वस्	मस्	उ	ए	वहे	महे

लङ् (अनद्यतनभूतकाल).

प्र	त्	ताम्	अत्	प्र	त	आताम्	अन्त, अन
म	स्	तम्	त्	म	थास्	आयाम्	ध्वम्
उ	अम्	व	म	उ	इ	वहि	महि

लिट् (परोक्षानद्यतन भूतकाल).

प्र	अ	अतुस्	उस्	प्र	ए	आते	इरे
म	य	अयुस्	अ	म	से	आये	ध्वे
उ	अ	व	म	उ	ए	वहे	महे

लृट् (सामान्य भूतकाल).

प्र	त्	ताम्	अत्	प्र	त	आताम्	अन्त, अत
म	स्	तम्	त्	म	थास्	आयाम्	ध्वम्
उ	अम्	व	म	उ.	इ	वहि	महि

लृट् (अनद्यतन भविष्य).

प्र.	डा(आ)	रौ	रस्	प्र	डा(आ)	रौ	रस्
म	सि	थस्	थ	म	मे	आये	ध्वे
उ	मि	वस्	मस्	उ.	ए	वहे	महे

लृट् (सामान्य भविष्य).

प्र	ति	तस्	अन्ति	प्र	ते	आते	अन्ते, अने
म	सि	थस्	थ	म	से	आये	ध्वे
उ	मि	वस्	मस्	उ	ए	वहे	महे

लोड् (आज्ञार्थ) .

प्र. तु, तात्	ताम् अन्तु	प्र. ताम्	आताम् अन्ताम्, अताम्
म. हि, तात्	तम् त	म. स्व	आथाम् ध्वम्
उ. नि	व म	उ. ए	वहै महै

लिङ् (शक्यार्थ आदि) .

प्र. त्	ताम् उस्	प्र. त्	आताम् रत्
म. स्	तम् त	म. थास्	आथाम् ध्वम्
उ. आम्	व म	उ. इ	वहि महि

लृड् (संकेतार्थ) .

प्र. त्	ताम् अत्	प्र. त्	आताम् अन्त, अत्
म. स्	तम् त	म. थास्	आथाम् ध्वम्
उ. अम्	व म	उ. इ	वहि महि

प्रथमगणस्थ परस्मैपदी गड् (वोलना) धातुके लृट्
आदि दश लकारोंके रूप.

पु. एकवचन.

द्विवचन.

बहुवचन.

	प्र. स.	गदति	तौ	गदत.	ते	गदन्ति
लृट्-	म. त्व	गदसि	युवां	गदथः	यूय	गदथ
	उ. अह	गदामि	आवां	गदाव.	वय	गदाम.
	प्र. स'	जगाद्	तौ	जगदतु.	ते	जगदु.
लिङ्-	म. त्व	जगदिय	युवां	जगदथुः	यूय	जगद
	उ. अह	जगद, जगद	आवां	जगदिव	वयं	जगदिम
	प्र. सः	गदिता	तौ	गदितारौ	ते	गदितारः
लृट्-	म. त्व	गदितासि	युवां	गदितास्यः	यूय	गदितास्य
	उ. अह	गदितास्मि	आवां	गदितास्व'	वयं	गदितास्मः
	प्र. स.	गदिष्यति	तौ	गदिष्यत	ते	गदिष्यन्ति
लृट्-	म. त्व	गदिष्यसि	युवां	गदिष्यथ.	यूय	गदिष्यथ
	उ. अह	गदिष्यामि	आवां	गदिष्याथ.	वय	गदिष्यामः

	प्र. सः	गदतु, गदतात्	तौ	गदताम्	ते	गदन्तु
लोट्-	म. त्व	गद, गदतात्	युवां	गदतम्	यूयं	गदत
	उ. अह	गदानि	आवां	गदाथ	वयं	गदाम
	प्र. सः	अगदत्	तौ	अगदताम्	ते	अगदन्
लृक्-	म. त्व	अगदः	युवां	अगदतम्	यूयं	अगदत
	उ. अह	अगदम्	आवां	अगदाव	वय	अगदाम
प्रे०	प्र. सः	गदेत्	तौ	गदेताम्	ते	गदेयुः
लिट्-	म. त्व	गदेः	युवां	गदेतम्	यूय	गदेत
	उ. अह	गदेयम्	आवां	गदेव	वय	गदेम
आ०	प्र. सः	गद्यात्	तौ	गद्यास्ताम्	ते	गद्यासुः
लिट्-	म. त्व	गद्याः	युवां	गद्यास्तम्	यूय	गद्यास्त
	उ. अह	गद्यासम्	आवां	गद्यास्व	वय	गद्याम्म
	प्र. सः	अगदीत्	तौ	अगदिष्टाम्	ते	अगदिषु.
		अगादीत्		अगादिष्टाम्		अगादिषुः
लृट्-	म. त्व	अगदीः	युवां	अगदिष्टम्	यूय	अगदिष्ट
		अगादीः		अगादिष्टाम्		अगादिष्ट
	उ. अहं	अगदिषम्	आवां	अगदिष्व	वय	अगदिष्म
		अगादिषम्		अगादिष्व		अगादिष्म
	प्र. सः	अगदिष्यत्	तौ	अगदिष्यनाम्	ते	अगदिष्यन्
लृट्-	म. त्वं	अगदिष्यः	युवां	अगदिष्यतम्	यूय	अगदिष्यत
	उ. अह	अगदिष्यम्	आवां	अगदिष्याव	वय	अगदिष्याम

प्रथमगणस्थ आत्मनेपदी बाध् (बाधा करना) धातुके

लट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र. सः	बाधते	तौ	बाधेते	ते	बाधन्ते
लट्-	म. त्वं	बाधसे	युवां	बाधेथे	यूय	बाधध्वे
	उ. अहं	बाधे	आवां	बाधाथहे	वयं	बाधामहे

	प्र सः	बबाधे	तौ	बबाधाते	ते	बबाधिरे
बिद्-	म. स्व	बबाधिषे	युवां	बबाधाथे	यूय	बबाधिध्वे
	उ. अह	बबाधे	आवां	बबाधिवहे	वय	बबाधिमहे
	प्र. सः	बाधिता	तौ	बाधितारौ	ते	बाधितारः
बुद्-	म. त्व	बाधितासे	युवां	बाधितासाथे	यूय	बाधिताध्वे
	उ. अह	बाधिताहे	आवां	बाधितास्वहे	वय	बाधितास्महे
	प्र. सः	बाधिष्यते	तौ	बाधिष्येते	ते	बाधिष्यन्ते
लृद्-	म. स्व	बाधिष्यसे	युवां	बाधिष्येथे	यूय	बाधिष्यध्वे
	उ. अह	बाधिष्ये	आवां	बाधिष्यावहे	वय	बाधिष्यामहे
	प्र. सः	बाधतां	तौ	बाधेतां	ते	बाधन्ताम्
लोट्-	म. त्व	बाधस्व	युवां	बाधेथां	यूय	बाधध्व
	उ. अह	बाधे	आवां	बाधावहे	वय	बाधामहे
	प्र. सः	अबाधत	तौ	अबाधेतां	ते	अबाधत
कृद्-	म. स्व	अबाधेथा	युवां	अबाधेथां	यूय	अबाधध्व
	उ. अह	अबाधे	आवां	अबाधावहि	वय	अबाधामहि
	प्र०	प्र सः	बाधेतां	ते	बाधेरन्	
बिद्-	म. स्व	बाधेथाः	युवां	बाधेथां	यूय	बाधेध्व
	उ. अह	बाधेथ	आवां	बाधेवाहि	वय	बाधेमहि
	प्र. सः	बाधिषीष्ट	तौ	बाधिषीयास्तां	ते	बाधिषीरन्
भाशी-	म. स्व	बाधिषीष्ठाः	युवां	बाधिषीमास्थां	यूय	बाधिषीध्व
बिद्-	उ. अह	बाधिषीय	आवां	बाधिषीवहि	वय	बाधिषीमहि
	प्र. सः	अबाधिष्ट	तौ	अबाधिपातां	ते	अबाधिषत
कृद्-	म. त्व	अबाधिष्ठा	युवां	अबाधिपायां	यूय	अबाधिष्टध्व
	उ. अह	अबाधिषि	आवां	अबाधिष्वहि	वय	अबाधिष्महि
	प्र. सः	अबाधिष्यत	तौ	अबाधिष्येतां	ते	अबाधिष्यन्त
लृद्-	म. स्व	अबाधिष्यन्ताः	युवां	अबाधिष्येथां	यूय	अबाधिष्यध्व
	उ. अहं	अबाधिष्ये	आवां	अबाधिष्यावहि	वय	अबाधिष्यामहि

प्रथमगणस्य परस्मैपदी ह (हरण कर्त्ता) धातुके लट्
आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र. सः	हरति	तौ	हरतः	ते	हरन्ति
लट्-	म. त्व	हरसि	युवां	हरथः	यूय	हरथ
	उ. अह	हरामि	आवां	हरावः	वय	हरामः
	प्र. सः	जहार	तौ	जह्वतुः	ते	जह्वुः
लिट्-	म. त्व	जहर्थ	युवां	जह्वथुः	यूय	जह्व
	उ. अह	जहार, जहर	आवां	जह्विष्व	वय	जह्विम
	प्र. सः	हर्त्ता	तौ	हर्त्तारौ	ते	हर्त्तारः
लृट्-	म. त्व	हर्त्तासि	युवां	हर्त्तास्थः	यूय	हर्त्तास्थ
	उ. अहं	हर्त्तास्मि	आवां	हर्त्तास्वः	वय	हर्त्तास्मः
	प्र. सः	हरिष्यति	तौ	हरिष्यतः	ते	हरिष्यन्ति
लृट्-	म. त्व	हरिष्यसि	युवां	हरिष्यथः	यूय	हरिष्यथ
	उ. अह	हरिष्यामि	आवां	हरिष्यावः	वय	हरिष्यामः
	प्र. सः	हरत, हरताव	तौ	हरताम्	ते	हरन्तु
लोट्-	म. त्व	हर, हरताव	युवां	हरतम्	यूय	हरत
	उ. अह	हराणि	आवां	हराव	वय	हराम
	प्र. सः	अहरत्	तौ	अहरताम्	ते	अहरन्
लृट्-	म. त्व	अहरः	युवां	अहरतम्	यूय	अहरत
	उ. अह	अहरम्	आवां	अहराव	वय	अहराम
प्रे०	प्र. सः	हरेत्	तौ	हरेताम्	ते	हरेयुः
लृट्-	म. त्व	हरेः	युवां	हरेतम्	यूय	हरेत
	उ. अह	हरेयम्	आवां	हरेव	वय	हरेम
आशी	प्र. सः	द्वियात्	तौ	द्वियास्ताम्	ते	द्वियासुः
लृट्-	म. त्व	द्वियाः	युवां	द्वियास्तम्	यूय	द्वियास्त
	उ. अह	द्वियासम्	आवां	द्वियास्व	वय	द्वियासुम्

	प्र स अहार्षीत्	तौ अहार्षीम्	ते अहार्षु
लृङ्-	म त्व अहार्षा	युवां अहार्षम्	यूय अहार्षे
	उ अह अहार्षम्	आवा अहार्ष्व	वय अहार्षम्
	• प्र स अहरिष्यत्	तौ अहरिष्यताम्	ते अहरिष्यन्
लृङ्-	म त्व अहरिष्य	युवां अहरिष्यतम्	यूय अहरिष्यत
	उ अह अहरिष्यम्	आवा अहरिष्याव	वय अहरिष्याम

प्रथमगणस्थ आत्मनेपदी हृ (हरण करना) धातुके

लृट् आदि दश लकारोके रूपः.

	प्र स हरते	तौ हराते	ते हरन्ते
लृट्-	म त्व हरसे	युवा हराथे	यूय हरध्वे
	उ अह हरे	आवां हरावहे	वय हरामहे
	प्र स जह्ने	तौ जह्नाते	ते जह्निरे
लिट्-	म त्व जह्निषे	युवा जह्नाथे	यूय जह्निध्वे
	उ अह जह्ने	आवां जह्निषहे	वय जह्निमहे
	प्र स हर्त्ता	तौ हर्त्तारौ	ते हर्त्तार
लृट्-	म त्व हर्त्तासे	युवां हर्त्तासाथे	यूय हर्त्ताध्वे
	उ अह हर्त्ताहे	आवां हर्त्तास्वहे	वय हर्त्तास्महे
	प्र स हरिष्यते	तौ हरिष्येते	ते हरिष्यन्ते
लृट्-!	म त्व हरिष्यसे	युवां हरिष्येते	यूय हरिष्यध्वे
	उ अह हरिष्ये	आवां हरिष्यावहे	वय हरिष्यामहे
	प्र स हरताम्	तौ हरेताम्	ते हरन्ताम्
लोट्-	म त्व हरस्व	युवां हरेथाम्	यूय हरध्वम्
	उ अह हरिष्ये	आवां हरिष्यावहि	वय हरिष्यामहि
	प्र स अहरत्	तौ अहरेताम्	ते अहरन्त
लृङ्-	म त्व अहरथा	युवां अहरेथाम्	यूय अहरध्वम्
	उ अह अहरे	आवां अहरावहि	वय अहरामहि

प्रे० प्र	सः	हरेत्	तौ	हरेयाताम्	ते	हरेरन्
लिङ्-म	त्व	हरेथाः	युवां	हरेयाथाम्	यूय	हरेध्वम्
	उ	अह हरेय	आवां	हरेवाहि	वय	हरेमहि
आशी-प्र	सः	हृषीष्ट	तौ	हृषीयास्ताम्	ते	हृषीरन्
लिङ्-म	त्व	हृषीष्ठाः	युवां	हृषीयास्थाम्	यूय	हृषीध्वम्
	उ	अह हृषीय	आवां	हृषीवाहि	वय	हृषीमाहि
प्र	स'	अहत्	तौ	अहपाताम्	ते	अहपत
लृङ्-म	त्व	अहयाः	युवां	अहपाथाम्	यूय	अहध्वम्
	उ	अह अहापि	आवां	अहप्याहि	वय	अहप्महि
प्र	स'	अहरिष्यत्	तौ	अहरिष्येताम्	ते	अहरिष्यन्त
लृङ्-म	त्वं	अहरिष्यथाः	युवां	अहरिष्येयाम्	यूय	अहरिष्यध्वम्
	उ	अह अहरिष्ये	आवां	अहरिष्यावहि	वय	अहरिष्यामाहि

द्वितीयगणस्थ परस्मैपदी अद् (खाना) धातुके लट्
आदि दश लकारोंके रूप.

प्र	स.	अत्ति	तौ	अत्त	ते	अदन्ति
लट्-म	त्व	अत्सि	युवां	अत्यः	यूय	अत्य
	उ	अह अत्ति	आवां	अद्दः	वय	अद्दः
प्र	सः	जघास	तौ	जक्षतु	ते	जक्षुः
म	त्वं	जघसिथ	युवां	जक्षथुः	यूय	जक्ष
लिङ्-उ	अह	जघास, जघस	आवां	जक्षिव	वय	जक्षिम
प्र	सः	आद्	तौ	आदतु'	ते	आद्दुः
म	त्व	आदिथ	युवां	आदथुः	यूय	आद्
	उ	अह आद्	आवां	आदिथ	वय	आदिम
प्र	सः	अत्तु, अत्तात्	तौ	अत्ताम्	ते	अदन्तु
लोट्-म	त्वं	अद्धि, अत्तात्	युवां	अत्तम्	यूय	अत्त
	उ	अह अदानि	आवां	अदाव	वय	अदाम

	प्र	स	आदत्	तौ	आत्ताम्	ते	आदन्
कृ-	म	त्व	आद्	युवां	आत्तम्	यूय	आत्त
	उ	अह	आदम्	आवां	आद्	वय	आद्म
	प्र	स	अद्यात्	तौ	अद्याताम्	ते	अद्यु
लि-	म	त्व	अद्या	युवां	अद्यातम्	यूय	अद्यात
	उ	अह	अद्याम्	आवा	अद्याव	वय	अद्याम
	प्र	स	अत्ता	तौ	अत्तारौ	ते	अत्तार
लृ-	म	त्व	अत्तासि	युवां	अत्तास्थ	यूय	अत्तास्थ
	उ	अह	अत्तास्मि	आवां	अत्तास्व	वय	अत्तास्म
	प्र	स	अत्स्यासि	तौ	अत्स्यत	ते	अत्स्यन्ति
कृ-	म	त्व	अत्स्यासि	युवां	अत्स्यथ	यूय	अत्स्यथ
	उ	अह	अत्स्यामि	आवां	अत्स्याव	वय	अत्स्याम
	प्र	स	अद्यात्	तौ	अद्यास्ताम्	ते	अद्यासु
आशी-	म	त्व	अद्या	युवां	अद्यास्तम्	यूय	अद्यास्त
लि-	उ	अह	अद्यासम्	आवां	अद्यास्व	वय	अद्यास्म
	प्र	स	अघसत्	तौ	अघसताम्	ते	अघसन्
लृ-	म	त्व	अघस	युवां	अघसतम्	यूय	अघसत
	उ	अह	अघसम्	आवां	अघसाव	वय	अघसाम
	प्र	स	आत्स्यत्	तौ	आत्स्यताम्	ते	आत्स्यन्
कृ-	म	त्व	आत्स्य	युवां	आत्स्यतम्	यूय	आत्स्यत
	उ	अह	आत्स्यम्	आवां	आत्स्याव	वय	आत्स्याम

द्वितीयगणस्थ आत्मनेपदी शी (सोना) धातुके

लृ आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र	स	शेते	तौ	शयाते	ते	शेरते
कृ-	म	त्व	शेपे	युवां	शयाथे	यूय	शेध्वे
	उ	अह	शये	आवां	शेवहे	वय	शेमहे

	प्र. सः	शिक्षये	तौ	शिक्ष्याते	ते	शिक्षिये
लिट्-	म. त्वं	शिक्षीषे	युवां	शिक्ष्याथे	यूय	शिक्षीध्वे
	उ. अहं	शिक्षये	आवां	शिक्षीवहे	वय	शिक्षीमहे
	प्र. सः	शयिता	तौ	शयितारौ	ते	शयितारः
लृट्-	म. त्वं	शयितासे	युवां	शयितासाथे	यूयं	शयिताध्वे
	उ. अहं	शयिताहे	आवां	शयितास्वहे	वयं	शयितास्महे
	प्र. सः	शयिष्यते	तौ	शयिष्येते	ते	शयिष्यन्ते
लृट्-	म. त्वं	शयिष्यसे	युवां	शयिष्येथे	यूय	शयिष्यध्वे
	उ. अहं	शयिष्ये	आवां	शयिष्यावहे	वयं	शयिष्यामहे
	प्र. सः	शयताम्	तौ	शयेताम्	ते	शयन्ताम्
लोट्-	म. त्वं	शयस्व	युवां	शयेयाम्	यूय	शयध्वम्
	उ. अहं	शये	आवां	शयावहे	वयं	शयामहे
	प्र. सः	अशयत	तौ	अशयेताम्	ते	अशयन्त
लृट्-	म. त्वं	अशयथाः	युवां	अशयेयाम्	यूयं	अशयध्वम्
	उ. अहं	अशयि	आवां	अशयावहि	वयं	अशयामहि
	प्र. सः	शयेत	तौ	शयेयाताम्	ते	शयेरन्
प्रे०	म. त्व	शयेयाः	युवां	शयेयायाम्	यूयं	शयेध्वम्
लिट्-	उ. अहं	शयेय	आवां	शयेवहि	वयं	शयेमहि
	प्र. सः	शयिशीष्ट	तौ	शयिशीयास्ताम्	ते	शयिशीरन्
लिट्-	म. त्व	शयिशीष्टाः	युवां	शयिशीयास्याम्	यूयं	शयिशीध्वम्
	उ. अहं	शयिशीय	आवां	शयिशीवहि	वय	शयिशीमहि
	प्र. सः	अशयिष्ट	तौ	अशयिपाताम्	ते	अशयिपत
लृट्-	म. त्वं	अशयिष्टाः	युवां	अशयिपायाम्	यूयं	अशयिध्वम्
	उ. अहं	अशयिषि	आवां	अशयिष्वहि	वय	अशयिष्महि
	प्र. सः	अशयिष्यत	तौ	अशयिष्येताम्	ते	अशयिष्यन्त
लृट्-	म. त्वं	अशयिष्यथाः	युवां	अशयिष्येयाम्	यूयं	अशयिष्यध्वम्
	उ. अहं	अशयिष्ये	आवां	अशयिष्यावहि	वयं	अशयिष्यामहि

द्वितीयगणस्थ परस्मैपदी द्विष् (द्वेष करना) धातुके लट्

आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र. सः	द्वेषि	तौ	द्विष्टः	ते	द्विषन्ति	
लट्-	म. त्व	द्वेषि	युवां	द्विष्टः	यूय	द्विष्ट	
	उ. अहं	द्वेषिम्	आवां	द्विष्वः	वयं	द्विष्वः	
	प्र. सः	द्विद्वेष	तौ	दिद्विषतुः	ते	दिद्विषुः	
लिट्-	म. त्व	दिद्वेषिय	युवां	दिद्विषयुः	यूयं	दिद्विष	
	उ. अह	दिद्वेष	आवां	दिद्विषिव	वय	दिद्विषिम	
	प्र. सः	द्वेषा	तौ	द्वेषारौ	ते	द्वेषारः	
लृट्-	म. त्व	द्वेषासि	युवां	द्वेषास्थः	यूय	द्वेषास्थ	
	उ. अह	द्वेषास्मि	आवां	द्वेषास्वः	वयं	द्वेषास्मः	
	प्र. सः	द्वेष्यति	तौ	द्वेष्यतः	ते	द्वेष्यंति	
लृट्-	म. त्व	द्वेष्यसि	युवां	द्वेष्यथः	यूयं	द्वेष्यथ	
	उ. अह	द्वेष्यामि	आवां	द्वेष्यावः	वय	द्वेष्यामः	
	प्र. सः	द्वेष्ये, द्विष्यात्	तौ	द्विष्यां	ते	द्विष्यन्तु	
लोट्-	म. त्वं	द्विष्ये, द्विष्यात्	युवां	द्विष्य	यूयं	द्विष्य	
	उ. अह	द्वेषाणि	आवां	द्वेषाव	वयं	द्वेषाम	
	प्र. सः	अद्वेष्ट	तौ	अद्विष्यां	ते	अद्विष्यन्	
लृट्-	म. त्व	अद्वेष्ट	युवां	अद्विष्य	यूय	अद्विष्य	
	उ. अह	अद्वेष	आवां	अद्विष्य	वयं	अद्विष्व	
	प्रे०	प्र. सः	द्विष्यात्	तौ	द्विष्यातां	ते	द्विष्युः
लिट्-	म. त्व	द्विष्याः	युवां	द्विष्यात	यूयं	द्विष्यात	
	उ. अह	द्विष्यां	आवां	द्विष्याव	वय	द्विष्याम	
	आ०	प्र. सः	द्विष्यात्	तौ	द्विष्यास्तां	ते	द्विष्यास्तुः
लिट्-	म. त्वं	द्विष्याः	युवां	द्विष्यास्तं	यूयं	द्विष्यास्त	
	उ. अहं	द्विष्यासं	आवां	द्विष्यास्व	वयं	द्विष्यास्म	

	प्र. स	अद्विक्षत्	तौ	अद्विक्षता	ते	अद्विक्षन्	
लृङ्-	म	त्व	अद्विक्ष	युवां	अद्विक्षत	यूय	अद्विक्षत
	उ	अह	अद्विक्ष	आवा	अद्विक्षाव	वय	अद्विक्षाम
	प्र. स	अद्वेक्ष्यत्	तौ	अद्वेक्ष्यता	ते	अद्वेक्ष्यन्	
लृङ्-	म	त्व	अद्वेक्ष्य	युवां	अद्वेक्ष्यत	यूय	अद्वेक्ष्यत
	उ	अह	अद्वेक्ष्य	आवा	अद्वेक्ष्याव	वय	अद्वेक्ष्याम

द्वितीयगणस्य आत्मनेपदी द्विप् (द्वेष करना) धातुके लृट्
आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र. स	द्विष्टे	तौ	द्विष्ताते	ते	द्विषते	
लृट्-	म	त्व	द्विष्टे	युवां	द्विष्ताथे	यूय	द्विष्टु
	उ	अह	द्विष्टे	आवां	द्विष्वाहे	वय	द्विष्महे
	प्र. स	दिद्विष	तौ	दिद्विष्ताते	ते	दिद्विषेरे	
लिट्-	म	त्व	दिद्विषिपे	युवां	दिद्विष्ताथे	यूय	दिद्विषिष्वे
	उ	अह	दिद्विषे	आवां	दिद्विषिष्वहे	वय	दिद्विषिमहे
	प्र. स	द्वेष्टा	तौ	द्वेष्टारौ	ते	द्वेष्टार	
लृट्-	म	त्व	द्वेष्टासे	युवां	द्वेष्टासाथे	यूय	द्वेष्टाघ्ने
	उ	अह	द्वेष्टाहे	आवा	द्वेष्टास्वहे	वय	द्वेष्टास्महे
	प्र. स	द्वेक्ष्यते	तौ	द्वेक्ष्येते	ते	द्वेक्ष्यते	
लृट्-	म	त्व	द्वेक्ष्यसे	युवां	द्वेक्ष्येथे	यूय	द्वेक्ष्यध्वे
	उ	अह	द्वेक्ष्ये	आवां	द्वेक्ष्यावहे	वय	द्वेक्ष्यामहे
	प्र. स	द्विष्ठां	तौ	द्विष्तातां	ते	द्विष्तां	
लोट्-	म	त्व	द्विष्व	युवां	द्विष्तायां	यूय	द्विष्टु
	उ	अह	द्वेषे	आवां	द्वेषावहे	वय	द्वेषामहे
	प्र. स	अद्विष्ट	तौ	अद्विष्तातां	ते	अद्विष्तां	
लृट्-	म	त्व	अद्विष्ठा	युवां	अद्विष्तायां	यूय	अद्विष्टु
	उ	अह	अद्विषि	आवां	अद्विष्वाहि	वय	अद्विष्महि

	प्र स	द्विपीत	तौ	द्विपीयातां	ते	द्विपीरन्
प्रे०	म त्व	द्विपीथा'	युवा	द्विपीयार्था	यूय	द्विपीध्व
लिङ्-उ	अह	द्विपीय	आवां	द्विपीवहि	वय	द्विपीमहि
	प्र स	द्विक्षीष्ट	तौ	द्विक्षीयास्तां	ते	द्विक्षीरन्
आ०	म त्व	द्विक्षीष्ठा	युवा	द्विक्षीयास्थां	यूय	द्विक्षीध्व
लिङ्-उ	अह	द्विक्षीय	आवां	द्विक्षीवहि	वय	द्विक्षीमहि
	प्र स	अद्विक्षत	तौ	अद्विक्षातां	ते	अद्विक्षन्त
लृट्-म.	म त्व	अद्विक्षया	युवां	अद्विक्षाता	यूय	अद्विक्षध्व
	उ अह	अद्विक्षि	आवां	अद्विक्षावहि	वय	अद्विक्षामहि
	प्र स	अद्वेक्ष्यत	तौ	अद्वेक्ष्येतां	ते	अद्वेक्ष्यन्त
लृट्-म	म त्व	अद्वेक्ष्यथा	युवां	अद्वेक्ष्येथां	यूय	अद्वेक्ष्यध्व
	उ अह	अद्वेक्ष्ये	आवां	अद्वेक्ष्यावहि	वय	अद्वेक्ष्यामहि

तृतीयगणस्य परस्मैपदी हा (त्यागना) धातुके लृट्

आदि दश ञकारोंके रूप.

	प्र स	जहाति	तौ	जहित	ते	जहति
				जहीत		
लृट्-	म त्व	जहासि	युवां	जहिय	यूय	जहिय
				जहीय		
	उ अह	जहामि	आवां	जहिय	वय	जहिय
				जहीय		जहीम
	प्र स	जहौ	तौ	जहतु	ते	जह
लिङ्-	म त्व	जहिय	युवां	जहयु	यूय	जह
		जहाय				
	उ अह	जहौ	आवां	जहिय	वय	जहिय

	प्र. सः	जहात्	तौ	जहिताम्	ते	जहत
		जहितात्		जहीताम्		
		जहीतात्				
लोट्-	म. त्व	जहाहि	युवां	जहितम्	यूय	जाहित
		जहि (ही) हि		जहीतम्		जहीत
		जहि (ही) तात्				
	उ. अह	जहानि	आवां	जहाव	वय	जहाम
	प्र. सः	अजहात्	तौ	अजहाताम्	ते	अजहुः
लृट्-	म. त्व	अजहाः	युवां	अजहातम्	यूय	अजहात
	उ. अह	अजहाम्	आवां	अजहाव	वय	अजहाम
	प्र. सः	जह्यात्	तौ	जह्याताम्	ते	जह्युः
प्रे०	म. त्व	जह्याः	युवां	जह्यातम्	यूय	जह्यात
लिट्-	उ. अह	जह्याम्	आवां	जह्याव	वय	जह्याम
	प्र. सः	हाता	तौ	हातारौ	ते	हातारः
लृट्-	म. त्व	हातासि	युवां	हातास्यः	यूय	हातास्थ
	उ. अह	हातास्मि	आवां	हातास्वः	वय	हातास्मः
	प्र. सः	हास्यति	तौ	हास्यत.	ते	हास्यन्ति
लृट्-	म. त्व	हास्यसि	युवां	हास्यथ.	यूय	हास्यथ
	उ. अह	हास्यामि	आवां	हास्याव.	वय	हास्यामः
	प्र. सः	हेयात्	तौ	हेयास्तां	ते	हेयासु
आशी-	म. त्व	हेया.	युवां	हेयास्त	यूय	हेयास्त
लिट्-	उ. अह	हेयास	आवां	हेयास्व	वय	हेयास्म
	प्र. सः	अहासीत्	तौ	अहास्तां	ते	अहासु.
लृट्-	म. त्व	अहासीः	युवां	अहास्त	यूय	अहास्त
	उ. अह	अहासिष	आवां	अहास्व	वय	अहास्म
	प्र. सः	अहास्यत्	तौ	अहास्यतां	ते	अहास्यन्
लृट्-	म. त्व	अहास्यः	युवां	अहास्यतां	यूय	अहास्यत
	उ. अह	अहास्य	आवां	अहास्याव	वय	अहास्याम

तृतीयगणस्य आत्मनेपदी हा (जाना) धातुके लट्
आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र. स	जिहीते	तौ	जिहाते	ते	जिहते
लट्-	म	त्व जिहीषे	युवां	जिहाथे	यूय	जिहीध्वे
	उ	अह जिहे	आवां	जिहीवहे	वय	जिहीमहे
	प्र. स	जहे	तौ	जहाते	ते	जहिरे
लिट्-	म	त्व जहिषे	युवां	जहाथे	यूय	जहिध्वे
	उ	अह जहे	आवां	जहिवहे	वय	जहिमहे
	प्र. स	हाता	तौ	हातारौ	ते	हातार
लृट्-	म	त्व हातासे	युवां	हातासाथे	यूय	हाताध्वे
	उ	अह हाताहे	आवां	हातास्वहे	वय	हातास्महे
	प्र. स	हास्यते	तौ	हास्येते	ते	हास्यन्ते
लृट्-	म	त्व हास्यसे	युवां	हास्येथे	यूय	हास्यध्वे
	उ	अह हास्ये	आवां	हास्यावहे	वय	हास्यामहे
	प्र. स	जिहीतां	तौ	जिहाता	ते	जिहतां
लोट्-	म	त्व जिहीष्व	युवां	जिहाथां	यूय	जिहीध्व
	उ.	अह जिहै	आवां	जिहावहे	वय	जिहामहे
	प्र. स	अजिहीत	तौ	अजिहीतां	ते	अजिहत
लट्-	म	त्व अजिहीथा	युवां	अजिहाथां	यूय	अजिहीध्व
	उ	अह अजिहे	आवां	अजिहावहि	वय	अजिहामहि
	प्र. स	जिहीत	तौ	जिहीयातां	ते	जिहीरन्
प्रे०	म	त्व जिहीया	युवां	जिहीयाथां	यूय	जिहीध्व
लिट्-	उ	अह जिहीय	आवां	जिहीवहि	वय	जिहीमहि
	प्र. स	हासीष्ट	तौ	हासीयास्तां	ते	हासीरन्
आ०	म	त्व हासीष्ठा	युवां	हासीयास्थां	यूय	हासीध्व
लिट्-	उ	अह हासीय	आवां	हासीवहि	वय	हामीमहि

	प्र	स	अहास्त	तौ	अहासातां	ते	अहासत
लृङ्-	म	त्व	अहास्या	युवां	अहासायां	यूय	अहाध्व
	उ	अह	अहासि	आवां	अहास्वाहि	वय	अहास्माहि
	प्र	स	अहास्यत	तौ	अहास्यतां	ते	अहास्यन्त
लृङ्-	म	त्व	अहास्याया	युवां	अहास्येयां	यूय	अहास्यध्व
	उ	अह	अहास्ये	आवां	अहास्यावाहि	वय	अहास्यामहि

तृतीयगणस्व परस्मैपदी भृ (धारण कर्मा) धातुके लट्
आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र	स	विभर्ति	तौ	विभृतां	ते	विभ्रति
लृट्-	म	त्व	विभर्षि	युवां	विभृत्य	यूय	विभृत्य
	उ	अह	विभाम	आवां	विभृव	वय	विभृम
	प्र	स	वभार	तौ	वभ्रतु	ते	वभ्रु
	म	त्व	वभथ	युवां	वभ्रथु	यूय	वभ्र
	उ	अह	वभार, वभर	आवां	वभृव	वय	वभृम
	प्र	स	विभराचकार	तौ	विभराचक्रु	ते	विभराचक्रु
	म	त्व	विभराचक्रथ	युवां	विभराचक्रथु	यूय	विभराचक्र
	उ	अह	विभराचकार	आवां	विभराचक्रुव	वय	विभराचक्रुम
			विभराचकर				
लिट्-	प्र	स	विभराचभूव	तौ	विभराचभूवत	त	विभराचभूव
	म	त्व	विभराचभूविथ	युवां	विभराचभूविथु	यूय	विभराचभूविम
	उ	अह	विभराचभूव	आवां	विभराचभूविथुव	वय	विभराचभूविम
	प्र	स	विभरामास	तौ	विभरामासतु	ते	विभरामासु
	म	त्व	विभरामासिथ	युवां	विभरामासिथु	यूय	विभरामास
	उ	अह	विभरामास	आवां	विभरामासिथुव	वय	विभरामासिथुम
	प्र	स	भर्ता	तौ	भतारा	त	भतार
लृट्-	म	त्व	भर्तासि	युवां	भर्तारथ	यूय	भर्तास्थ
	उ	अह	भर्तास्म	आवां	भर्तास्व	वय	भर्तास्म

	प्र. सः	भरिष्यति	तौ	भरिष्यतः	ते	भरिष्यन्ति
लृट्-	म. त्व	भरिष्यासि	युवां	भरिष्यथः	यूयं	भरिष्यथ
	उ. अह	भरिष्यामि	आवां	भरिष्यावः	वयं	भरिष्यामः
	प्र. सः	विभर्तुः, विभृतात्	तौ	विभृता	ते	विभ्रतु
लोट्-	म. त्व	विभृहि, विभृतात्	युवां	विभृत	यूय	विभृत
	उ. अह	विभराणि	आवां	विभराव	वयं	विभराम
	प्र. सः	अविभः	तौ	अविभृता	ते	अविभरुः
लृङ्-	म. त्व	अविभः	युवां	अविभृत	यूयं	अविभृत
	उ. अह	अविभर	आवां	अविभृव	वय	अविभृम
	प्र. सः	विभृयात्	तौ	विभृयाता	ते	विभृयुः
प्रे०	म. त्व	विभृयाः	युवां	विभृयातं	यूयं	विभृयात
लिट्-	उ. अह	विभृया	आवां	विभृयाव	यूय	विभृयाम
	प्र. सः	भ्रियात्	तौ	भ्रियास्ता	ते	भ्रियासुः
आशी-	म. त्व	भ्रियाः	युवां	भ्रियास्त	यूय	भ्रियास्त
लिट्-	उ. अह	भ्रियास	आवां	भ्रियास्व	वयं	भ्रियास्म
	प्र. सः	अभार्पात्	तौ	अभार्पा	ते	अभार्पुः
लृङ्-	म. त्व	अभार्पाः	युवां	अभार्पि	यूय	अभार्पि
	उ. अहं	अभार्प	आवां	अभार्प्व	वयं	अभार्प्म
	प्र. सः	अभरिष्यत्	तौ	अभरिष्यता	ते	अभरिष्यन्
लृङ्-	म. त्व	अभरिष्यः	युवां	अभरिष्यन्	यूयं	अभरिष्यन्
	उ. अहं	अभरिष्य	आवां	अभरिष्याव	वय	अभरिष्याम

तृतीयगणस्य धात्मनेपदी भृ (धारण करना) धातुके
लृट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र. सः	विभृते	तौ	विभ्राते	ते	विभ्रते
लृट्-	म. त्व	विभृषे	युवां	विभ्राथे	यूय	विभृषे
	उ. अह	विभ्रे	आवां	विभ्रथे	वयं	विभ्रमहे

प्र. सः	यभ्रे	तौ	यभ्राते	ते	यभ्रिरे
म. त्वं	यभृषे	युवां	यभ्राथे	यूयं	यभृद्धे
उ. अहं	यभ्रे	आवां	यभृवहे	वयं	यभृमहे
प्र. सः	विभरांचक्रे	तौ	विभरांचक्राते	ते	विभरांचक्रिरे
म. त्वं	विभरांचकृषे	युवां	विभरांचक्राथे	यूयं	विभरांचकृद्धे
उ. अहं	विभरांचक्रे	आवां	विभरांचकृवहे	वयं	विभरांचकृमहे
प्र. सः	विभरांयभूव	तौ	विभरांयभूवतु.	ते	विभरांयभूवुः
म. त्वं	विभरांयभूविय	युवां	विभरांयभूवयुः	यूयं	विभरांयभूव
उ. अहं	विभरांयभूव	आवां	विभरांयभूविव	वयं	विभरांयभूविम
प्र. सः	विभरामास	तौ	विभरामासतुः	ते	विभरामासुः
म. त्वं	विभरामासिय	युवां	विभरामासयुः	यूयं	विभरामास
उ. अहं	विभरामास	आवां	विभरामासिव	वयं	विभरामासिम

प्र. सः	भर्ता	तौ	भर्तारौ	ते	भर्तारः
म. त्वं	भर्तासे	युवां	भर्तासाथे	यूयं	भर्ताध्वे
उ. अहं	भर्ताहे	आवां	भर्तास्वहे	वयं	भर्तास्महे

प्र. सः	भरिष्यते	तौ	भरिष्येते	ते	भरिष्यंते
म. त्वं	भरिष्यसे	युवां	भरिष्येथे	यूयं	भरिष्यध्वे
उ. अहं	भरिष्ये	आवां	भरिष्यावहे	वयं	भरिष्यामहे

प्र. सः	विभ्रतां	तौ	विभ्रातां	ते	विभ्रतां
म. त्वं	विभृष्व	युवां	विभ्राथां	यूयं	विभृष्व
उ. अहं	विभ्रै	आवां	विभ्रावहे	वयं	विभ्रामहे

प्र. सः	अविभ्रत	तौ	अविभ्रातां	ते	अविभ्रत
म. त्वं	अविभृथाः	युवां	अविभ्राथां	यूयं	अविभृष्व
उ. अहं	अविभ्रि	आवां	अविभृवहि	वयं	अविभृमहि

प्र. सः	विभ्रीत	तौ	विभ्रीयातां	ते	विभ्रीरन्
म. त्वं	विभ्रीयाः	युवां	विभ्रीयाथां	यूयं	विभ्रीष्व
उ. अहं	विभ्रीय	आवां	विभ्रीवहि	वयं	विभ्रीमहि

प्रे० म. त्वं

उ. अहं

विभ्रीय

	प्र. सः	भृषीष्ट	तौ	भृषीयास्तां	ते	भृषीरन्
आशी-	म. त्वं	भृषीष्ठाः	युवां	भृषीयास्थां	यूय	भृषीद्वं
लिङ्-	उ. अहं	भृषीय	आवां	भृषीवहि	वयं	भृषीमहि
	प्र. सः	अभृत	तौ	अभृपातां	ते	अभृषत
लृङ्-	म. त्वं	अभृयाः	युवां	अभृपाथां	यूय	अभृद्वं
	उ. अहं	अभृपि	आवां	अभृष्वहि	वयं	अभृष्महि
	प्र. सः	अभरिष्यत	तौ	अभरिष्येतां	ते	अभरिष्यंत
लृङ्-	म. त्वं	अभरिष्यथाः	युवां	अभरिष्येथां	यूयं	अभरिष्यध्वं
	उ. अहं	अभरिष्ये	आवां	अभरिष्यावहि	वयं	अभरिष्यामहि

चतुर्थगणस्थ परस्मैपदी दिव् (खेलना) धातुके लृट्

आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र. सः	दीव्यति	तौ	दीव्यतः	ते	दीव्यंति
लृट्-	म. त्वं	दीव्यासि	युवां	दीव्यथः	यूयं	दीव्यथ
	उ. अहं	दीव्यामि	आवां	दीव्यावः	वयं	दीव्यामः
	प्र. सः	दिदेव	तौ	दिदिवत्तुः	ते	दिदिवुः
लिङ्-	म. त्वं	दिदेविथ	युवां	दिदिवथुः	यूयं	दिदिव
	उ. अहं	दिदेव	आवां	दिदिवि	वयं	दिदिविम
	प्र. सः	देविता	तौ	देवितारौ	ते	देवितारः
लृट्-	म. त्वं	देवितासि	युवां	देवतास्थः	यूयं	देवितास्थ
	उ. अहं	देवितास्मि	आवां	देवितास्वः	वयं	देवितास्मः
	प्र. सः	देविष्यति	तौ	देविष्यतः	ते	देविष्यंति
लृट्-	म. त्वं	देविष्यसि	युवां	देविष्यथः	यूयं	देविष्यथ
	उ. अहं	देविष्यामि	आवां	देविष्यावः	वयं	देविष्यामः
	प्र. सः	दीव्यतु, दीव्यतात्	तौ	दीव्यतां	ते	दीव्यंतु
लोट्-	म. त्वं	दीव्य, दीव्यतात्	युवां	दीव्यन्	यूयं	दीव्यन्त
	उ. अहं	दीव्यानि	आवां	दीव्याव	वयं	दीव्याम

	प्र स	अदीव्यत्	तौ	अदीव्यतां	ते	अदाव्यन्
लृङ्-	म	त्व अदीव्य	युष्वां	अदीव्यत	यूय	अदीव्यत
	उ	अह अदीव्य	आवां	अदीव्याथ	वय	अदीव्याम
	प्र स	दाव्येत्	तौ	दीव्येतां	ते	दीव्येषु
प्रे०	म	त्व दीव्ये	युष्वा	दीव्येत	यूय	दीव्येत
लृङ्-	उ	अह दीव्येय	आवा	दीव्येथ	वय	दाव्येम
	प्र स	दाव्यात्	तौ	दीव्यास्तां	ते	दीव्यास्तु
आगी-	म	त्व दीव्या	युष्वां	दीव्यास्त	यूय	दीव्यान्त
लृङ्-	उ	अह दीव्यास	आवा	दीव्यास्व	वय	दीव्यास्म
	प्र स	अदेवीत्	तौ	अदेविष्ठा	ते	अदेविषु
लृङ्-	म	त्व अदेवा	युष्वां	अदेविष्ट	यूय	अदेविष्ट
	उ	अह अदेविष	आवा	अदेविष्व	वय	अदेविष्म
	प्र स	अदेविष्यत्	तौ	अदेविष्यतां	ते	अदेविष्यन्
लृङ्-	म	त्व अदेविष्य	युष्वा	अदेविष्यन्	यूय	अदेविष्यन्
	उ	अह अदेविष्य	आवां	अदेविष्याथ	वय	अदेविष्याम

चतुर्थगणस्थ आत्मनेपदी प्री (खुश होना) धातुके लट
आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र स	प्रीयते	तौ	प्रीयते	ते	प्रीयते
लृट्-	म	त्व प्रीयसे	युष्वां	प्रीयेथे	यूय	प्रीयस्व
	उ	अह प्रीये	आवा	प्रीयावहे	वय	प्रीयामहे
	प्र स	पिप्रिये	तौ	पिप्रियाते	ते	पिप्रियेरे
लृट्-	म	त्व पिप्रियसे	युष्वां	पिप्रियाथे	यूय	पिप्रियिद्दे (स्व)
	उ	अह पिप्रिये	आवां	पिप्रियिष्वहे	वय	पिप्रियिमहे
	प्र स	प्रेता	तौ	प्रेतारौ	ते	प्रेतार
लृट्-	म	त्व प्रेतासे	युष्वां	प्रेतासाथे	यूय	प्रेतास्व
	उ	अह प्रेताहे	आवां	प्रेतास्वहे	वय	प्रेतास्महे

	प्र. सः	प्रेष्यते	तौ	प्रेष्येत	ते	प्रेष्यन्ते
लृट्-	म. त्व	प्रेष्यसे	युवां	प्रेष्येथे	यूय	प्रेष्यध्वे
	उ. अह	प्रेष्ये	आवां	प्रेष्यावहे	वयं	प्रेष्यामहे
	प्र. सः	प्रीयतां	तौ	प्रीयेतां	ते	प्रीयतां
लोट्-	म. त्वं	प्रीयस्व	युवा	प्रीयेथां	यूय	प्रीयध्व
	उ. अह	प्रीये	आवां	प्रीयावहे	वयं	प्रीयामहे
	प्र. सः	अप्रीयत	तौ	अप्रीयेतां	ते	अप्रीयत
लृट्-	म. त्व	अप्रीयथाः	युवा	अप्रीयेथां	यूय	अप्रीयध्व
	उ. अह	अप्रीये	आवा	अप्रीयावहि	वय	अप्रीयामहि
	प्र. सः	प्रीयेत	तौ	प्रीयेयातां	ते	प्रीयेरन्
प्रे०	म. त्वं	प्रीयेथाः	युवा	प्रीयेयाथां	यूय	प्रीयेध्व
लिट्-	उ. अह	प्रीयेय	आवां	प्रीयेवहि	वयं	प्रीयेमहि
	प्र. सः	प्रेषीष्ट	तौ	प्रेषीयास्तां	ते	प्रेषीरन्
आशी-	म. त्व	प्रेषीष्टाः	युवां	प्रेषीयास्याः	यूय	प्रेषीद्
लिट्-	उ. अह	प्रेषीय	आवां	प्रेषीवहि	वय	प्रेषीमहि
	प्र. सः	अप्रेष्ट	तौ	अप्रेषातां	ते	अप्रेषन्
लृट्-	म. त्व	अप्रेष्टाः	युवां	अप्रेषायां	यूय	अप्रेष्ट
	उ. अह	अप्रेषि	आवां	अप्रेष्वहि	वय	अप्रेष्महि
	प्र. सः	अप्रेष्यत	तौ	अप्रेष्येतां	ते	अप्रेष्यत
लृट्-	म. त्व	अप्रेष्यथाः	युवा	अप्रेष्येथां	यूय	अप्रेष्यध्व
	उ. अह	अप्रेष्ये	आवां	अप्रेष्यावहि	वय	अप्रेष्यामहि

पंचमगणस्थ परस्मैपदी शक् (सकना) धातुके लट्
आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र. सः	शक्नोति	तौ	शक्नुत	ते	शक्नुवति
लृट्-	म. त्व	शक्नोषि	युवां	शक्नुथः	यूय	शक्नुध्व
	उ. अहं	शक्नोमि	आवां	शक्नुवः	वय	शक्नुम

	प्र. सः	शशाक	तौ	शोकतुः	ते	शोकुः
लिङ्-	म.	त्व शोकिय, शशक्य	युवां	शोक्युः	यूयं	शोक
	उ.	अह शशाक, शशक	आवां	शोकिव	वय	शोकिम
	प्र. सः	शक्ता	तौ	शक्तारौ	ते	शक्तारः
लृट्-	म.	त्व शक्तासि	युवां	शक्तास्थः	यूय	शक्तास्थ
	उ.	अह शक्तास्मि	आवां	शक्तास्वः	वय	शक्तास्मः
	प्र. सः	शक्ष्यति	तौ	शक्ष्यतः	ते	शक्ष्यति
लृट्-	म.	त्वं शक्ष्यसि	युवां	शक्ष्यथः	यूय	शक्ष्यथ
	उ.	अह शक्ष्यामि	आवां	शक्ष्यावः	वय	शक्ष्यामः
	प्र. सः	शक्नुतु,	तौ	शक्नुतां	ते	शक्नुवतु
		शक्नुतात्,				
लोट्-	म.	त्व शक्नुहि,	युवां	शक्नुत	यूय	शक्नुत
		शक्नुतात्,				
	उ.	अह शक्नुषामि	आवां	शक्नुवाव	वय	शक्नुवाम
	प्र. सः	अशक्नुत	तौ	अशक्नुतां	ते	अशक्नुवन्
लङ्-	म.	त्व अशक्नोः	युवां	अशक्नुतं	यूय	अशक्नुत
	उ.	अहं अशक्नव	आवां	अशक्नुव	वय	अशक्नुम
प्रे०	प्र. सः	शक्नुयात्	तौ	शक्नुयातां	ते	शक्नुयुः
लिङ्-	म.	त्व शक्नुयाः	युवां	शक्नुयात	यूय	शक्नुयात
	उ.	अह शक्नुयां	आवां	शक्नुयाव	वय	शक्नुयाम
आशी-	प्र. सः	शक्यात्	तौ	शक्यास्तां	ते	शक्यासुः
लिङ्-	म.	त्व शक्याः	युवां	शक्यास्त	यूय	शक्यास्त
	उ.	अह शक्यास	आवां	शक्यास्व	वय	शक्यास्म
	प्र. सः	अशकत	तौ	अशकतां	ते	अशकन्
लृट्-	म.	त्व अशकः	युवां	अशकत	यूय	अशकत
	उ.	अह अशक	आवां	अशकाव	वय	अशकाम

	प्र. सः	अशक्ष्यत्	तौ	अशक्ष्यतां	ते	अशक्ष्यन्
लृट्-	म. त्वं	अशक्ष्यः	युवां	अशक्ष्यतं	यूयं	अशक्ष्यत
	उ. अहं	अशक्ष्य	आवां	अशक्ष्याव	वयं	अशक्ष्याम

पंचमगणस्य सू (मंथन करना) धातुके लट् आदि
दश लकारोंके रूप.

	प्र. सः	सुनुते	तौ	सुन्वाते	ते	सुन्वते
लृट्-	म. त्वं	सुनुपे	युवां	सुन्वाथे	यूयं	सुनुध्वे
	उ. अहं	सुन्वे	आवां	सुनुवहे, सुन्वहे	वयं	सुनुमहे, सुन्महे
	प्र. सः	सुपुवे	तौ	सुपुवाते	ते	सुपुविरे
लिट्-	म. त्वं	सुपुविपे	युवां	सुपुवाथे	यूयं	सुपुविद्वे (ध्वे)
	उ. अहं	सुपुवे	आवां	सुपुविवहे	वयं	सुपुविमहे
	प्र. सः	सोता	तौ	सोतारौ	ते	सोतारः
लृट्-	म. त्वं	सोतासे	युवां	सोतासाथे	यूयं	सोताध्वे
	उ. अहं	सोताहे	आवां	सोतास्वहे	वयं	सोतास्महे
	प्र. सः	सोप्यते	तौ	सोप्येते	ते	सोप्यन्ते
लृट्-	म. त्वं	सोप्यसे	युवां	सोप्येथे	यूयं	सोप्यध्वे
	उ. अहं	सोप्ये	आवां	सोप्यावहे	वयं	सोप्यामहे
	प्र. सः	सुनुतां	तौ	सुन्वातां	ते	सुन्वतां
लोट्-	म. त्वं	सुनुष्व	युवां	सुन्वाथां	यूयं	सुनुध्वं
	उ. अहं	सुनवै	आवां	सुनवावहै	वयं	सुनवामहै
	प्र. सः	असुनुत	तौ	असुन्वातां	ते	असुन्वत
लृट्-	म. त्वं	असुनुथाः	युवां	असुन्वाथां	यूयं	असुनुध्वं
	उ. अहं	असुन्वि	आवां	असुनुषाहि असुन्वाहि	वयं	असुनुमहि असुन्महि
प्रे०	प्र. सः	सुन्वीत	तौ	सुन्वीयातां	ते	सुन्वीरन्
लिट्-	म. त्वं	सुन्वीयाः	युवां	सुन्वीयाथां	यूयं	सुन्वीध्वं
	उ. अहं	सुन्वीय	आवां	सुन्वीषाहि	वयं	सुन्वीमहि

आशी-प्र	स	सोषीष्ट	तौ	सोषीयास्तां	ते	सोषीरन्
लिङ्-म	त्व	सोषीष्टा	युवां	सोषीयास्या	यूय	सोषीद्
	उ	अह सोषीय	आवां	सोषावहि	वय	सोषीमहि
प्र	स	असोष्ट	तौ	असोपातां	ते	असोपत
लृङ्-म	त्व	असोष्टा	युवा	असोपाया	यूय	असोद्
	उ	अह असोषि	आवां	अमोष्वहि	वय	असोष्वमहि
प्र	स	अमोष्यत	तौ	असोपेतां	ते	असोष्यत
लृङ्-म	त्व	असोष्यथा	युवा	असोष्येथा	यूय	असोष्यध्व
	उ	अह असोष्ये	आवां	असोष्यावहि	वय	अमोष्यामहि

षष्ठगणस्य तुद् (दुःख देना) धातुके लृद् आदि

दश लकारोंके रूप.

प्र	स	तुदति	तौ	तुदत	ते	तुदति
लृङ्-म	त्व	तुदसि	युवां	तुदथ	यूय	तुदथ
	उ	अह तुदामि	आवां	तुदाव	वय	तुदाम
प्र	स	तुतोद	तौ	तुतुदतु	ते	तुतुद
लिङ्-म	त्व	तुतोदिय	युवां	तुतुदथ	यूय	तुतुद
	उ	अह तुतोद	आवां	तुतुदिव	वय	तुतुदिम
प्र	स	तोत्ता	तौ	तोत्तारौ	ते	तोत्तार
लृङ्-म	त्व	तोत्तासि	युवां	तोत्तास्य	यूय	तोत्तास्य
	उ	अह तोत्तास्मि	आवां	तोत्तास्व	वय	तोत्तास्म
प्र	स	तोत्स्यति	तौ	तोत्स्यत	ते	तोत्स्यति
लृङ्-म	त्व	तोत्स्यसि	युवां	तोत्स्यथ	यूय	तोत्स्यथ
	उ	अह तोत्स्यामि	आवां	तोत्स्याव	वय	तोत्स्याम
प्र	स	तुदतु, तुदतात्	तौ	तुदतां	ते	तुदतु
लृङ्-म	त्व	तुद, तुदतात्	युवां	तुदत	यूय	तुदत
	उ	अह तुदानि	आवां	तुदाव	वय	तुदाम

	प्र स	अतुदत्	तौ	अतुदतां	ते	अतुदन्
लङ्-	म	त्व	अतुद	युवां	अतुदत	यूय अतुदत
	उ	अह	अतुद	आवां	अतुदाव	वय अतुदाम
प्रे०	प्र स	तुदेत्	तौ	तुदेता	ते	तुदेयु
लिङ्-	म	त्व	तुदे	युवां	तुदेत	यूय तुदेत
	उ	अह	तुदेय	आवां	तुदेव	वय तुदेम
आशी	प्र स	तुद्यात्	तौ	तुद्यास्ता	ते	तुद्यासु
लिङ्-	म	त्व	तुद्या	युवा	तुद्यास्त	यूय तुद्यास्त
	उ	अह	तुद्यास	आवां	तुद्यास्व	वय तुद्यास्म
	प्र स	अतौत्सीत्	तौ	अतौत्ता	ते	अतौत्सु
लृङ्-	म	त्व	अतौत्सी	युवां	अत्तौत्त	यूय अत्तौत्त
	उ	अह	अतौत्स	आवां	अतौत्स्व	वय अतौत्स्म
	प्र स	अतोत्स्यत्	तौ	अतोत्स्यतां	ते	अतोत्स्यन्
लृङ्-	म	त्व	अतोत्स्य	युवां	अतोत्स्यत	यूय अतोत्स्यत
	उ	अह	अतोत्स्य	आवां	अतोत्स्याव	वय अतोत्स्याम

पष्ठगणस्थ मृ (मरना) धातुके लृट् आदि

दश लकारोंके रूप.

	प्र स	म्रियते	तौ	म्रियेते	ते	म्रियते
लृट्-	म	त्व	म्रियसे	युवा	म्रियेथे	यूय म्रियध्वे ।
	उ	अह	म्रिये	आवां	म्रियावहे	वय म्रियामहे
	प्र स	ममार	तौ	मम्रतु	ते	मम्रु
लिङ्-	म	त्व	ममर्थ	युवां	मम्रथु	यूय मम्र
	उ	अह	ममार, ममर	आवां	मम्रिव	वय मम्रिम
	प्र स	मर्त्ता	तौ	मर्त्तारौ	ते	मर्त्तार
लृट्-	म	त्व	मर्त्तासि	युवां	मर्त्तास्थ	वय मर्त्तास्थ
	उ	अह	मर्त्तास्मि	आवां	मर्त्तास्थ	वय मर्त्तास्म

	प्र	स	मरिष्याति	तौ	मरिष्यत	ते	मरिष्यति
लृट्-	म	त्व	मरिष्यासि	युवां	मारष्यथ	यूय	मरिष्यथ
	उ	अह	मरिष्यामि	आवां	मरिष्याव	वय	मरिष्याम
	प्र	स	म्रियतां	तौ	म्रियेता	ते	म्रियन्तां
लोट्-	म	त्व	म्रियस्व	युवां	म्रियेथां	यूय	म्रियध्व
	उ	अह	म्रिये	आवा	म्रियावहे	वय	म्रियामहे
	प्र	स	अम्रियत	तौ	अम्रियेतां	ते	अम्रियन्
लृट्-	म	त्व	अम्रियथा	युवा	अम्रियेथा	यूय	अम्रियध्व
	उ	अह	अम्रिये	आवां	अम्रियावहि	वय	अम्रियामहि
प्रे०	प्र	स	म्रियेत	तौ	म्रियेयाता	ते	म्रियेरन्
लिट्-	म	त्व	म्रियेथा	युवा	म्रियेयाथां	यूय	म्रियेध्व
	उ	अह	म्रियेय	आवा	म्रियेवहि	वय	म्रियेमहि
आशी	प्र	स	मृषीष्ट	तौ	मृषायास्तां	ते	मृषारन्
लिट्-	म	त्व	मृषीष्ठा	युवा	मृषीयास्थां	यूय	मृषाड्
	उ	अह	मृषीय	आवा	मृषावहि	वय	मृषामहि
	प्र	स	अमृत	तौ	अमृपाता	ते	अमृपत
लृट्-	म	त्व	अमृथा	युवां	अमृपाथा	यूय	अमृट्
	उ	अहं	अमृषि	आवा	अमृष्वहि	वय	अमृष्महि
	प्र	स	अमरिष्यत्	तौ	अमरिष्यतां	ते	अमरिष्यन्
लृट्-	म	त्व	अमरिष्य	युवा	अमरिष्यत	यूय	अमरिष्यत
	उ	अह	अमारष्य	आवां	अमारष्याव	वय	अमारिष्याम

सप्तमगणस्थ रुध् (रोक्ना) धातुके लट्

आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र	स	रुणद्धि	तौ	रुध	ते	रुधति
लट्-	म	त्व	रुणात्सि	युवा	रुध	यूय	रुध
	उ	अह	रुणाधिम	आवां	रुध्व	वय	रुध्म

	प्र स	स्तोध	तौ	रुधतु	ते	रुधु
लिङ्-	म	त्व स्तोधिथ	युवा	रुधथु	यूय	रुध
	उ	अह स्तोथ	आवा	रुधिव	वय	रुधिम
	प्र स	रोद्धा	तौ	रोद्धारौ	ते	रोद्धार
लृट्-	म	त्व रोद्धासि	युवा	रोद्धास्य	यूय	रोद्धास्थ
	उ	अह रोद्धास्मि	आवा	रोद्धास्व	वय	रोद्धास्म
	प्र स	रोत्स्यति	तौ	रोत्स्यत	ते	रोत्स्यति
लृट्-	म	त्व रोत्स्यसि	युवा	रोत्स्यथ	यूय	रोत्स्यथ
	उ	अह रोत्स्यामि	आवा	रोत्स्याव	वय	रोत्स्याम
	प्र स	रणट्, रुधात्,	तौ	रुधां	ते	रुधतु
लोट्-	म	त्व रुधि, रुधात्	युवां	रुध	यूय	रुध
	उ	अह रुणधानि	आवा	रणधाव	वय	रुणधाम
	प्र स	अरुणत्	तौ	अरुधा	ते	अरुधन्
लङ्-	म	त्व अरुणत्, अरुण	युवां	अरुध	यूय	अरुध
	उ	अह अरुणथ	आवां	अरुध्व	वयं	अरुध्व
	प्र स	रुध्यात्	तौ	रुध्यातां	ते	रुध्यु
प्रे०	म	त्व रुध्या	युवां	रुध्यात	यूय	रुध्यात
लिङ्-	उ	अह रुध्यां	आवां	रुध्याव	वय	रुध्याम
	प्र स	रुध्यात्	तौ	रुध्यास्तां	ते	रुध्यासु
आ०	म	त्व रुध्या	युवां	रुध्यास्त	यूय	रुध्यास्त
लिङ्-	उ	अह रुध्यास	आवां	रुध्यास्व	वय	रुध्यास्म
	प्र स	अरुधत्	तौ	अरुधतां	ते	अरुधन्
		अरौत्सीत्		अरौद्धां		अरौत्सु
लृट्-	म	त्व अरुध	युवां	अरुधत	यूय	अरुधत
		अरौत्सी		अरौद्ध		अरौद्ध
	उ	अह अरुध	आवां	अरुधाव	वय	अरुधाम
		अरौत्स		अरौत्स्य		अरौत्स्य

	प्र	स	अरोत्स्यत्	तौ	अरोत्स्यतां	ते	अरोत्स्यन्
लृङ्-	म	त्वं	अरोत्स्य	युवां	अरोत्स्यत	यूय	अरोत्स्यत
	उ	अह	अरोत्स्य	आवां	अरोत्स्याव	वय	अरोत्स्याम

सप्तमगणस्थ रुध् (रोकना) धातुके लृट्

आदि दश लकारोंके रूप

	प्र	स	रुधे	तौ	रुधाते	ते	रुधते
लृङ्-	म	त्वं	रुत्से	युवा	रुधायै	यूय	रुध्वे
	उ	अह	रुधे	आवां	रुध्वहे	वय	रुध्महे
	प्र	स	रुधे	तौ	रुधाते	ते	रुधते
लिट्-	म	त्वं	रुधिषे	युवा	रुधायै	यूय	रुधिष्वे
	उ	अह	रुधे	आवां	रुधिष्वहे	वय	रुधिष्वहे
	प्र	स	रोद्धा	तौ	रोद्धागौ	ते	रोद्धार
लृङ्-	म	त्वं	रोद्धासे	युवां	रोद्धासायै	यूय	रोद्धाध्वे
	उ	अह	रोद्धाहे	आवां	रोद्धास्वहे	वय	रोद्धास्महे
	प्र	स	रोत्स्यते	तौ	रोत्स्येते	ते	रोत्स्यते
लृङ्-	म	त्वं	रोत्स्यसे	युवां	रोत्स्येथे	यूय	रोत्स्यध्वे
	उ	अह	रोत्स्ये	आवां	रोत्स्यावहे	वय	रोत्स्यामह
	प्र	स	रुधां	तौ	रुधाता	ते	रुधाता
लोट्-	म	त्वं	रुत्त्व	युवां	रुधाया	यूय	रुध्व
	उ	अह	रुधे	आवां	रुधावहे	वय	रुधामहे
	प्र	स	अरुध	तौ	अरुधातां	ते	अरुधत
लृङ्-	म	त्वं	अरुधा	युवां	अरुधायां	यूय	अरुध्व
	उ	अह	अरुधि	आवां	अरुधावहि	वय	अरुध्महि
	प्र	स	रुधीत	तौ	रुधीयातां	ते	रुधीरन्
प्रे०	म	त्वं	रुधीया	युवां	रुधीयायां	यूय	रुधीध्व
लिट्-	उ	अह	रुधीय	आवां	रुधीवाहि	वय	रुधीमहि

	प्र सः रुत्सीष्ट	तौ रुत्सीयास्ता	ते रुत्सीरन्
आ०	म. त्व रुत्सीष्ठाः	युवां रुत्सीयास्थां	यूय रुत्सीध्व
लिङ्-	उ. अह रुत्सीय	आवां रुत्सीवाहि	वय रुत्सीमहि
	प्र सः अरुद्ध	तौ अरुत्सातां	ते अरुत्सत
लृङ्-	म. त्व अरुद्धाः	युवां अरुत्साया	यूय अरुध्व
	उ. अह अरुत्सि	आवां अरुत्स्वाहि	वयं अरुत्समहि
	प्र सः अरोत्स्यत	तौ अरोत्स्येता	ते अरोत्स्यत
लृङ्-	म. त्व अरोत्स्यथा.	युवा अरोत्स्येया	यूय अरोत्स्यध्व
	उ. अह अरोत्स्ये	आवा अरोत्स्यावहि	वय अरोत्स्यामहि

अष्टमगणस्थ तद् (फैलाना) धातुके लृट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र सः तनोति	तौ तनुत'	ते तन्वाति
लृट्-	म. त्व तनोषि	युवां तनुयः	यूय तनुय
	उ. अह तनोमि	आवां तनुव.,तन्व	वय तनुमः,तन्मः
	प्र सः ततान	तौ तेनतुः	ते तेनुः
लिङ्-	म. त्व तेनिय	युवां तेनयुः	यूय तेन
	उ. अह ततान,तन्न	आवां तेनिव	वय तेनिम
	प्र स' तनिता	तौ तनितारौ	ते तनितारः
लृट्-	म. त्व तनितासि	युवां तनितास्यः	यूय तनितास्य
	उ. अह तनितास्मि	आवां तनितास्व.	वय तनितास्मः
	प्र सः तनिप्यति	तौ तनिप्यतः	ते तनिप्यति
लृट्-	म. त्व तनिप्यसि	युवां तनिप्ययः	यूय तनिप्यथ
	उ. अह तनिप्यामि	आवां तनिप्याव'	वय तनिप्यामः
	प्र सः तनोतु तनुताव	तौ तनुतां	ते तन्वतु
लृट्-	म. त्व तनु, तनुताव	युवां तनुत	यूय तनुत
	उ. अह तनवानि	आवां तनवाव	वय तनवाम
	प्र सः अतनोद्	तौ अतनुतां	ते अतन्वन्
लृङ्-	म. त्व अतनोः	युवां अतनुत	यूय अतनुत
	उ. अह अतनव	आवां अतनुव,अतन्व	वय अतनुम,अतन्म

	प्र. सः	तनुयात्	तौ	तनुयातां	ते	तनुयुः
०	म.	त्व तनुयाः	युवां	तनुयातं	यूयं	तनुयातं
उङ्	उ.	अह तनुयां	आवां	तनुयाव	वयं	तन्याम
	प्र. सः	तन्यात्	तौ	तन्यास्तां	ते	तन्यासुः
मा०	म.	त्व तन्याः	युवां	तन्यास्तं	यूयं	तन्यास्त
उङ्	उ.	अहं तन्यास	आवां	तन्यास्व	वयं	तन्यास्म
	प्र. स.	अता(त)नीत्	तौ	अता(त)निष्ठां	ते	अता(त)निष्ठाः
उङ्	म.	त्व अता(त)नीः	युवां	अता(त)नीष्ट	यूयं	अता(त)निष्ट
	उ.	अहं अता(त)निषं	आवां	अता(त)निष्व	वयं	अता(त)निष्म
	प्र. सः	अतनिष्यत्	तौ	अतनिष्यतां	ते	अतनिष्यन्
उङ्	म.	त्वं अतनिष्यः	युवां	अतनिष्यत	यूयं	अतनिष्यत
	उ.	अहं अतनिष्य	आवां	अतनिष्याव	वयं	अतनिष्याम
प्रथमगणस्थ तन् (फैलाना) धातुके लट् आदि दश लकारोंके रूप.						
	प्र. सः	तनुते	तौ	तन्वाते	ते	तन्वते
उङ्	म.	त्वं तनुपे	युवां	तन्वाथे	यूयं	तनुधे
	उ.	अह तन्वे	आवां	तनुवहे, तन्वहे	वयं	तनुमहे तन्महे
	प्र. सः	तेने	तौ	तेनाते	ते	तेनिरे
उङ्	म.	त्वं तेनिपे	युवां	तेनाथे	यूयं	तेनिधे
	उ.	अहं तेने	आवां	तेनिषहे	वयं	तेनिमहे
	प्र. सः	तनिता	तौ	तनितारी	ते	तनितारः
उङ्	म.	त्वं तनितासे	युवां	तनितासाथे	यूयं	तनिताधे
	उ.	अहं तनिताहे	आवां	तनितास्वहे	वयं	तनिनास्महे
	प्र. सः	तनिष्यते	तौ	तनिष्येते	ते	तनिष्यंते
उङ्	म.	त्वं तनिष्यसे	युवां	तनिष्येथे	यूयं	तनिष्यध्वं
	उ.	अह तनिष्ये	आवां	तनिष्यावहे	वयं	तनिष्यामहे
	प्र. सः	तनुतां	तौ	तन्यातां	ते	तन्वतां
उङ्	म.	त्व तनुष्य	युवां	तन्वायां	यूयं	तनुध्वं
	उ.	अहं तन्वै	आवां	तनयावहे	वयं	तन्यामहे

	प्र. सः	अतनुत	तौ	अतन्वता	ते	अतन्वत
लृङ्-	म. त्व	अतनुथाः	युवां	अतन्वाथा	यूय	अतनुध्व
	उ. अह	अतन्वि	आवा	अतनुवाहि अतन्वाहि	वय	अतनुमहि अतन्महि
	प्र. सः	तन्वीत	तौ	तन्वीयातां	ते	तन्वीरन्
प्रे०	म. त्व	तन्वीयाः	युवा	तन्वीयाथा	यूय	तन्वीध्व
लृङ्-	उ. अह	तन्वीय	आवा	तन्वीवाहि	वयं	तन्वीमहि
	प्र. सः	तनिपीष्ट	तौ	तनिपीयास्ता	ते	तनिपीरन्
आ०	म. त्व	तनिपीष्ठा.	युवां	तनिपीयास्थां	यूय	तनिपीध्व
लृङ्-	उ. अह	तनिपीय	आवां	तनिपीवाहि	वय	तनिपीमहि
	प्र. सः	अतत,अतनिष्ट	तौ	अतनिपातां	ते	अतनिपत
लृङ्-	म. त्व	अतथाः, अतनिष्ठाः	युवां	अतनिपाथां	यूय	अतनिध्व, अतनिद्व
	उ. अह	अतनिपि	आवां	अतनिष्वाहि	वय	अतनिष्महि
	प्र. सः	अतनिप्यत	तौ	अतनिप्येतां	ते	अतनिप्यत
लृङ्-	म. त्व	अतनिप्यथाः	युवा	अतनिप्येथां	यूय	अतनिप्यध्व
	उ. अह	अतनिप्ये	आवा	अतनिप्यावाहि	वय	अतनिप्यामहि
नवमगणस्थ क्री (खरीदना) धातुके लृट् आदि दश लकारोंके रूप-						
	प्र. सः	क्रीणाति	तौ	क्रीणोतः	ते	क्रीणाते
लृट्-	म. त्व	क्रीणासि	युवा	क्रीणीथः	यूय	क्रीणीथ
	उ. अह	क्रीणामि	आवा	क्रीणीवः	वय	क्रीणीमः
	प्र. सः	चिक्राय	तौ	चिक्रियतुः	ते	चिक्रियुः
लृट्-	म. त्व	चिक्रायिथ, चिक्रेथ	युवां	चिक्रियथुः	यूय	चिक्रिय
	उ. अह	चिक्राय,चिक्रय	आवा	चिक्रियिथ	वय	चिक्रियिम
	प्र. सः	क्रेता	तौ	क्रेतारौ	ते	क्रेतारः
लृट्-	म. त्व	क्रेतासि	युवां	क्रेतास्यः	यूय	क्रेतास्थ
	उ. अह	क्रेतास्मि	आवां	क्रेतास्वः	वय	क्रेतास्मः

	प्र स	क्रेष्यति	तौ	क्रेष्यन्	ते	क्रेष्याते
कृद-	म त्वं	क्रेष्यसि	युवां	क्रेष्यन्	यूय	क्रेष्यथ
	उ अहं	क्रेष्यामि	आवां	क्रेष्याव	वय	क्रेष्याम
	प्र स	क्रीणातु	तौ	क्रीणीतां	ते	क्रीणतु
		क्रीणातात्				
होद-	म त्व	क्रीणाहि-	युवां	क्रीणीत	यूय	क्रीणीत
		क्रीणीतात्				
	उ अह	क्रीणामि	आवां	क्रीणाव	वय	क्रीणाम
	प्र स	अक्रीणात्	तौ	अक्रीणीतां	ते	अक्रीणन्
लृद-	म त्व	अक्रीणा	युवां	अक्रीणात्	यूय	अक्रीणात्
	उ अह	अक्रीणां	आवां	अक्रीणीष	वय	अक्रीणीम
	प्र स	क्रीणीयात्	तौ	क्रीणीयातां	ते	क्रीणीयु
प्रे०	म त्व	क्रीणीया	युवां	क्रीणीयात्	यूय	क्रीणीयात्
लिङ्-	उ अह	क्रीणीयां	आवां	क्रीणीयाव	वय	क्रीणीयाम
	प्र स	क्रीयात्	तौ	क्रीयास्तां	ते	क्रीयास्तु
आशी-म	त्व	क्रीया	युवां	क्रीयास्तं	यूय	क्रीयास्त
लिङ्-	उ अह	क्रीयास	आवां	क्रीयास्व	वय	क्रीयास्म
	प्र स	अक्रीषीत्	तौ	अक्रीषिष्ठां	ते	अक्रीषेषु
लृङ्-	म त्व	अक्रीषी	युवां	अक्रीषिष्ट	यूय	अक्रीषिष्ट
	उ अह	अक्रीष	आवां	अक्रीष्व	वय	अक्रीष्म
	प्र स	अक्रेष्यत्	तौ	अक्रेष्यतां	ते	अक्रेष्यन्
लृङ्-	म त्व	अक्रेष्य	युवां	अक्रेष्यत	यूय	अक्रेष्यत
	उ अह	अक्रेष्य	आवां	अक्रेष्याव	वय	अक्रेष्याम

नवमगणस्थ आत्मनेपदी पू (पवित्र करना) धातुके

लृट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र स	पुनीते	तौ	पुनाते	ते	पुनते
कृद-	म त्व	पुनीषे	युवां	पुनाथे	यूय	पुनीध्वे
	उ अह	पुने	आवां	पुनीषहे	वयं	पुनीमहे

	प्र. सः पुपुवे	तौ पुपुवाते	ते पुपुविरे
लिट्-	म. त्व पुपुविषे	युवां पुपुवाथे	यूयं पुपुवेद्दे(ध्वे)
	उ. अह पुपुवे	आवां पुपुविवहे	वय पुपुविमहे
	प्र. सः पविता	तौ पवितारौ	ते पवितारः
लृट्-	म. त्व पवितामे	युवां पवितासाथे	यूय पविताध्वे
	उ. अह पविताहे	आवां पवितास्वहे	वय पवितास्महे
	प्र. सः पविष्यते	तौ पविष्येते	ते पविष्यते
लृट्-	म. त्व पविष्यसे	युवां पविष्येथे	यूय पविष्यध्वे
	उ. अहं पविष्ये	आवां पविष्यावहे	वय पविष्यामहे
	प्र. सः पुनीतां	तौ पुनातां	ते पुनतां
लोट्-	म. त्व पुनीष्व	युवां पुनाथां	यूय पुनीध्व
	उ. अह पुनै	आवां पुनावहै	वय पुनामहै
	प्र. सः अपुनीत	तौ अपुनातां	ते अपुनत
लृङ्-	म. त्व अपुनीथाः	युवां अपुनार्थां	यूय अपुनीध्व
	उ. अह अपुनि	आवां अपुनीवाहि	वय अपुनीमहि
	प्र. सः पुनीत	तौ पुनीयातां	ते पुनीरत्
प्रे०	म. त्व पुनीथाः	युवां पुनीयाथां	यूय पुनीध्व
लिङ्-	उ. अह पुनीय	आवां पुनीवाहि	वय पुनीमहि
	प्र. सः पविषीष्ट	तौ पविषीयास्तां	ते पविषीरत्
भाशी	म. त्व पविषीष्ठाः	युवां पविषीयास्यां	यूय पविषीद् (ध्वे)
लिङ्-	उ. अह पविषीय	आवां पविषीवाहे	वय पविषीमहि
	प्र. सः अपविष्ट	तौ अपविषातां	ते अपविषत
लृङ्-	म. त्व अपविष्ठाः	युवां अपविषाथां	यूय अपविद् (ध्वे)
	उ. अह अपविषि	आवां अपविष्वाहे	वय अपविष्महि
	प्र. सः अपविष्यत	तौ अपविष्येतां	ते अपविष्यत
लृङ्-	म. त्व अपविष्यथाः	युवां अपविष्येथां	यूय अपविष्यध्व
	उ. अह अपविष्ये	आवां अपविष्यावाहे	वय अपविष्यामहि

दशमगणस्थ चूर् (चोग्ना) धातुके लट् आदि
दश लकारोंके रूप.

	प्र	स	चोरयाति	तौ	चोरयत	ते	चोरयते
लट्-	म	त्वं	चोरयसि	युवां	चोरयथ	यूय	चोरयथ
	उ	अह	चोरयामि	आवां	चोरयाव	वय	चोरयाम
	प्र	स	चोरयामास	तौ	चोरयामासतु	ते	चोरयामासु
लिट्-	म	त्वं	चोरयामासि	युवां	चोरयामासु	यूय	चोरयामास
	उ	अह	चोरयामासि	आवां	चोरयामासि	वय	चोरयामासि
	प्र	स	चोरयेता	तौ	चोरयेतारौ	ते	चोरयेतार
लृट्-	म	त्वं	चोरयेतामे	युवां	चोरयेतास्व	यूय	चोरयेतास्व
	उ	अह	चोरयेतास्मि	आवां	चोरयेतास्व	वय	चोरयेतास्म
	प्र	स	चोरयेयते	तौ	चोरयेयन्त	ते	चोरयेयन्ति
लृट्-	म	त्वं	चोरयेयसि	युवां	चोरयेयथ	यूय	चोरयेयथ
	उ	अह	चोरयेयामि	आवां	चोरयेयाव	वय	चोरयेयाम
	प्र	स	चोरयन्तु	तौ	चोरयन्त	ते	चोरयन्तु
			चोरयन्तात्				
लोट्-	म	त्वं	चोरय	युवां	चोरयन्	यूय	चोरयन्त
			चोग्यन्तान्				
	उ	अह	चोरयानि	आवां	चोरयाव	वय	चोरयाम
	प्र	स	अचोरयत	तौ	अचोग्यन्त	ते	अचोरयन्
लृट्-	म	त्वं	अचोरय	युवां	अचोरयन्त	यूय	अचोरयन्त
	उ	अह	अचोरय	आवां	अचोरयाव	वय	अचोरयाम
	प्र	स	चोरयेत्	तौ	चोरयेता	ते	चोरयेयु
प्रे०	म	त्वं	चोरये	युवां	चोरयेन्	यूय	चोरयन्त
लिट्-	उ	अह	चोरयेय	आवां	चोरयेव	वय	चोरयेम
	प्र	स	चोर्यान्	तौ	चोर्यास्ता	ते	चोर्यासु
आशी	म	त्वं	चोर्या	युवां	चोर्यास्त	यूय	चोर्यास्त
लिट्-	उ	अह	चोर्यास	आवां	चोर्यास्व	वय	चोर्यास्म

	प्र	स	अचूचुरत्	तौ	अचूचुरतां	ते	अचूचुरन्
ढङ्-	म	त्व	अचूचुर	युवां	अचूचुरत	यूय	अचूचुरत
	उ	अह	अचूचुर	आवां	अचूचुराव	वय	अचूचुराम
	प्र	स	अचोरयिष्यत्	तौ	अचोरयिष्यतां	ते	अचोरयिष्यन्
ढङ्-	म	त्व	अचोरयिष्य	युवां	अचोरयिष्यत	यूय	अचोरयिष्यत
	उ	अहं	अचोरयिष्य	आवां	अचोरयिष्याव	वय	अचोरयिष्याम

दशमगणस्य ताड् (मारना) धातुके लट् आदि
दश लकारोंके रूप.

	प्र	स	ताडयते	तौ	ताडयेते	ते	ताडयंते
लट्-	म	त्व	ताडयसे	युवां	ताडयेथे	यूय	ताडयध्वे
	उ	अह	ताडये	आवां	ताडयावहे	वय	ताडयामहे
	प्र	स	ताडयाचक्रे	तौ	ताडयाचक्राते	ते	ताडयाचक्रिरे
लिट्-	म	त्व	ताडयाचकृषे	युवां	ताडयाचक्राथे	यूय	ताडयाचकृष्वे
	उ	अह	ताडयाचक्रे	आवां	ताडयाचकृवहे	वय	ताडयाचकृमहे
	प्र	स	ताडयिता	तौ	ताडयितारौ	ते	ताडयितारं
लट्-	म	त्व	ताडयितासे	युवां	ताडयितासाथे	यूय	ताडयिताध्वे
	उ	अह	ताडयिताहे	आवां	ताडयितास्वहे	वय	ताडयितास्महे
	प्र	स	ताडयिष्यते	तौ	ताडयिष्येते	ते	ताडयिष्यते
लट्-	म	त्व	ताडयिष्यसे	युवां	ताडयिष्येथे	यूय	ताडयिष्यध्वे
	उ	अह	ताडयिष्ये	आवां	ताडयिष्यावहे	वय	ताडयिष्यामहे
	प्र	स.	ताडयतां	तौ	ताडयेतां	ते	ताडयतां
लोट्-	म	त्व	ताडयस्व	युवां	ताडयेथां	यूय	ताडयध्व
	उ	अह	ताडयै	आवां	ताडयावहै	वय	ताडयामहै
	प्र	स	अताडयत	तौ	अताडयेतां	ते	अताडयत
लट्-	म	त्व	अताडयथा	युवां	अताडयेथां	यूय	अनाडयध्व
	उ	अह	अताडये	आवां	अताडयावहि	वय	अताडयामाहि

१	त	ताडयेत	तौ	ताडयेयातां	ते	ताडयेरन्
प्रे०	म	त्व	ताडयेया	युवां	ताडयेयायां	यूय ताडयेध्व
लिङ्-	उ	अह	ताडयेय	आवां	ताडयेवाहि	वय ताडयेमहि
प्र	स	ताडयिषीष्ट	तौ	ताडयिषीयास्तां	ते	ताडयिषीरन्
आशी	म	त्व	ताडयिषीष्ठा	युवां	ताडयिषीयास्यां	यूय ताडयिषीद्वं ध्व
लिङ्-	उ	अह	ताडयिषाय	आवां	ताडयिषावाहि	वय ताडयिषीमही
प्र	स	अतीतदत	तौ	अतीतडेतां	ते	अतीतदत
लृङ्-	म	त्व	अतीतडया	युवां	अतीतडेयां	यूय अतीतदध्व
	उ	अह	अतीतडे	आवां	अतीतडावाहि	वय अतीतडामहि
प्र	स	अताडयिष्यत	तौ	अताडयिष्येतां	ते	अनाडयिष्यत
लृङ्-	म	त्व	अताडयिष्यया	युवां	अताडयिष्येयां	यूय अताडयिष्यध्वं
	उ	अह	अताडयिष्ये	आवां	अताडयिष्या	वय अताडयिष्या
				वाहि		महि

प्रथमगणस्थ उपयुक्त धातुआंके प्रथमपुरुषके

एक वचनके रूप.

अङ् (चिह्न करना) धातुके रूप.

लृट्-अङ्कते लृङ्-आङ्कत लिट्-आनङ्के लृङ्-आङ्किए लृट्-अङ्कित
लृट्-अङ्कियते लोट्-अङ्कताम् विधिलिङ्-अङ्केत आशीलिङ्-आङ्कि
षीष्ट लृट्-आङ्कियत कर्मणि लृट्-अङ्कयते णिच् लृट्-अङ्कयति-ते
सम्रत-अञ्चिकिपते

अक्ष (फैलना) धातुके रूप.

लृट्-अक्षति लृङ्-आक्षत लिट्-आनक्ष लृङ्-आक्षीत, आक्षीत
लृट्-अक्षिता, अष्टा लृट्-अक्षिष्यति, अक्षयति लोट्-अक्षतु वि० लिङ्-
अक्षेत् आ० लिङ्-अक्ष्यात् लृङ्-आक्षिष्यत्, आक्ष्यत् क लृट्-
अक्षयते णि० लृट्-अक्षयति णिच् लृङ्-आचिक्षत् स०-अचिक्षिपति

अज् (जाना) धातुके रूप.

लृट्-अजति लृङ्-आजत् लिट्-विवाय लृङ्-अजेषीत्, आजीत्
लृट्-वेता, अजिना लृट्-वेप्यति, अजिष्यति लोट्-अजतु वि० लिङ्-

अजेत्. आ० रिङ्-धीयात् लङ्-अधिष्यत्, आजिष्यत् क० लट्-धीयते णि० लट्-धीयति स०-अजिजिपति, विधीषति यङन्लट्-वेधीयते

अद् (जाना) धातुके रूप.

लट्-अटाति लङ्-आट् रिट्-आट् लृट्-आटीत् लृट्-अटिता
लृट्-अटिष्यति लोट्-अटु, वि० रिङ्-अटेत् आ० रिङ्-अट्यात्.
लङ्-आटिष्यत् क० लट्-अट्यते णि० लट्-आटयति-ते स० लृट्-
अटिष्यति यङ् लट्-अटात्यते, आट्टि, आटीति

अर्ह (योग्य होना) धातुके रूप.

लट्-अर्हति लङ्-आर्हत् रिट्-आर्हत् लृट्-आर्हीत् लृट्-अर्हिता.
लृट्-अर्हिष्यति लोट्-अर्हत् वि० रिङ्-अर्हेत् लङ्-आर्हिष्यत् क०
लृट्-अर्हते णि० लट्-अर्हयति-ते स० लट्-अर्जिहपति यङ् लट्-
अर्हति

इ (जाना) धातुके रूप.

लृट्-अयाति लङ्-आयत् रिट्-इयात् लृट्-ऐपीत् लृट्-एता लृट्-
इष्याति लोट्-अयत् वि० रिङ्-अयेत् आ० रिङ्-इयात् लङ्-ऐष्यत्

ईक्ष (देखना) धातुके रूप.

लट्-ईक्षते लङ्-ऐक्षत् रिट्-ईक्षाञ्कार लृट्- ऐक्षिष्यत् लृट्-ईक्षिता
लृट्-ईक्षिष्यते लोट्-ईक्षताम् वि० रिङ्-ईक्षेत् आ० रिङ्-ईक्षीष्ट.
लङ्-ऐक्षिष्यत् क० लट्-ईक्षते. णि० लट्-ईक्षयति स० लट्-ईचिक्षिषते.

ईर्ष्य (ईर्ष्या करना) धातुके रूप.

लट्-ईर्ष्याति लङ्-ऐर्ष्यत् रिट्-ईर्ष्याञ्कारे लृट्-ऐर्ष्यात् लृट्-ईर्ष्यि
ता. लृट्-ईर्ष्यिष्यति लोट्-ईर्ष्यत् वि० रिङ्-ईर्ष्येत् आ० रिङ्-ईर्ष्या-
त्. लङ्-ऐर्ष्यिष्यत् क० लट्-ईर्ष्यते. णि० लट्-ईर्ष्ययति णि० लृट्-
ईर्ष्यिष्यत्, ऐर्ष्यत्. स० लट्-ईर्ष्यदिपति, ईर्ष्यदिपति

उ (शब्द करना) धातुके रूप.

लट्-अवते लङ्-आवत् रिट्-उवे. लृट् औप. लृट्-ओता. लृट्-
ओष्यते. लोट्-अवताम् वि० रिङ्-अवेत्. आ० रिङ्-ओपीष्ट. लङ्-
ओष्यत् क० लट्-उयते. णि० लट्-आवयते स० लृट्-ऊपिपते यङ्
लृट्-अव्यते.

उख् (जाना) धातुके रूप.

उख्-ओखाति. एङ्-ओखत. लिट्-उवोख. रुङ्-ओखात्. रुट्-ओ-
खिता. ऋट्-ओखिष्यात्. लोट्-ओखतु. षि० लिङ्-ओखंत. आ० लिङ्-
उख्यात्. ऋङ्-ओखिष्यत्. क० एट्-उर्यते. णि० एट्-ओरुयति. स०
एट्-ओचिखिषति.

ऊङ् (कल्पना करना) धातुके रूप.

ऊङ्-उहते. एङ्-ओहत. लिट्-उहाश्चक्रे. रुङ्-ओहिष्ट. रुट्-उहि-
ता. ऋट्-उहिष्यते. लोट्-उहताम्. षि० लिङ्-उहेत. आ० लिङ्-ऊ-
हिषीष्ट. ऋङ्-ओहिष्यत्. क० एट्-उह्यते. णि० एट्-उहयते. स० एट्-
ऊजिहिषते.

ऋ (जाना) धातुके रूप.

ऋट्-ऋच्छति. एङ्- आच्छत. लिट्-आर. रुङ्-आर्षात्. रुट्-अर्त्ता.
ऋट्-अरिष्यति. लोट्-ऋच्छतु. षि० लिङ्-ऋच्छंत. आ० लिङ्-अर्यात्.
ऋङ्-आरिष्यत्. क० एट्-अर्यते. णि० एट्-अर्यन्ति. स० एट्-अरि-
षति. यद् एट्-अरार्यते. अरत्ति, अरिष्यति, अर्यन्ति, अर्यन्ति.

कामिष्यते. लोट्-कामयताम्. वि० लिङ्-कामयेत्. आ० लिङ्-कामयिषीष्ट, कामयिषीष्ट. लङ्-अकामयिष्यत, अकामिष्यत. क० लट्-काम्यते. क० लृङ्-अकामि. णि० लट्-कामयति. स० लट्-चिकामयिषते.

कित् (रोग दूर होना) धातुके रूप.

लृट्-चिकित्सति. लृङ्-अचिकित्सत्. लिट्-चिकित्साश्चकार. लृङ्-अचिकित्सीत्. लृट्-चिकित्सता. लृट्-चिकित्सिष्यति. लोट्-चिकित्सत्. वि० लिङ्-चिकित्सेत्. आ० लिङ्-चिकित्स्यात्. लृङ्-अचिकित्सिष्यत्.

कृष् (समर्थ होना) धातुके रूप.

लृट्-कल्पते. लृङ्-अकल्पत्. लिट्-चकृपे. लृङ्-अकृपत्, अकल्पिष्ट, अकृप्त. लृट्-कल्ता, कल्पिता. लृट्-कल्पस्यते, कल्पिष्यते, कल्पस्यति, कल्पिष्यति. लोट्-कल्पताम्. वि० लिङ्-कल्पेत्. आ० लिङ्-कल्पिषीष्ट, कल्पिषीष्ट. लृङ्-अकल्पस्यत्, अकल्पस्यत्, अकल्पिष्यत्, अकल्पिष्यत्. क० लट्-कल्प्यते. णि० लट्-कल्पयति. स० लट्-चिकल्पिषते, चिकल्पसते.

क्रम् (जाना) धातुके रूप.

लट्-क्रामति, क्राम्यति, क्रमते, क्रम्यते. लृङ्-अक्रामत्, अक्राम्यत्, अक्रमत्, अक्रम्यत्. लिट्-चक्राम, चक्रमे. लृङ्-अक्रामीत्, अक्रंस्त. लृट्-क्रामिता, क्रन्ता. लृट्-क्रामिष्यति, क्रंस्यते. लोट्-क्रामतु, क्राम्यतु, क्रमताम्, क्रम्यताम्. वि० लिङ्-क्रामेत्, क्राम्येत्; क्रमते, क्रम्येत. आ० लिङ्-क्राम्यात्. क्रंसीष्ट. लृङ्-अक्रामिष्यत्. अक्रंस्यत्. क० लट्-क्रम्यते. णि० लट्-क्रमयति. णि० लृङ्-अचिक्रमत्. स० लट्-चिक्रमिषति. यङ्-लृट्-चंक्रम्यते, चंक्रमीति, चंक्रन्ति.

कृश् (पुकारना) धातुके रूप.

लृट्-क्रोशति. लृङ्-अक्रोशत्. लिट्-चुक्रोश. लृङ्-अक्रुशत्. लृट्-क्रोधा. लृट्-क्रोक्षति. लोट्-क्रोशतु. वि० लिङ्-क्रोशेत्. आ० लिङ्-क्रुश्यात्. लृङ्-अक्रोक्ष्यत्. क० लृट्-क्रुश्यते. णि० लट्-क्रोशयति. णि० लृङ्-अचुक्रुशत्. स० लट्-चुक्रुक्षति. यङ्-लृट्-चोक्रुश्यते, चोक्रोशीति, चोक्रोधि.

घ्रा (सूचना) धातुके रूप.

लृट्-जिघ्राति. लृङ्-अजिघ्रत. लिट्-जघ्नौ. लुङ्-अघ्रात्, अघ्रासीत्.
 लृट्-घ्राता. लृट्-घ्रास्यति लोट्-जिघ्रतु. वि० लिङ्-जिघ्रेत्. आ० लिङ्-
 घ्रायात्, घ्रेयात् लृङ्-अघ्रास्यत्. क० लृट्-घ्रयते. णि० लृट्-घ्रापयति.
 णि० लृङ्-अजिघ्रपत्, अजिघ्रिपत्. स० लृट्-जिघ्रासति य० लृट्-जेघ्रीयते,
 जेघ्रोति, जेघ्रयीति.

चम् (खाना) धातुके रूप.

लृट्-चमाति. लृङ्-अचमत् लिट्-चचाम लुङ्-अचमीत् लृट्-चमिता.
 लृट्-चमिष्यति लोट् चमत् वि० लिङ् चमेत्. आ० लिङ्-चम्यात्.
 लृङ्-अचमिष्यत्. क० लृट्-चम्यते णि० लृट्-चामयति स० लृट्-
 आचमिषति य० लृट्-चञ्चाम्यते.

चर् (जाना) धातुके रूप.

लृट्-चराति. लृङ्-अचरत् लिट्-चचार. लृट्-अचारीत्. लृङ्-
 चरिता. लृट्-चरिष्यति लोट्-चरतु वि० लिङ्-चरेत् आ० लिङ्-
 चर्यात्. लृङ्-अचरिष्यत् क० लृट्-चर्यते णि० लृट्-चारयाति स०
 लृट्-चिचरिषति य० लृट्-चरूयते, चरूरीति, चरूति.

च्युत् (चूना) धातुके रूप.

लृट्-च्योतति लृङ्-अच्योत्त. लिट्-दुच्योत्. लृङ्-अच्युतत्, अच्यो-
 तीत्. लृट्-च्योतिता. लृट्-च्योतिष्यति लोट्-च्योततु वि० लिङ्-
 च्योतेत्. आ० लिङ्-च्युत्यात्. लृङ्-अच्योतिष्यत्. क० लृट्-च्युत्यते
 णि० लृट्-च्योतयति-ते. णि० लृङ्-अदुच्युतत्, अदुच्यतत् स० लृट्-
 चुच्युतिपति, दुच्योतिपति य० लृट्-चोच्युत्यते, चोच्युतीति, चोच्योत्ति.

जम् (जम्हाई लेना) धातुके रूप.

लृट्-जग्मते लृङ्-अजग्मत. लिट्-जजग्मे. लृङ्-अजग्मिष्ट. लृङ्-
 अजग्मिता. लृट्-जग्मिष्यते. लोट्-जग्मताम् वि० लिङ्-जग्मेन आ०
 लिङ्-जग्मिष्याष्ट. लृङ्-अजग्मिष्यत्. क० लृट्-जग्म्यते णि० लृट्-
 जग्मयति. स० लृट्-जिजग्मिषते. य० लृट्-जजग्म्यते, जजग्मीति, जजग्मिष.

जीव् (जीना) धातुके रूप.

लृट्-जीषति लृङ्-अजीषत्. लिट्-जिजीव. लृङ्-अजीषीत्. लृट्-

गाह् (जलमें धसना) धातुके रूप.

लट्-गाहते. लङ्-अगाहत. लिट्-जगाहे. लृट्-अगाह, अगाहिष्ट.
 लुट्-गाढा, गाहिता. लृट् घाक्ष्यते, गाहिष्यते लोट्-गाहताम्. वि०
 लिङ्-गाहेत. आ० लिङ्-घाक्षीष्ट, गाहिषीष्ट. लृङ्-अघाक्ष्यत, अगाहि
 प्यत. क० लट्-गाहते. णि० लट्-गाहयते. स० लट्-जगाहिष्यते. य०
 लट्-जागाहते

गुप् (रक्षण करना) धातुके रूप.

लट्-गोपायति. लङ्-अगोपायत. लिट्-गोपायाञ्चकार, जुगोप लृङ्-
 अगोपायीत, अगोपीत, अगोप्सीत. लृट्-गोपायिता, गोपिता, गोप्ता.
 लृट्-गोपायिष्यति, गोपिष्यति, गोप्स्यति. लोट्-गोपायतु. वि० लिङ्-
 गोपायेत् आ० लिङ्-गोपाय्यात् गोप्यात्. लृङ्-अगोपायिष्यत्, अगो
 पिष्यत्, अगोप्स्यत्. क० लट्-गुप्यते. णि० लट्-गोपाययति, गोपयति.
 णि० लृङ्-अजुगोपायत, अजुगुप्त स० लट्-जुगोपायिषति, जुरप्सति,
 जुगोपिषति. य० लट्-जोगुप्यते

गुप् (दोष लगाना) धातुके रूप.

लट्-जुगुप्सते लृङ्-अजुगुप्सत. लिट्-जुरप्साञ्चक्रे. लृट्-अजुगुप्सिष्ट.
 लुट्-जुगुप्सिता. लृट्-जुगुप्सिष्यते. लोट्-जुगुप्सताम्. वि० लिङ्-जुगु-
 प्येत. आ० लिङ्-जुगुप्सिषीष्ट लृङ्-अजुगुप्सिष्यत क० लट्-जुगुप्स्यते.
 स० लट्-जुगुप्सिषते.

गृह् (लेना) धातुके रूप.

लट्-गर्हते. लङ्-अगर्हत. लिट्-जगृहे. लृट्-अगर्हिष्ट, अघृक्षत लृट्-
 गर्हिता, गर्हा. लृट्-गर्हिष्यते, घृक्ष्यते. लोट्-गर्हताम्. वि० लिङ्-गर्हेत.
 आ० लिङ्-गर्हिषीष्ट. घृक्षीष्ट. लृङ्-अगर्हिष्यत, अघर्क्ष्यत क० लट्-
 गृह्यते णि० लट्-गर्हयति. स० लट्-जिगर्हिष्यते, जिघृक्षते य० लट्-
 जरीगृह्यते, जरीगर्हीति, जरीगर्हि.

घस् (खाना) धातुके रूप.

लट्-घसति लङ्-अघस्त. लिट्-जघास लृट्-घस्ता. लृट्-घत्स्यति.
 लोट्-घसतु वि० लिङ्-घसेत्. आ० लिङ्-घस्यात्. लृङ्-अघत्स्यत्.
 क० लट्-घस्यते क० लट्-घस्ता. क० लट्-घत्स्यते क० लृङ्-अघत्स्यत.

स्यज्यात्. लङ्-अत्यक्षत्. क० लट्-त्यज्यते. णि० लृट्-त्याजयति. स० लृट्-तित्यक्षति. य० लृट्-तात्यज्यते, तात्यजीति, तात्याक्ते.

दद् (देना) धातुके रूप.

लृट्-ददते. लङ्-अददत्. लिट्-दददे. लुङ्-अददिष्ट. लृट्-ददिता. लृट्-ददिष्यते. लोट्-ददताम्. वि० लिङ्-ददेत्. आ० लिङ्-ददिषीष्ट. लङ्-अददिष्यत्. क० लृट्-ददथे. णि० लृट्-दादयति-ते. स० लृट्-दिददिषते. य० लृट्-दादथते, दाददीति, दादत्ति.

दध् (धारण करना) धातुके रूप.

लृट्-दधते. लङ्-अदधत्. लिट्-दधे. लुङ्-अदधिष्ट. लृट्-दधिता. लृट्-दधिष्यते. लोट्-दधताम्. वि० लिङ्-दधेत्. आ० लिङ्-दधिषीष्ट. लङ्-अदधिष्यत्. क० लृट्-दध्यते. णि० लृट्-दाधयति-ते. स० लृट्-दिदधिषते, य० लृट्-दादध्यते, दादधीति, दादद्धि.

दश् (डसना) धातुके रूप.

लृट्-दशाति लङ्-अदशत् लिट्-ददश. लुङ्-अदाक्षीत्. लृट्-दंष्टा. लृट्-दक्षयति लोट्-दशत्. वि० लिङ्-दशेत्. आ० लिङ्-दशयात्. लङ्-अदक्षयत्. क० लृट्-दश्यते. णि० लृट्-दंशयति. स० लृट्-दिदक्षति. य० लृट्-ददश्यते. ददशीति, दंदिष्टि.

दह (जलाना) धातुके रूप.

लृट्-दहाति लङ्-अदहत्. लिट्-ददाह. लुङ्-अधाक्षीत्. लृट्-दग्धा. लृट्-दक्षयति. लोट्-दहत. वि० लिङ्-दहेत्. आ० लिङ्-दह्यात्. लङ्-अधक्षयत्. क० लृट्-दह्यते. णि० लृट्-दाहयति-ते. स० लृट्-दिधक्षति. य० लृट्-दादह्यते, दादहीति, दादग्धि.

दा (देना) धातुके रूप.

लृट्-यच्छाति. लङ्-अयच्छत्. लिट्-ददौ. लुङ्-अदात्. लृट्-दाता. लृट्-दास्याति. लोट्-यच्छत्. वि० लिङ्-यच्छेत्. आ० लिङ्-देयात्. लङ्-अदास्यत्. क० लृट्-दीयते. णि० लृट्-दापयति. स० लृट्-दिदत्सति. य० लृट्-देदीयते, दादाति, दादेति.

दु (भागना) धातुके रूप.

लृट्-दधाति. लङ्-अदधत्. लिट्-दुदाव. लुङ्-अदावीत्, अदीषीत्.

जीविता. लृट्-जीविष्यति. लोट्-जीवतु. वि० लिङ्-जीवेत्. आ० लिङ्-जीव्यात्. लृङ्-अजीविष्यत्. क० लृट्-जीव्यते. णि० लृट्-जीवपति. णि० लृङ्-अजिजीवत्, अजीजिवत्. स० लृट्-जिजीविपति. य० लृट्-जेजीव्यते.

ज्वर् (ज्वर आना) धातुके रूप.

लृट्-ज्वरति. लृङ्-अज्वरत्. लिट्-जज्वार. लुङ्-अज्वारीत् लृङ्-ज्वरिता. लृट्-ज्वरिष्यति. लोट्-ज्वरतु. वि० लिङ्-ज्वरेत्. आ० लिङ्-ज्वर्यात् लृङ्-अज्वरिष्यत्. क० लृट्-ज्वर्यते. णि० लृट्-ज्वरयति णि० लृङ्-अजिज्वरत् स० लृट्-जिज्वरिपति. य० लृट्-जाज्वर्यते, जाज्वरीति, जाज्वरिन्ति.

दौक् (जाना) धातुके रूप.

लृट्-दौकते. लृङ्-अदौकत्. लिट्-हुदौके. लुङ्-अदौकिष्ट. लृङ्-दौकिता. लृट्-दौकिष्यते. लोट्-दौकताम्. वि० लिङ्-दौकेत्. आ० लिङ्-दौकिषीष्ट. लृङ्-अदौकिष्यत्. क० लृट्-दौक्यते णि० लृट्-दौकयति. स० लृट्-हुदौकिपते. य० लृट्-दोदौक्यते.

तिज् (क्षमा करना) धातुके रूप.

लृट्-तितिक्षते. लृङ्-अतितिक्षत्. लिट्-तितिक्षाञ्चक्रे. लुङ्-अतिति क्षिष्ट. लृट्-तितिक्षिता. लृट्-तितिक्षिष्यते. लोट्-तितिक्षताम्. वि० लिङ्-तितिक्षेत. आ० लिङ्-तितिक्षिषीष्ट. लृङ्-अतितिक्षिष्यत्.

तृ (तैरना) धातुके रूप.

लृट्-तरति-ते. लृङ्-अतरत्, अतरत्. लिट्-ततार, तेरे लुङ्-अतारीत्. अतीर्षत्, अतरिष्ट, अतरीष्ट. लृङ्-तरिता, तरीता. लृट्-तरिष्यति-ते. तरीष्यति-ते. लोट्-तरतु, तरताम् वि० लिङ्-तरेत्, तरेत् आ० लिङ्-तीर्यात्, तरिषीष्ट, तरीषीष्ट, तीर्षीष्ट. लृङ्-अतरिष्यत्-त्, अतरीष्यत्-त्. क० लृट्-तीर्यते. णि० लृट्-तारयति. स० लृट्-तितरिपति, तितरीपति, तितरीपति. य० लृट्-तेत्रीयते, तातरीति, तातरीन्ति.

त्यज् (छोडना) धातुके रूप.

लृट्-त्यजति. लृङ्-अत्यजत्. लिट्-तत्याज लुङ्-अत्याक्षीत्. लृङ्-रपक्ता. लृट्-रपक्षति. लोट्-त्यजतु. वि० लिङ्-त्यजेत्. आ० लिङ्-

धोर्यात्, लृङ्-अधोरिष्यत्, क० लृङ्-धोर्यते, णि० लृङ्-धोरयति, णि० लृङ्-अधोरत्, स० लृङ्-दुधोरिनाति, य० लृङ्-दोधोर्यते, दोधोतीति, दोधोति, दोधोति.

ध्मा (धूंकना) धातुके रूप.

लृङ्-धमाति, लृङ्-अधमत, लिङ्-दध्माँ, लृङ्-अध्मासीत्, लृङ्-ध्मात्, लृङ्-ध्मास्यति, लौङ्-धमतु, वि० लिङ्-धमेत्, आ० लिङ्-धमेयात्, ध्मायात्, लृङ्-अध्मास्यत्, क० लृङ्-ध्मायते, णि० लृङ्-ध्मापयति, स० लृङ्-दिध्मासते, य० लृङ्-देध्मीयते, दाध्मोते, दाध्माति.

नम् (नमस्कार करना) धातुके रूप.

लृङ्-नमाति, लृङ्-अनमत, लिङ्-ननाम, लृङ्-अनंसीत्, लृङ्-नन्त, लृङ्-नंस्याते, लौङ्-नमतु, वि० लिङ्-नमेत्, आ० लिङ्-नम्यात्, लृङ्-अनंस्यत्, क० लृङ्-नम्यते, णि० लृङ्-नमयति, नामयति, स० लृङ्-निनंसति, य० लृङ्-नंनम्यते, ननमाति, नंनन्ति.

निन्द (निंदा करना) धातुके रूप.

लृङ्-निन्दति, लृङ्-अनिन्दत्, लिङ्-निनिन्द, लृङ्-अनिन्दीत्, लृङ्-निन्दिता, लृङ्-निन्दिष्यति, लौङ्-निन्दतु, वि० लिङ्-निन्देत्, आ० लिङ्-निन्ध्यात्, लृङ्-अनिन्दिष्यत्, क० लृङ्-निन्द्यते, णि० लृङ्-निन्दयति, स० लृङ्-निन्दिते, य० लृङ्-निन्दिते, नः लृङ्-निन्दिते.

नी (ले जाना) धातुके रूप.

लृङ्-नयति-ते, लृङ्-अनयत्, अनया, लिङ्-निनाय, लृङ्-अनेयीत्, अनैष्ट, लृङ्-नेता, लृङ्-नेष्यति-ते, लौङ्-नयतु, नयताम्, वि० लिङ्-नयेत्, नयताम्, आ० लिङ्-नीयात्, नेयीष्ट; लृङ्-अनेष्यत्-त, क० लृङ्-नीयते, णि० लृङ्-नाययति-ते, स० लृङ्-निनीपाति-ते, य० लृङ्-नेनीयते, नेनयीति, नेनेति.

पच् (पकाना) धातुके रूप.

लृङ्-पचति-ते, लृङ्-अपचत्-त, लिङ्-पपाच, पेचे, लृङ्-अपाक्षीत्, अपक्त, लृङ्-पक्ता, लृङ्-पक्ष्यति-ते, लौङ्-पचतु-ताम्, वि० लिङ्-पचेत्-त, आ० लिङ्-पच्यात्, पक्षाष्ट, लृङ्-अपक्ष्यत्-त, क० लृङ्-

लुट्-दोता. लृट्-दोप्याति. लोट्-दवतु. वि० लिङ्-दवेत्. आ० लिङ्-दूयात्. लृङ्-अदोप्यत्. क० लृट्-दूयते. णि० लृङ्-दावयाति. स० लृट्-दुदूयाते. य० लृट्-दोदूयते, दोदवोति, दोदोते.

दृश् (देखना) धातुके रूप.

लृट्-पश्यति. लृङ्-अपश्यत्. लिङ्-ददर्श. लृङ्-अदर्शत्. अर्शो-क्षति लृट्-द्रष्टा. लृङ्-द्रक्ष्याति. लोट्-पश्यत्. वि० लिङ्-पश्येत्. आ० लिङ्-दृश्यात्. लृङ्-अद्रक्ष्यत्. क० लृट्-दृश्यते. णि० लृट्-दृशयाते. णि० लृङ्-अदीदृशत्, अददर्शत्. स० लृट्-दिदृक्षते. य० लृट्-द्रीदृक्ष्यते, दरिदृशाति, दर्दाष्टे.

द्युत् (चमकना) धातुके रूप.

लृट्-द्योतते. लृङ्-अद्योतत्. लिङ्-दिद्युते, लृङ्-अद्युत्, अद्यो-त्तिष्ट लृट्-द्योतिता. लृङ्-द्योतिष्यते. लोट्-द्योतताम्. वि० लिङ्-द्योतेत्. आ० लिङ्-द्योतिषीष्ट. लृङ्-अद्योतिषत्. क० लृट्-द्युत्यते. णि० लृट्-द्योतयति. स० लृट्-दिद्युतिषते, दिद्योतिषते. य० लृट्-देद्युत्यते, देद्य-त्तीति, देद्योत्ति.

दृ (भागना) धातुके रूप.

लृट्-द्रवति. लृङ्-अद्रवत्. लिङ्-दद्राव. लृङ्-अदुद्रवत्. लृट्-द्रोत्त. लृङ्-द्रोप्याति. लोट्-द्रवत्. वि० लिङ्-द्रवत्. आ० लिङ्-द्रूयात्. लृङ्-अद्राप्यत्. क० लृट्-द्रूयते. णि० लृट्-द्रावयाति. णि० लृङ्-अदुद्रवत्, अदुद्रवत्. स० लृट्-दुदूयाति. य० लृट्-दोदूयते, दोदवोति, दोदोति.

धा (पीना) धातुके रूप.

लृट्-धयाति. लृङ्-अधयत्. लिङ्-दधी. लृङ्-अधवत्, अयात्, अया-सीत्. लृट्-धाता. लृङ्-धास्याति. लोट्-धयत्. वि० लिङ्-धयेत्. आ० लिङ्-धेयात्. लृङ्-अधास्यत्. क० लृट्-धीयते. णि० लृट्-धाव-यति-ते. णि० लृङ्-अदीधपत्-त्. स० लृट्-धित्ति. य० लृट्-देधीयते, दाधेति, दाधाति.

धोर (दौडना) धातुके रूप.

लृट्-धोरति. लृङ्-अधोरत्. लिङ्-दुधोर. लृङ्-अधोरीत्. लृट्-धो-रिता. लृङ्-धोरिष्याति. लोट्-धोरत्. वि० लिङ्-धोरेत्. आ० लिङ्-

बीमत्सेत. आ० लिङ्-बीभत्सिपीष्ट. लृङ्-अबीभरिस्तप्यत्. क० लृट्-बीमत्स्यते. णि० लृट्-बीमत्स्यते.

बुध् (जानना) धातुके रूप.

लृट्-बोधति-ते. लृङ्-अबोधत्-त्. लिट्-बुबोध, बुबुधे. लृङ्-(बुध् धातुका) अबोधीत्. (बुधिर् धातुका) अबोधीत्, अबुधत्, अबोधि, अबोधिष्ट. लृट्-बोधिता. लृङ्-बोधिष्यति-ते. लोट्-बोधतु. बोधताम्. वि० लिङ्-बोधेत्-त्. आ० लिङ्-बुध्यात्, बोधिष्ट. लृङ्-अबोधिष्यत्-त्. क० लृट्-बुध्यते. णि० लृट्-बोधयति. (बुधिर् धातुका) बोधयति-ते. स० लृट्-बुमुत्सति. य० लृट्-बोबुध्यते, बोबुधीति, बोबोद्धि.

भृ (मरना) धातुके रूप.

लृट्-भरति-ते. लृङ्-अभरत्-त्. लिट्-बभार, बभ्र. लृङ्-अमार्षीत्, अभृत्. लृट्-भर्ता. लृङ्-भरिष्यति-ते. लोट्-भरतु-ताम्. वि० लिङ्-भरेत्-त् आ० लिङ्-भ्रियात्, भृषीष्ट. लृङ्-अभरिष्यत्-त्. क० लृट्-भ्रियते. णि० लृट्-भारयति. णि० लृङ्-अबीभरत्. स० लृट्-बिभरिषति-ते, बुभर्षति-ते. य० लृट्-बेभ्रीयते, बर्भत्ति, बरिभर्ति, बरीभर्ति.

भ्रम (घूमना) धातुके रूप.

लृट्-भ्रमति, भ्रम्यति. लृङ्-अभ्रमत्, अभ्रम्यत्. लिट्-बभ्राम. लृङ्-अभ्रमीत्. लृट्-भ्रमिता. लृङ्-भ्रमिष्यति लोट्-भ्रमतु, भ्रम्यतु. वि० लिङ्-भ्रमेत्, भ्रम्येत्. आ० लिङ्-भ्रम्यात्. लृङ्-अभ्रमिष्यत्. क० लृट्-भ्रम्यते. णि० लृट्-भ्रमयति णि० लृङ्-अभिभ्रमत्. स० लृट्-बिभ्रमिषति. य० लृट्-बंभ्रम्यते, बंभ्रमीति, यभ्रन्ति.

मन्य् (मथना) धातुके रूप.

लृट्-मन्यति. लृङ्-अमन्यत् लिट्-ममन्य. लृङ्-अमन्यीत्. लृट्-मन्यिता. लृङ्-मन्यिष्यति. लोट्-मन्यतु. वि० लिङ्-मन्येत्. आ० लिङ्-मन्यात् लृङ्-अमन्यिष्यत्. क० लृट्-मन्यते. णि० लृट्-मन्ययति-ते. स० लृट्-मिमन्यति. य० लृट्-मामन्यते, मामन्यीति, मामन्यि.

मध्य् (बांधना) धातुके रूप.

लृट्-मध्यति. लृङ्-अमध्यत्. लिट्-ममध्य. लृङ्-अमध्यीत्. लृट्-मध्यिता. लृङ्-मध्यिष्यति लोट्-मध्यतु. वि० लिङ्-मध्येत् आ० लिङ्-

पच्यते. णि० लृट्-पाचयति-ते. णि० लृङ्-अपीपचत्. स० लृट्-पिपक्षति-
ते य० लृट्-पापच्यते, पापचीति, पापक्ति.

पत् (गिरना) धातुके रूप.

लृट्-पताति. लृङ्-अपतत्. लिट्-पपात. लृङ्-अपतत्. लृट्-पतिता.
लृट्-पतिष्यति. लोट्-पततु. वि० लिङ्-पतेत्. आ० लिङ्-पत्यात्. लृङ्-
अपतिष्यत्. क० लृट्-पत्यते. णि० लृट्-पातयति. स० लृट्-पिपतिषति.
पित्साति. य० लृट्-पनीपत्यते, पनीपतीति, पनीपत्ति.

पा (पीना) धातुके रूप.

लृट्-पिवाति. लृङ्-अपिबत्. लिट्-पपौ. लृङ्-अपात्. लृट्-पाता. लृट्-
पास्याति. लोट्-पिबतु. वि० लिङ्-पिबेत्. आ० लिङ्-पैयात्. लृङ्-
अपास्यत्. क० लृट्-पीयते. णि० लृट्-पाययति-ते. स० लृट्-पिपासति.
य० लृट्-पेपीयते, पापेति, पापति.

प्याय् (वडना) धातुके रूप.

लृट्-प्यायते. लृङ्-अप्यायत्. लिट्-पिप्ये. लृङ्-अप्यायि, अप्यायिष्ट.
लृट्-प्यायिता. लृट्-प्यायिष्यते. लोट्-प्यायताम्. वि० लिङ्-प्यायेत्.
आ० लिङ्-प्यायिषीष्ट. लृङ्-अप्यायिष्यत्. क० लृट्-प्याय्यते. णि०
लृट्-प्यायते.

फण् (पहुँचना) धातुके रूप.

लृट्-फणति. लृङ्-अफणत्. लिट्-पफाण. लृङ्-अफणीत्, अफणीत्.
लृट्-फणिता. लृट्-फणिष्यति. लोट्-फणतु. वि० लिङ्-फणेत्. आ०
लिङ्-फण्यात्. लृङ्-अफणिष्यत्. क० लृट्-फण्यते, णि० लृट्-फण्य-
ति. स० लृट्-पिफणिपति. य० लृट्-पंफण्यते, पफणीति, पंफण्टि.

फल् (फलना) धातुके रूप.

लृट्-फलति. लृङ्-अफलत्. लिट्-पफाल. लृङ्-अफालीत्. लृट्-
फलिता. लृट्-फलिष्यति. लोट्-फलतु. वि० लिङ्-फलेत्. आ० लिङ्-
फल्यात्. लृङ्-अफलिष्यत्. क० लृट्-फलयते. णि० लृट्-फालयति. स०
लृट्-पिफलिपति. य० लृट्-पंफुल्पते, पफुलीति, पफुल्लि.

बंध् (निंदा करना) धातुके रूप.

लृट्-बीभत्सते. लृङ्-अबीभत्सत्. लिट्-बीभत्साश्चक्रे. लृङ्-अबीभ-
त्सिष्ट. लृट्-बीभत्सिता. लृट्-बीभत्सिष्यते. लोट्-बीभत्सता. वि० लिङ्-

यम् (नियमन करना) धातुके रूप.

लृट्-यच्छति. लृङ्-अयच्छत्. लिट्-ययाम. लुङ्-अयसीत्. लृट्-यन्ता. लृट्-यंस्यति. लोट्-यच्छतु वि० लिङ्-यच्छेत्. आ० लिङ्-यम्यात्. लृङ्-अयस्यत्. क० लृट्-यम्यते णि० लृट्-यामयति, यमयति. स० लृट्-यियंसति. य० लृट्-यंयम्यते, यंयमीति, यंयन्ति.

रञ्ज् (रंगाना) धातुके रूप.

लृट्-रजति-ते लृङ्-अरजत्-त्. लिट्-रराज, ररञ्जे. लुङ्-अरोह-क्षीत्, अरङ्क्त. लुङ्-रङ्क्ता. लृट्-रङ्क्ष्यति-ते लोट्-रजतु-ताम्. वि० लिङ्-रजेत्-त् आ० लिङ्-रज्यात्, रङ्क्षीष्ट. लृङ्-अरङ्क्ष्यत्-त्. क० लृट्-रज्यते. णि० लृट्-रञ्जयति, रजयति. स० लृट्-रिरञ्जिपाति-ते. य० लृट्-रारज्यते, रारजीति.

रम् (आरंभ करना) धातुके रूप.

लृट्-आरभते. लृङ्-आरभत्. लिट्-आरेभे. लुङ्-आरब्ध. लृट्-आरब्धा. लृट्-आरप्स्यते. लोट्-आरभताम्. वि० लिङ्-आरभेत. आ० लिङ्-आरप्सीष्ट. लृङ्-आरप्स्यत्. क० लृट्-आरभ्यते. णि० लृट्-आरम्भयति णि० लुङ्-आरम्भत्. स० लृट्-आरिप्सते. य० लृट्-आरारभ्यने आरारभ्मीति, आरारब्धि.

रम् (क्रीडा करना) धातुके रूप.

लृट्-रमते. लृङ्-अरमत्. लिट्-रेमे. लुङ्-अरस्त. लृट्-रन्ता. लृट्-रंस्यते. लोट्-रमताम्. वि० लिङ्-रमेत्. आ० लिङ्-रंसीष्ट. लृङ्-अरस्यत्. क० लृट्-रम्यते णि० लृट्-रमयति. णि० लुङ्-अरीरमत्. स० लृट्-रिरंसते. य० लृट्-रंरम्यते, ररमीति, रंरन्ति.

रुद् (वढना) धातुके रूप.

लृट्-रोहति. लृङ्-अरोहत्. लिट्-र्रोह. लुङ्-अरुक्षत्. लृट्-रोदा. लृट्-रोक्ष्यति. लोट्-रोहतु. वि० लिङ्-रोहेत्. आ० लिङ्-रुष्यात्. लृङ्-अरोक्ष्यत्, क० लृट्-रुक्ष्यते. णि० लृट्-रोहयति, रोपयति. णि० लुङ्-अरुक्षत्, अरुक्ष्यत्. स० लृट्-रुक्षति. य० लृट्-रोरुक्ष्यते, रोरुक्षीति, रोरोदि.

लम् (पाना) धातुके रूप.

लृट्-लभते. लृङ्-अलभत्. लिट्-लेभे. लुङ्-अलब्ध. लृट्-लब्धा. लृट्-

मव्यात्, मव्यात्. लृङ्-अमव्यिष्यत्. क० लृङ्-मव्यते, मव्यते. णि० लृङ्-मव्ययति. स० लृङ्-मामव्यिष्यति. य० लृङ्-मामव्यते, मामव्यीति, मामाति.

मान् (विचार करना) धातुके रूप.

लृङ्-मीमांसते लृङ्-अमीमांसत. लिट्-मीमांसाश्चक्रे. लुङ्-अमीमांसिष्ट. लुङ्-मीमांसिता. लृङ्-मीमांसिष्यते. लोट्-मीमांसताम्. वि० लिङ्-मीमांसते. आ० लिङ्-मीमांसिषीष्ट. लृङ्-अमीमांसिष्यत्. क० लृङ्-मीमांस्यते. णि० लृङ्-मीमांसयते

मे (मुवादला करना) धातुके रूप.

लृङ्-मयते. लृङ्-अमयत्. लिट्-ममे. लुङ्-अमास्त लृङ्-माता. लृङ्-मास्यते. लोट्-मयताम्. वि० लिङ्-मयेत्. आ० लिङ्-मासीष्ट लृङ्-अमास्यत् क० लृङ्-मीयते णि० लृङ्-मापयते. स० लृङ्-मित्सते. य० लृङ्-मेमीयते, मेमयीति, मामीति, मामाति.

मन् (मनन करना) धातुके रूप.

लृङ्-मनति. लृङ्-अमनत् लिट्-ममौ. लुङ्-अमनासीत् लृङ्-मनाता. लृङ्-मनास्याति. लोट्-मनतु वि० लिङ्-मनेत् आ० लिङ्-मनायात्, म्नेयात्. लृङ्-अमनास्यत्. क० लृङ्-मनायते णि० लृङ्-मनापयति. णि० लृङ्-अभिमनपत्. स० लृङ्-मिमनासति. य० लृङ्-मामनायते, मामनाति, माम्नेति.

यञ् (पूजना) धातुके रूप.

लृङ्-यजति-ते. लृङ्-अयजत्-त् लिट्-इयाज, ईजे. लुङ्-अयाक्षीत्, अयष्ट. लुङ्-यष्टा. लृङ्-यक्ष्यति-ते लोट्-यजतु-ताम्. वि० लिङ्-यजेत्-त्. आ० लिङ्-इज्यात्, यक्षीष्ट. लृङ्-अयक्ष्यत्-त्. क० लृङ्-इज्यते क० लृङ्-ऐज्यत्. णि० लृङ्-याजयति-ते. णि० लृङ्-अपीयजत्. स० लृङ्-पियक्षति-ते. य० लृङ्-यायज्यते, यायाष्ट.

यत् (यत्न करना) धातुके रूप.

लृङ्-यतते. लृङ्-अयतत् लिट्-येते. लुङ्-अयतिष्ट लृङ्-यतिता. लृङ्-यतिष्यते. लोट्-यतताम्. वि० लिङ्-यतेत्. आ० लिङ्-यतिषीष्ट लृङ्-अयतिष्यत्. क० लृङ्-यत्यते णि० लृङ्-यातयति-ते. णि० लृङ्-अपीयत्. स० लृङ्-पियतिपते. य० लृङ्-यायत्यते, यायतीति, यायात्त.

लुङ्-अवाहि. णि० लृट्-वाहयति-ते. स० लृट्-विक्षति-ते. य० लृट्-वावहते, वावोदि.

वृक् (लेना) धातुके रूप.

लृट्-वर्कते. लृङ्-अवर्कत. लिट्-वृक्के. लुङ्-अवर्किए. लृट्-वर्कता. लृट्-वर्कप्यते. लोट्-वर्कताम्. वि० लिङ्-वर्कत. आ० लिङ्-वर्कपीष्ट. लृङ्-अवर्कप्यत. क० लृट्-वृक्यते. णि० लृट्-वर्कयति. णि० लृङ्-अवर्कत, अर्षीवृकत. स० लृट्-वर्कपते. य० लृट्-वरीवृक्यते, वरिवर्कित, वरीवर्कित, वर्वीकति, वरिवृकीति, वरीवृकीति.

वृत् (होना) धातुके रूप.

लृट्-वर्त्तते. लृङ्-अवर्त्तत. लिट्-वृत्ते. लृङ्-अवृत्तत, अवर्त्तिए. लृट्-वर्त्तता. लृट्-वर्त्तप्यते, वत्स्यति. लोट्-वर्त्तताम्. वि० लिङ्-वर्त्तत. आ० लिङ्-वर्त्तपीष्ट. लृङ्-अवर्त्तप्यत, अवत्स्यत. क० लृट्-वृत्त्यते. णि० लृट्-वर्त्तयति. स० लृट्-विवर्त्तपते, विवृत्सति. य० लृट्-वरीवृत्त्यते, वरिवृतीति, वरिवर्त्त, वरीवृतीति आदि.

वे (बुनना) धातुके रूप.

लृट्-वयति-ते. लृङ्-अवयत-त. लिट्-उवाय, ववौ, उये. लृङ्-अवासीत्, अवास्त. लृट्-धाता. लृट्-वास्याति-ते. लोट्-वयतु-ताम्. वि० लिङ्-वयेत्-त. आ० लिङ्-उयात्, वासीष्ट. लृङ्-अवास्यत-त. क० लृट्-उयते, णि० लृट्-वाययति-ते. स० लृट्-विनासति-ते. य० लृट्-वावायते, वावाति, वावेति.

व्ये (ढँकना) धातुके रूप.

लृट्-व्ययाति-ते. लृङ्-अव्ययत-त. लिट्-विव्याय, विव्ये. लृङ्-अव्यासीत्, अव्यास्त. लृट्-व्याता. लृट्-व्यास्याति-ते. लोट्-व्ययतु-ताम्. वि० लिङ्-व्ययेत्-त. आ० लिङ्-वीयात्, व्यासीष्ट. लृङ्-अव्यास्यत-त. क० लृट्-वीयते. णि० लृट्-व्याययति. स० लृट्-विव्यासति-ते. य० लृट्-वेयीयते, वेयीति, वेवेत्ति.

शद् (जाना) धातुके रूप.

लृट्-शीयते. लृङ्-अशीयत. लिट्-शशाद्. लृङ्-अशदत्. लृट्-शता. लृट्-शात्स्यति. लोट्-शीयताम्. वि० लिङ्-शीयेत. आ० लिङ्-शयात्.

लप्स्यते. लोट्-लभताम्. वि० लिङ्-लभेय. आ० लिङ्-लप्सीष्ट. लृट्-
अलप्स्यत क० लृट्-लभ्यते. णि० लृट्-लभयति. स० लृट्-लिप्सते. य०
लृट्-लालभ्यते, लालभीति, लालम्भीति.

लोट् (देखना) धातुके रूप.

लृट्-लोचते. लृङ्-अलोचत. लिट्-लुलोचे. लृङ्-अलोचिष्ट. लृट्-
लोचिता. लृट्-लोचिष्यते. लोट्-लोचताम्. वि० लिङ्-लोचेत आ०
लिङ्-लोचिषीष्ट. लृङ्-अलोचिष्यत. क० लृट्-लोच्यते. णि० लृट्-लोच
यति. स० लृट्-लुलोचिषते. य० लृट्-लोलोच्यते, लोलोचीति, लोलोक्ति.

वद् (बोलना) धातुके रूप.

लृट्-वदति. लृङ्-अवदत्. लिट्-उवाद. लृङ्-अवादीत्. लृट्-वादिता.
लृट्-वादिष्यति. लोट्-वदतु. वि० लिङ्-वदेत्. आ० लिङ्-उद्यात्. लृङ्-
अवादिष्यत्. क० लृट्-उद्यते. णि० लृट्-वादयति. णि० लृङ्-अववदत्.
स० लृट्-विवदिषति. य० लृट्-वावद्यते, वावदाति, वावत्ति.

वप् (बौना) धातुके रूप.

लृट्-वपाति-ते. लृङ्-अवपत्-त० लिट्-उवाप, ऊपे. लृङ्-अवाप्सीत्.
अवप्त. लृट्-वप्ता. लृट्-वप्स्यति-ते. लोट्-वपतु-ताम्. वि. लिङ्-वपेत्-त्.
आ० लिङ्-वप्यात्, वप्सीष्ट. लृङ्-अवप्स्यत्-त. क० लृट्-उप्यते. णि०
लृट्-वापयति-ते. स० लृट्-विवप्सति-ते. य० लृट्-वावप्यते, वावपीति,
वावप्ति.

वस् (रहना) धातुके रूप.

लृट्-वसति. लृङ्-अवसत्. लिट्-उवास. लृङ्-अवासीत्. लृट्-वस्ता
लृट्-वत्स्यति. लोट्-वसतु. वि० लिङ्-वसेत्. आ० लिङ्-उप्यात्. लृङ्-
अवत्स्यत्. क० लृट्-उप्यते. णि० लृट्-वासयति-ते. स० लृट्-विवसति
य० लृट्-वावस्यते, वावसीति, वावस्ति.

वह् (वहना) धातुके रूप.

लृट्-वहाति-ते. लृङ्-अवहत्-त्. लिट्-उवाह, ऊहे. लृङ्-अवाहीत्,
अषाढ. लोट्-वहतु-ताम्. वि० लिङ्-वहेत्-त्. आ० लिङ्-वप्यात्,
वशीष्ट. लृङ्-अवश्यत्-त. क० लृट्-उहते. क० लृट्-औहत्. क०

लृङ्-अवाहि । णि० लृट्-वाहयति-ते । स० लृट्-विक्षाति-ते । य० लृट्-वावहते, वावोडि ।

वृक् (लेना) धातुके रूप.

लृट्-वर्कते । लृङ्-अवर्कत । लिट्-वृक्ते । लृङ्-अवर्कित् । लृट्-वर्कता । लृट्-वर्कप्यते । लोट्-वर्कताम् । वि० लिङ्-वर्कत । आ० लिङ्-वर्कपीष्ट । लृङ्-अवर्कप्यत । क० लृट्-वृक्वते । णि० लृट्-वर्कयति । णि० लृङ्-अवर्कत, अर्षीवृक्त् । स० लृट्-वर्कपते । य० लृट्-वरीवृक्वते, वरिवर्कित्, वरीवर्कित्, वर्कित्, वर्कित्, वर्कित् । वरिवृक्तीति, वरिवृक्तीति, वरीवृक्तीति ।

वृत् (होना) धातुके रूप.

लृट्-वर्त्तते । लृङ्-अवर्त्तत । लिट्-वृत्ते । लृङ्-अवृत्तत्, अवर्त्तित् । लृट्-वर्त्तता । लृट्-वर्त्तप्यते, वर्त्स्यति । लोट्-वर्त्तताम् । वि० लिङ्-वर्त्तत । आ० लिङ्-वर्त्तपीष्ट । लृङ्-अवर्त्तप्यत, अवर्त्स्यत् । क० लृट्-वृत्त्यते । णि० लृट्-वर्त्तयति । स० लृट्-विवर्त्तपते, विवृत्सति । य० लृट्-वरीवृत्त्यते, वरिवृत्तीति, वरिवर्त्तित्, वरीवृत्तीति आदि ।

वे (चुनना) धातुके रूप.

लृट्-वयति-ते । लृङ्-अवयत्-त् । लिट्-उवाय, ववौ, उये । लृङ्-अवासीत्, अवास्त । लृट्-वाता । लृट्-वास्याति-ते । लोट्-वयतु-ताम् । वि० लिङ्-वयेत्-त् । आ० लिङ्-उवात्, वासीष्ट । लृङ्-अवास्यत्-त् । क० लृट्-उयते, णि० लृट्-वाययति-ते । स० लृट्-विवासाति-ते । य० लृट्-वावायते, वावाति, वावेति ।

व्ये (ढँकना) धातुके रूप.

लृट्-व्ययति-ते । लृङ्-अव्ययत्-त् । लिट्-विव्याय, विव्ये । लृङ्-अव्यासीत्, अव्यास्त । लृट्-व्याता । लृट्-व्यास्याति-ते । लोट्-व्ययतु-ताम् । वि० लिङ्-व्ययेत्-त् । आ० लिङ्-धीयात्, व्यासीष्ट । लृङ्-अव्यास्यत्-त् । क० लृट्-धीयते । णि० लृट्-व्याययति । स० लृट्-विव्यासति-ते । य० लृट्-वेधीयते, वेधीयति, वेवेति ।

शङ् (जाना) धातुके रूप.

लृट्-शीयते । लृङ्-अशीयत । लिट्-शशाद् । लृङ्-अशशत् । लृट्-शत्ता । लृङ्-शास्यति । लोट्-शीयताम् । वि० लिट्-शीयत । आ० लिङ्-शशाद् ।

श्रूयात्. ळङ्-अश्रोप्यत्. णि० लृट्-श्रावयति. णि० लृङ्-अशुश्रवत्, अशिश्रवत्. स० लृट्-शुश्रूयते. य० लृट्-शोश्रूयते, शोश्रवीति, शोश्रोति

श्चि (वढना) धातुके रूप.

लृट्-श्वयाति. लृङ्-अश्वयत्. लिट्-शिश्वाय, शुशाव. लृङ्-अश्वयीत्, अशिश्वयत्, अश्वत्. लृट्-श्वयिता. लृट्-श्वयिष्यति लोट्-श्वयतु वि० लिङ्-श्वयेत्. आ० लिङ्-श्रूयात् लृङ्-अश्वयिष्यत्. क० लृट्-श्रूयंत णि० लृट्-श्वाययति. णि० लृङ्-अशिश्वत्, अशुशवत्. स० लृट्-शिश्वयिषति. य० लृट्-शेश्वीयते, शोश्रयते, शेश्वयीति, शेश्वेति.

सञ् (गले लगाना) धातुके रूप.

लृट्-सजाति. लृङ्-असजत्. लिट्-ससज्ज. लृङ्-असंक्षीत्. लृट्-सक्ता. लृट्-संक्षयति. लोट्-सजतु. वि० लिङ्-सजेत्. आ० लिङ्-सज्यात्. लृङ्-असंक्षयत्. क० लृट्-सज्यते. णि० लृट्-सज्जयति. स० लृट्-सिसजति. य० लृट्-सासिज्यते, सासज्जीति, सासक्ति.

सट् (गिर पढना) धातुके रूप.

लृट्-सीदति. लृङ्-असीदत्. लिट्-ससाद्. लृङ्-असदत्. लृट्-सत्ता. लृट्-सत्स्यति. लोट्-सीदतु. वि० लिङ्-सीदेत्. आ० लिङ्-सद्यात्. लृङ्-असत्स्यत्. क० लृट्-सद्यते. णि० लृट्-सादयति. णि० लृङ्-असीपदत्. स० लृट्-सिपत्सति. य० लृट्-सासद्यते, सासदीति, सासक्ति.

सस्त् (जाना) धातुके रूप.

लृट्-सज्जाति-ते. लृङ्-असज्जत्-त. लिट्-ससज्ज, ससज्जे. लृङ्-अस-ज्जीत्, असज्जिष्ट. लृट्-सज्जिता. लृट्-सज्जिष्यति-ते. लोट्-सज्जतु-ताम्. वि० लिङ्-सजेत्-त. आ० लिङ्-सज्जात्, सज्जिषीष्ट. लृङ्-असज्जिष्यत्-त. क० लृट्-सज्ज्यते. णि० लृट्-सज्जयति-ते. स० लृट्-सिसज्जिषति-ते य० लृट्-सासज्ज्यते, सासज्जीति, सासक्ति.

सह् (सहना) धातुके रूप.

लृट्-सहते. लृङ्-असहत. लिट्-सेहे. लृङ्-असहिष्ट लृट्-सहिता, सांडा. लृट्-साहिष्यते. लोट्-सहताम्. वि० लिङ्-सहेत्. आ० लिङ्-स-हिषीष्ट. लृङ्-असाहिष्यत्. क० लृट्-सहते. णि० लृट्-सहयति. णि० लृङ्-असीपहत्. स० लृट्-सिसहिषते. य० लृट्-सासहते, सासहीति, सासोदि.

त्-त क० लृ-स्मर्यते. णि० लृ-स्मारयति-ते. स० लृ-सुस्मर्षते.
य० लृ-सास्मर्यते, सास्मरीति, सास्मर्त्ति.

ह (हरण करना) धातुके रूप.

लृ-हरति-ते. लृ-अहरत्-त. लिङ्-जहार, जह्वे, लृङ्-अहर्षीत्,
अहत. लृङ्-हर्ता. लृङ्-हरिष्यति-ते. लोट्-हरतु-ताम्. वि० लिङ्-हरेत्-
त. आ० लिङ्-ह्रियात्. हर्षीष्ट. लृङ्-अहरिष्यत्-त. क० लृ-ह्रियते.
णि० लृ-हारयति-ते. स० लृ-जिहर्षीति-ते. य० लृ-जेह्रियते, जर्ह-
रीति, जरिहरीति, जरीहरीति, जरिहर्त्ति, जरीहर्ति.

ह्लाद्. (आनंद करना) धातुके रूप.

लृ-ह्लादते. लृङ्-अह्लादत. लिङ्-जह्लादे. लृङ्-अह्लादिष्ट. लृङ्-
ह्लादिता. लृङ्-ह्लादिष्यते. लोट्-ह्लादताम्. वि० लिङ्-ह्लादेत्. आ०
लिङ्-ह्लादिषीष्ट. लृङ्-अह्लादिष्यत्. क० लृ-ह्लाद्यते. णि० लृ-ह्ला-
दयति-ते. स० लृ-जिह्लादिषते. य० लृ-जाह्लाद्यते, जाह्लादीति,
जाह्लात्ति.

इ (पुकारना) धातुके रूप.

लृ-ह्वयति-ते लृङ्-अह्वयत्-त. लिङ्-जुहाव, जुहुवे. लृङ्-अह्वत्,
अह्वत, अह्वास्त. लृङ्-ह्वाता. लृङ्-ह्वास्यति-ते. लोट्-ह्वयतु-ताम्. वि०
लिङ्-ह्वयेत्-त. आ० लिङ्-ह्वयात्, ह्वासीष्ट. लृङ्-अह्वास्यत्-त. क०
लृ-ह्वयते. क० लृङ्-अह्वायि, अह्वायिष्ट, अह्वत, अह्वास्त. क० लृ-
ह्वास्यते, ह्वायिष्यते. क० लृङ्-अह्वास्यत, अह्वायिष्यत्. णि० लृ-ह्वाय-
यति णि० लृङ्-अजुहवत्. स० लृ-जुह्वयति-ते. य० लृ-जोह्वयते,
जोह्वीति, जोहाति.

द्वितीयगणस्थ उपयुक्त धातुओंके रूप.

आस् (बैठना) धातुके रूप.

लृ-आस्ते, आस्ते. लृङ्-आस्त. लिङ्-आसाश्चक्रे. लृङ्-आसिष्ट.
लृङ्-आसिता. लृङ्-आसिष्यते. लोट्-आ-
आ० लिङ्-आसिषीष्ट. लृङ्-आसिष्यत्. णि० लृ-आसयति. स० लृ-आसिसिषते.

इ (जाना) धातुके रूप.

लृट्-एति. लृङ्-एत्. लिट्-इयाय. लुङ्-अगात् लृट्-एता. लृट्-एष्यति. लोट्-एतु वि० लिङ्-इयात् आ० लिङ्-ईयात्. लृङ्-ऐष्यत्. क० लृट्-इयते. क० लुङ्-अगायि. णि० लृट्-गमयति. स० लृट्-जिगमिपति.

ईङ् (प्रशंसा करना) धातुके रूप.

लृट्-ईहे. लृङ्-ऐह. लिट्-ईडाश्चक्रे. लुङ्-ऐडिष्ट. लृट्-ईडिता. लृट्-ईडिष्यते. लोट्-ईडाम् वि० लिङ्-ईडीत्. आ० लिङ्-ईडिपीष्ट लृङ्-ऐडिष्यत्. क० लृट्-ईडयते. णि० लृट्-ईडयति. स० लृट्-ईडिडिपते.

जागृ (जागना) धातुके रूप.

लृट्-जागर्त्ति. लृङ्-अजागः. लिट्-जागराश्चकार, जजागार. लुङ्-अजागरीत् लृट्-जागरिता. लृट्-जागरिष्यति. लोट्-जागर्त्तु. वि० लिङ्-जागृयात्. आ० लिङ्-जागर्ष्यात्. क० लृट्-जागर्ष्यते. णि० लृट्-जागरयति स० लृट्-जिजागरिपति.

दा (कतरना) धातुके रूप.

लृट्-दाति. लृङ्-अदात्. लिट्-ददौ. लुङ्-अदासीत्. लृट्-दाता. लृट्-दास्यति. लोट्-दातु. वि० लिङ्-दायात्. आ० लिङ्-दायात्. लृङ्-अदास्यत्. क० लृट्-दायते. णि० लृट्-दापयति. स० लृट्-दिदासति य० लृट्-दादायते, दादाति, दादेति.

यु (मिलना) धातुके रूप.

लृट्-यीति. लृङ्-अयीत्. लिट्-युयाय. लुङ्-अयायात्. लृट्-यविता. लृट्-यविष्यति. लोट्-यीतु. वि० लिङ्-युयात्. आ० लिङ्-यूयात्. लृङ्-अयविष्यत्. क० लृट्-यूयते. णि० लृट्-याययति स० लृट्-युयूपाते, युयीषाति य० लृट्-योयूयते, योययीति, योयीति.

बन्ध (बोलना) धातुके रूप.

लृट्-वक्ति लृङ्-अवर्त्, अवग्. लिट्-उवाच, उचे लुङ्-अवोचत्, अवोचत लृट्-वक्ता. लृट्-वक्ष्याति-ते. लोट्-वक्तु. वि० लिङ्-वक्ष्यात्. आ० लिङ्-उव्यात्, वक्षीष्ट. लृङ्-अवक्ष्यत्-त्. क० लृट्-उच्यते. णि० लृट्-वाचयति. स० लृट्-विश्रुति-ते. य० लृट्-वाच्यते, वाचक्ति.

शी (सोना) धातुके रूप.

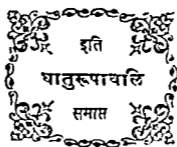
लृट्-शेते. लृङ्-अशेत. लिट्-शिश्ये. लुङ्-अशयिष्ट. लृट्-शयिता.
लृट्-शयिष्यते. लोट्-शेताम्. वि० लिङ्-शयीत. आ० लिङ्-शयिषीष्ट.
क० लृट्-शय्यते. णि० लृट्-शाययति. स० लृट्-शिशयिषते. य० लृट्-
शाशय्यते, शेशयीति, शेशेति.

श्वस (श्वास लेना) धातुके रूप.

लृट्-श्वसिति लृङ्-अश्वसीत्, अश्वसत्. लिट्-शश्वास. लुङ्-अश्वसीत्.
लृट्-श्वसिता. लृट्-श्वसिष्यति लोट्-श्वसितु वि० लिङ्-श्वस्यात्. आ०
लिङ्-श्वस्यात्. लृङ्-अश्वसिष्यत्. क० लृट्-श्वस्यते

सू (प्रसूत होना) धातुके रूप.

लृट्-सूते लृङ्-असूत्. लिट्-सुषुवे. लुङ्-असाविष्ट, असोष्ट. लृट्-सोता,
साविता. लृट्-सोप्यते, साविष्यते लोट्-सूताम्. वि० लिङ्-सुषीत्. आ०
लिङ्-सोषीष्ट, साविषीष्ट. लृङ्-असोप्यत्, असाविष्यत् क० लृट्-सूयते.
क० लृङ्-असावि. णि० लृट्-सावयति णि० लृङ्-असीष्वत् स० लृट्-
सुसूयते. य० लृट्-सोपूयते, सोपवीति, सोपोति



पुस्तक मिलनेका ठिकाना—

गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास,

“ लक्ष्मीविकटेश्वर ” छापाखाना,

कल्याण-मुंबई.